विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

58वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2019-20

संस्थापक प्रणेता

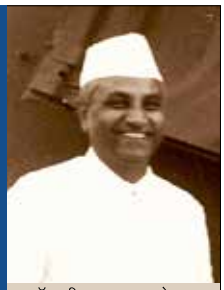
डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

श्री ए. एम. नायक

श्री पंकज पटेल

वर्तमान अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला

वर्तमान निदेशक

एर्रोल डिसूज़ा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

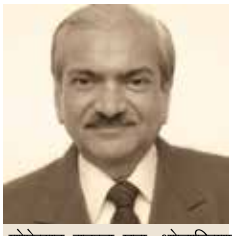
प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

प्रोफेसर आशीष नन्दा

58वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

2019-20

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT AHMEDABAD

अनुक्रमणिका

1. वर्ष का सिंहावलोकन 5

2. कार्यक्रम 8

2.1 स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) 9

2.2 खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) 13

2.3 कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 15

2.4 प्रबंधन में ई-स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी) 18

2.5 उन्नत व्यापार विश्लेषण में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए) 19

2.6 प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम 20

2.7 स्थानन 21

2.8 दीक्षांत समारोह 25

2.9 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम 26

2.10 प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम 26

2.11 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम 28

3. अनुसंधान एवं प्रकाशन 29

3.1 विकल्प : निर्णय निर्माताओं का जर्नल 31

4. केस केंद्र 32

5. विक्रम साराभाई पुस्तकालय 33
6. अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 37
6.1 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) 37
6.2 लैंगिक मुद्दों के प्रबंधन के लिए समिति (सीएमजीआई) 40
6.3 लैंगिक केंद्र 41
6.4 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) 41
6.5 कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) 42
6.6 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) 43
6.7 सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) 45
6.8 रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र (आरजेएमसीईआई) 46
6.9 जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल (जेएसडब्ल्यू एसपीपी) 47
7. अनुशासनिक विषय-क्षेत्र 50
7.1 व्यपार व्यवसायि नीति 50
7.2 संचार 51
7.3 अर्थशास्त्र 52
7.4 वित्त एवं लेखा 53
7.5 मानव संसाधन प्रबंधन 54
7.6 सूचना प्रणालियाँ 55
7.7 विपणन 56
7.8 संगठनात्मक व्यवहार 57
7.9 उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 58
8. मान्यता और रैंकिंग 61
9. पूर्वछात्र गतिविधियाँ 65
10. अभिलेखागार 70
11. संचार गतिविधियाँ 71
12. कंप्यूटर केंद्र 72
13. सहायता अनुदान 74
14. बुनियादी ढाँचे का विकास 75
15. राजभाषा कार्यान्वयन 76
16. कार्मिक 77
17. खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा) 79
18. छात्र गतिविधियाँ 80
19. निरंतरता और हरियाली के लिए पहलें 89
20. कल्याण गतिविधियाँ 91
21. परिशिष्ट 95

दृष्टि एवं सामरिक प्राथमिकताएँ

आईआईएमए का लक्ष्य समाज में प्रगतिशील तथा स्थायी प्रभाव का निर्माण करते हुए एक प्रमुख वैश्विक प्रबंधन स्कूल के रूप में प्रबंध शिक्षा एवं शिक्षण के क्षेत्र में अपनी पहचान को जारी रखना है। संस्थान निम्नलिखित पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है:

उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, विशिष्ट एवं प्रभावशाली शिक्षण तथा विभिन्न विषयों के लिए ज्ञान-निर्माण में सार्थक योगदान को प्रोत्साहित करके छात्रवृत्ति में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

संस्थानों एवं उद्यमी संगठनों के अग्रणियों को शिक्षित तथा पोषित करना एवं उच्च-गुणवत्ता की प्रतिभा और मूल्य निर्माण में उनके प्रयासों का समर्थन करना।

सरकार, व्यवसायिकों एवं गैर-सरकारी उद्यमों सहित स्पेक्ट्रम में पूर्व छात्रों तथा प्रमुख हितधारकों, निर्णय निर्माताओं और अग्रणियों के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से नीति एवं शिक्षण की दुनिया को प्रभावित करना।

आईआईएमए एक उच्च प्रदर्शन वाले काम के माहौल पर जोर देकर अपनी दृष्टि का समर्थन करता है, जो अपने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वायत्तता, रचनात्मकता और सहयोग की संस्कृति द्वारा समर्थित है। जैसा कि संस्थान अपने उद्देश्यों में संलग्न है, यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियाँ विभिन्न क्षेत्रों को संबोधित करती रहें जो समाज के विभिन्न वर्गों के लिए चिंता का विषय हैं।

1

वर्ष का सिंहावलोकन

एरॉल डिसूज़ा
निदेशक, आईआईएमए

वर्ष 2019-20 में संस्थान ने संकाय निकाय के लिए दस नए परिवर्धन किए, जिनमें वर्ष के दौरान शिक्षण, केस लेखन, परामर्श और नीति सलाहकारी में अपनी भागीदारी के अलावा विश्व के विभिन्न हिस्सों में 107 सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत करना शामिल हैं। संकाय द्वारा कई नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए - ब्लैक स्वान और ग्रे राइनो : वित्तीय संकट के तहत प्रबंध; उत्कृष्ट ग्राहक अंतर्दृष्टि और अर्थपूर्ण बनाने के माध्यम से बेहतर व्यावसायिक निर्णय लेना; विपणन विलास; गैर-सूचीबद्ध इक्विटी और धैर्य की पूंजी; सार्वजनिक नीति के दार्शनिक आधार: नैतिकता, मूल्य एवं नीति शास्त्र; अचल संपत्ति प्रबंधन; वैश्विक वित्त और व्यापार; बायोफार्मास्यूटिकल उद्योग का अर्थशास्त्र और प्रबंधन; डिजिटल विपणन; भारतीय कृषि व्यवसाय के लिए खाद्य प्रणाली दृष्टिकोण; प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उन्नत गणितीय मॉडलिंग; मोल-भाव की रणनीतियाँ; रणनीतिक ब्रांड प्रबंधन; वह खेल जो लोग खेलते हैं : एचआरएम का मनोविज्ञान; उच्च प्रदर्शनयुक्त संगठन बनाना; स्वास्थ्य तकनीक उत्पाद और वितरण प्रणाली; और नवप्रवर्तन, जीवंत!

हमने वर्ष भर में 39 नए केस पंजीकृत किए हैं। उनकी विषय वस्तु में एक विस्तृत क्षेत्र शामिल है जैसा कि केसों के शीर्षकों से पता चलता है - कर्नाटक राज्य पुलिस का पुलिस आईटी इकोसिस्टम; महिंद्रा ट्रक्स एंड बस डिवीजन : बिल्डिंग ए मार्केटिंग प्लान; पेटीएम : लकी लिफ़ाफ़ा अभियान; एयरएशिया मलेशिया 2001; आरटीई जनादेश का ऑनलाइन कार्यान्वयन; उद्यमिता और उदारवादी कला : अशोक विश्वविद्यालय का निर्माण; नीओन्स फैशन एलएलपी : अमेज़न मार्केटप्लेस पर एक छोटा विक्रेता; आदित्य कुमार : कार्यालय राजनीति और ऊर्ध्वगामी प्रबंधन; संगठनात्मक उत्कृष्टता; ध्रुव सलाहकार : विकास के उत्तरी सितारे के रूप में संस्कृति; भारत में कॉर्पोरेट आपराधिक दायित्व; एक्सल मोटर्स; जलाराम राइस मिल्स प्राइवेट लिमिटेड : विशाल एच. मिस्त्री की दुविधा; तेजोस : क्रिप्टो मुद्रा दुनिया में शासन; रोहन@ब्लूओशन टेक; दी इंडियन एक्सप्रेस : डिजिटल बिजनेस के माध्यम से पुनर्खोज; अच्छा भोजन बिना विज्ञापन के मिलता है : माइम रेस्तरां; ब्रुकलिन सेंट्रल; एस्टर रिटेल यूएई : कर्मचारियों, ग्राहकों और व्यावसायिक परिणामों को जोड़ना; वुडवर्क लिमिटेड में एचआईवी का एक केस; इंडिग्रिड : भारत का पहला पॉवर ट्रांसमिशन इनविट बनाना; और टोरेंट ग्रुप में सी.एस.आर.।

अनुसंधान पाइपलाइन शीर्ष प्रबंधन पत्रिकाओं में प्रकाशनों के साथ उत्पादक रही है। हमारे कुछ शोध प्रबंधन अकादमी (प्रोफ़ेसर विशाल गुप्ता "जियोग्राफिकल डिसिमिलैरिटी एंड टीम मेंबर इन्फ्लुएंस : डु इमोशन्स एक्सपीरियंस्ड इन दी इनिशियल टीम मीटिंग मैटर?"), जर्नल ऑफ़ द एकेडमी ऑफ़ मैनेजमेंट साइंस ("रिवर्स इनोवेशन : एक वैचारिक ढांचा" विषय पर प्रोफ़ेसर आनंद जायसवाल) और ऑपरेशंस मैनेजमेंट जर्नल में ("यह बहुत जटिल है क्या? आपूर्ति नेटवर्क जटिलता और फोकल फर्म इनोवेशन का जिज्ञासु केस" पर प्रोफ़ेसर सौरव बोराह का शोध लेख) जैसी पत्रिकाओं में छपे हैं। विषयों की श्रेणी में कुछ अन्य प्रकाशन जो शीर्ष पत्रिकाओं में छपे थे - "क्या ट्वीट मूल्य बढ़ाते हैं? विनिर्माण कंपनियों के लिए ट्विटर के उपयोग और ट्वीट्स की सामग्री का एक बहु-अवधि का विश्लेषण "(प्रोफ़ेसर अद्रीजा मजूमदार), "डिजाइन, मॉडलिंग, और ऊर्ध्वाधर रोबोट भंडारण पुनर्प्राप्ति सिस्टम का विश्लेषण" (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय), "महिला नेताओं और उनकी प्रतिक्रिया सामाजिक माहौल के लिए" (प्रोफ़ेसर तरुण जैन), "कंपनियों के बोली व्यवहार पर विनियामक ढांचे का प्रभाव : तेल और गैस क्षेत्र के लिए नीतिगत प्रभाव" (प्रोफ़ेसर मुकेश सूद और प्रोफ़ेसर सुनील शर्मा), "एक विवशतापूर्ण क्लस्टरिंग दृष्टिकोण क्रेडिट नेटवर्क्स के लिए एप्लिकेशन के साथ यूनीपार्टी और द्विपदी नेटवर्क के लिए दृष्टिकोण" (प्रोफ़ेसर सम्राट गुप्ता), "ब्रेकिंग 'खराब' लिंक : भारतीय कॉर्पोरेट नेटवर्क पर कंपनी अधिनियम 2013 का प्रभाव" (प्रोफ़ेसर अनिंद्य चक्रवर्ती और प्रोफ़ेसर पृथा देव), "क्यों प्रौद्योगिकी एकीकरण विफल रहता है? एक भारतीय पहल में शिक्षक विश्वास और सामग्री डेवलपर की धारणाएँ" (प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद), "स्वास्थ्य सेवा सूचना प्रौद्योगिकी प्रतिरोध में संदर्भ : भविष्य के अनुसंधान के लिए मौजूदा साहित्य और एजेंडा की एक व्यवस्थित समीक्षा" (प्रोफ़ेसर राजेश चंदवानी), "ऑप्टिमल कम्युनिकेशन स्पैनिंग ट्री प्रॉब्लम के लिए नई मान्य असमानताएँ" (प्रोफ़ेसर प्रहलाद वेंकटेशन), "भारत में चिकित्सा

यात्रा का भूगोलशास्त्र : राज्यों में अंतर और शहरी-ग्रामीण विभाजन" (प्रोफ़ेसर संदीप चक्रवर्ती और प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या), "एक नए उत्पाद के लिए रिवर्स एंडोमेंट इफेक्ट" (प्रोफ़ेसर जीवंत रामपाल), "मल्टीपल मैपिंग के पुनरावृत्ति सन्निकटन पर आधारित बाइलवेल अनुकूलन" (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा), "वित्तीय समर्थन बनाम पवन उत्पादन का साझा हिस्सा : क्या कोई विभक्ति बिंदु है?" (प्रोफ़ेसर अभिमान दास और अमित गर्ग), "भारत में जलवायु संकट के दौरान जल आवंटन के आसपास की होड : 'आईपीएल बनाम सूखा' का केस" (प्रोफ़ेसर नवदीप माथुर), "डाउनस्ट्रीम विद्युत उपयोगिता पुनर्गठन और अपस्ट्रीम जनरेशन की दक्षता : भारतीय कोयला और गैस आधारित बिजली जनरेटर की उत्पादकता गतिशीलता" (प्रोफ़ेसर अनीश सुगथन), और "कम कार्बन रास्ते के साथ भारत में सतत विकास को प्राप्त करना : मैक्रोइकॉनॉमिक आकलन" (प्रोफ़ेसर अमित गर्ग)।

कार्यकारी शिक्षा में हमने एचयूएल, कोर्न फेरी, एबॉट हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, इंडिजीन प्राइवेट लिमिटेड, अर्बन क्लैप, नेशनल स्टैटिस्टिकल सिस्टम ट्रेनिंग एकेडमी, फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड, टाटा पावर, टाटा एआईजी, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, आदित्य बिड़ला इंश्योरेंस लिमिटेड और ड्यूश बैंक जैसे संगठनों के लिए कई नए अनुकूलित कार्यक्रम किए हैं। नए मुक्त नामांकन कार्यक्रम ग्लोबल प्रोक्योरमेंट और एक्सपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट्स प्रबंध, इंटरनेशनल मार्केट्स में बिजनेस मैनेजिंग, एडवांस्ड कस्टमर विश्लेषिकी और मैनेजमेंट एंड फाइनेंस फॉर एक्सपीरिएंस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स में शुरू किए गए थे। 592 प्रतिभागियों के प्रबंधन में पांच मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष भर में हमने 180 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम दिए, जिनमें कई देशों के प्रतिभागियों को भी देखा गया।

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में हम देश के शीर्षस्थ संस्थानों में से हैं। फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग में हम दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (पीजीपी) के लिए वैश्विक स्तर पर 21वें स्थान पर थे, एज्युनिवर्सल श्रेष्ठ मास्टर्स रैंकिंग द्वारा खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को दुनिया भर में प्रथम स्थान पर रखा गया था। हमारे एक वर्ष के पूर्णकालिक एमबीए (कार्यकारी अधिकारियों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम, पीजीपीएक्स) ने वैश्विक एमबीए के लिए एफ़टी रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर 61वें स्थान तक एक घटक में नीचे आ जाने के कारण एफटी रैंकिंग में गिरावट देखी है जिसमें कार्यक्रम के पूरा होने के बाद वेतन में वृद्धि को ट्रैक किया जाता है। हालांकि, इस एफटी रैंकिंग के अन्य मुख्य घटकों में, जो कार्यक्रम के पूरा होने के बाद वेतन के स्तर को ट्रैक करता है, हम विश्व स्तर पर 8वें स्थान पर और अन्य सभी भारतीय संस्थानों से ऊपर हैं। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में हम दूसरे स्थान पर हैं। हम दी इकोनॉमिस्ट द्वारा शीर्ष 100 में स्थान पाने वाले एकमात्र भारतीय संस्थान बने हुए हैं।

डॉक्टरेट कार्यक्रम को सुव्यवस्थित किया गया था और कार्यक्रम की गहनता को बढ़ाने के लिए प्रचार मानदंडों को और अधिक कठोर बना दिया गया था। इस कार्यक्रम में जापान, जर्मनी, फ्रांस और स्विटजरलैंड के संकायों के साथ काम करने वाले छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ रहा है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के माइकल जी. फोस्टर स्कूल ऑफ बिजनेस और यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन रॉस स्कूल ऑफ बिजनेस जैसे अमेरिका के बिजनेस स्कूलों के विजिटिंग चेयर प्रोफेसरों द्वारा डॉक्टरल कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इस वर्ष इस कार्यक्रम से 15 छात्र स्नातक हुए।

संस्थान में कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और सेमिनारों का आयोजन किया गया। भारतीय ऑपरेशनल रिसर्च सोसायटी का 52वाँ वार्षिक सम्मेलन और अर्थशास्त्र एवं वित्त में नेटवर्क विज्ञान पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और साथ ही भारतीय व्यापार तथा आर्थिक इतिहास पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन परिसर में आयोजित किए गए। "स्कूल की गुणवत्ता के आर्थिक मूल्य" पर स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एरिक ए. हनुशेख द्वारा आईआईएमए-एसआरके वार्षिक व्याख्यान दिया गया था। आईआईएमए में जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल ने महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के अवसर पर "न्यासधारिता (ट्रस्टीशिप) तथा पूंजीवाद का भविष्य" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया था, जिसका उद्घाटन नोबल पुरस्कार विजेता प्रोफ़ेसर माइकल स्पेंस ने किया था।

परिसर के कई उल्लेखनीय आगंतुकों में भारत के दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी थे जिन्होंने जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल के हिस्से के रूप में व्याख्यान दिया, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री नंद कुमार साई, बैंक ऑफ अमेरिका के मुख्य परिचालन और प्रौद्योगिकी अधिकारी सुश्री कैथी बेसेन्ट, जिन्होंने व्याख्यान दिया

अर्थशास्त्र एवं वित्त में नेटवर्क विज्ञान पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2019

प्रोफ़ेसर द्विजेन्द्र त्रिपाठी की स्मृति में भारतीय व्यापार एवं आर्थिक इतिहास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

स्कूल गुणवत्ता के आर्थिक मूल्य पर स्टेनफ़ॉर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर एरिक ए. हनुशेक द्वारा आईआईएमए-एसआरके वार्षिक व्याख्यान

और समुदाय के साथ बातचीत की, और एलएसई के प्रोफ़ेसर मैत्रेयेश घटक, जिन्होंने जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल के तत्वावधान में एक मुक्त व्याख्यान दिया। कैंपस में शोपियां और पुलवामा के कश्मीरी स्कूली बच्चों सहित विविध आगंतुकों को देखा गया और समुदाय को ड्रेज़िया के विशेष रूप से अभिनीत कलाकारों के एक समूह ने मंत्रमुग्ध करने वाली कला प्रस्तुत की, जिन्होंने अपने व्हीलचेयर पर मार्शल आर्ट, योग और नृत्य का प्रदर्शन किया।

संस्थान ने छह महाद्वीपों के 80 बिजनेस स्कूलों के साथ एक छात्र विनिमय कार्यक्रम किया और आईआईएमए के 122 छात्रों ने विदेश में एक सत्र बिताया। छात्रों ने एशिया में प्रबंधन के छात्रों के लिए सबसे बड़ी संगोष्ठी रेड *ब्रिक्स शिखर सम्मेलन* का आयोजन 19 व्यापारिक समारोहों, 15 वक्ता सत्रों और कई कार्यशालाओं और पैनल चर्चाओं के साथ किया। टीआरबीएस में रणनीति, विपणन और उद्यमिता पर पैनल चर्चा का ब्रांड कोन्नेक्शन्स रहा है, जिसे एक वर्ष के एमबीए कार्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा प्रबंधित किया जाता है और उन्होंने जिन चार पैनलों को एक साथ रखा है, वे व्यवसाय के भविष्य पर चर्चा करते हैं। एक वर्ष के पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम के छात्रों ने पेकिंग विश्वविद्यालय के गुआंगहुआ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में "चीन में व्यापार करना" विषय पर एक गहन मॉड्यूल करने में कुछ सप्ताह बिताए। चार छात्रों की एक टीम ने अमेज़ॅन ऐस चैलेंज जीता जिसमें 2,500 टीमों ने भाग लिया था।

संस्थान ने अपने लंबी अवधि के कार्यक्रमों, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों, परामर्श और अनुसंधान परियोजनाओं से 75.1 करोड़ रुपए का अधिशेष अर्जित किया। इसमें से अधिकांश पूंजी कैंपस में 50 वर्ष से अधिक पुरानी ईंट के भवनों को बहाल करने की दिशा में खर्च की जा रही है, जिसे बहाली की सख्त जरूरत है और साथ ही कार्यक्रम की गतिविधियों के विस्तार और ईडब्ल्यूएस आरक्षण के जनादेश को पूरा करने के लिए नए बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जा रहा है। संस्थान को विक्रम साराभाई लाइब्रेरी की बहाली के लिए सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया-पैसिफिक अवार्ड्स द्वारा विशिष्टता का पुरस्कार दिया गया। अगले कुछ वर्षों में संस्थान को संपन्न बने रहने और इसके विकास को निधि देने के लिए अधिक से अधिक अधिशेष की आवश्यकता है।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान सबसे अधिक पारिश्रमिक पाने वाले संस्थान के पाँच कर्मचारी : प्रोफ़ेसर सुनील कुमार माहेश्वरी, प्रोफ़ेसर संजय वर्मा, प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय, प्रोफ़ेसर सुनील शर्मा और प्रोफ़ेसर अमित कर्णा रहे। संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में इनके योगदान को वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

संस्थान शिक्षण और अनुसंधान, उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षा और पोषण के माध्यम से छात्रवृत्ति में उत्कृष्टता, और नीति तथा व्यवहारिक दुनिया को प्रभावित करने पर ध्यान केंद्रित करता है, साथ ही समाज पर एक प्रगतिशील और स्थायी प्रभाव डालने पर भी ध्यान देता है। उन छात्रों और कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लेने वालों के लिए, जो हमारे प्रयासों में संलग्न हैं, संस्थान उनके लिए आलोचनात्मक सोच को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करने का प्रयास करेगा; उनकी मान्यताओं, पूर्वाग्रहों और विशेषाधिकारों के बारे में जागरूकता; दूसरों के विश्वासों और विचारों के लिए सम्मान; रचनात्मकता; और चरित्र को विकसित करेगा। निकट भविष्य में संस्थान का लंबे समय तक क्षमताओं के परिणाम देने का लक्ष्य है।

2

कार्यक्रम

संस्थान चार दीर्घावधि के डिग्री देने वाले कार्य्रम [पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स, ई-पीजीपी], एक दीर्घावधि वाला डिप्लोमा कार्यक्रम [ईपीजीडी-एबीए] और एक डॉक्टरेट (पीएच.डी.) कार्यक्रम प्रस्तुत करता है।

प्रोफ़ेसर शैलेष गाँधी

प्रोफ़ेसर विनीत विरमानी

प्रोफ़ेसर सतीश देवधर

प्रोफ़ेसर विशाल गुप्ता

प्रोफ़ेसर विश्वनाथ पिंगाली

प्रोफ़ेसर नमन देसाई

पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम 2019-21 बैच

2.1 स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का 56वाँ बैच 389 छात्रों के साथ 13 जून, 2019 को शुरू हुआ।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 398 छात्रों के साथ 6 जून, 2019 को शुरू हुआ। दूसरे वर्ष के अंत में, (डबल डिग्री कार्यक्रम के प्रतिभागियों सहित) 415 छात्र स्नातक हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट क1 में** दिए गए हैं।

श्रेणी के अनुसार छात्रों के विवरण इस प्रकार हैं :

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	कुल
प्रथम वर्ष	185	99	57	31	15	387*
द्वितीय वर्ष	188	103	56	34	17	398

* दो छात्रों को छुट्टी दी गई और पिछले बैच के छात्रों में से एक छात्र को नए सिरे से पंजीकृत किया गया।

पूर्व-तैयारी (प्रीपरेटरी) कार्यक्रम

पूर्व-तैयारी कार्यक्रम उन 139 छात्रों के लिए था, जो कार्यक्रम में प्रवेश लेने जा रहे थे लेकिन उन्हें संचार एवं गणितीय कौशलों को मजबूत करने की आवश्यकता थी। नियमित सत्र के शुरू होने से पहले, इसका आयोजन ऑनलाइन किया गया था।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए एक अभिविन्यास/प्रेरण कार्यक्रम 16 से 19 जून, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। इसमें निदेशक, डीन (कार्यक्रम) और पीजीपी अध्यक्ष के द्वारा संबोधन के उपरांत, पीजीपी कार्यकारी समिति और संस्थान के प्रशासन, कंप्यूटर सेवाओं तथा पुस्तकालय की सुविधाओं के साथ ही उनके उपयोग से संबंधित जानकारियों पर संवाद किया गया था। केस तैयारी तथा केस पद्धति पर एक विस्तृत सत्र का भी आयोजन नए छात्रों के लिए किया गया था जिससे छात्र केसों से परिचित हो सकें जो उनके लिए एक प्रमुख शैक्षणिक साधन है। दूसरे शिक्षा सत्र की शुरूआत में एक अनुवर्ती सत्र का आयोजन किया गया था।

ट्यूटोरियल

प्रथम वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी जिससे छात्रों को इस कार्यक्रम की आवश्यकताओं में मदद मिल सके।

पाठ्यक्रम

पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा नवीनतम अनुसंधान के साथ तालमेल रखने के लिए समय-समय पर पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाता है।

इस वर्ष, प्रथम वर्ष के छात्रों ने तीन सत्रों में विस्तारित 35 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23.80 क्रेडिट) लिए। दूसरे वर्ष में, छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 19 क्रेडिट और अधिकतम 22 क्रेडिट पूरे करने थे।

दूसरे वर्ष के दौरान, 141 पाठ्यक्रमों को वैकल्पिक के रूप में पेश किया गया था, जिनमें से 17 पाठ्यक्रमों को पहली बार पेश किया गया था। उन्नीस पाठ्यक्रमों को दो अनुभागों में पेश किया गया था, और पाँच पाठ्यक्रमों को तीन अनुभागों में प्रस्तुत किया गया था। एक सौ पचानवे परियोजना पाठ्यक्रम भी पेश किए गए। इस वर्ष के दौरान अनुसूचन के लिए 164 पाठ्यक्रम-कक्षाओं के स्थानों के प्रबंधन की जरूरत पडी थी।

नए पाठ्यक्रम

दूसरे वर्ष में निम्नलिखित नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए थे :

1. प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उन्नत गणितीय मॉडलिंग
2. भविष्य के गर्भ में क्या है, राम जाने: वित्तीय संकट के तहत प्रबंधन
3. डिजिटल मार्केटिंग
4. डिजिटल रणनीति और डिजिटल परिवर्तन
5. उत्कृष्ट ग्राहक अंतर्दृष्टि और संवेदीकरण के माध्यम से बेहतर व्यावसायिक निर्णय
6. बायोफार्मासिटिकल उद्योग का अर्थशास्त्र और प्रबंधन
7. व्यवसाय कानून के सीमा क्षेत्र
8. वैश्विक वित्त और व्यापार
9. वित्तीय क्षेत्र में शासन और विनियमन

10. खुदरा व्यापार का प्रबंधन
11. विपणन विलास
12. मोल-भाव की रणनीतियाँ-ए
13. रियल एस्टेट प्रबंधन
14. टेलीकॉम और भावि पीढ़ी के व्यवसाय की पुनर्कल्पना
15. रणनीतिक ब्रांड प्रबंधन (टर्म ब्रेक: 2-6 सितंबर, 2019)
16. सार्वजनिक नीति के दार्शनिक आधार: आचार-विचार, मूल्य और नीतिशास्त्र
17. असूचीबद्ध इक्विटी और धैर्य पूंजी

दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम और एक-सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान विकसित करने के लिए, संस्थान निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम चलाने में सहयोग के लिए सहमत हुआ है :

- ईएससीपी-यूरोप बिजनेस स्कूल, फ्रांस
- ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस
- यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओस्ट्रिच-विंकल, जर्मनी
- एचईसी मैनेजमेंट स्कूल, पेरिस
- बोकोनी विश्वविद्यालय, इटली
- कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी

वर्ष 2019-20 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान संस्थान से कुल नौ द्वितीय वर्ष के छात्रों ने बोकोनी विश्वविद्यालय, और एचईसी प्रबंध स्कूल के दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी समय, बोकोनी विश्वविद्यालय के सात छात्रों ने 2019-20 के पीजीपी के दूसरे वर्ष में दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम में हमारे संस्थान में भाग लिया।

एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी के अंतर्राष्ट्रीयकरण को आगे बढ़ाने के लिए और छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से संस्थान ने कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम के लिए भागीदारी की है। वर्ष के दौरान, 122 एक-सत्रीय विनिमय छात्रों ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया, और दोहरी डिग्री वाले 9 आईआईएमए छात्रों ने विदेशों में पाठ्यक्रम पूरे किए, जबकि विभिन्न विदेशी संस्थानों / विश्वविद्यालयों से एक सत्रीय अध्ययन के लिए 70 छात्र और दोहरी डिग्री वाले 7 छात्र आईआईएमए में आए।

इनके विवरण **परिशिष्ट क2** और **क3** में दिए गए हैं।

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एक बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। संस्थान व्यक्तिगत और संस्थानगत स्थापित कई पुरस्कारों के अलावा, जरूरत के आधार पर भी छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।

उद्योग छात्रवृत्तियाँ

इस वर्ष के दौरान चालीस छात्रों को उद्योग योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

आदित्य बिड़ला समूह ने निम्नलिखित छात्रों को वर्ष 2019-20 के लिए प्रत्येक को 1,75,000/- रुपए की छात्रवृत्ति राशि के लिए चुना :

- अरुणाभ सक्सेना
- कन्नन अदलक्खा
- केतन मुंधड़ा
- प्रांजल प्रसून
- वामिका सिंह

विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान एसएनबीएस योजना के तहत 2,91,15,000 ₹ की छात्रवृत्तियाँ प्रदान की। ये छात्रवृत्तियाँ 50,000/- रुपए से लेकर 2,45,000/- रुपए

तक की थी। एसएनबीएस छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण पाठ्यक्रम के अनुसार निम्न प्रकार है :

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	राशि (₹)
पीजीपी-प्रथम	75	106,25,000
पीजीपी-द्वितीय	96	131,35,000
पीजीपी-एफ़एबीएम-प्रथम	18	30,05,000
पीजीपी-एफ़एबीएम-द्वितीय	15	23,50,000
कुल	**204**	**2,91,15,000**

उपर्युक्त में से, 20,00,000 रुपए पूर्वछात्र छात्रवृत्ति के माध्यम से दिए गए और 10,000 रुपए तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन द्वारा दिए गए।

आईआईएमए निर्गमन छात्रवृत्तियाँ

2018-20 बैच के दो पीजीपी छात्र, जिन्होंने 2020 में स्नातक किया, और जिन्होंने उद्यमी बनने का विकल्प चुना, उन्हें मासिक रूप से प्रत्येक को 40,000 रुपए की वृत्ति निर्गमन छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की गई। इनकी पहचान सीआईआईई द्वारा की गई थी और इन दोनों को दो साल तक यह वृत्ति मिलना जारी रहेगा।

एक पीजीपी 2017-19 बैच के छात्र को, जिसने 2019 में स्नातक किया था, उसे निर्गमन छात्रवृत्ति योजना के तहत डॉक्टरेट की पढ़ाई करने के लिए 3 लाख रुपए प्रदान किए गए।

भारत सरकार - शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति - प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त आठ आवेदनों को नौ नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को भेजा गया। पिछले वर्ष के लिए प्राप्त छात्रवृत्तियों को संबंधित छात्रों में वितरित किया गया।

अनुसूचित जनजाति – प्रथम वर्ष के 12 छात्रों से प्राप्त आवेदनों को दो नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से जनजातीय मामलों के मंत्रालय को भेजा गया। इन छात्रों के लिए अनुदान की प्रतीक्षा है। पिछले वर्ष के लिए प्राप्त अनुदान संबंधित छात्रों को वितरित किए गए।

दिव्यांग व्यक्ति - प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त दो आवेदनों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग में भेजा गया। ये अनुदान सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजे जाते हैं।

अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय – प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त छह आवेदनों को तीन नवीकरण आवेदनों के साथ राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को भेजा गया। ये छात्रवृत्तियाँ इस मंत्रालय द्वारा सीधे ही लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती हैं।

अन्य एजेंसियों द्वारा संस्थापित छात्रवृत्तियाँ

- पीजीपी प्रथम वर्ष की छात्रा वामिका सिंह को 1,50,000 रुपए की ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- पीजीपी द्वितीय वर्ष (2018-20) के जोबलिया जिनेश राजेंद्र को 1,00,000 रुपए की टी. थॉमस छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- आईडीएफसी फ़र्स्ट बैंक (पुराना नाम - कैपिटल फ़र्स्ट लिमिटेड) छात्रवृत्तियाँ प्रत्येक को 1,00,000 रुपए के हिसाब से वर्ष 2019-21 बैच के पीजीपी-1/एफ़एबीएम-1 के निम्नलिखित आठ और वर्ष 2018-20 बैच के पीजीपी-2/एफ़एबीएम-2 के निम्नलिखित सात छात्रों को प्रदान की गई:

प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष
अग्निव मुखर्जी	सौम्या कुशवाहा
आकांशा कश्यप	अंजू साईं ईस्वारी
आरुषि अग्रवाल	मुहम्मद शाहीन ई. पी.
संजय पी. साजी	कवनीत सिंह
बद्री नारायणन एस.	दिप्ती सिंघल
कुणाल जैन	माधव भारद्वाज
अक्षय वर्मा	अविनाश
सिद्धार्थ टिकू	

- एबी इनबेव विविधता एवं समावेशन छात्रवृत्ति प्रत्येक को 1,00,000 ₹ के हिसाब से पीजीपी-2 (2018-20 बैच) की निम्नलिखित दो छात्राओं को दी गई:
  - दिव्यांशी चौधरी
  - जिशा कृष्णन

- तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन (टीआरएमएफ़) की 80,000 रुपए की छात्रवृत्ति पीजीपी द्वितीय वर्ष (2018-20 बैच) के छात्र राज कुमार केडिया को प्रदान की गई।
- कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने उदारता से जरूरतमंद छात्रों का समर्थन करने के लिए योगदान दिया है। जबकि निधि में से कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस के लिए तथा कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस पुरस्कार विजेताओं को टॉप-अप छात्रवृत्तियों के रूप में किया गया।

टॉप-अप के रूप में दी गई छात्रवृत्ति के विवरण :

प्रायोजक	राशि (₹)	प्राप्तकर्त्ता	कक्षा / बैच
पीजीपी 2001 - पेरी विश्वनाथ छात्रवृत्ति (एमसीएम)	5,00,000 5,00,000	सुश्री तान्या सिंह श्री नीतीश कुमार	पीजीपी-द्वितीय / 2018-20
पीजीपी 1983 (एमसीएम)	30,000 75,000 75,000	श्री मरम महीधर सुश्री पवित्रा देवी ए. श्री नवीन चांगोईवाला	पीजीपी-द्वितीय / 2017-19

एसएनबीएस के साथ विलय की गई छात्रवृत्तियों का विवरण:

प्रायोजक	राशि ₹	कक्षा / बैच
वारबर्ग पिंकस	16,80,000	पीजीपी-1 / पीजीपी-2 और एफ़एबीएम-1 / एफ़एबीएम-2
श्री प्रशांत कोशी जॉन, पीजीपीएक्स के पूर्वछात्र	3,20,000	पीजीपी-1
तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन	10,000	पीजीपी-1

इन सभी छात्रवृत्तियों के प्राप्तकर्ताओं के नाम **परिशिष्ट क4** में दिए गए हैं।

पुरस्कार

श्री एस. के. सेठ स्मृति पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती शांति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस. के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आदित्य अग्रवाल को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित है, और यह संस्थान के साथ सहयोग की उनकी स्मृति में पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आदित्य अग्रवाल को दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ पीजीपी ऑलराउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति को सम्मानित करने के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार तरुण कुमार अग्रवाल को दिया गया।

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आदित्य अग्रवाल को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती जे. नगम्मा की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम में सर्वोच्च सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आदित्य अग्रवाल को दिया गया।

महिला ऑल राउंडर पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के पूर्वछात्र श्री अरुण दुग्गल की पत्नी सुश्री रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार कृणाली शाह को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्रेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार कृणाली शाह को दिया गया।

अन्य पुरस्कार

प्रोफ़ेसर ए. के. जैन विपणन स्वर्ण पदक - वर्ष 2018 में पूर्वछात्र दानदाताओं के एक समूह द्वारा आईआईएमए में प्रोफ़ेसर अभिनंदन जैन की विशिष्ट सेवाओं के अमूल्य योगदान को पहचान दिलाने के लिए विपणन पाठ्यक्रमों में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले पीजीपी छात्रों के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष यह पुरस्कार बथिया कृपा वृजलाल को दिया गया।

सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं सृजनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार - यह सुश्री कनक सिरपाल (1984) द्वारा श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में छात्रों में शिक्षाविदों एवं सृजनात्मकता की पहचान करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार राधिका मुंशी और आदित्य अग्रवाल को दिया गया।

आईआईएमएमैवरिक्स सहायता सीआईआईई द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, यह सहायता तरुण कुमार और तन्मय भूनिया को दी गई।

प्रवेश

पीजीपी 2019-2021 बैच में शामिल हुए छात्रों का विवरण इस प्रकार से है :

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	141	43	184
नॉन-क्रीमी ओबीसी	82	18	100
अनुसूचित जाति	41	17	58
अनुसूचित जनजाति	18	13	31
दिव्यांग	14	1	15
कुल	**296**	**92**	**388**

कंप्यूटर आधारित सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट) 2019 का आयोजन 24 नवंबर, 2019 को किया गया था। जून 2020 से शुरू होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए 1,92,114 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें विदेश / विदेशी राष्ट्रीय उम्मीदवार शामिल हैं। इस वर्ष के और पिछले वर्ष के तुलनात्मक आंकड़े **परिशिष्ट क5** में दिए गए हैं।

साक्षात्कार के चरण तक की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक विवरण **परिशिष्ट क6** में दिए गए हैं।

2.2 खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम)

खाद्य, कृषि-व्यवसाय, ग्रामीण, तथा संबद्ध क्षेत्रों में संगठनों की चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं को गतिशील व्यावसायिक प्रबंधकों, अग्रणियों, तथा उद्यमियों के रूप में तैयार करने के लिए खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को बनाया गया है। बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख माहौल में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि-खाद्य उद्योग नीतियों में परिवर्तन करने और उन परिवर्तनों का प्रबंधन करने के लिए गहराई से प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम उन परिवर्तनों के प्रमुख कार्यों को प्रबंधित करने और उन परिवर्तनों की प्रक्रिया के प्रबंधन के लिए छात्रों को तैयार करता है।

प्रवेश

संस्थान को 2019-21 बैच में प्रवेश के लिए 1,34,501 आवेदन प्राप्त हुए। एक गहन चयन प्रक्रिया के बाद, जिनमें सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 46 छात्रों को प्रवेश मिला।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख1** और **ख2** में दिए गए हैं।

पूर्वतैयारी कार्यक्रम

गणितीय और संचार कौशल, और कृषि क्षेत्र के ज्ञान को मजबूत करने के लिए, चयनित छात्रों को कैंपस में 1 से 12 जून, 2019 के दौरान पूर्वतैयारी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया था।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए बैच के लिए 16 से 19 जून, 2019 के दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत और संवाद हुए तथा संस्थान की कंप्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी तथा केस-चर्चा पर एक सत्र का आयोजन किया गया।

पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम का दूसरा वर्ष (2018-20)

45 छात्रों के साथ, 06 जून, 2019 को शुरू हुआ। प्रथम वर्ष (2018-20) के अंत में, 45 छात्रों को प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में पदोन्नत किया गया था, जबकि एक छात्र को कार्यक्रम से हटने के लिए कहा गया था।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख3** में दिए गए हैं।

पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है। छात्रों ने 32 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23.30 क्रेडिट्स) लिए जो तीन सत्रों में विस्तारित थे। द्वितीय वर्ष में, कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए सात क्षेत्र-विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और 20 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दूसरे वर्ष के छात्रों को न्यूनतम 17 क्रेडिट और अधिकतम 20 क्रेडिट के लिए पंजीकरण करना जरूरी था। उन्हें अन्य कार्यक्रमों के किसी भी सत्र में 3.5 क्रेडिट अंकों के लिए पंजीकरण करने की अनुमति दी गई।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क साधने, ग्रामीणों से बातचीत करना सीखने और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है। 22 से 31 मार्च, 2019 के दौरान इस ग्रामीण मॉड्यूल का पहला चरण आयोजित किया गया। छात्रों को सात समूहों में विभाजित किया गया। दूसरे चरण को वैकल्पिक बनाया गया था।

पुरस्कार एवं आई-छात्रवृत्तियाँ

विभिन्न पुरस्कार एवं आई-छात्रवृत्तियों के विवरण **परिशिष्ट ख4** में दिए गए हैं।

विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी-एफ़एबीएम के द्वितीय वर्ष के दो छात्रों को ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में भेजा गया और तीन छात्रों को नार्वेजियन इकोनोमिक्स स्कूल में भेजा गया।

स्थानन

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की अंतिम स्थानन प्रक्रिया एक दिन में सफलतापूर्वक पूरा हुई। वर्ष 2019 के बैच में खाद्य, कृषि व्यवसाय और संबद्ध क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों के साथ 45 छात्रों को प्रस्तुत किया गया। इस प्रक्रिया में कुल 31 कंपनियों ने भाग लिया। डेटूडे हेल्थ, फ़ीट-जी तथा आईएनआई जैसी कंपनियों ने 3-3 प्रस्ताव दिए। इस प्रक्रिया में पहली बार के नियोक्ता जैसे कि डेटूडे हेल्थ, दे-हात, ईटीजी, फ़ीट-जी, फ्रेश वीएनएफ़, कलश सीड्स, एनआईएसजी और स्ट्राइकर आदि शामिल हुए थे। एडीएम, अमूल, बनास डेयरी, क्लाउडटेल, कोरोमंडल, दूधसागर, ईवाई, लिटिल आर्टिस्ट, नैफेड, पायनियरिंग वेंचर्स, और आरबीएल बैंक जैसे नियमित नियोक्ताओं ने कई प्रस्ताव दिए।

ग्रामीणों के साथ बातचीत द्वारा ग्राम्य जीवन के बारे में सीखते हुए छात्र

2.3 कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पीजीपीएक्स 2019-20

कार्यक्रम की शुरूआत 11 अप्रैल, 2019 को 32 छात्राओं सहित 140 प्रतिभागियों के साथ हुई। प्रतिभागियों का औसत जीमैट स्कोर 702 / जीआरई स्कोर 320, औसत आयु 31 वर्ष 5 महीने, और कार्यानुभव 8 वर्ष 9 महीने थे जिनमें लगभग 13 महीने का अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव शामिल था।

पीजीपीएक्स बैच 2019-20 का प्रोफ़ाइल **परिशिष्ट ग1** में दिया गया है।

कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पीजीपीएक्स कार्यक्रम की संरचना लगभग छह खंडों : प्रेरण, घटकों का निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, ऐच्छिक, और कैपस्टोन में की गई है।

नए ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के विवरण **परिशिष्ट ग2** में दिये गए हैं।

निदेशक एर्रोल डिसूज़ा तथा कार्यक्रम डीन प्रोफ़ेसर शैलेष गाँधी द्वारा पीजीपीएक्स 2019-20 के नए बैच का शुभारंभ

प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूज़ा,
निदेशक, आईआईएमए

प्रोफ़ेसर अरिंदम बनर्जी,
अध्यक्ष, पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स 2019-20 बैच

अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम (आईआईपी)

पीजीपीएक्स छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए और मुख्य भूमि चीन में एक क्रॉस-सांस्कृतिक निमज्जन अनुभव का सार देने के लिए, संस्थान ने "चीन में व्यापार करना" पर आधारित दो सप्ताह लंबे गहन शैक्षणिक मॉड्यूल देने के लिए गुआंगहुआ मैनेजमेंट स्कूल के साथ भागीदारी की। इस मॉड्यूल को छात्रों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। आईआईपी का आयोजन 09 से 22 सितंबर, 2019 के दौरान किया गया था।

छात्रों ने समूहों में इस प्रकार यात्रा की :

- क्रैनफील्ड मैनेजमेंट स्कूल (6 छात्र)
- इकोले सुपरिअर द कॉमर्स द पेरिस (53 छात्र)
- गुआंगहुआ प्रबंधन स्कूल (42 छात्र)
- कीओ बिजनेस स्कूल (4 छात्र)
- मास्को इंटरनेशनल बिजनेस हाई स्कूल (5 छात्र)
- वारविक बिजनेस स्कूल (30 छात्र)

वारविक बिजनेस स्कूल, ईएमबीए कंसोर्टियम और ईएससीपी प्रतिभागियों की तरफ से अंतर्गामी विनिमय छात्रों के लिए "डूइंग बिजनेस इन इंडिया" मॉड्यूल का आयोजन किया गया था।

अकादमिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 140 पीजीपीएक्स छात्र सफलतापूर्वक स्नातक हुए। निम्नलिखित छात्रों को पुरस्कार एवं प्रशस्तिपत्र दिए गए :

- पीजीपीएक्स टॉपर को स्वर्ण पदक - अनंत कृष्णन
- शीर्ष सात छात्रों के लिए प्रत्येक को 30,000 रु. का नकद शैक्षिक मेरिट पुरस्कार :
- अनंत कृष्णन
- ईशांत जैन
- मिहिर शिरगाँवकर
- मुकुल राज कंसल
- पीयूष पुरवे
- चेरिशी नागपाल
- प्रतीक चोकसी
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष - श्री राम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए के आगंतुक संकाय और 1974-बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित 2,00,000 रुपए का सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्टता पुरस्कार दिब्येन्दु तपादर को दिया गया।
- शापूरजी पालोनजी उभरते सितारे शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार अनंत कृष्णन को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

पीजीपीएक्स की समीक्षा फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा की गई और इक्विस एक्रेडिटेशन द्वारा लेखापरीक्षा की गई क्योंकि इसे विस्तृत समीक्षा के लिए एक्रेडिटेशन टीम द्वारा चुना गया था। संस्थान को एक बार फिर से पाँच वर्षों के लिए मान्यता प्राप्त हुई है।

पीजीपीएक्स समीक्षा समिति

पीजीपीएक्स कार्यक्रम की समीक्षा के लिए एक समिति बनाई गई थी।

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

कोनेक्सियन 2019

पहली बार, कोनेक्सियन की टीम ने 13 बाहरी वक्ताओं को आमंत्रित किया। दो दिनों में विस्तारित इस समारोह में दो पैनल चर्चा, एक श्वेत पत्र प्रतियोगिता, एक कार्यशाला और चार अनुभवजन्य वार्ता शामिल थीं।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन : एक्सप्रेशन्स 2019

कोनेक्सियन 2019 ने न केवल भागीदारी, सीखने और घटनाओं की गुणवत्ता के केस में, बल्कि बड़ी टीआरबीएस (द रेड ब्रिक समिट) आयोजन समिति के साथ सहयोग के संदर्भ में भी नए मानदंड स्थापित किए हैं।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन : एक्सप्रेशन 2019

28 सितंबर को, एक्स1 से एक्स13 बैचों के पूर्वछात्रों ने परिसर का दौरा किया, यादों को फिर से जीवित किया, और वर्तमान पीजीपीएक्स बैच, तथा संकाय सदस्य एक-दूसरे के साथ फिर से जुड़े। प्रोफेसर राकेश बसंत (डीन, पूर्वछात्र और बाहरी संबंध) ने सभी पूर्वछात्रों का स्वागत करते हुए एक्सप्रेशन 2019 की शुरूआत की। इसके बाद प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगली ने एक मास्टरक्लास का आयोजन किया, जिसमें नीलामी के लिए बोली लगाने और मूल्य निर्धारण के व्यवहारिक पहलुओं को शामिल करते हुए कक्षा के साथ एक व्यवहारिक प्रयोग किया। दूसरा सत्र "फ्यूचर ऑफ़ वर्क" पर एक समूह चर्चा थी, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर अमित कर्णा ने किया था। औपचारिक गतिविधियों के बाद, पूर्वछात्रों और कर्मचारियों का वर्तमान पीजीपीएक्स बैच और उनके जीवनसाथी द्वारा सुंदर कलाप्रदर्शन और खेलों द्वारा मनोरंजन किया गया। शाम को इसका समापन महाभोज के साथ हुआ।

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

वक्ता श्रृंखलाएँ पीजीपीएक्स छात्रों की एक पहल है जहाँ वरिष्ठ कंपनी अग्रणियों और प्रख्यात नागरिकों को छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ष बारह वक्ताओं को परिसर में आमंत्रित किया गया था। विवरण के लिए **परिशिष्ट ग3** देखें।

पूर्व-उन्मुखीकरण कार्यक्रम / ज्ञान हस्तांतरण

पीजीपीएक्स 2020-21 बैच के लिए पीजीपीएक्स कार्यालय ने 28 फरवरी से 1 मार्च, 2020 तक तीन-दिवसीय पूर्व-उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 110 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 2019-20 बैच के साथ ज्ञान हस्तांतरण, विभिन्न समितियों की भूमिका, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि का महाभोज शामिल थे।

वर्ष 2020-21 के लिए प्रवेश

पीजीपीएक्स 2020-21 के लिए कुल 871 आवेदन (पहले राउंड में 432, और दूसरे राउंड में 439) प्राप्त हुए थे। साक्षात्कार के लिए कुल 562 आवेदनों को लघुसूचीबद्ध किया गया था (पहले राउंड में 294 और दूसरे राउंड में 268)। साक्षात्कार अहमदाबाद, बेंगलुरु, नई दिल्ली और मुंबई में आयोजित किए गए थे, और कुछ अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साक्षात्कार हुआ था। 158 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिया गया था; और 50 प्रतीक्षा-सूचीबद्ध थे। अंत में, 140 उम्मीदवारों का चयन हुआ (पिछले वर्ष के आस्थगित में से 6 सहित), जिनमें 39 छात्राएँ हैं। इन्होंने प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया है और इन्हें अप्रैल 2020 में कार्यक्रम में शामिल होना है। सात उम्मीदवारों ने अप्रैल 2021 से शुरू होने वाले अगले बैच के लिए अपने प्रवेश को स्थगित रखा है।

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

2.4 प्रबंधन में ई-स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी)

ईपीजीपी एमएमएस (ईलर्निंग मोड) में शिक्षा देने वाला दो वर्ष का दीर्घकालिक कार्यक्रम है। इसे तीन वर्षों में पाठ्यक्रम पूरा करने के अतिरिक्त लचीलेपन के साथ बनाया गया है। प्रतिभागी अपनी पसंद के स्थान पर कार्यक्रम को आगे बढ़ा सकते हैं। ईपीजीपी 2017-19 और 2018-20 बैचों के लिए, संस्थान ने ह्यूजेस ग्लोबल एजुकेशन इंडिया लिमिटेड के साथ भागीदारी की। 2019-21 बैच के लिए, वीसीनाउ को प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में नियुक्त किया गया है।

कार्यक्रम के लाभ

- भारत के शीर्षस्थ बी-स्कूल द्वारा प्रस्तावित गहन मिश्रित शिक्षण प्रबंधन कार्यक्रम।
- आईआईएमए शैक्षणिक नीतियों, पाठ्यक्रम डिजाइन, वितरण, प्रवेश और छात्र मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है। प्रौद्योगिकी सेवा साझेदार प्रौद्योगिकी मंच, बुनियादी ढाँचे और कार्यक्रम प्रबंधन समर्थन के लिए जिम्मेदार है।
- प्रतिभागियों का चयन एक गहन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है जिसमें एक निर्धारित कैट / जीआरई / जीमैट स्कोर और व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल होता है।
- अनुभवी व्यावसायियों और सहकर्मी समूह के साथ सीखने की गुणवत्तापूर्ण बातचीत।
- परिसर में एक-एक सप्ताह के पाँच कैंपस मॉड्यूल संचालित किए जाते हैं।

शिक्षा शास्त्र

शिक्षण दृष्टिकोण अत्यधिक संवादात्मक है और शिक्षण व्याख्यानों, केस अध्ययनों, ऑनलाइन व्याख्यानों, परियोजनाओं, सहकर्मियों से सीखना, स्व-शिक्षण और अनुकार का मिश्रण है। संस्थान के संकायों द्वारा परामर्श और संस्थान के शिक्षण संसाधनों तक कुछ पहुँच भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रौद्योगिकी सेवा भागीदार ऑनलाइन कक्षाएँ, उपस्थिति, प्रश्नोत्तरियाँ, आदि के संचालन में निर्बाध तकनीकी सहायता सुनिश्चित करता है।

बैच की स्थिति

बैच 2017-19

प्रथम ई-पीजीपी बैच में देश के 13 शहरों से 49 छात्र प्रतिभागी थे। सितंबर 2019 को, ईपीजीपी (2017-19) के बैच ने आधिकारिक तौर पर स्नातक स्तर की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया। 11 दिसंबर, 2019 को, ईपीजीपी परीक्षा समिति ने बैच 2017-19 के 49 छात्रों द्वारा कार्यक्रम की सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने और उनके उत्तीर्ण होने की घोषणा की।

बैच 2018-20

अठारह उम्मीदवारों ने अपने सत्र II और III को सफलतापूर्वक पूरा किया। दिसंबर 2019 में अहमदाबाद, बैंगलुरू, चेन्नई, नई दिल्ली और कोलकाता में मध्य सत्र की परीक्षाएँ आयोजित की गईं। ईपीजीपी ने सत्र III और IV के लिए क्रमशः 17 और 16 कार्यात्मक और बहु-विषयक वैकल्पिक पाठ्यक्रम (2018-20 बैच) प्रस्तुत किये हैं।

इनके विवरण **परिशिष्ट घ1** में दिए गए हैं।

ईपीजीपी 2019-21 बैच

ईपीजीपी 2019-21 बैच का समूह फोटो

बैच 2019-21

जून और अगस्त 2019 में दो बार प्रवेश प्रक्रिया के आयोजन किए गए थे। अंत में, 69 छात्रों का नामांकन हुआ। 13 अक्टूबर 2019 को, बैच ने अपना पाठ्यचर्या शुरू की और सत्र I के लिए परिसर मॉड्यूल 13 से 20 अक्टूबर, 2019 तक पेश किये गए।

बैच प्रोफाइल के विवरण परिशिष्ट घ2 में दिए गए हैं।

2020-22 बैच के लिए प्रवेश

बैच 2020-22 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जनवरी में शुरू हुई।

अन्य गतिविधियाँ

- यह पुष्टि की गई थी कि ईपीजीपी प्रतिभागियों को प्रबंधन अध्ययन में मास्टर (ईलर्निंग मोड) डिग्री से सम्मानित किया जाएगा और एक विशेष दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा।
- पीजीपी ने 21 से 23 जनवरी, 2020 तक इक्विस पीआरटी की बैठक में भाग लिया। ईपीजीपी बैच 2017-19 और 2018-20 के छात्र प्रतिनिधियों ने ईपीजीपी का प्रतिनिधित्व किया।

2.5 उन्नत व्यापार विश्लेषिकी में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए)

डेटा की भरमार के साथ, डेटा-चालित निर्णय निर्माण संगठन की मुख्य गतिविधियों का एक अभिन्न अंग बन गया है, और बड़े पैमाने पर तो समाज का अभिन्न अंग बन गया है। इस नए विकास के साथ बने रहने के लिए संस्थान ने वर्ष 2020 में उन्नत व्यापार विश्लेषिकी में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए) शुरू किया, जो 16 महीने का स्नातकोत्तर डिप्लोमा है।

यह कार्यक्रम उन कार्यरत व्यावसायियों पर लक्षित है जो पहले से ही अपने संगठनों में डेटा विश्लेषिकी के क्षेत्र में हैं। इसका उद्देश्य विभिन्न सांख्यिकीय और मशीन लर्निंग के उपकरणों और तकनीकों में अपने कौशल और ज्ञान को बढ़ाना और जटिल डेटा-चालित निर्णय निर्माण के कार्य के लिए उन्हें तैयार करना है।

पाठ्यचर्या

ईपीजीडी-एबीए पाठ्यचर्या प्रतिभागियों को उपकरणों और तकनीकों की एक वैचारिक समझ, उनके कार्यान्वयन और उद्योगों में समस्याओं के उर्ध्वाधर हल में व्यावहारिक तथा क्रियाशील और कार्यात्मक प्रभाव क्षेत्र डेटा का उपयोग करके समाधान लाने का अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यचर्या में अलग-अलग कार्यात्मक विषय-क्षेत्रों में वर्णनात्मक और खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण, मॉडल-आधारित डेटा विश्लेषण, भावी सूचक विश्लेषिकी, विश्लेषिकी संचार, डेटा गोपनीयता और प्रभाव क्षेत्र-विशिष्ट विश्लेषण के लिए पूर्व-अवधि बुनियादी पाठ्यक्रम, उपकरण और तकनीक शामिल हैं। कार्यक्रम ऑनलाइन और परिसर में सत्रों के मिश्रण के माध्यम से दिया जाता है।

प्रवेश

जिसके पास मजबूत विश्लेषणात्मक कौशल के साथ स्नातक की डिग्री है और एक मान्य कैट / गेट / जीमैट / जीआरई स्कोर के साथ विश्लेषिकी प्रभाव क्षेत्र में अधिमानतः दो वर्ष

का कार्य अनुभव है वह इसमें आवेदन कर सकता है। यदि आवेदकों के पास ऊपर सूचीबद्ध वैध मानकीकृत परीक्षण स्कोर नहीं है, तो वे विशेष रूप से इस कार्यक्रम के लिए निर्मित ईपीजीडी-एबीए अर्हकारी-कौशल परीक्षा दे सकते हैं।

प्रथम ईपीजीडी-एबीए 2020-21 बैच के लिए, 177 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 101 को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए लघुसूचीबद्ध किया गया था। 65 उम्मीदवारों को प्रवेश प्रस्ताव दिए गए थे और 4 उम्मीदवारों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया था। अंत में, 37 छात्रों ने प्रवेश की पेशकश स्वीकार की है। ये साक्षात्कार अहमदाबाद, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई में और स्काइप पर आयोजित किए गए थे।

ईपीजीडी-एबीए 2020-21

मार्च के मध्य में प्रतिभागियों के साथ सत्र-पूर्व बुनियादी पाठ्यक्रमों की वीडियो रिकॉर्डिंग साझा करके कार्यक्रम शुरू हुआ। कक्षा का प्रोफ़ाइल इस तरह से है : 29 पुरुष और 8 महिलाएँ, औसत आयु : 31 वर्ष और 5 महीने, औसत कार्य अनुभव : 7 वर्ष और 2 महीने।

उद्योग मिश्रण में एयरोस्पेस और एविएशन, कृषि, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा, परामर्श, ऊर्जा और उपयोगिताएँ, आईटी और आईटीईएस, आईटी उत्पाद, कानूनी सेवाएँ, विनिर्माण / इंजीनियरिंग, फार्मा / बायो-टेक / स्वास्थ्य देखभाल, शिपिंग / परिवहन / रसद और टेलीकॉम शामिल हैं।

2.6 प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम

पीएच.डी. कार्यक्रम उत्कृष्ट अकादमिक प्रमाण पत्र, और विद्वानों की खोज के लिए आवश्यक बौद्धिक जिज्ञासा और अनुशासन के साथ उम्मीदवारों की तलाश करता है। यह अंतर्विषयक सीखने और अनुसंधान करने के लिए अवसरों का एक विविध समूह प्रदान करता है।

पीएच.डी. कार्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधन के विशेष क्षेत्र में जटिल मुद्दों पर अनुसंधान की पहचान करने और उसे अंजाम देने के कौशल से छात्रों को सुसज्जित करना है। यह कार्यक्रम शैक्षणिक और कॉर्पोरेट दोनों जगत के विचारशील अग्रणियों को दृढ़ता से तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएच.डी. छात्रों का स्थानन शिक्षण, अनुसंधान और परामर्श पदों पर विश्व स्तरीय संगठनों में किया जाता है। अब तक कुल 393 छात्र डॉक्टरेट कर चुके हैं। वर्तमान में, शोध-प्रबंध चरण में 62 और पाठ्यक्रम के चरण में 47 छात्र हैं। 31 मार्च, 2020 तक पीएच.डी. छात्रों की संख्या 109 है।

वर्ष 2019-20 में स्नातक हुए छात्रों के नाम **परिशिष्ट ङ1** में दिए गए हैं।

प्रवेश और अभिविन्यास

संस्थान को 2019 बैच में प्रवेश के लिए 946 आवेदन प्राप्त हुए। एक गहन चयन प्रक्रिया के बाद जिसमें लिखित परीक्षा, विषय-क्षेत्रों और पीएच.डी. कार्यकारी समिति द्वारा साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 19 छात्र शामिल हुए। नए बैच के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 30-31 मई, 2019 को आयोजित किया गया था।

पाठ्यचर्या

पीएच.डी. कार्यक्रम के तीन चरण हैं : पाठ्यक्रम कार्य, व्यापक परीक्षा और शोध-प्रबंध। पाठ्यक्रम के पहले दो वर्षों के दौरान, 59 पीएच.डी. / मुख्य विषय-क्षेत्र और 47

प्रोफ़ेसर अभिमान दास, अध्यक्ष, पीएच.डी. कार्यक्रम द्वारा पीएच.डी. 2019 का शुभारंभ

पीएच.डी. छात्र कक्षा में प्रतिज्ञा लेते हुए

पीएच.डी. / विषय-क्षेत्र के वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। छात्रों को दो वर्ष के कोर्स के दौरान 30.5 क्रेडिट (एक क्रेडिट 20 कक्षा सत्रों के समकक्ष है, जो कि प्रत्येक 75 मिनट का होता है) को पूरा करना आवश्यक है।

पुरस्कार

प्रोफ़ेसर तीरथ गुप्ता मेमोरियल श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार, शोध-प्रबंध प्रस्ताव के लिए भारतीय औद्योगिक वित्तपोषण निगम-इंडस्ट्रियल फ़ाइनेंस कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया (आईएफ़सीआई) पुरस्कार, और प्रथम वर्ष में चौधरी-पद्मनाभन पंत श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन पुरस्कार विजेताओं के नाम **परिशिष्ट ङ2** में दिए गए हैं।

सम्मेलन / पीएच.डी. वार्तालाप / शोधपत्र प्रकाशन

पीएच.डी. छात्रों द्वारा सम्मेलनों / पीएच.डी. वार्तालापों में की गई प्रतिभागिता और प्रकाशन से संबंधित विवरण **परिशिष्ट ङ3** में दिये गए हैं।

पिछले 10 वर्षों की पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स, और पीएच.डी. कार्यक्रमों के छात्रों की संख्या के लिए कृपया **परिशिष्ट च** देखें।

2.7 स्थानन

पीजीपी

2020 की एमबीए कक्षा के लिए अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया सफलतापूर्वक समय से पूरी हो गई थी। कई डोमेन की कंपनियों ने छात्रों के अंतिम स्थानन में तीन समूहों में भाग लिया था, जिनमें 20 से अधिक कॉहोर्ट्स में छात्रों का स्थानन किया गया।

स्थानन प्रक्रिया

स्थानन प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहला चरण पार्श्व प्रक्रिया का था जिसमें कंपनियों ने पूर्व कार्यानुभव वाले छात्रों का साक्षात्कार लिया और उन्हें मध्य-स्तर के प्रबंधकीय पदों की पेशकश की। प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, परामर्श, सामान्य प्रबंधन और विश्लेषिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों की चवालीस कंपनियों ने छात्रों को नियुक्त किया है। दूसरे चरण में, पेशकश किए गए प्रोफाइल के आधार पर कंपनियों को कॉहोर्ट्स में समूहबद्ध किया गया था, और कॉहर्ट्स के समूहों को परिसर में कई क्लस्टरों में आमंत्रित किया गया था। पिछले वर्षों की तरह, छात्रों को हाथ में एक प्रस्ताव देने के साथ बाद के क्लस्टर में अपनी पसंद की कंपनियों में "सपने" के लिए आवेदन करने का लचीलापन प्रदान

किया गया। इससे छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में करियर बनाने का लचीलापन और विकल्प मिला। छात्रों को अपने उद्यमशील विचारों पर नवप्रवर्तन, ऊष्मायन, एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) की मेंटरशिप के तहत अपना उद्यम शुरू करने का अवसर मिला।

कार्यक्षेत्रीय अवलोकन

प्रबंधन परामर्श प्रभाव क्षेत्र के नियोक्ताओं में एक्सेंचर स्ट्रेटजी, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, ए.टी. किआर्नी, बैन एंड कंपनी, केपीएमजी, मैकिन्से एंड कंपनी, मॉनिटर डेलोइट, ओलिवर विमन और स्ट्रेटजी आदि शामिल थे। निवेश बैंकिंग और विपणन क्षेत्र में भर्ती करने वालों में सिटी, क्रेडिट सुइस, गोल्डमैन सैक्स, एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन शामिल हैं। उपभोक्ता वस्तुएँ, उपभोक्ता सेवाएँ और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कॉहोर्ट्स ने एबी इनबेव, एयरटेल, एशियन पेंट्स, कैविनकेयर, डाबर, आईटीसी, लेनोवो, लॉरियल, नेस्ले, प्रॉक्टर एंड गैंबल, सैमसंग, टाटा स्काई और विप्रो जैसे रिक्रूटर्स की भागीदारी देखी। सामान्य प्रबंधन दल से आदित्य बिड़ला समूह, सी. के. बिड़ला, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज की प्रतिभागिता देखी गईं। रिटेल बीटूबी और बीटूसी कोहॉर्ट में अपैरल ग्रुप और ईशक्ति जैसी कंपनियाँ शामिल थीं। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा कंपनी नियोक्ताओं में अमेरिकन एक्सप्रेस, बजाज फिनसर्व और लिबर्टी इंश्योरेंस जैसी फर्में शामिल थीं। पार्श्व प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियों में अमेज़ॅन, ब्राउज़रस्टैक, कैपजेमिनी, फिनआईक्यू, फ्लिपकार्ट, माइक्रोसॉफ्ट, ओला, पेटीएम, प्रैक्सिस ग्लोबल, प्रॉपर्टी पिस्टल और आरपीजी शामिल थे। ब्लैकस्टोन ग्रुप, कोलगेट, डेटूडे हेल्थ, डियाजियो, एफआईआईटीजेईई, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, और स्ट्रैटेजी (मध्य पूर्व) सहित 36 नए भर्तीकर्त्ता शामिल हुए थे।

शीर्ष भर्तीकर्त्ता

वर्ष 2020 में स्थानन प्रक्रिया में 182 अलग-अलग भूमिकाओं के साथ एक सौ तिरेपन कंपनियों ने भाग लिया। अंतिम स्थानन में, जिन कंपनियों ने कैंपस में सबसे ज्यादा प्रस्ताव दिए, उनमें मैकिंसे, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शामिल हैं। मैकिन्से ने 27 प्रस्तावों के साथ अंतिम स्थानन प्रक्रिया के अंत में सबसे अधिक प्रस्ताव (पूर्व-स्थानन प्रस्ताव सहित) दिए, इसके बाद बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने 23 प्रस्ताव दिए। निश परामर्श समूह में, मास्टरकार्ड ने 11 प्रस्ताव बढ़ाए। निवेश बैंकों में, एवेंडस सबसे बड़ा रिक्रूटर था, जिसने 10 प्रस्ताव दिए, इसके बाद जेपी मॉर्गन ने 8 प्रस्ताव दिए। इस वर्ष, निजी इक्विटी, वेंचर कैपिटल और एसेट मैनेजमेंट ने 80 प्रतिशत की वृद्धि देखी। उपभोक्ता वस्तुएँ और उपभोक्ता सेवाएँ प्रभावित क्षेत्र में, एबी इनबेव ने सबसे ज्यादा प्रस्ताव (8) दिए, जिसके बाद एयरटेल ने 7 प्रस्ताव दिए। 6 प्रस्तावों के साथ, सीके बिड़ला जनरल मैनेजमेंट कॉहोर्ट में सबसे बड़ा भर्तीकर्ता था। आईटी कंसल्टिंग कॉहोर्ट में, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 12 प्रस्तावों के साथ सबसे बड़ी भर्तीकर्त्ता थी। पार्श्व प्रक्रिया में, फ़िनआईक्यू ने सबसे अधिक संख्या में प्रस्ताव (पूर्व-स्थानन प्रस्ताव सहित) (11) दिए। पार्श्व प्रक्रिया में अमेज़ॅन (10 प्रस्ताव), माइक्रोसॉफ्ट (7 प्रस्ताव), और आरपीजी समूह (7 प्रस्ताव) अन्य शीर्ष भर्तीकर्ता थे।

नए लोगों के साथ नए संबंध बनाना

पीजीपी की पहुँच को और मजबूत करने के उद्देश्य से, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया था।

पीजीपी 2018-20 बैच के लिए कुल स्थानन आँकड़े

वर्ष 2018-2020 पीजीपी बैच के 394 छात्रों को कुल 534 से अधिक नौकरी के प्रस्ताव दिए गए थे।

पूर्व-स्थानन प्रस्ताव

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, और छात्रों द्वारा स्वप्रवत आवेदनों के निर्णय के बाद, 114 पीपीओ स्वीकार किए गए।

पार्श्व स्थानन

अड़सठ छात्रों ने पार्श्व स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से प्रस्ताव स्वीकार किए।

उद्यमिता

इस वर्ष दो पीजीपी छात्रों ने सीआईआई के समर्थन से अपने उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना। ऐसे उद्यमियों के उत्साह के जवाब में, स्थानन समिति उन्हें दो साल का स्थानन अवकाश दे रही है।

पीजीपी - ग्रीष्मकालीन स्थानन (2019-21 बैच)

वर्ष 2019-2021 पीजीपी बैच के ग्रीष्मकालीन स्थानन में कुल 386 छात्रों ने भाग लिया।

पीजीपी-एफ़एबीएम अंतिम स्थानन

पीजीपी-एफएबीएम के लिए अंतिम स्थानन 9 से 13 फरवरी, 2020 के दौरान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। 45 छात्रों के बैच को खाद्य, कृषि व्यवसाय और संबद्ध क्षेत्रों से 31 कंपनियों में नौकरी के अवसरों के साथ प्रस्ताव दिए गए थे।

स्थानन प्रक्रिया में इकतीस कंपनियों ने हिस्सा लिया। डेटूडे हेल्थ, एफ़आईआईटीजेईई और आईएनआई फ़ार्म्स जैसी कंपनियों ने तीन-तीन प्रस्ताव दिए। पहली बार भर्ती करने वालों में एवेस्थेगन, डेटूडे हेल्थ, देहात, ईटीजी, एफ़आईआईटीजेईई, फ्रेश वीएनएफ़, कलश सीड्स, एनआईएसजी और स्ट्राइकर शामिल थे। नियमित भर्तीकर्ताओं ने कई प्रस्ताव दिए।

बैच ने नियोक्ताओं के एक विविध पूल को आकर्षित किया, जिनमें बहुदेशीय कंपनियों से लेकर कृषि-व्यवसाय डोमेन की आगामी स्टार्टअप कंपनियाँ जैसे देहात और फ्रेश वीएनएफ़ तथा स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र की डेटूडे हेल्थ शामिल हैं। छात्रों ने वित्त, बिक्री और विपणन, आपूर्ति श्रृंखला, संचालन, कमोडिटी ट्रेडिंग, परियोजना प्रबंधन और परामर्श में कई भूमिकाओं के अवसरों की खोज की।

स्थानन प्रक्रिया के बारे में अधिक विवरण क्षतिपूर्ति के बारे में विवरणों सहित भारतीय स्थानन रिपोर्टिंग मानकों (आईपीआरएस) के अनुसार लेखापरीक्षा रिपोर्ट में जारी किए जाएंगे। संस्थान द्वारा आईपीआरएस देश भर में बी-स्कूल स्थानन रिपोर्टिंग में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए शुरू की गई एक पहल है। "अंतिम स्थानन 2020" के लिए आईपीआरएस रिपोर्ट को स्नातक समापन की तारीख से छह महीने के भीतर जारी किया जाएगा, और रिपोर्ट का लिंक सभी हितधारकों के साथ साझा किया जाएगा।

पूर्व-स्थानन प्रस्ताव

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, पाँच पूर्व-स्थानन प्रस्ताव आगे बढ़ाए गए और सभी स्वीकार किए गए।

नए संबंधों का निर्माण

कार्यक्रम की पहुँच को और मजबूत करने के लिए, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया।

पीजीपी-एफ़एबीएम ग्रीष्मकालीन स्थानन (2019-21 बैच)

2021 के बैच के लिए ग्रीष्मकालीन स्थानन 4 नवंबर, 2019 को पूरा हुआ।

पीजीपीएक्स स्थानन

पीजीपीएक्स स्थानन 11 नवंबर, 2019 को रोलिंग के आधार पर शुरू हुआ और प्रतिभागियों को मध्य से वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए ध्यान में लिया गया। इसमें प्रतिभागी और संभावित नौकरी / भूमिका के बीच एक अच्छी योग्यता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

कई क्षेत्रों में भर्तीकर्त्ताओं के एक विविध पूल ने स्थानन में भाग लिया। इस वर्ष के भर्तीकर्त्ताओं में प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, कंपनी संगठन, कंसल्टिंग कंपनियाँ, हेल्थकेयर कंपनियाँ, रियल्टी और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियाँ, बैंकिंग और वित्तीय संस्थान, विनिर्माण क्षेत्र, बिजली और ऊर्जा कंपनियाँ,

सरकारी सेवाएँ, स्टार्टअपों और कई पहली बार के भर्तीकर्त्ता का विस्तार था।

स्थानन के लिए आई कंपनियों में बैंक ऑफ अमेरिका, शेल, मास्टरकार्ड, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़ॉन, पीडब्ल्यूसी, डेलोइट, ईवाई, एनआईएसजी, प्रैक्सिस ग्लोबल, एनपीसीआई, सिटी, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एक्सेंचर, जेनपेक्ट, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स, एटोस सिंटेल, एलएंडटी इन्फोटेक, सदरलैंड, विजनेट सिस्टम्स, हेक्सागन, एबी इनबेव, आदित्य बिड़ला ग्रुप, एनईसी टेक्नोलॉजीज, एयरटेल, ऑप्टम हेल्थकेयर, इंडीजन, स्ट्राइकर ग्रुप, शिंडलर इंडिया, अदानी ग्रुप, दानहेर, ट्राइडेंट ग्रुप, हनीवेल, उदान, इलास्टिकरन, मैजिकपिन, एफ़आईआईटीजेईई, नीयर, हैवमोर, प्रैक्सिस ग्लोबल, केईसी, और ज़ेंसर शामिल थीं।

पीएच.डी. कार्यक्रम स्थानन

उत्पादन और मात्रात्मक तरीके विषय-क्षेत्र से एक छात्र को संस्थान की स्थानन प्रक्रिया का उपयोग करके नियुक्त किया गया। इस उम्मीदवार को एक अंतरराष्ट्रीय व्यवसायी सेवा फर्म में नियुक्त किया गया था।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के मोर्चे पर, चार छात्रों को इकोले पॉलीटेक्निक-आईआईएम अहमदाबाद-एचईसी पेरिस के सहयोग से इंटर्नशिप प्रस्ताव मिला। संस्थान में एक संकाय सदस्य द्वारा प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया गया था।

शैक्षणिक स्थानन

13 स्नातक छात्रों में से 11 विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में शामिल हुए। एक पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान में आगे बढ़ रहा है और एक मातृत्व अवकाश पर है।

अन्य पहलें

- **ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप संक्षिप्त विवरण सत्रों** का आयोजन पीजीपी तथा पीजीपी-एफ़एबीएम के दूसरे वर्ष के छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों को डोमेन और भूमिकाओं के लिए जिनमें वे नियुक्त होने वाले हैं उस पर एक संक्षिप्त विचार देने के लिए आयोजित किये गए।
- **स्थानन प्रक्रिया स्वचालन** को क्लाउड-आधारित सॉफ़्टवेयर प्लेटफ़ॉर्म की सदस्यता देकर अंजाम दिया गया ताकि छात्र स्थानन समिति की उत्पादकता और स्थानन प्रक्रिया की समग्र दक्षता बढ़ाई जा सके।
- **भर्तीकर्त्ता कॉन्क्लेव 2020** का आयोजन स्थानन समिति द्वारा किया गया था, जहां आईआईएम ए, बी, सी और सभी टॉप बी-स्कूलों के चेयरपर्सन और स्थानन समितियाँ एक साथ ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए विचार मंथन के लिए आए।
- **मैत्री 2019**, आईआईएम अहमदाबाद द्वारा परिकल्पित वार्षिक बी-स्कूल कॉन्क्लेव है, जो भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलौर द्वारा आयोजित किया गया था, ताकि चिंता के सामान्य क्षेत्रों को पहचान करके और विचार-

विमर्श किया जा सके, ताकि गलत भर्तियों से निपटने का एक तंत्र विकसित किया जा सके, और परिचालन प्रक्रिया दक्षता बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान किया जा सके।

- **एफ़एबीएम आर तथा एक्स का परिचय - दो स्लॉट के स्थानन दिवस** - कंपनियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, एफ़एबीएम स्थानन दो स्लॉट में किया गया था।
- **कैरियर सलाहकार और परामर्श सेवाएँ** पीजीपीएक्स छात्रों के बेहतर कैरियर विकल्प निर्माण और उनकी प्रोफ़ाइल, कौशल और आकांक्षाओं के लिए सही नौकरी का चयन करने के लिए प्रदान की गईं।

इसके विवरण **परिशिष्ट छ** में दिए गए हैं।

2.8 दीक्षांत समारोह

हर छात्र के जीवन में दीक्षांत समारोह एक संजोया हुआ सपना होता है। यह स्नातक छात्रों और परिवार के सदस्यों को एक साथ लाता है जिन्होंने अपनी यात्रा में उन्हें प्रोत्साहित और समर्थन किया है। कोविड-19 महामारी और सामाजिक दूरी बनाए रखने के सरकारी संस्थाओं के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, संस्थान ने दीक्षांत समारोह को रद्द करने का निर्णय लिया।

पीएच.डी. कार्यक्रम के पंद्रह छात्रों को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की डिग्री से सम्मानित किया गया; 415 पीजीपी छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में मास्टर डिग्री से सम्मानित किया गया; 45 पीजीपी-एफ़एबीएम छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में मास्टर डिग्री (खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन) से सम्मानित किया गया; और 140 पीजीपीएक्स छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में मास्टर की डिग्री से सम्मानित किया गया।

निम्नलिखित छात्रों को 21 मार्च, 2020 को डिग्री के वार्षिक सम्मान समारोह में शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद पदक प्राप्त हुआ :

पीजीपी

- आदित्य अग्रवाल
- जोबलिया जिनेश राजेंद्र
- कार्तिकेय गुप्ता

पीजीपीएक्स

- अनंत कृष्णन

2.9 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम

सशस्त्र बल कार्यक्रम (एएफ़पी) 24 सप्ताह का पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है। इसे सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए बनाया गया है और इसे केस-अध्ययन, कक्षा अध्ययन, व्यावसायिक प्रस्तुतियों और उद्योग यात्राओं के माध्यम से समकालीन वैश्विक प्रबंधन प्रथाओं के प्रति उन्हें उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शिक्षण और कठोर अध्ययन पाठ्यक्रम विश्लेषणात्मक और प्रबंधकीय कौशल को सामने लाते हैं जो कॉर्पोरेट कैरियर में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

एएफ़पी का 15वाँ बैच 7 अक्टूबर, 2019 से 19 मार्च, 2020 तक आयोजित किया गया था। इस वर्ष 6 महिला अधिकारियों सहित 58 प्रतिभागी थे।

वर्ष 2019-20 बैच के लिए अट्ठाईस पाठ्यक्रम तीन सत्रों में पेश किए गए थे। प्रतिभागियों के लिए अमूल डेयरी और चॉकलेट प्लांट का क्षेत्रीय दौरा आयोजित किया गया था।

प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों जैसे रक्तदान शिविर, सेना दिवस, अपनी सेना को जानें कार्यक्रम, और लाइव सैन्य बैंड, आदि का संचालन किया।

एएफ़पी स्थानन समिति स्थानन गतिविधियों का संचालन करती है और संस्थान इसके लिए बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करता है। समिति ने 2019-20 बैच के अधिकारियों का सफलतापूर्वक उनके इच्छित कार्यात्मक क्षेत्रों में स्थानन किया।

2.10 प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

41वाँ एफ़डीपी कार्यक्रम 15 मई से 31 अगस्त 2019 तक आयोजित किया गया था। इसे दो मॉड्यूल में प्रस्तुत किया गया था : मॉड्यूल 1 : शिक्षण शास्त्र और अनुसंधान मॉड्यूल (15 मई से 29 जून, 2019), और मॉड्यूल 2 : सामान्य प्रबंधन मॉड्यूल (3 जुलाई से 31 अगस्त, 2019)।

इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बाईस प्रतिभागियों को प्रवेश दिया गया था, जिसमें दोनों मॉड्यूल शामिल थे, 18 को केवल मॉड्यूल 1 में भाग लेने के लिए प्रवेश दिया गया, और 14 को केवल मॉड्यूल 2 में भाग लेने के लिए प्रवेश दिया गया। इनमें 25 महिला प्रतिभागी थीं। एपीजे ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट द्वारा स्थापित सुरेंद्र पाल फैलोशिप की ब्याज आय से 43,375 रुपए की कुल फैलोशिप 15 पूर्णकालिक एफ़डीपी कार्यक्रम के स्वयं-प्रायोजित प्रतिभागियों को उपलब्ध कराई गई थी। क्षेत्रीय प्रबंधन अध्ययन केंद्र से अनुसंधान अनुदान को चार प्रतिभागियों में बाँटा गया था जो गुजरात आधारित शोध अध्ययन पर काम करना चाहते थे।

हाल के वर्षों में एफ़डीपी को शिक्षण और अनुसंधान पद्धति

में पाठ्यक्रम सामग्री को बढ़ाने के साथ-साथ कई अतिथि सत्रों को शामिल करके मजबूत किया गया है। प्रतिभागियों को विशेष विषयों पर तीन उप-मॉड्यूलों में से एक को चुनने की अनुमति है, जो समकालीन तरीकों और अनुसंधान क्षेत्रों का परिचय देते हैं। उप-मॉड्यूल के तीन विशेष विषय हैं : विपणन, संगठन व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन, और सामान्य प्रबंधन (जिसमें कई विषय-क्षेत्रों से पाठ्यक्रम का मिश्रण शामिल है)। प्रतिभागियों ने अमूल डेयरी और सेफ एक्सप्रेस के क्षेत्रीय दौरे भी किए।

एफ़डीपी पूर्वछात्र नेटवर्क में अब 919 सदस्य हैं जिनमें पड़ोसी देशों के 105 प्रबंधन शिक्षक शामिल हैं।

2.11 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष 2019-20 में, संस्थान ने मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ओईपी) के तहत 63 कार्यक्रम, 6 मिश्रित शिक्षा कार्यक्रम, और 110 अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम मिलाकर 179 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुक्त नामांकन श्रेणी में दिए गए कार्यक्रमों में पाँच नए कार्यक्रम शामिल थे : वैश्विक अधिप्राप्ति और निर्यात अनुबंधों का प्रबंधन, रणनीतिक गठबंधनों का प्रबंधन, युवा सनदी लेखापालों के लिए प्रबंधन तथा वित्त, अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में व्यवसाय प्रबंधन, और उन्नत ग्राहक विश्लेषिकी। लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस और जेएसडब्ल्यू ग्रुप जैसे संगठनों के लिए अनुकूलित लंबी अवधि के कार्यक्रमों की पेशकश की गई थी। अनुकूलित कार्यक्रमों के लिए नए ग्राहकों में टाटा समूह, और राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी (एनएसएसटीए) की कंपनियाँ शामिल थीं। मिश्रित शिक्षा कार्यक्रम में रणनीतिक प्रबंधन में एक नए कार्यक्रम की शुरूआत शामिल थी।

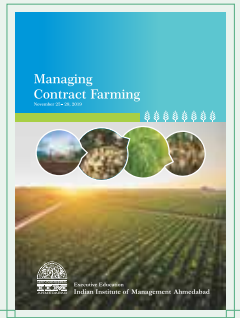

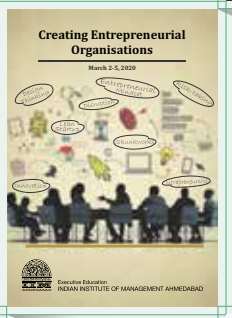

वर्ष के दौरान, कुल 6,842 कार्यकारियों, कार्यरत व्यावसायियों और उद्यमियों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

मिश्रित शिक्षा कार्यक्रमों, जिसमें वर्चुअल क्लासरूम के माध्यम से दिए गए 100 प्रतिशत लाइव सेशन शामिल थे, इनमें 669 प्रतिभागी थे। इस वर्ष त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम के पाँचवें बैच और वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम के चौथे बैच की शुरूआत देखी गई।

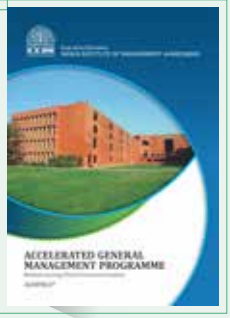

इसके विवरण **परिशिष्ट ज** में दिए गए हैं।

3
अनुसंधान एवं प्रकाशन

	स्थिति		
परियोजना / गतिविधि का प्रकार	जारी परियोजनाएँ	शुरू की गई परियोजनाएँ	पूर्ण हो चुकी परियोजनाएँ
विशाल अनुसंधान परियोजनाएँ	1	1	-
लघु अनुसंधान परियोजना	39	9	6
मूलधन परियोजना	34	22	14
पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ	37		
अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ	42		
पंजीकृत आधार पत्र	14		

उपरोक्त परियोजनाओं / गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है :

शुरू की गई परियोजनाएँ

विशाल अनुसंधान परियोजनाएँ

- गुजरात में सहक्रियात्मक अनुसंधान और क्षेत्र–अभ्यास: छात्रों के मनोविश्लेषणात्मक परिणामों पर स्कूल के माहौल का प्रभाव (प्रोफ़ेसर कथन शुक्ल और विजया शेरी चंद)

लघु अनुसंधान परियोजनाएँ

- भारतीय मीडिया में विज्ञापन राजस्व की भूमिका (प्रोफ़ेसर ऋतिका खेड़ा)
- वाहन बीमा के लिए उपयोगिता कार्यों का विकास: लॉगरिदमिक लक्ष्य प्रोग्रामिंग विधि और सम्मिलित विश्लेषण विधि की तुलना (प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता)
- भारतीय शहरों की योजना बनाना: एक मौखिक इतिहास (प्रोफ़ेसर चिन्मय तुम्बे)
- नेतृत्व, जन रणनीति और स्टार्ट-अप मापन में व्यक्तिगत अंतर (प्रोफ़ेसर आदित्य मोज़ेस)
- कार्यस्थल पर बदमाशी अनुसंधान में संज्ञानात्मक साक्षात्कार (प्रोफ़ेसर प्रोमिला डी'क्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा)
- भारतीय आर्थिक कानूनों का आकलन करना: प्रतियोगिता का अध्ययन, दिवालापन तथा व्यापार और निवेश कानून, और इसकी परस्पर क्रिया (प्रोफ़ेसर एम.पी. राम मोहन)
- क्या टीम आधारित आदान प्रोत्साहन कौशल विकास को बढ़ावा देते हैं? भारत से साक्ष्य (प्रोफ़ेसर तरुण जैन)
- पूर्ण प्रकटीकरण: उत्पादों के साथ जुड़े स्वास्थ्य जोखिम के बारे में ग्राहकों को शिक्षित करना और कंपनी के प्रदर्शन पर इसका प्रभाव (प्रोफ़ेसर सौरव बोराह)
- शिक्षण और विकास में सर्वश्रेष्ठ तरीकों की जाँच (प्रोफ़ेसर अमित नंदकियोलयार)

मूल धन परियोजनाएँ

- सफल पिच के लिए कारकों की पहचान (प्रोफ़ेसर वैभवी कुलकर्णी)
- अवसरवादी वित्तीय रिपोर्टिंग पर मानसिकता का प्रभाव (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)
- महिला घरेलू कामवालियों द्वारा सामना किए गए यौन उत्पीड़न का एक अध्ययन (प्रोफ़ेसर अक्षय विजयलक्ष्मी)
- न्याय आयामों के पदानुक्रम में परिवर्तन: सेवा के प्रकार और दोहराने की विफलता का केस (प्रोफ़ेसर सौरव बोराह)
- पुलिस मुठभेड़ों और भय की राजनीति: संदेह का नाटक और न्याय के दावों का कलंक (प्रोफ़ेसर रजनीश राय)
- सुई में धागा पिरोना: संकल्पना का मापन, और सह-विचार विरोधाभास और तनाव को प्रबंधित करने की क्षमता के रूप में सहकारिता क्षमता को सत्यापित करना (प्रोफ़ेसर रजनीश राय)
- बहुउद्देश्यीय अनुकूलन में पूर्व निर्धारित सीमा के साथ ज्यॉफ्रियन उचित अंक (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा)
- क्या मुख्य प्रबंधकीय क्षमताओं से वास्तव में फर्क पड़ता हैं? एमबीए मुख्य पाठ्यक्रम का एक अद्यतन अध्ययन (प्रोफ़ेसर नवीन आंबली)

- फिक्स्ड चार्ज मल्टीकोमिटी-डायरेक्टेड नेटवर्क डिज़ाइन के लिए एक शाखा और कट-आधारित सटीक समाधान विधि (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- समय आवंटन, काम के प्रयास और पोषण संबंधी परिणामों का लिंगगत विश्लेषण: ग्रामीण भारत से सभी मौसमों से साक्ष्य (प्रोफ़ेसर विद्या वेमिरेड्डी)
- अधिग्रहणकर्त्ता के प्रदर्शन पर एमएंडए सौदे और प्रभाव का मेटा विश्लेषण (प्रोफ़ेसर मोहम्मद फौद)
- विलय और अधिग्रहण में प्रबंधकीय निर्धारक और परिणाम (प्रोफ़ेसर मोहम्मद फौद)
- वाहन पिकअप और वितरण के साथ वाहन दरीकरण समस्याओं के लिए मॉडल (प्रोफ़ेसर प्रहलाद वेंकटेशन)
- भीड़प्रेरित नकली न्यूज़ की पहचान: उत्तेजना की भूमिका (प्रोफ़ेसर आद्रीजा मजूमदार)
- बंगाली में (बीई-सीआईपीएस) में क्लैन्स पाखंडी घटना के पैमाने के अनुकूलन, मान्यता और विश्वसनीयता का आकलन (प्रोफ़ेसर देवस्मिता चक्रवर्ती)
- मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में नस्लीय बदलावों का विश्लेषण और एचआईवी पॉज़िटिव एमएसएम मरीजों की बीमारी की प्रगति पर इसका प्रभाव: मल्टिसेन्ट एड्स कॉहॉर्ट अध्ययन से निष्कर्ष (एमएसीएस) (प्रोफ़ेसर धीमन भद्रा)
- पारिवारिक कंपनियों में उत्तराधिकारी (प्रोफ़ेसर चित्रा सिंगला)
- उत्पाद लाइन डिजाइन समस्या: वैकल्पिक समाधान के तरीके (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- ग्रीन परिधान खरीदने के व्यवहार का मापन: स्वभावगत लक्षण की भूमिका और पर्यावरण की चिंता (प्रोफ़ेसर रजत शर्मा)
- नियमित रूप से प्रतिगमन के लिए हाइपरपैरामीटर की पसंद के बारे में (प्रोफ़ेसर कार्तिक श्रीराम)
- समय का उपयोग करते हुए किसानों के बीच जोखिम के फैलाव के अनूठे उपाय, मौसम के समय प्रयोग आंकड़ों का उपयोग करते हुए: ग्रामीण भारत से साक्ष्य (प्रोफ़ेसर विद्या वेमिरेड्डी)
- स्मार्ट सिटीज़ 2.0 में कार्यावली-स्थापन और विभिन्न हितधारकों की भागीदारी को समझना (प्रोफ़ेसर नवदीप माथुर)

पूर्ण हुई परियोजनाएँ

लघु अनुसंधान परियोजनाएँ

- मशीन लर्निंग के तरीकों के माध्यम से मानव निर्णय निर्माण का मॉडलिंग (प्रोफ़ेसर मनीष अग्रवाल)
- भारतीय बाजारों के संदर्भ में मल्टी लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) मॉडल के निर्वाह की जाँच (प्रोफ़ेसर अरिंदम बनर्जी)
- क्रॉस-डॉक डोर असाइनमेंट प्रॉब्लम: कॉलम जनरेशन-आधारित निर्माण और समाधान (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- भारत के पर्यटन और आतिथ्य में जन प्रबंधन: वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियाँ (प्रोफ़ेसर मिगुएल सर्रियन और प्रोमिला अग्रवाल)
- उपभोक्ता व्यवहार पर सेलिब्रिटी सह-निर्माण का प्रभाव (प्रोफ़ेसर शुभदीप रॉय)
- मजबूती के माध्यम से माँग अनिश्चितता के तहत हब अंतर्वेशन संभालना (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा)

मूल धन परियोजनाएँ

- संदेश की प्रभावशीलता पर ठंड की अनुभूति का प्रभाव (प्रोफ़ेसर अक्षय विजयलक्ष्मी)
- दबाव और अवसरों से संबंधित अपेक्षित महत्व धोखाधड़ी जोखिम कारकों का एक व्याख्यात्मक विश्लेषण: विभिन्न देशों में 4 बड़े और 4 छोटे लेखा परीक्षकों से साक्ष्य (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)
- बाजार धारणाओं पर विनियमन का प्रभाव: संबंधित पार्टी लेनदेन पर आधारित साक्ष्य (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन मोड विकल्प का विश्लेषण (प्रोफ़ेसर संदीप चक्रवर्ती और अरुणा दिव्या)
- अच्छा काम करते हुए अच्छा करना: भारत में ईसाई मिशन अस्पतालों पर एक अध्ययन (प्रोफ़ेसर आदित्य क्रिस्टोफर)
- मध्यस्थता पुरस्कारों में रुचि के बारे में गंभीरता (प्रोफ़ेसर अनुराग अग्रवाल)
- निर्णय-आधारित निर्णय मॉडल का वरीयता-आधारित अध्ययन (प्रोफेसर मनीष अग्रवाल)
- विनियामक चेतावनी और फर्म प्रतिशोध (प्रोफ़ेसर विश्वनाथ पिंगाली)

- भारत में इनबाउंड और आउटबाउंड एम एंड ए के निर्धारक (प्रोफ़ेसर चित्रा सिंगला)
- भारत में परमाणु ऊर्जा पर संसदीय चर्चाओं का एक दशकीय अध्ययन (2005-15) (प्रोफ़ेसर एम. पी. राम मोहन)
- भारत के खाद्य और भूमि उपयोग में परिवर्तन के आधारभूत परिदृश्य की समीक्षा: एक एसडीजी 2030 एजेंडा (प्रोफ़ेसर रंजन कुमार घोष)
- सार्वजनिक अधिप्राप्ति: मोलभाव और पुनः मोलभाव (प्रोफ़ेसर अनुराग अग्रवाल)
- महिला घरेलू कामवालियों द्वारा सामना किए गए यौन उत्पीड़न का एक अध्ययन (प्रोफ़ेसर अक्षय विजयलक्ष्मी)
- संघीय बैंक रिटेल शाखाओं में संलग्नता और सेवा का माहौल (प्रोफ़ेसर मिगुएल सर्रियन)

इसके विवरण **परिशिष्ट झ, ञ और ट** में दिए गए हैं।

3.1 विकल्प : निर्णय निर्माताओं का जर्नल

विकल्प: निर्णयकर्ताओं का जर्नल भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद का सहकर्मी-समीक्षित एक खुली-पहुँच वाला तिमाही शैक्षणिक प्रकाशन है। वर्तमान में इसके प्रकाशन के 45वें वर्ष में; ***विकल्प*** को सेज पब्लिशर्स की व्यवस्था द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

विकल्प संपादकीय सलाहकार बोर्ड में दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के प्रमुख विद्वान शामिल हैं। सहयोगी संपादकों को एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के शीर्ष प्रबंधन स्कूलों से लिया जाता है।

वर्ष के दौरान, ***विकल्प*** ने वित्तीय समावेशन पर एक विशेष अंक (अंक 44.4, अक्टूबर-दिसंबर, 2019) प्रकाशित किया। इस अंक ने वित्तीय समावेशन के प्रमुख पहलुओं को संबोधित किया, जिससे वित्तीय साक्षरता पर नीति वास्तुकला को विकसित करने का बड़ा सवाल उजागर हुआ। सितंबर 2019 में, ***विकल्प*** ने तकनीकी नवाचारों पर एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित करने के लिए भारत समावेश पहल के साथ भागीदारी की, जो वित्तीय सेवाओं को गरीबों और पिछड़ों के लिए सुलभ बनाती है। गोलमेज, जिसमें 25 आमंत्रित शामिल थे, से अंतर्दृष्टि को वित्तीय समावेशन पर विशेष अंक के निर्धारित दूसरे भाग में व्यापक प्रसार के लिए विशेषज्ञों से आदान के साथ सामग्री लाई जा रही है। वित्तीय संकट, दिवालियापन और कॉर्पोरेट वित्त; प्रवासन और व्यवसाय; और स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन पर विशेष अंक 2020-21 के लिए निर्धारित है।

विकल्प ने आगामी वर्ष के दौरान कुछ हस्तलिखित रचनाओं के विकास के लिए कार्यशालाओं की योजना बनाई है। देशांतर गमन और व्यवसाय विशेष अंक के लिए हस्तलिखित रचनाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाली पहली कार्यशाला जुलाई 2020 की शुरूआत के लिए निर्धारित है।

पिछले वर्ष के दौरान, ***विकल्प*** को 231 हस्तलिखित रचनाएँ प्राप्त हुईं। वर्तमान में, 29 हस्तलिखित रचनाएँ समीक्षा के विभिन्न चरणों में हैं। तीन वर्षों की अवधि में विकल्प की औसत स्वीकृति दर लगभग 8 प्रतिशत है।

विकल्प स्किमागो की जर्नल रैंकिंग तीसरे चतुर्थांश में है। ***विकल्प*** के एच-इंडेक्स, एसएनआईपी और साइटस्कोर क्रमशः 22, 0.71 और 1.2 हैं। ***विकल्प*** को स्कोपस, प्रोक्वेस्ट, भारतीय प्रशस्ति पत्र सूचकांक, जे-गेट और ईबीएससीओ के साथ अनुक्रमित किया गया है।

4 केस केंद्र

केस केंद्र केस लेखन और शिक्षण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है। यह केंद्र विभिन्न प्रकार के पाठकों में केसों के वितरण के प्रबंधन के साथ-साथ, केस लेखकों को संपादकीय उपलब्ध कराने और उन्हें वित्त पोषण में सहायता प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, केस केंद्र ने 79 विषयों का पंजीकरण किया, जिनमें 39 केस, 36 शिक्षण नोट्स और 3 तकनीकी नोट्स, और एक अनुपूरक शामिल हैं। पिछले पाँच वर्ष के दौरान पंजीकृत केसों/ तकनीकी नोटों/अभ्यासों/ ए.वी. केसों/अनुपूरकों /शिक्षण नोटों के विवरण इस प्रकार हैं :

प्रकार	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
केस	86	34	46	53	39
श्रव्य दृश्य केस	2	0	3	0	0
तकनीकी नोट	17	6	7	4	3
अभ्यास	3	1	0	1	0
उपसंहार / अनुपूरक	1	0	0	1	1
खेल	1	0	0	0	0
शिक्षण नोट	93	36	48	52	36
कुल	**203**	**77**	**104**	**111**	**79**

वर्ष के दौरान पंजीकृत केसों के विवरण **परिशिष्ट ठ1** में प्रस्तुत किए गए हैं।

केस केंद्र अन्य प्रबंध संस्थानों, शिक्षकों, कॉर्पोरेट प्रशिक्षकों और व्यक्तियों को आईआईएमए केसों की बिक्री का प्रबंधन भी करता है।

आईआईएमए के भीतर उपयोग किए गए केसों का सारांश, शैक्षिक संस्थानों द्वारा और 2019-20 के दौरान अन्य लोगों द्वारा उपयोग किए गए केसों का सारांश **परिशिष्ट ठ2** में दिया गया है।

दुनिया भर में केस वितरण नेटवर्क को व्यापक बनाने के लिए, केंद्र ने विभिन्न वितरण भागीदारों के साथ साझेदारी स्थापित की है। वितरण भागीदारों की सूची **परिशिष्ट ठ3** में दर्शाई गई है।

केस केंद्र ने हार्वर्ड बिज़नेस पब्लिशिंग के सहयोग से 6-7 दिसंबर, 2019 के दौरान **टीचिंग विद् केसेस सेमिनार** (केसों के साथ शिक्षा संगोष्ठी) का आयोजन किया। केंद्र ने 9 नवंबर, 2019 को केस सेंटर, यूके के सहयोग से **केस कलेक्शन मैनेजर्स डे इंडिया 2019** की भी मेजबानी की।

इस वर्ष के दौरान, केंद्र ने केस लेखकों को रॉयल्टी वितरित करने की पहल की है।

केंद्र हर वर्ष एक सर्वश्रेष्ठ केस को "फिलिप थॉमस मेमोरियल केस अवार्ड" से सम्मानित करके केस लेखकों के प्रयासों का सम्मान करता है। इस वर्ष, प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय ने अपने केस "श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड : एडॉप्शन ऑफ फिनटेक" के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।

5

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वेबसाइट http://www.iima.ac.in/library/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। वि.सा.पु. ने अपने संसाधनों तक पहुँचने के लिए एंड्रॉइड ऐप भी लॉन्च किया है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) प्रकार की सामग्रियों के संग्रह एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, आरक्षित, रखरखाव करने में तथा इन तक की पहुँच को सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है, जो इसके सदस्यों की आवश्यकता है।

विक्रम साराभाई पुस्तकालय को टीसीएस फाउंडेशन से प्राप्त वित्त पोषण द्वारा संरक्षित किया गया और 26 नवंबर, 2019 से इसने अपने संरक्षित भवन में काम करना फिर से शुरू कर दिया है।

संसाधन

विवरण	वर्ष 2019-20 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	31.03.2020 को मदों की संख्या
पुस्तकें	2,813	2,01,823
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	243	47,433
आधारपत्र	24	2,453
शोध प्रबंध	13	377
परियोजना प्रतिवेदन	-	2196
सीडी / डीवीडी	15	2,566
जर्नल के लिए वर्तमान सदस्यता	13	29,627
समाचार पत्र	-	25

ई-संसाधन

पुस्तकालय के पास अपने उपयोगकर्ताओं को नवीनतम विद्वत्तापूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाने के लिए उपभोक्ता सदस्यता है।

कंपनी और उद्योग

एसीई नॉलेज एंड रिसर्च, एसीई इक्विटी (ऑफलाइन), एसीई म्युचुअल फंड (ऑफलाइन), ब्लूमबर्ग, कैपिटल, कैपिटलीन (ऑफलाइन), सीएमआईई - पेस, सीएमआईई - प्रॉक्सिस डीएक्स, सीएमआईई - प्रोवेसआईक्यू, सीएमआईई – फ़र्स्ट सोर्स, कम्प्युस्टैट (उत्तरी अमेरिका विश्वविद्यालय पैकेज), कम्प्युस्टैट एक्जक्यूटिव कम्पेंसेशन (एक्ज़ीक्यूकॉम्प), कोरोनावायरस रिसर्च डेटाबेस, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, क्रिसिल रिसर्च, सीआरएसपी म्यूचुअल फंड्स, सीआरएसपी स्टॉक / सिक्योरिटी, डायोन इनसाइट, ईएमआईएस इंटेलिजेंस (प्रोफेशनल), यूरोमॉनिटर पासपोर्ट, एफ़आईजी (एसएनएल) - एमआई प्लेटफार्म, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसेज, इंडियन बोर्ड्स, इन्फ्रालाइन - कोल क्षेत्र, इंफ्रालाइन - ऑयल एंड गैस क्षेत्र, इंफ्रालाइन - पावर क्षेत्र, इंस्टीट्यूशनल शेयरहोल्डर सर्विसेज (आईएसएस), मार्केटलाइन एडवांटेज, नैसकॉम, सीकएडगर, स्टेटिस्टा, थॉमसन रॉयटर्स इकोन, थॉमसन रॉयटर्स इंस्टीट्यूशनल (13एफ़) होल्डिंग्स, थॉमसन रॉयटर्स एलपीसी, ट्रैक्सनडॉटकॉम, यूसीएलए-लोपुकी दिवालियापन रिसर्च डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस : एम एंड ए डील डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस : प्राइवेट इक्विटी डील डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस : रियल एस्टेट डील डेटाबेस, डब्ल्यूएआरसी (वर्ल्ड एडवरटाइजिंग रिसर्च सेंटर), और डब्ल्यूआरडीएस।

अर्थशास्त्र और सांख्यिकी

सीईआईसी डेटाबेस, सीएमआईई - कैपएक्स, सीएमआईई - कैपएक्स डीएक्स, सीएमआईई - कमोडिटीज, सीएमआईई - आर्थिक आउटलुक, सीएमआईई - उद्योग आउटलुक, सीएमआईई - भारतीय राज्य, सीएमआईई - उपभोक्ता पिरामिड डीएक्स, सीएमआईई - व्यापार डीएक्स, कॉमस्कोर वेब व्यवहार डेटाबेस (2018), डेटास्ट्रीम, डिस्ट्रिक्ट मेट्रिक्स, डीएसआई डेटा सर्विस एंड इंफॉर्मेशन, ईपीडब्ल्यूआरएफ इकोनॉमिक एंड मार्केट रिव्यू एंड रिसर्च, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़, इंडियास्टेटडॉटकॉम, आईपॉल डेटासेट्स (रॉपर सेंटर ओपिनियन सर्वे एंड डेटा), माइका इंडियन मार्केटिंग इंटेलिजेंस, ओईसीडी एंड आईईए स्टैटिस्टिक्स और ओईसीडीडॉटस्टेट ।

डेटासेट

एएसआई - यूनिट स्तर डेटा (1974-2016), सीडीपी ग्लोबल डेटासेट, भारत की जनगणना – सीडी (1991, 2001 एवं 2011), काउंटरपॉइंट मोबाइल हैंडसेट डेटा (भारत एवं बांग्लादेश) (भारत का जनवरी 2017 से मई 2018 एवं बांग्लादेश का जनवरी 2016 से मार्च 2018), दैनिक वर्षा डेटा – अहमदाबाद स्टेशन (1975-2006 एवं 2012), 10 स्टेशनों के लिए दैनिक सतह डेटा (भारत) (2004-2011), डीजीसीआईएस मासिक समय श्रृंखला डेटा (जनवरी 2002 से अगस्त 2017), भारत का जिला जीडीपी (2001-2002 से 2015-2016), जिला वार मासिक वर्षा डेटा (1901-2010), आईईए डेटासेट (ईंधन दहन 1994 से 2000, 2005 से 2007, 2009 से 2014), आईएमएस एंटी टीबी-डेटा, भारत पीसीए विशेषता डेटा के साथ प्रशासनिक जिले के नक्शे (जनगणना 1991, 2001, 2011), आईक्यूवीआईए मेडिकल लेखापरीक्षा डेटाबेस 2003-2017 (मासिक स्तर पर 15 वर्ष का डेटा), मौसम

संबंधी डेटा (अहमदाबाद एवं गाँधीनगर) (2014-2016), मासिक भूतल डेटा (1961-2014), एनएसई - सीएम एवं एफ़एओ (1999- मार्च 2020), और एनएसएस डेटा (1994 से 2014 राउंड नं 51-71)

विधिक

एआईआर आपराधिक कानून (1950-2017), एआईआर हाईकोर्ट (1950-2017), एआईआर प्रिवी काउंसिल (1900-1950), एआईआर सुप्रीम कोर्ट (1950-2017), हीनऑनलाइन (एससीसी ऑनलाइन), कुल्वर मध्यस्थता कानून, लेक्सिसनेक्सिस अकादमिक, और वेस्टलॉ (इंडलॉ सहित), और एससीसी ऑनलाइन।

अनुसंधान सहायता उपकरण / डेटाबेस

साहित्यिक चोरी से बचना, ईबीएससीओ अमेरिकन डॉक्टोरल शोध प्रबंध, 1933 - 1955, ईबीएससीओ रिसर्च स्टार्टर्स - बिजनेस, ग्रामरली, एमराल्ड ईकाईस, आईएसआईडी डेटाबेस: इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, प्रोक्वेस्ट शोध प्रबंध और शोध का पूरा पाठ : मानविकी और सामाजिक विज्ञान संग्रह, ऑक्सफोर्ड बिब्लियोग्राफ़ी। सेज अनुसंधान के ऑनलाइन तरीके, और स्कोपस।

समाचार पत्र और पत्रिकाएँ

ब्लूमबर्ग.कॉम, इकोनॉमिक एंड पोलिटिकल वीकली, ईटीपीआरईएम, एफटी.कॉम, इंडिया बिजनेस इनसाइट (आईबीआईडी), मैज्टर, न्यूयॉर्क टाइम्स डॉट कॉम, प्रेसरीडर डॉट कॉम, दी इकोनॉमिस्ट (1997 बाद से), वॉल स्ट्रीट जर्नल, ईबीएससीओ न्यूजवायर और ईबीएससीओ क्षेत्रीय व्यापार समाचार।

अभिलेखीय संग्रह

बिजनेस स्टैंडर्ड न्यूज़पेपर आर्काइव (1997 से), सीएलओसीकेएसएस, एफ़टी आर्काइव (1888-2016), मेकिंग ऑफ़ द मॉडर्न वर्ल्ड, प्रोक्वेस्ट टाइम्स ऑफ़ इंडिया आर्काइव (1838-2008), दी इकोनॉमिस्ट - हिस्टोरिकल आर्काइव (1843-2015) और साउथ एशिया आर्काइव ।

ई-पुस्तकें

बिज़नेस एक्स्पर्ट प्रेस ई-बुक्स, ईबुकसेन्ट्रल (ईब्रेरी : पूर्ण शैक्षणिक), ईबीएससीओ ई-पुस्तकें, एमरेल्ड ई-पुस्तकें, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ई-लाइब्रेरी, ओईसीडी आईलाइब्रेरी (पुस्तकें, शोधपत्र एवं सांख्यिकी), ओयूपी ई-पुस्तकें, ऑक्सफ़ोर्ड हस्तपुस्तिका (हैंडबुक) (अर्थशास्त्र और वित्त - ऑनलाइन), सेज ई-पुस्तकें, टेलर एंड फ्रांसिस ई-पुस्तकें, विश्व बैंक ईलाइब्रेरी, और विश्व ई-बुक लाइब्रेरी।

ई-जर्नल्स

एबीआई / इन्फॉर्म कंप्लीट (डेटलाइन, वैश्विक, व्यापार और उद्योग), अकादमिक सर्च प्रीमियर, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, एनुअल रिव्यू, बिजनेस सोर्स अल्टिमेट, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, एमरेल्ड इनसाइट, विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि आलेख, आईईईई एक्सप्लोर (एएसपीपी+पीओपी), आईजीआई ग्लोबल, इंडियन जर्नल्स डॉट कॉम, इनफ़ॉर्म्स पब्सऑनलाइन, जेएसटीओआर, नेचर : अंतर्राष्ट्रीय साप्ताहिक साइंस जर्नल, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, प्रोक्वेस्ट इकॉनलिट, प्रोक्वेस्ट साइकार्टिकल्स, रिस्कडॉटनेट, सेज जर्नल, साइंस डायरेक्ट (एल्सवियर), स्प्रिंगर लिंक, टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन, विले ऑनलाइन लाइब्रेरी।

अन्य

फिन्सशॉट्स, फिल्म्स ऑन डिमांड, इंडियन इकोनॉमी एंड बिजनेस एनालिसिस, वर्ल्ड बैंक डेटा, एनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटानिका, द केन, पावर लिंगो एफ़एक्स25, स्प्रिंकलर रिसर्च टूल।

विशेष अनुसंधान उपकरण

आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ ए टू जेड, और रिमोटएक्सएस ।

सेवाएँ

- संचलन
- पठन सुविधा
- ईमेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ और सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज़ वितरण
- अंतरपुस्तकालयी ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण और ग्रंथसूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाइन सार्वजनिक सुविधा कैटलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता
- ई बुक रीडर लेंडिंग सेवा
- पुस्तक ड्रॉपबॉक्स सुविधा
- 3 डी प्रिंटर सुविधा
- विषय आधारित पुस्तक प्रदर्शनी
- ऑनलाइन चैट सुविधा
- नेत्रहीन सदस्यों के लिए जेएडब्ल्यूएस बातचीत सॉफ़्टवेयर तथा एसएआरए सीई पुस्तक स्कैनर
- नेत्रहीन सदस्यों के लिए केआईबीओ सॉफ़्टवेयर
- लाइब्रेरी वीआर एप्लीकेशन
- स्वयं पुस्तक जारी/वापसी/नवीकरण के लिए कियोस्क

संस्थागत भंडार

आईआईएम-ए संस्थागत भंडार को संस्थान के विद्वानों के उत्पादों को इकट्ठा करने, संरक्षित करने और वितरित करने के लिए बनाया गया है। यह विद्वानों के संचार को सुविधाजनक बनाने और संस्थागत ज्ञान को संरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

वर्तमान में इस भंडार में 21,000 से अधिक मदें हैं जिनमें संकाय प्रकाशन, शोध प्रबंध और शोध निबंध, छात्र परियोजनाएँ, आधार पत्र, आईआईएम समाचार आदि शामिल हैं।

प्रकाशन

यह पुस्तकालय वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है :

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु : विपणन
- प्रबंधन के वर्तमान सूचकांक : विपणन

इस पुस्तकालय ने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सहायता / सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र) की सदस्यता शुरू की है।

6 अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

6.1 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई)

सीआईआईई को केंद्र के मुख्य लक्ष्यों को साकार करने के लिए कुशल समर्पित इकाइयों के साथ एक मजबूत, कार्यदक्ष नेतृत्व टीम द्वारा मुख्य समर्थित और अखिल भारतीय उपस्थिति द्वारा रणनीतिक साझेदारी के साथ सीआईआईईडॉटकॉ के रूप में फिर से संगठित किया गया। इसका रीब्रांडिंग कार्य के विस्तार का औचित्य साबित करता है। 'सीओ प्रतीक' का अर्थ 'इनोवेशन कॉन्टिनम (नवप्रवर्तन प्रवाह)' है। इस प्रवाह में चार प्रमुख व्यावसायिक इकाइयाँ शामिल हैं; कैटलिस्ट, नेस्ट, इनसाइट और कैपिटल। कैटलिस्ट का उद्देश्य पूर्व श्रृंखला ए की एक श्रृंखला का सबसे बड़ा स्रोत बनना है, जो भारत में एक वित्तपोषित स्टार्टअप है और इसका उद्देश्य भारत में उत्प्रेरक और पूंजी तथा सबसे अच्छे विशिष्ट स्टार्टअपों को गति प्रदान करना है। नेस्ट का उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ स्थानीय उपक्रमों को बुनियादी ढाँचा, ऊष्मायन, सलाह और सहायता प्रदान करके भविष्य के स्टार्टअप कैपिटलों का निर्माण करना है। इनसाइट का उद्देश्य उद्यमी का टूलबॉक्स होना, रुझानों का विश्लेषण करने में मदद करना, डेटा को कार्रवाई योग्य अनुसंधान में बदलना, बुद्धिमानी से व्यापार रूपरेखा बनाना हैं। कैपिटल का उद्देश्य विशिष्ट स्टार्टअप उपक्रमों को प्रारंभिक-चरण का वित्तपोषण प्रदान करके परिणामदायी कंपनियों का निर्माण करना है।

आईआईएमैवरिक्स अध्येतावृत्ति 2020

आईआईएमैवरिक्स अध्येतावृत्ति संस्थान के छात्रों और पूर्वछात्रों के साथ सीआईआईईडॉटकॉ के जुड़ाव का मुख्य आधार रही है। अब तक सीआईआईईडॉटकॉ ने 100 से अधिक छात्रों को उनकी उद्यमिता यात्रा में समर्थन किया है। वर्तमान में सीआईआईईडॉटकॉ निम्नलिखित आईआईएमैवरिक्स का समर्थन कर रहा है :

- फ़िनसेप्शन (https://finception.in/) - भानु गुर्रम, पवन कुमार, श्रेहित करकेरा पीजीपी 18
- ब्राउन सोइल (https://brownsoil.in) - विकास गुलिया पीजीपीएक्स 19
- डेंसिटी (https://www.circlesway.com/) - आंचल तात्या और अभिराम नुकलापति पीजीपी 19
- एकेडेबी सिस्टम्स (https://acadbee.com/) - अरविंद कुमार पीजीपी 17

सीआईआईईडॉटकॉ निधि घर-बैठे-उद्यम (एंटरप्रेन्योर-इन-रेसिडेंस) (ईआईआर) कार्यक्रम के तहत पीजीपीएक्स के पूर्वछात्र प्रतीक बागरिया और ईपीजीपी छात्र उदित सांगवान को भी समर्थन कर रहा है।

सीआईआईईडॉटकॉ द्वारा आयोजित और समर्थित छात्र समारोह

आईआईएमए बूट शिविर

8 आईआईएमैवरिक्स फेलो और ईआईआर स्टार्टअप के सहयोग के लिए 19 से 22 जून, 2019 तक संस्थान में चार दिवसीय आवासीय बूट शिविर आयोजित किया गया। बूट शिविर में प्रोफेसरों के साथ-साथ उद्योग के अग्रणियों और विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए।

प्रायोजकता समारोह

सीआईआईईडॉटकॉ ने रेड ब्रिक समिट 2019 को प्रायोजित करके समर्थन किया, जिसमें सीमेंस से सीएसआर दान के माध्यम से 5 लाख रुपये की राशि जुटाई गई। यह प्रायोजकता निम्नलिखित समारोहों और कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल की गई थी :

- मास्टरप्लान (अखिल भारतीय छात्र बी-प्लान प्रतियोगिता)
- नवप्रवर्तन क्रीडांगण (इनोवेशन प्लेग्राउंड) – यह एक तरह की नवप्रवर्तन संगोष्ठी है जो जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों को एकसाथ लाती है।
- एक स्टार्टअप कैसे शुरू करें (एचटीएसएएस) 4.0 - सीआईआईईडॉटकॉ ने प्रमुख व्याख्यान श्रृंखला को जारी रखने के लिए एंत्रे सेल के साथ भागीदारी की।

लिफ़्टऑफ़ का उद्घाटन

सीआईआईईडॉटकॉ ने पुनर्निर्मित सीआईआईईडॉटकॉ कार्यालय में एक विशेष कमरा समर्पित करके छात्रों और पूर्वछात्रों के लिए समर्थन आगे बढ़ाया।

एंत्रे मेला - आईआईएमए के छात्रों के लिए स्टार्टअप इंटर्नशिप

सीआईआईईडॉटकॉ ने एंत्रे मेले को अक्टूबर 2019 में स्टार्टअपों में इंटर्न को अवसर देने के लिए समर्थन किया। नवंबर में आधिकारिक इंटर्नशिप स्थानन प्रक्रिया से पहले आयोजित किए गए मेले में सात स्टार्टअपों ने भाग लिया। इन स्टार्टअपों ने ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए तीन और समवर्ती परियोजनाओं के लिए चार प्रस्ताव दिए। इसमें आईआईटी गाँधीनगर और एनआईडी के छात्रों ने भी भाग लिया था।

सीआईआईई में अनुसंधान

शिक्षण संसाधन और केस

कोर्स के मॉड्यूल

- भारत समावेशन पहल के तहत 'मापन की (स्केल अप) तैयारी'
- भारत समावेशन पहल के तहत 'गो-टू-मार्केट (बाज़ार तक पहुँचना)'
- भारत समावेशन पहल के तहत 'लोग और संगठन'
- सिस्को इंटरनेट की बातें (आईओटी) नवप्रवर्तन त्वरक के तहत 'आईओटी स्टार्टअपों को स्केल करना'
- प्रणालियाँ, अनुप्रयोग, उत्पाद (एसएपी) क्षेत्रीय नवप्रवर्तन पहल के तहत 'स्केलेबल सोशल एंटरप्राइजेज का निर्माण (संकाय के साथ सह-डिजाइन)'

केस

- ब्लू ओशन टेक में रोहन – पंजीकृत
- कलाइडोफिन - पंजीकरण के लिए प्रस्तुत किया गया
- इको - पंजीकरण के लिए प्रस्तुत किया गया
- एमएचएफ़सी - संपादन जारी है
- माईटी - संपादन जारी है
- रीमटीरियल्स - संपादन चल रहा है
- ग्रीनवे ग्रामीण - लेखन में
- फ़ॉरस हेल्थ पर टिप्पणी - एक बूट शिविर में प्रयुक्त

अनुसंधान अध्ययन

विषय	सह-लेखक	स्थिति
महिला उद्यमी और लिंगवाद	वैभवी कुलकर्णी, निहारिका रुस्तगी और सुप्रिया शर्मा	ईयूआरएएम 2020 में प्रस्तुत करने की स्वीकृति; प्रकाशन की तैयारी
भारत में ऊष्मायन : एक बहुस्तरीय विश्लेषण	निहारिका वोहरा और सुप्रिया शर्मा	प्रकाशन के लिए अध्याय तैयार
		आधार पत्र के रूप में पंजीकृत
डिजिटल वित्तीय सेवाओं में भरोसा बनाना	स्नेहिल बसोया और सुप्रिया शर्मा	गौण अनुसंधान
व्यवसाय में जीवंत कार्रवाई का अनुभव करना : उद्यमिता में एक पाठ्यक्रम पर मीमांसा	निहारिका वोहरा और सुप्रिया शर्मा	आईसीईएफ़बी सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर
एमएसएमई क्रेडिट में ट्रेड फ्रिक्शन को समझना	चिरंतन चटर्जी और अनिंद्य चक्रवर्ती	एमओयू पर हस्ताक्षर किए
दुकानदारों और आपूर्तिकर्ताओं के बीच एक्सएफ़आई डेटा के साथ सार्वजनिक नीति का प्रभाव		

विषय	सह-लेखक	स्थिति
किसानों को शामिल करने पर विभिन्न बाजार पहुंच मॉडल का प्रभाव	हेमेंद्र माथुर, शहजला (एफ़पीएम), नंदिनी सिंह और स्नेहिल बसोया	मध्य-रेखा डेटा संग्रह जारी है
भारत में शिल्पकारी पारिस्थितिकी तंत्र का भूनिर्माण	शैलजा शुक्ला, स्नेहिल बसोया, पल्लवी टाक और चिंतन बख्शी	रिपोर्ट लेखन; निवेशकों की गोलमेज परिषद के दौरान प्रारंभिक अंतर्दृष्टि साझा की गई
इनसर्टेक में उभरते प्रौद्योगिकी के नए उपयोग के केसों की पहचान करना	प्राची चावद्रा, स्नेहिल बसोया, और सुप्रिया शर्मा	230 से अधिक स्टार्टअपों का विश्लेषण संपन्न हुआ

भारत समावेशी अनुसंधान अध्येतावृत्ति

अध्ययन	शोध छात्र	स्थिति
कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं में डिजिटल वित्तीय सेवाओं का उपयोग और क्रॉस-उपयोग	अनीशा सिंह और सूरज नायर, आईएफ़एमआर लीड	अध्ययन संपन्न
ठेके के लिए एक नया प्रतिमान तलाश करना	शरण्या गोपीनाथ, स्वतंत्र कानूनी विशेषज्ञ	अध्ययन संपन्न
गरीबों का वित्तीय जीवन	मोनमी दासगुप्ता, द्वारा अनुसंधान	विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन जारी
भारत के वित्तीय समावेशन उपभोक्ता खंड पर खुले बैंकिंग उत्पादों की धारणा और प्रभाव	अभिनव गुप्ता, एनपीसीआई मयूर सिंघल, प्राइसवाटरहाउसकूपर्स	अध्ययन संपन्न
सही सवाल पूछना : वितरकों और खुदरा निवेशकों के बीच वित्तीय कौशल विषमता को कम करना	रेणुका साने, एनआईपीएफ़पी विमल बालासुब्रमण्यम, वारविक विश्वविद्यालय अदिति डिमरी, वारविक विश्वविद्यालय	अध्ययन संपन्न

सम्मेलन और संगोष्ठी

- प्रोफ़ेसर एम.एस. श्रीराम और प्रोफ़ेसर जोशी जैकब के समर्थन में, *विकल्प* के सहयोग से एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। *विकल्प* में एक संगोष्ठी के रूप में प्रकाशित करना है।
- आईआईटी बॉम्बे और यूनिवर्सिटी ऑफ़ नॉर्थ टेक्सास द्वारा मेजबानी करते हुए आईसीईएफ़बी में एक शोधपत्र "व्यापार की जीवंत कार्रवाई का अनुभव करना: उद्यमिता में एक असामान्य कोर्स पर विचार" (प्रोफ़ेसर निहारिका वोहरा के साथ) प्रस्तुत किया।
- वैंडरबिल्ट लॉ स्कूल, आईजीआईडीआर और एसपीजेआईएमआर द्वारा आयोजित 10वें ईएमएफ़ सम्मेलन में 'एमएसएमई के लिए फ़िनटेक्स' पर एक पैनल संगोष्ठी आयोजित की गई।
- शोधपत्र शीर्षक "सामाजिक उद्यमों में तनाव" (प्रोफ़ेसर अमित कर्णा के साथ) को ईयूआरएएम 2019 में प्रस्तुत किया गया।
- "महिला उद्यमी और लिंगवाद: लिंगवार प्रदर्शन कर दिखाना और सीमाओं को लांघना" शीर्षक वाला शोधपत्र (प्रोफ़ेसर वैभवी कुलकर्णी के साथ) को ईयूआरएएम 2020 में प्रस्तुत करने के लिए स्वीकृत किया गया।

प्रकाशन

- 'भारत में ऊष्मायन: एक बहुस्तरीय विश्लेषण' को आधारपत्र के रूप में पंजीकृत किया गया और इसे "प्रौद्योगिकी ऊष्मायन तथा त्वरक तथा उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र पर हस्तपुस्तिका: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" में प्रकाशित किया जाएगा।
- ओमिदयार नेटवर्क और विलेज कैपिटल के सहयोग में 'भारत में कैटेलाइजिंग सिविकटेक' पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की।

- विभिन्न डिजिटल मंच पर 70 से अधिक लेख और ब्लॉग प्रकाशित किए गए।

सीआईआईईडॉटकॉ ने प्रोफ़ेसर आदित्य मोज़ेस के साथ स्टार्टअपों में सार्वजनिक रणनीति पर आईआईएमए पॉडकास्ट एपिसोड जारी किया।

पुस्तकें

- *द पॉवर ऑफ़ आइडियाज़* की यात्रा और प्रभाव पर एक पुस्तक पर काम सम्पन्न हुआ। कोविड-19 के कारण प्रकाशन में विलंब हुआ है।
- प्रोफ़ेसर वैभवी कुलकर्णी के साथ स्टार्टअप पिचिंग के लिए कार्यपुस्तिका विकसित करना।
- स्टार्टअपों पर एक अर्ध काल्पनिक पुस्तक प्रकाशित करने की तैयारी।
- दो पूर्वछात्रों द्वारा लिखित एचटीएसएएस श्रृंखला पर पुस्तक तैयार करने में समर्थन दिया।

समर्थित पाठ्यक्रम और अनुसंधान

- प्रोफ़ेसर राकेश बसंत द्वारा 'नई प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग, डिजाइन और व्यवसाय मॉडल' के लिए सहायता और समर्थन।
- प्रोफ़ेसर रंजन घोष द्वारा 'कृषिव्यवसाय उद्यमिता' को समर्थन।
- योजनाबद्ध 'ग्राम्य परिवर्तन विश्लेषण केंद्र' के लिए संकल्पित अवधारणा और प्रारंभिक फंड जुटाने को समर्थन किया।
- बीपी इंडिया और प्रोफ़ेसर अनीश सुगाथन के बीच "भारत में अक्षय ऊर्जा हस्तक्षेप के लिए प्रभाव और अगले कदम" के अध्ययन के लिए साझेदारी को सुगम बनाया।
- स्टार्टअप द्वारा उत्पन्न किए जा रहे एमएसएमई क्रेडिट एक्सेस डेटा को शामिल करने हेतु एक अध्ययन के लिए एक्स्ट्राकैप के साथ प्रोफ़ेसर चिरंतन चटर्जी, प्रोफ़ेसर अनिंद्य चक्रवर्ती के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- बैंक ऑफ अमेरिका द्वारा समर्थित 'उत्तरदायी डिजिटल परिवर्तन परिषद' स्थापित करने के लिए प्रारंभिक प्रस्ताव दस्तावेज के विकास को समर्थन।

6.2 लैंगिक मुद्दों के प्रबंधन के लिए समिति (सीएमजीआई)

उत्पीड़न के केसों को संभालने के लिए जारी कामों के अलावा, परिसर पर कई अन्य गतिविधियों में लैंगिक समस्याओं को संभालने में भी समिति शामिल रही।

आयोजित किए गए सत्र

कार्यक्रम का नाम	तारीख	प्रतिभागी
लिंग संवेदीकरण सत्र	18 जून, 2019	पीजीपी छात्र (पाँच अनुभाग)
लिंग संवेदीकरण सत्र	30 मई, 2019	पीएचडी प्रतिभागी
लिंग संवेदीकरण सत्र	17 मई, 2019	एफ़डीपी प्रतिभागी
लिंग संवेदीकरण पर चर्चा	16 अप्रैल, 2019	पीजीपीएक्स महिला प्रतिभागी
लिंग संवेदीकरण सत्र	11 अप्रैल, 2019	पीजीपीएक्स प्रतिभागी

सूचना और जागरूकता का प्रसार

- यौन उत्पीड़न / लैंगिक भेदभाव के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर डिजाइन करना और लगाना
- जागरूकता पैदा करने के लिए पोस्टर और ईमेल अनुस्मारक प्रसारित करना
- ईमेल, सीएमजीआई ऑनलाइन पेज, आईआईएमए सोशल मीडिया पेजों के माध्यम से नीतियों तथा सदस्यों के विवरणों का प्रकाशन करना
- सीएमजीआई नीति दिशानिर्देशों को संशोधित करने के लिए इसकी समिति एक कानूनी सहयोगी के साथ काम कर रही है।
- परिसर को सुरक्षित और उत्पीड़न मुक्त बनाने के लिए सुझावों और चिंताओं के बारे में चर्चा करने के लिए महिला कर्मचारियों (संकाय, महिला कर्मचारियों, अनुसंधान सहयोगियों और अकादमिक सहयोगियों) के साथ बैठकें आयोजित की गई।
- बाथरूम सुरक्षा पर छात्राओं के साथ चर्चा की गई और इसकी जाँच की गई।
- बाथरूम सुरक्षा तथा देखभाल पर हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ बैठकें की गई और उनकी जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए उस पर चर्चा की गई।

6.3 लैंगिक केंद्र

महिलाओं से जुड़ी छात्रवृत्ति और लैंगिक समानता के मुद्दों को बढ़ावा देने के लिए अक्टूबर 2018 में लैंगिक केंद्र की स्थापना की गई थी।

सदस्यों द्वारा आयोजित लिंग-संबंधित अनुसंधानों के बारे में चर्चा की सुविधा के लिए यह केंद्र मासिक बैठकों की मेजबानी करता है। केंद्र ने एक वार्ता श्रृंखला शुरू की है जहाँ सदस्य और छात्र अपने शोध कार्य की छोटी प्रस्तुतियाँ दे सकते हैं। केंद्र की योजना भारत की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित करने की भी है, जिन्होंने लैंगिक समानता पर काम किया हो।

केंद्र के सदस्य महिला सशक्तीकरण, महिला श्रम बल भागीदारी, महिला अनौपचारिक कार्यकर्ताओं, लिंग पूर्वाग्रह, लिंग आधारित हिंसा और लिंग दृष्टिकोण से संबंधित मुद्दों पर काम कर रहे हैं।

केंद्र के वेब पेज पर सदस्यों के काम के बारे में लिंग से संबंधित अधिक विस्तृत जानकारी दी गई है।

6.4 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी)

2014 में विश्व स्वर्ण परिषद से अनुदान के साथ स्थापित, भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) एक स्वतंत्र प्रबुद्ध मंडल है जो स्वर्ण और स्वर्ण बाज़ारों पर अनुसंधान और नीति परामर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है। यह केंद्र संस्थान के तत्वावधान में अनुभवी शोधकर्ताओं और स्वर्ण उद्योग विशेषज्ञों की मजबूत नींव पर बनाया गया है।

सिद्धांत और व्यवहार के मिश्रण तक यह केंद्र उद्योग-व्यापी जुड़ाव के माध्यम से संचालित होता है। इसने केंद्र को मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक स्तर पर अनुसंधान करके काम के दायरे को व्यापक बनाने में मदद की है तथा व्यापार और सरकार को सलाह देने की स्थिति में है।

इसकी स्थापना के पाँच वर्ष पहले से, केंद्र नीतिगत पक्ष के कुछ प्रमुख घटनाक्रमों को देखने के लिए उत्साहित है, जो अंतिम उपभोक्ता की रक्षा और स्वर्ण और आभूषण उद्योग को औपचारिक चैनल में स्थानांतरित करने के लिए पूर्णतया ध्यानकेंद्रित है। पिछले वर्ष, केंद्र ने सोने की खपत पर एक देशव्यापी घरेलू सर्वेक्षण शुरू किया, जो अपनी तरह का पहला था। यह अनुसंधान उत्पादन की गुणवत्ता को और आगे बढ़ाएगा। ओईसीडी जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ जुड़ाव एक जिम्मेदार और स्थायित्व के लिए उद्योग के विकास को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रभाव डालने का एक तरीका था।

केंद्र विभिन्न मीडिया में प्रकाशित अपने अभिप्रायों पर लेख लिखकर व्यापक जनता के साथ संलग्न है।

आईजीपीसी ने उद्योग, नीति निर्माताओं, तथा अंतरराष्ट्रीय विद्वानों की सक्रिय भागीदारी के साथ नई दिल्ली में स्वर्ण और स्वर्ण बाजार पर अपने प्रमुख वार्षिक सम्मेलन का आयोजन भी किया था। इस सम्मेलन में इस क्षेत्र में अनुसंधान पर चर्चा करने के लिए शोध पत्र भी आमंत्रित किए गए थे।

गतिविधियाँ और प्रतिभागिता

- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण सम्मेलन (आईआईजीस), अमृतसर
- एसोचैम स्वर्ण शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली
- भारतीय स्वर्ण एवं आभूषण शिखर सम्मेलन (आईजीजेएस), दिल्ली
- रूसी बुलियन फोरम, मास्को
- स्वर्ण की कीमतों की पुनर्कल्पना पर उद्योग के साथ वेबिनार

6.5 कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए)

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान केंद्र है जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त, नीति तथा समस्या सुलझाने के अनुसंधान से जुड़ा हुआ है। यह केंद्र इन क्षेत्रों / विषय क्षेत्रों की शिक्षण, प्रशिक्षण तथा परामर्शन गतिविधियों में भी शामिल है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएँ

- ई-एनएएम और एपीएमसी का आकलन: गैर-भागीदारी के लिए कल्याणकारी प्रभाव और कारण
- भारतीय कृषि में पानी के उपयोग और इसकी क्षमता में सुधार: प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना (पीएमकेएसवाई) का प्रभाव: प्रति बूंद अधिक फसल
- निर्माता कंपनियों के प्रदर्शन और प्रभाव को समझना: भारत में राज्यों और प्रमोटरों के केस का अध्ययन

शिक्षण

सीएमए विषय-क्षेत्र ने विभिन्न कार्यक्रमों में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की पेशकश की है :

पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपी, पीजीपीएक्स, और ईपीजीपी

अनिवार्य

- कृषि-व्यवसाय उद्यमिता
- कृषि-व्यवसाय नेतृत्व
- कृषि और खाद्य नीति
- कृषि वित्त
- कृषि परिचय
- कृषि-व्यवसाय परियोजनाओं का प्रबंधन
- कृषि आदानों का विपणन
- ग्रामीण, सामाजिक, और संस्थागत माहौल
- रणनीतिक खाद्य विपणन

ऐच्छिक

- कृषि बाजार और मूल्य निर्धारण
- कृषि वायदा, विकल्प, और जोखिम प्रबंधन
- साइन: रचनात्मकता, नवप्रवर्तन, ज्ञान, नेटवर्क और उद्यमिता की समझ
- भारतीय कृषिव्यवसाय के लिए खाद्य प्रणाली दृष्टिकोण
- अंतर्राष्ट्रीय कृषि-खाद्य व्यापार
- ग्रामीण विपणन
- कृषि के लिए बिक्री और वितरण प्रबंधन
- शोध यात्रा
- मूल्य श्रृंखला प्रबंधन - कृषि व्यवसाय में अनुप्रयोग

पीएच.डी. कार्यक्रम (खाद्य एवं कृषि व्यवसाय)

अनिवार्य

- कृषि विकास नीति
- कृषि प्रबंधन - I
- कृषि प्रबंधन - II
- कृषि मूल्य श्रृंखला प्रबंधन और विकास

ऐच्छिक

- खाद्य और कृषि के लिए अनुप्रयुक्त सूक्ष्मअर्थशास्त्र
- नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव

सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम

ऐच्छिक

- खाद्य और कृषि व्यवसाय

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- कृषि आदान विपणन

कृषि-आर्थिक नीति सार और कृषि-आर्थिक चेतावनी

केंद्र ने कृषि-आर्थिक नीति सार और कृषि-आर्थिक चेतावनी से प्रत्येक में छह संस्करण प्रकाशित किए।

सम्मेलन / कार्यशालाएँ / संगोष्ठियाँ

तीसरा 'भारत आउटलुक कृषि मंच 2019' : 26-27 सितंबर, 2019 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी), नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस मंच ने किसानों के लिए सार्वभौमिक बुनियादी आय / भुगतान और अन्य प्रमुख चुनौतियों और कृषि क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया। प्रोफ़ेसर सुखपाल सिंह ने 'कृषि में भरपूर समस्याओं का प्रबंधन' सत्र में भारत में योजनाबद्ध उत्पादन और विपणन की भूमिका विषय पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

"भारत की कृषि में जल उपयोग तथा उसकी क्षमता में सुधार: प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) - सूक्ष्म सिंचाई" विषय पर 25 सितंबर, 2019 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

6.6 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)

आईआईएमए-सीएमएचएस संगोष्ठी श्रृंखला

सीएमएचएस ने अगस्त 2014 से एक संगोष्ठी श्रृंखला की पेशकश शुरू की। वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित संगोष्ठियाँ आयोजित की गई :

- 3 अप्रैल, 2019 को "अवलंबन" पर पैनल चर्चा।
- 2 सितंबर, 2019 को प्रोफ़ेसर शाद मॉरिस द्वारा "उभरते बाजार में नवाचार: स्वास्थ्य के लिए निहितार्थ" पर अतिथि व्याख्यान।
- 13 सितंबर, 2019 को "ऑन्कोलॉजिस्ट" पर संगोष्ठी।
- 22 अक्टूबर, 2019 को डॉ. राकेश गुप्ता द्वारा "सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल और स्कूल शिक्षा में सुशासन : हरियाणा से अंतर्दृष्टि" पर अतिथि व्याख्यान।
- 22 नवंबर, 2019 को सुश्री पल्लवी कुमार द्वारा "अंग दान जागरूकता" पर सत्र।
- 25 नवंबर, 2019 को मोटापे और फिटनेस पर एक चर्चा : इस मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार करना और स्वस्थ तथा खुशहाल जीवन जीने के लिए इसके खिलाफ लड़ना विषय पर पैनासिया - आईआईएमए के स्वास्थ्य देखभाल क्लब के साथ संयुक्त रूप से आयोजित "एंटी-ओबेसिटी (फिटनेस) कॉन्क्लेव"।
- 19 दिसंबर, 2019 को डॉ. चिराग शाह, एएमसी, और समुदाय-आधारित संगठनों के प्रतिनिधियों, सखीज्योत संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा, "सीमांत जनसंख्या के साथ काम करने की अंतर्दृष्टि, विशेष रूप से अहमदाबाद के सेक्स वर्कर्स" पर सत्र।
- 5 मार्च, 2020 को "कोरोना को सम्मिलित करते हुए: भारत की प्रतिक्रिया के बारे में डिजाइन तथा विचार" विषय पर पैनल चर्चा।
- 9 मार्च, 2020 को स्क्रीनिंग - एक पीरियड स्टोरी एपिसोड पर पैनेशिया – आईआईएमए के स्वास्थ्य देखभाल क्लब के साथ संयुक्त रूप से आयोजित, "मासिक धर्म के दौरान जिन भेदभावों का सामना महिलाओं द्वारा किया जाना" पैनल चर्चा।
- 14 मार्च, 2020 को श्री रोहित चिंचणीकर द्वारा "भीड़ स्रोतकरण: अस्पतालों के लिए वित्तपोषण की यंत्ररचना" पर संगोष्ठी।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाओं में प्रगति (आईसीएएचएमएस 2020) पर पाँचवाँ सम्मेलन 14 से 16 फरवरी, 2020 के दौरान आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य अत्याधुनिक अनुसंधान, नए विचार, बहस के मुद्दों को साझा करने और स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति को संबोधित करने के लिए शिक्षाविदों, चिकित्सकों, नीति निर्माताओं, आदि को एकसाथ एक मंच पर लाना था। इसमें 100 प्रतिभागी शामिल हुए थे और 43 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए थे।

आईसीएएचएमएस 2020 में मुख्य संबोधन

- डॉ. अरविंद श्रीनिवासन, अरविंद आई केयर द्वारा मुख्य सत्र।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, गुजरात सरकार की प्रधान सचिव डॉ. जयंती रवि द्वारा मुख्य सत्र
- डॉ. के. मदन गोपाल, वरिष्ठ सलाहकार (स्वास्थ्य), नीति आयोग, नई दिल्ली द्वारा मुख्य सत्र।

आईसीएएचएमएस 2020 में पैनल चर्चा

- "स्वास्थ्य देखभाल आईटी में नैतिक कानूनी और सामाजिक मुद्दे (ईएलएसआई)"
- "चिकित्सा व्यय के लिए धन का क्राउडसोर्सिंग (हेल्थकेयर आईटी में ईएलएसआई)"
- "डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा"
- "स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी में उद्यमिता और नवप्रवर्तन"
- "सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए नेतृत्व"
- "सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में नवप्रवर्तन"

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन
- स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण
- अस्पताल प्रबंधन
- अंग दान और प्रत्यारोपण-एक नीति परिप्रेक्ष्य पर 12वें राष्ट्रीय वार्षिक प्रत्यारोपण समन्वयक सम्मेलन और संगोष्ठी का आयोजन 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2019 को एनएटीसीओ और एमओएचएएन फाउंडेशन के सहयोग से किया गया।

6.7 सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी)

सार्वजनिक प्रणाली समूह सामरिक सार्वजनिक प्रबंधन, सार्वजनिक तथा सामाजिक नीति पर अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रशिक्षण, और संगठनात्मक कार्य को संभालता है। इस समूह का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन की अवधारणाएँ तथा सिद्धांत उत्पादित करेंगे और साथ-साथ नीति बनाने के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को विद्वानों की तरह समझ एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति प्रदान करेंगे। यह समूह प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान, और मानविकी में व्यापक अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि और विषयों को एकीकृत करता है।

संकायों के वर्तमान अनुसंधान हितों में दीर्घकालिक उत्सर्जन परिदृश्य और मॉडलिंग सहित ऊर्जा एवं जलवायु में परस्पर परिवर्तन, पर्यावरण एवं स्थिरता, वैश्विक पर्यावरण वार्ता और जोखिम मूल्यांकन; प्राथमिक, द्वितीयक, व तृतीयक स्वास्थ्य क्षेत्रों को समाहित करते हुए अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रणालियाँ; शहरी प्रबंधन, परिवहन एवं विमानन प्रबंधन, बुनियादी ढाँचे का विकास एवं पुनर्वास; सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, व सामुदायिक विकास; सार्वजनिक प्रणालियों में संचालन अनुसंधान, प्रभाव आकलन तथा दूरसंचार शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार, माहौल और स्थिरता
- सरकारी प्रणालियाँ और नीति प्रक्रियाएँ
- व्यवसाय का सामाजिक सांस्कृतिक माहौल

ऐच्छिक

- कार्बन वित्त
- व्यापार और नीति निर्णय निर्माण के लिए प्रयोग
- सुशासन और गरीबी में रहने वाले लोग
- अवसंरचनात्मक विकास और वित्त पोषण
- शहरी परिवहन प्रबंधन में नवप्रवर्तन
- बुद्धिमत्तापूर्ण परिवहन प्रणालियाँ
- बडे डेटा पर अंतर्विषयक परिपेक्ष्य
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- जोड़-तोड़, कल्पित कथा, और विपणन
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- सार्वजनिक नीति
- नेटवर्क सोसायटी में व्यापार और मानव विकास को समझने के लिए गुणवत्तात्मक अनुसंधान के तरीके
- रेल परिवहन योजना और प्रबंधन
- शोध यात्रा : जमीनी स्तर से शिक्षण
- सामाजिक उद्यमिता : नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन
- सार्वजनिक नीति के दार्शनिक आधार : नैतिकता, मूल्य और आचारसंहिता
- परिवर्तनकारी सामाजिक आंदोलन
- शहरी अर्थशास्त्र और व्यापार माहौल

पीजीपी-एफ़एबीएम

- स्थायित्व प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- अवसंरचना विकास और सार्वजनिक निजी भागीदारी
- सत्ता और राजनीति और सार्वजनिक नीति
- शोध यात्रा
- सामाजिक उद्यमिता: नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन

ईपीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट स्थायित्व

ऐच्छिक

- व्यापार नीति निर्णयनिर्माण के लिए प्रयोग
- प्रबंध परिवहन: व्यापार मॉडल और नीति उपकरण
- परिवहन अवसंरचना नीति अभ्यास

पीएच.डी. कार्यक्रम

अनिवार्य

- नीति विश्लेषण और अनुसंधान के लिए तरीके
- सार्वजनिक वित्त
- जन प्रबंधन
- सार्वजनिक नीति

ऐच्छिक

- व्याख्यात्मक अनुसंधान के तरीके
- सामाजिक नीति अनुसंधान में कारण अनुमान के लिए मात्रात्मक तरीके
- भारतीय राज्य, नागरिकता, एकजुटता और न्याय के लिए प्रश्न : एक संस्थागत और संगठनात्मक सिद्धांत परिप्रेक्ष्य

एफ़डीपी

- अनुसंधान की कारीगरी और प्रकाशन
- सार्वजनिक नीति और विकास

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- शिपिंग के लिए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम
- सतत वित्त

6.8 रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र (आरजेएमसीईआई)

वर्ष के दौरान, आरजेएमसीईआई ने गुजरात के 1,40,000 शिक्षकों के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम के साथ सार्वजनिक स्कूली शिक्षा प्रणाली में प्रौद्योगिकी-संचालित, नवीन प्रथाओं-आधारित ऑनलाइन व्यावसायिक विकास पर अपने शोध के अंतिम चरण को पूरा किया। आरंभ की गई अन्य परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

- गुजरात में अनुसंधान और क्षेत्र-व्यवहार को प्रभावित करना : छात्रों के 'मनो-शैक्षिक परिणामों' पर स्कूल के माहौल का प्रभाव, एक अध्ययन जो स्कूलों और छात्र मनो-शैक्षिक परिणामों में सामाजिक-भावनात्मक माहौल को बेहतर बनाने में ऑनलाइन व्यावसायिक विकास की प्रभावकारिता की जाँच करना चाहता है।
- 'स्कूल के छात्रों को लिंग और किशोरावस्था से संबंधित मुद्दों से निपटने में मदद करना: गुजरात में हस्तक्षेप का विकास और मूल्यांकन करना
- 'क्लेंस इम्पोस्टेर फेनोमेनन स्केल के बंगाली संस्करण को मान्य करना'।

पाठ्यक्रम

- शैक्षिक नीति का विश्लेषण और मूल्यांकन
- शैक्षिक अनुसंधान के लिए अनुप्रयुक्त मात्रात्मक तकनीकें
- शिक्षा में परिवर्तन और नवप्रवर्तन
- शिक्षा का अर्थशास्त्र
- शिक्षा सिद्धांत, नीति और व्यवहार
- शिक्षा में उद्यम और नवप्रवर्तन
- छात्रों को पढ़ाई के लिए कैसे प्रेरित करें
- शिक्षा में मिश्रित-तरीकों वाले अनुसंधान
- शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके
- भारतीय शिक्षा में दूसरी पीढ़ी की चुनौतियाँ

स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए कार्यक्रम

स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए एक सप्ताह के कार्यक्रम का 20वां संस्करण, **बदलते माहौल में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व,** अक्टूबर 2019 में आयोजित किया गया था। आरजेएमसीईआई के सदस्य अरुणाचल प्रदेश और दिल्ली के सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए भी स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रमों में शामिल थे।

डॉक्टरेट कार्यक्रम ने एक छात्र को प्रवेश दिया; और एक छात्र ने स्नातक किया। वर्ष के अंत में, कार्यक्रम में नौ छात्र थे। वर्ष के दौरान, इस केंद्र के संकाय ने नपुंसक सिंड्रोम / घटना, माता-पिता ने विज्ञान में अपने बच्चों की शुरूआती रुचि का समर्थन फ़ंड्स ऑफ़ नॉलेज फ्रेमवर्क से किया, भारत में स्कूल युक्तिकरण, सकारात्मक स्कूली माहौल, स्कूल नेतृत्व, वर्गखंडों में प्रौद्योगिकी एकीकृतता की बाधाएँ, और ऑनलाइन छात्र इंटर्नशिप के बारे में शोधपत्र प्रकाशित किए।

आरजेएमसीईआई के बारे में अधिक विवरण https://www.iima.ac.in/web/areas-and-centres/areas-and-groups/rjmcei पर उपलब्ध हैं।

6.9 जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल (जेएसडब्ल्यू एसपीपी)

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या ततवारी को "समय या धन की कमी के तहत समाजपक्षीय व्यवहार" नामक शोध परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए मूलधन अनुसंधान अनुदान प्रदान किया गया।

एलबीएसएनएए केस अध्ययन

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के साथ यह सहयोग 2018-19 के दौरान शुरू किया गया था। यह योजना छह केस अध्ययन विकसित करने के लिए थी, लेकिन केवल चार की अनुमति मिली थी। यात्रा और रसद चुनौतियों के कारण इन केस लेखन परियोजनाओं में देरी हुई है।

जेएसडब्ल्यू-एसपीपी संगोष्ठी श्रृंखला

वर्ष के दौरान पाँच संगोष्ठियाँ आयोजित की गई थी :

वक्ता	तारीख	संगोष्ठी / वार्ता शीर्षक
प्रोफ़ेसर स्टीवन आई. विल्किंसन नीलेकणि भारत से प्रोफ़ेसर और दक्षिण एशियाई अध्ययन के प्रोफेसर और राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर, येल विश्वविद्यालय	15 जुलाई, 2019	भारत की लोकतांत्रिक सफलता
विश्व बैंक में आर्थिक सलाहकार डॉ. एजाज सैयद घानी	14 अगस्त, 2019	उद्यमी क्यों जाते हैं, वे कहाँ जाते हैं? भारत से साक्ष्य
प्रोफ़ेसर मैत्रेईश घटक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	20 अगस्त, 2019	एक समावेशी विकास लाभांश : भारत की गरीबी-विरोधी रणनीति में आय हस्तांतरण की भूमिका को फिर से तैयार करना
श्री शम्स आज़ाद बांग्लादेश में बीआरएसी माइक्रोफाइनेंस कार्यक्रम के मुख्य परिचालन अधिकारी	4 नवंबर, 2019	बीआरएसी माइक्रोफाइनेंस प्रोग्राम पर नीति संवाद
प्रोफ़ेसर चंद्रा भट्ट ऑस्टिन के टेक्सास विश्वविद्यालय में जो जे किंग चेयर इंजीनियरिंग में प्रोफेसर और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर	30 जनवरी, 2020	एक नए डेटा लैंडस्केप में योजना और सार्वजनिक नीति के लिए भविष्य की विश्लेषिकी

सम्मेलन / संगोष्ठी

- समकालीन भारत में कानून और कानूनी संस्थाएँ (23 नवंबर, 2019)
- सार्वजनिक नीति स्कूल ने 23 नवंबर, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में "लॉ एंड लीगल इंस्टीट्यूशंस इन कंटेम्परेरी इंडिया: इन ऑनर ऑफ एन. आर. माधव मेनन" पर एक दिवसीय सम्मेलन का समर्थन और सह-आयोजन किया। इस सम्मेलन में प्रमुख वक्ताओं और प्रतिभागियों में निम्नलिखित शामिल थे :
- माइकल किर्बी, इंटरनेशनल बार एसोसिएशन के मानवाधिकार संस्थान के सह-अध्यक्ष
- विक्रमजीत बनर्जी, भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल
- प्रोफेसर जी. हरगोपाल, प्रतिष्ठित नागरिक अधिकार कार्यकर्ता, जो राष्ट्रीय विधि स्कूल भारतीय विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के साथ कार्यरत हैं
- कृष्णन वेणुगोपाल, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील
- सिद्धार्थ वरदराजन, वरिष्ठ पत्रकार और www.thewire.in के संस्थापक प्रोफेसर भट्टचार्य, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल में एसोसियट प्रोफेसर
- प्रोफ़ेसर शिल्पी भट्टाचार्य, निंदल ग्लोबल लॉ स्कूल में एसोसिएट प्रोफ़ेसर
- प्रोफेसर निर्मल कांति चक्रवर्ती, पश्चिम बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जुरिडिकल साइंसेज, कोलकाता के कुलपति
- प्रोफेसर भवानी प्रसाद पांडा, महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति
- डॉ. शिबानी घोष, फेलो, नीति अनुसंधान केंद्र
- आर.जे.आर. काशीभटला, उप कानूनी सलाहकार, कानून और न्याय मंत्रालय
- सिद्धार्थ शर्मा, सर्वोच्च न्यायालय के वकील
- प्रोफेसर अजय गुडावर्ती, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर एम.वी. शिजू, प्रोफेसर, क्राइस्ट एकेडमी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, बेंगलुरु
- जैकब पी. एलेक्स, वकील, केरल उच्च न्यायालय

जेएसडब्ल्यू-एसपीपी अभिभावकता और पूँजीवाद के भविष्य पर संगोष्ठी (4 फरवरी, 2020)

एसपीपी द्वारा महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती पर "अभिभावकता और पूँजीवाद के भविष्य" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसने अभिभावकता के विचार - किसी व्यक्ति के धन के एक निश्चित भाग को समाज के बड़े कल्याण के लिए ट्रस्ट में रखा जाने को प्रस्तावित किया था। गाँधी के इस विचार का यह स्पष्ट अध्ययन है और इसमें आज चल रही बड़ी बहस पर प्रकाश डालने की क्षमता है कि क्या सामाजिक रूप से सदाचारी व्यवसाय के तरीके शेयरधारक पूँजीवाद के साथ संगत हैं।

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल ने 4 फरवरी, 2020 को संगोष्ठी का आयोजन किया था। संगोष्ठी का उद्घाटन नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफ़ेसर माइकल स्पेंस ने किया था। सम्मेलन में निम्नलिखित प्रमुख वक्ता और पैनलिस्ट शामिल थे :

- प्रोफ़ेसर माइकल स्पेंस (अर्थशास्त्र में नोबेल विजेता), न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस में अर्थशास्त्र और व्यवसाय में विलियम आर. बर्कले प्रोफ़ेसर।
- प्रोफ़ेसर पीटर डिसूजा, डी. डी. कोसंबी चेयर प्रोफ़ेसर, गोवा विश्वविद्यालय
- डॉ. रजनी बख्शी, लेखक और स्वतंत्र पत्रकार, इससे पूर्व में गेटवे हाउस में गाँधी पीस फेलो : वैश्विक संबंध पर भारतीय परिषद ।
- प्रोफ़ेसर त्रिदीप सुह्रद, प्रोवोस्ट, सीईपीटी विश्वविद्यालय,
- सुश्री जयश्री लालभाई, शिक्षाविद् और ट्रस्टी, कस्तूरभाई लालभाई संग्रहालय,
- श्री रोनेन सेन, अनुभवी भारतीय राजनयिक, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, जर्मनी, मैक्सिको में भारत के राजदूत और ब्रिटेन के उच्चायुक्त और टाटा संस के बोर्ड में गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक थे,
- श्री प्रदीप भार्गव, कमिंस इंडिया लिमिटेड के निदेशक,

कार्यकारी शिक्षा और प्रशिक्षण

कार्यकारी शिक्षा समिति के साथ मिलकर काम करते हुए सरकारी अधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं से प्राथमिक भागीदारी के साथ चल रहे कार्यक्रमों में कुछ सत्र लिए गए। ये सत्र जेएसडब्ल्यू-एसपीपी गतिविधियों, सामान्य ब्रांड निर्माण और जागरूकता के साथ प्रतिभागियों को परिचित करने के लिए आयोजित किए गए थे। लघु अवधि के कार्यक्रम के लिए भारत के डाक विभाग को प्रस्ताव भेजे गए। आगे के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को एमएनजीएफ़ कार्यक्रम के तत्वावधान में डीएमईओ और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के माध्यम से नीति-आयोग के साथ जुड़ने की संभावना है।

स्कूल का विशेष भौतिक स्थान

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल के वास्तुशिल्प डिजाइन कार्य को प्रसिद्ध बहुप्रतिक्षित वास्तुकार और शिक्षक प्रोफ़ेसर राहुल मेहरोत्रा (आरएमए आर्किटेक्ट्स मुंबई / बोस्टन) को दिया गया है। प्रोफ़ेसर मेहरोत्रा हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन (एचएसडी) में प्रोफ़ेसर हैं और प्रतिष्ठित इमारतों को डिज़ाइन करने के लिए जाने जाते हैं।

56,420 वर्ग फुट के स्कूल भवन में एक बड़ा मंच, एक 120-बैठक की क्षमता वाला क्लासरूम, दो साठ-बैठक क्षमता वाले क्लासरूम, एक फ्लैट-फ्लोर्ड क्लासरूम, आठ संगोष्ठी कक्ष, 18 संकाय कार्यालय, छोटा पुस्तकालय, कार्यक्रम कार्यालय आदि होंगे।

भवन का निर्माण कार्य पीएसपी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को दिया गया, जो गुजरात के सबसे प्रतिष्ठित ठेकेदारों में से एक था। यह काम 1 अप्रैल, 2019 को शुरू हुआ और 30 जून, 2020 को पूरा होने की निर्धारित तिथि थी। विभिन्न बाधाओं के कारण इस तिथि को 4 अगस्त, 2020 तक बढ़ा दिया है। निर्माण पूरी तरह से चल रहा था लेकिन जब कोविड आया तो अचानक सबकुछ रुक गया।

वर्तमान में, भवन का चिनाई का काम किया जा रहा है। ठेकेदार को काम पूरा करने के लिए 31 अक्टूबर, 2020 तक का समय दिया गया था। हालांकि, काम का पूरा होना मजदूरों के दलों की वापसी पर है।

स्थिर फर्नीचर के लिए एक निविदा मंगाई गई है। खुले फर्नीचर और श्रव्य-दृश्य / आईटी के लिए निविदाएँ शीघ्र ही मंगाई जाएंगी।

7 अनुशासनिक विषय-क्षेत्र

संस्थान में नौ अनुशासनिक क्षेत्र हैं : व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके – जो कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश के अलावा, पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीएच. डी. कार्यक्रम, पीजीपीएक्स, ईपीजीपी, ईपीजीडी-एबीए, एफ़डीपी, सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में विभिन्न अनिवार्य एवं ऐच्छिक पाठ्यक्रम भी साथ में पेश किए जाते हैं।

7.1 व्यापार नीति

व्यापार नीति विषय-क्षेत्र के संकाय प्रतिस्पर्धी और कॉर्पोरेट रणनीतियों, डिजाइन सोच, पारिवारिक व्यवसाय की गतिशीलता, उद्यमशीलता, नवाचार, नेतृत्व, व्यापार के कानूनी पहलू, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रबंधन, और कार्रवाई अनुसंधान क्षेत्रों के शिक्षण और अनुसंधान में रुचि रखते हैं। ये संस्थान की विभिन्न लघु और दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों, सलाहकार सेवाओं, प्रकाशन, और प्रशासनिक गतिविधियों के शिक्षण में शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन
- रणनीति कैपस्टोन

ऐच्छिक

- व्यापार लापरवाही, दायित्व और कानून
- व्यापार कराधान
- व्यापार, सरकार और कानून
- क्षमता, सामर्थ्य और प्रतिस्पर्धी रणनीति
- परामर्श और व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- डिजिटल रणनीति और डिजिटल परिवर्तन
- बायोफर्मासिटिकल उद्योग का अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमी विचार और कार्रवाई
- व्यापार कानून की सीमाएँ
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- नेतृत्व: विजन, अर्थ, और वास्तविकता
- बहुराष्ट्रीय कंपनी रणनीतियाँ और अंतर्राष्ट्रीय विस्तार विकल्प
- प्रबंधन में रहस्य
- टेलीकॉम और अगली पीढ़ी के व्यवसाय की पुनर्कल्पना
- उभरते बाजारों में रणनीति

पीजीपी-एफ़एबीएम

ऐच्छिक

- खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय अंतरराष्ट्रीय रणनीतियाँ और संगठन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- व्यवसाय अनुकार कार्य – कैपस्टोन
- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- नेतृत्व मूल्य और नैतिकता
- व्यापार के कानूनी पहलू
- विलय और अधिग्रहण
- रणनीतिक प्रबंधन

ऐच्छिक

- उद्यमिता और डिजाइन सोच
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- परिवर्तनकारी नेतृत्व और संगठनात्मक प्रभाव

नए ऐच्छिक

- डिजिटल रणनीति और डिजिटल परिवर्तन

ईपीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार के कानूनी पहलू
- सामरिक प्रबंधन

ऐच्छिक

- व्यापार में लापरवाही, दायित्व और कानून
- उद्यमिता एवं सृजनात्मकता

पीएच. डी. कार्यक्रम

अनिवार्य

- कार्रवाई अनुसंधान प्रणालीविज्ञान में उन्नत संगोष्ठी
- अंतर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन के प्रतिष्ठान
- सामरिक प्रबंधन 1
- सामरिक प्रबंधन 2
- रणनीति और नवाचार

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- विलय और अधिग्रहण
- उद्यमिता पर संगोष्ठी

एएफ़पी

- व्यापार विवाद समाधान
- उद्यमिता
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- व्यापार के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन

एफ़डीपी

- उन्नत रणनीति प्रबंधन (वैकल्पिक)
- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- अनुबंध प्रबंधन
- उद्यमी संगठन बनाना
- डिज़ाइन सोच
- पारिवारिक व्यवसाय : संगठन, रणनीतियाँ, अंतरराष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार
- नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यवसाय प्रबंधन
- वैश्विक खरीद और निर्यात संविदा प्रबंधन
- 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- विकास की रणनीतियाँ
- रणनीति कार्यान्वयन
- युवा उद्यमी कार्यक्रम

7.2 संचार

संचार विषय-क्षेत्र संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में कई अनिवार्य / मूल और वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इनके बारे में विवरण नीचे दिये गए हैं :

पाठ्यक्रम

पीजीपी/पीजीपी-एफ़एबीएम

अनिवार्य

- प्रबंधकीय विश्लेषण और संचार
- साक्षात्कार और प्रस्तुतियों पर कार्यशाला
- लिखित विश्लेषण और संचार

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल
- मुश्किल संचार
- अंतर - संस्कृति संचार
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीति, नीतिशास्त्र, और समूह संचार की तकनीकें
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार
- डिजिटल युग में सामरिक संचार
- रणनीतिक मोलभाव और कौशल

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- प्रबंधन संचार

ऐच्छिक

- प्रेरक प्रबंधक

ईपीजीपी

अनिवार्य

- प्रबंधकीय संचार 1
- प्रबंधकीय संचार 2

ऐच्छिक

- कॉरपोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- अंतर - संस्कृति संचार

एएफ़पी

- प्रबंधकों के लिए संचार

एफ़डीपी/पीएच.डी. कार्यक्रम

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

परियोजना पाठ्यक्रम

- लिंग विविधता और उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं के बीच सहसंबंध का विश्लेषण
- कार्य उन्मुख व्हाट्सएप ग्रुपों में मैसेजिंग व्यवहार का विश्लेषण
- कर्मचारी स्वयंसेवी मॉडल को समझना और विविध कंपनियों के लिए उनकी प्रयोज्यता
- अग्रणियों की समझ को समझना: भाषण विश्लेषण

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- लोगों को साथ लेकर : अनुनय द्वारा प्रबंध
- जीतने की कगार : अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ

अनुसंधान और प्रकाशन

इस विषय-क्षेत्र के क्षेत्र के सदस्य अनुसंधान, प्रकाशन और प्रशासनिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। उनके शिक्षण और अनुसंधान हित प्रबंधकीय और कॉर्पोरेट संचार, प्रतिष्ठा प्रबंधन, सोशल मीडिया, रणनीतिक संचार, लैंगिक मुद्दों, पारस्परिक संचार तथा समाज और संस्कृति में हैं।

7.3 अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- वृहत् अर्थशास्त्र एवं नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- व्यवहारिक एवं प्रायोगिक अर्थशास्त्र
- आर्थिक विकास नीति और विकास
- बायोफर्मासिटिकल उद्योग का अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- खाद्य गुणवत्ता का अर्थशास्त्र
- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- वैश्विक वित्त और व्यापार
- वित्तीय क्षेत्र में शासन और विनियमन
- पाँच शताब्दियों में व्यवसाय और अर्थशास्त्र के लिए हिचहाइकर की मार्गदर्शिका
- भारतीय अर्थव्यवस्था और आज का समाज
- बिग डेटा पर अंतःविषय परिप्रेक्ष्य
- प्रबंधकीय अर्थमिति
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- भूमि भवन बिक्री प्रबंधन
- विश्व अर्थव्यवस्था: व्यापार, सरकार और नीति

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- कंपनियाँ और बाजार
- मुक्त अर्थव्यवस्था वृहत् अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- खेल सिद्धांत और प्रयोग
- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थशास्त्र
- अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और राजनीतिक माहौल

ईपीजीपी

अनिवार्य

- बृहत् अर्थशास्त्र
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- बिग डेटा: संभावनाएँ और चिंताएँ
- खेल का सिद्धांत
- अंतरराष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार
- काम का भविष्य और इसके बाजार

पीएच.डी. कार्यक्रम

अनिवार्य

- अर्थमिति 1
- बृहत अर्थशास्त्र 1
- बृहत अर्थशास्त्र 2
- अर्थशास्त्रियों के लिए गणित
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र 1
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र 2

ऐच्छिक

- उन्नत वृहत् अर्थशास्त्र
- विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक नीति
- अर्थमिति 2
- रणनीति का अर्थशास्त्र (बीपी-ईसीओ संयुक्त क्षेत्र)
- नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव (एफ़एबी-ईसीओ संयुक्त विषय-क्षेत्र)
- सार्वजनिक वित्त (पीएजी-इको संयुक्त विषय-क्षेत्र)
- समय श्रृंखला विश्लेषण

एएफ़पी

अनिवार्य

- बृहत् अर्थशास्त्र
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- रणनीतिक निर्णय निर्माण के लिए खेल सिद्धांत
- अवसंरचना प्रबंधन

एफडीपी

- आर्थिक माहौल और नीति
- रणनीतिक निर्णय लेने के लिए खेल सिद्धांत

7.4 वित्त एवं लेखा

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाज़ार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश
- प्रयुक्त मूल्य निवेश
- व्यवहार वित्त
- बिटकॉइन और ब्लॉकचेन
- भविष्य के गर्भ में क्या है, राम जाने : वित्तीय संकट के तहत प्रबंध *
- निगम से संबंधित शासन प्रणाली
- वित्तीय वक्तव्य विश्लेषण
- कंपनियों का वित्तपोषण
- निश्चित आय प्रतिभूतियाँ
- वायदा, विकल्प, और जोखिम प्रबंधन
- विलय, अधिग्रहण, और कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- सूक्ष्मवित्त प्रबंधन
- आधुनिक निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन
- स्थांतरित मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- मात्रात्मक और एल्गोरिथम व्यापार
- वित्त में स्टोकेस्टिक हिसाब
- बैंकिंग में रणनीतिक परिप्रेक्ष्य
- असूचीबद्ध इक्विटी और सहनशील पूंजी
- कंपनियों का मूल्यांकन

* नए ऐच्छिक

पीजीपीएक्स

- कॉर्पोरेट वित्त (अनिवार्य)
- वित्त कार्यप्रणाली का प्रभावी प्रबंधन (वैकल्पिक)
- वित्तीय बाजार (अनिवार्य)
- वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (अनिवार्य)
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (वैकल्पिक)
- संगठनात्मक कार्यनिष्पादन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मैट्रिक्स (अनिवार्य)
- निजी इक्विटी वित्त (वैकल्पिक)
- सामरिक लागत प्रबंधन (अनिवार्य)
- सामरिक जोखिम प्रबंधन (वैकल्पिक)

ईपीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

ऐच्छिक

- कॉरपोरेट शासन प्रणाली
- वित्तीय विवरण विश्लेषण
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार

पीएच.डी. कार्यक्रम

- परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य-एफ़)
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण (ऐच्छिक)
- अनुभवजन्य परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य-एफ़)
- लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान (मुख्य-ए)
- वित्त की नींव (मुख्य)
- गणितीय वित्त (ऐच्छिक)
- लेखाकरण तथा बाज़ारों में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (ऐच्छिक)
- लेखाकरण तथा संगठनों में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (ऐच्छिक)
- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य-एफ़)
- अनुभवजन्य कॉरपोरेट वित्त पर संगोष्ठियाँ (ऐच्छिक)

एफ़डीपी

- वित्त और/या लेखाकरण में समकालीन प्रथाएँ या अनुसंधान विषय-क्षेत्र
- लागत लेखाकरण के मूल सिद्धांत और वित्तीय लेखाकरण के मूल सिद्धांत

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- सामरिक व्यापार निर्णय के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना
- निवेश निर्णय और व्यवहार वित्त
- अनुभवी सनदी लेखापालों के लिए प्रबंधन और वित्त
- युवा सनदी लेखापालों के लिए प्रबंधन और वित्त
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन
- सामरिक लागत प्रबंधन

7.5 मानव संसाधन प्रबंधन

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन 1
- मानव संसाधन प्रबंधन 2
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)
- प्रतिभा और योग्यता प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)

ऐच्छिक

- व्यापार और समाज
- जनता के खेल : मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन
- सीईओ का निर्माण
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- परियोजनाओं में मानव पूँजी का प्रबंधन
- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन के लिए व्यक्तिगत योग्यताएँ
- भगवत गीता को समझना: प्रबंधकों की दुविधाएँ

पीजीपी-एफ़एबीएम

- विश्लेषण एवं क्षमता निर्माण

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

ऐच्छिक

- व्यापार कायापलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- उच्च प्रदर्शन संगठन बनाना
- जनता के खेल : मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- भारत में मानव संसाधन आचरण : एक व्यवसायी का परिप्रेक्ष्य
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- मोल भाव की प्रयोगशाला
- भगवत गीता से सबक : प्रबंधकों की दुविधाएँ

ईपीजीपी

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन 1
- मानव संसाधन प्रबंधन 2

ऐच्छिक

- बेहतर काम, बेहतर कार्यस्थल और बेहतर दुनिया
- व्यापार और समाज
- व्यापार बदलाव और संगठनात्मक परिवर्तन
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- परियोजनाओं में मानव पूंजियों का प्रबंधन
- भगवद गीता को समझना: प्रबंधकों की दुविधाएँ

पीएच.डी. कार्यक्रम

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन में मूल पाठ्यक्रम
- रोजगार संबंध प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 1
- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 1

ऐच्छिक

- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 2
- संगठनात्मक शिक्षण, ज्ञान, नवाचार और मानव संसाधन प्रबंधन
- मानव संसाधन प्रबंधन में मात्रात्मक तरीके
- मानव संसाधन प्रबंधन में मात्रात्मक तकनीकें
- मानव संसाधन प्रबंधन के सैद्धांतिक आधार

एएफ़पी

- स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन
- मानव संसाधन प्रबंधन

एफ़डीपी

- मानव संसाधन प्रबंधन (अनिवार्य)
- समकालीन मानव संसाधन विकास अनुसंधान पर परिप्रेक्ष्य (वैकल्पिक)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास
- मानव संसाधन विश्लेषिकी
- मानव संसाधन लेखा परीक्षा-सामरिक मा.सं.प्रबंधन के लिए आधार तैयार करना
- प्रबंधकीय प्रभावशीलता

7.6 सूचना प्रणालियाँ

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- इंटरनेट - सक्षम व्यवसाय
- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापार को बदलना

ऐच्छिक

- बड़े डेटा विश्लेषिकी
- डेटा माइनिंग एवं व्यापारिक सूचना
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- सॉफ्टवेयर परियोजनाओं एवं उद्यमों का प्रबंधन
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

पीजीपीएक्स

- निर्णय लेने के लिए डेटा प्रत्यक्षीकरण
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

ईपीजीपी

- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ
- ऑनलाइन नेटवर्कों की संरचना और अर्थशास्त्र
- सोशल मीडिया में दोहन
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसायों को बदलना

पीएच.डी. कार्यक्रम

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- डाटा खनन एल्गोरिदम एवं अनुप्रयोग
- डाटा संरचनाएँ और प्रोग्रामिंग
- डेटाबेस प्रबंधन प्रणालियाँ
- प्रेरण सत्र के दौरान एक्सेल कार्यशाला
- व्याख्यात्मक डेटा प्रत्यक्षीकरण
- सूचना प्रणाली के लिए रूपरेखा
- नेटवर्क और वितरण प्रणालियाँ
- इंटरनेट प्रशासन और नीति में अनुसंधान के मुद्दे
- ऑनलाइन पाठ और विश्लेषण में संगोष्ठी
- प्रणाली विश्लेषण और डिजाइन

एएफ़पी

- एमआईएस और प्रबंधकीय कंप्यूटिंग

एफ़डीपी

- निर्णय लेने के लिए स्प्रेडशीट्स

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- बड़े डेटा विश्लेषिकी
- सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं का प्रबंधन

7.7 विपणन

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार अनुसंधान के तरीके
- विपणन-1
- विपणन-2
- विपणन-3

ऐच्छिक

- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- उपभोक्ता व्यवहार
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- उपभोक्ता निर्णय निर्माण के वर्णनात्मक मॉडल
- डिजिटल विपणन
- उत्कृष्ट ग्राहक अंतर्दृष्टि और संवेदीकरण के माध्यम से बेहतर व्यावसायिक निर्णय लेना
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- ग्राहक मूल्य वितरण का प्रबंधन
- खुदरा व्यापार का प्रबंधन
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणाली-ए
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणाली-बी
- विपणन विलासिता
- उच्च तकनीक और नवाचार की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- मोबाइल विपणन अनिवार्यताएँ
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- मूल्य निर्धारण
- सांकेतिकता : मीडिया और ब्रांड संचार के लिए रणनीतियाँ
- रणनीतिक ब्रांड प्रबंधन
- रणनीतिक विपणन-सी
- विपणन में रणनीतिक मॉडल
- नए भगवान को समझना: डिजिटलाइजेशन, फिनटेक और एसोसिएटेड टेक्नोलॉजी, रेगुलेशन और एडॉप्शन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- ग्राहक मूल्य आकलन और सृजन
- ग्राहक मूल्य वितरण और प्रबंधन

ऐच्छिक

- स्वास्थ्य तकनीक उत्पाद और वितरण प्रणाली
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- मूल्य निर्धारण
- विपणन डेटा विश्लेषिकी के तरीकों पर संगोष्ठी
- सामरिक विपणन

ईपीजीपी

अनिवार्य

- विपणन प्रबंधन 1
- विपणन प्रबंधन 2

ऐच्छिक

- ब्रांड प्रबंधन
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण
- प्रचार रणनीति

पीएच.डी. कार्यक्रम

अनिवार्य

- विपणन में व्यवहारिक विज्ञान के अनुप्रयोग
- विपणन रणनीति
- विपणन सिद्धांत और समकालीन मुद्दे
- विपणन प्रबंधन में पठन संगोष्ठी
- विपणन में मात्रात्मक मॉडलों पर संगोष्ठी

ऐच्छिक

- प्रयोग करते हुए पढ़ाई
- गुणात्मक विधियाँ
- विपणन मॉडल का चयन और कार्यान्वयन
- बीओपी में संगोष्ठी
- संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग

एएफ़पी

- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- विपणन प्रबंधन 1
- विपणन प्रबंधन 2

एफ़डीपी

- पिरामीड के निम्न स्तर तक के लिए व्यवसाय रणनीतियाँ
- विपणन विश्लेषिकी और उपभोक्ता प्रतिक्रिया मॉडलिंग
- विपणन निर्णय मॉडल
- विपणन प्रबंधन
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत ग्राहक विश्लेषिकी
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- ग्राहक आधारित व्यावसायिक रणनीति
- डिजिटल तथा सोशल मीडिया विपणन
- बिक्री बल प्रदर्शन को बढ़ाना
- फिनटेक व्यापार मॉडल, विपणन रणनीति तथा व्यूहकौशल
- अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रबंध व्यवसाय
- विपणन में तंत्रिका विज्ञान
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण

7.8 संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- प्रेरण (पाँच सत्र - पूरा दिन)
- पारस्परिक और समूह प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक गतिशीलता

ऐच्छिक

- संगठनात्मक परिवर्तन सह-निर्माण
- समकालीन भारतीय कार्यस्थल : उम्दा काम और विविधता
- भूमिकाओं और पहचान की व्याख्या (ए और बी)
- उच्च प्रदर्शक टीमें : एक यात्रा
- आंतरिक रंगमंच : स्वयं से भीड़ंत
- कॉर्पोरेट सामाजिक गैर-जिम्मेदारियों की जाँच

- मोल भाव की रणनीतियाँ
- संगठन में सत्ता और राजनीति
- काम पर स्व-रचनात्मकता

पीजीपीएक्स

- कार्मिक महारत के माध्यम से प्रेरित नेतृत्व
- नेतृत्व कौशल
- प्रबंधकों के लिए मोल भाव की रणनीतियाँ
- संगठनात्मक व्यवहार 1 : मॉड्यूल 1
- संगठनात्मक व्यवहार 1 : मॉड्यूल 2
- अभिविन्यास
- प्रदर्शन के लिए संभावित: स्व-जागरूकता की यात्रा

ईपीजीपी

- कैंपस मॉड्यूल
- संगठनात्मक व्यवहार 1 सूक्ष्म (अनिवार्य)
- संगठनात्मक व्यवहार 2 बृहद (अनिवार्य)

पीएच.डी. कार्यक्रम

- उन्नत सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार
- मात्रात्मक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उन्नत तकनीकें
- सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार की मूल बातें
- संगठनात्मक व्यवहार में कालजयी कृतियाँ और परिप्रेक्ष्य : मॉड्यूल 2
- अनुसंधान का प्रारूपण और प्रकाशन
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके : डेटा इकट्ठा करना और विश्लेषण करना
- संगठनों में बहुस्तरीय मॉडलिंग
- शैक्षिक संस्थानों में संगठनात्मक विकास परिवर्तन
- संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक सिद्धांत और इसके सामाजिक संदर्भ
- मनोविज्ञान 1 तथा 2
- साइकोमेट्रिक तरीके
- अनुसंधान के तरीके 1
- प्रबंधन में अनुसंधान के लिए सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ 1
- संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग

एएफ़पी

- व्यापार अनुसंधान का परिचय
- संगठनात्मक व्यवहार
- गुणात्मक तरीके

एफ़डीपी

- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके
- अनुसंधान के तरीके
- संगठनात्मक व्यवहार के लिए विशेषीकृत मॉड्यूल
- संगठनात्मक व्यवहार को समझना

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- व्यवसायी महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं का विकास
- पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण
- नेतृत्व परिवर्तन प्रबंधन
- मोल-भाव
- जन विश्लेषिकी
- अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन

7.9 उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- फ्लेक्सीकोर - विनिर्माण संचालन प्रबंधन
- फ्लेक्सीकोर - सेवा संचालन प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन 1 एवं 2
- मात्रात्मक तरीके 2
- मात्रात्मक तरीके 1ए
- मात्रात्मक तरीके 1बी

ऐच्छिक

- डेटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उन्नत गणितीय मॉडलिंग
- डेटा विश्लेषण की बेयसियन पद्धति
- व्यापार विश्लेषिकी

- भीड़ समन्वय
- धीमी और तीव्र : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- ओआर के प्रबंधकीय अनुप्रयोग
- संचालन रणनीति
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय तरीके
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला सोच : मूल्य निर्माण और अनुकूलन
- निर्णय लेने की कला और शिल्प
- परियोजनाएँ क्यों असफल होती हैं? अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम
- नेटवर्कों के साथ कार्य करना

पीजीपी-एफ़एबीएम

- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- डेटा का विश्लेषण
- माँग को पूरा करने के लिए संचालन डिजाइनिंग
- निर्णयों के लिए मॉडलिंग
- सेवा स्तरों को स्थापित करना और वितरित करना

ऐच्छिक

- व्यापार विश्लेषिकी
- भीड़ का समन्वयन
- व्यापार के लिए डेटा विज्ञान
- धीमी और तीव्र : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- जोखिम को समझना और आकलन करना

ईपीजीपी

- व्यवसाय विश्लेषिकी
- संचालन प्रबंधन 1
- संचालन प्रबंधन 2
- संभाव्यता सांख्यिकी 1
- संभाव्यता सांख्यिकी 2
- गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन
- मात्रात्मक तकनीक (निर्णय लेना)
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण

पीएच.डी. कार्यक्रम

अनिवार्य

- प्रबंधन में उन्नत संभावना
- रेखीय बीजगणित
- गणित (पीएचडी-1 अनिवार्य पाठ्यक्रम उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके विषय-क्षेत्र के तहत रखा गया)
- संचालन प्रबंधन
- संचालन अनुसंधान

ऐच्छिक

- अनुप्रयुक्त प्रतिगमन विश्लेषण
- संचालन प्रबंधन के लिए खेल सिद्धांत
- पूर्णांक कार्यक्रम और मान्य असमानता के सिद्धांत के लिए गणितीय मॉडलिंग
- गैर-रेखीय अनुकूलन
- कतारबद्ध मॉडल
- वास्तविक विश्लेषण
- सांख्यिकी 2 (पीएचडी-1 अनिवार्य पाठ्यक्रम उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके विषय-क्षेत्र के तहत रखा गया)

एएफ़पी

- व्यापार सांख्यिकी और अनुसंधान के तरीके
- निर्णय मॉडलिंग
- रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन
- परियोजना प्रबंधन

एफ़डीपी

- प्रबंधन निर्णयों के लिए विश्लेषिकी
- संचालन प्रबंधन
- सांख्यिकी डेटा विश्लेषण

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- रसद प्रबंधन
- विनिर्माण रणनीति
- ऑनलाइन ईईपी: उन्नत व्यापार विश्लेषिकी
- परियोजना प्रबंधन
- रेस्तरां प्रबंधन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण

- जोखिम - मॉडलिंग और प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

अनुसंधान

रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, बंदरगाह संचालन, गोदाम डिजाइन, सेवा प्रणाली डिजाइन, सुविधा स्थान, राजस्व प्रबंधन, स्टोकास्टिक अनुकूलन, बड़े पैमाने पर अनुकूलन, अपघटन तकनीक, नेटवर्क अनुकूलन और मेटा-हेरिस्टिक्स, नेटवर्क विश्वसनीयता, द्विस्तरीय अनुकूलन, संचालन-विपणन मिलन बिंदु पर खेल सैद्धांतिक मॉडल, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, विरल आंकड़ों के विश्लेषण, सर्वेक्षण पद्धति और सांख्यिकीय अनुमान ऐसे विषय-क्षेत्र हैं जहाँ संकायों ने प्रकाशनों के माध्यम से अपना योगदान दिया है।

8
मान्यता और रैंकिंग

रैंकिंग और सर्वेक्षण

संस्थान ने रैंकिंग के लिए 17 राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय बी-स्कूल सर्वेक्षणों में भाग लिया। संस्थान ने सभी अग्रणी और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाए रखा।

एफ़.टी. कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2019 (अनुकूलित एवं मुक्त कार्यक्रम)

फ़ाइनेंसियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2019 (अनुकूलित कार्यक्रम) में संस्थान को 49वाँ स्थान प्राप्त हुआ। इसमें पिछले वर्ष के रैंक की तुलना में आठ स्थान आगे बढ़ा है। फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2019 (मुक्त कार्यक्रम) में संस्थान नौ स्थान आगे बढ़ते हुए 57वें स्थान पर रहा है।

आईआईएमए को शीर्षस्थ 50 बी-स्कूलों की सूची में संयुक्त रैंक में 44वाँ स्थान दिया गया है।

प्रबंध में एफ़टी मास्टर्स रैंकिंग 2019

संस्थान को प्रबंधन में एफ.टी. (फाइनेंशियल टाइम्स) मास्टर्स रैंकिंग 2019 में वैश्विक रूप से 100 पूर्वानुभव एमबीए स्तर के कार्यक्रमों में 21वें स्थान प्राप्त हुआ। आईआईएमए के स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) को तीन मानदंडों – 'तीन महीने में रोजगार के अवसर', 'डॉक्टरेट संकाय', 'कंपनी इंटर्नशिप्स' के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ और 'वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर)' तथा 'भारित वेतन (यूएस डॉलर)' पर दूसरा स्थान मिला।

सूचीबद्ध शीर्षस्थ 10 कार्यक्रमों में आईआईएमए को 'विपणन में शीर्षस्थ' के तहत तीसरे स्थान और 'अर्थशास्त्र में शीर्षस्थ' के तहत चौथे स्थान तथा 'सामान्य प्रबंधन में शीर्षस्थ' के तहत सातवाँ स्थान प्राप्त हुआ।

इकोनॉमिस्ट एमबीए रैंकिंग 2019

संस्थान को *इकोनॉमिस्ट एमबीए रैंकिंग 2019* में 75वाँ स्थान प्राप्त हुआ। यह *इकोनॉमिस्ट* एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया 2019 क्षेत्रीय रैंकिंग में आठवें स्थान पर था। संस्थान के प्रमुख कार्यक्रम को अन्य 100 बी-स्कूलों के साथ सूचीबद्ध किया गया था जिसमें संयुक्त राज्य से 50 बी-स्कूल और यूनाइटेड किंगडम से 17 बी-स्कूल शामिल थे। यह इकलौता भारतीय बी-स्कूल है जिसे *इकोनोमिस्ट* द्वारा रैंकिंग में स्थान दिया गया है।

संस्थान ने अपने छात्रों के 'मुक्त नए कैरियर अवसर' और स्नातक होने के बाद तीन महीनों में 'यहाँ से नौकरी के प्रस्ताव से नौकरी चाहने वाले स्नातकों' के प्रतिशत में प्रथम स्थान प्राप्त किया, 'पूर्व-एमबीए वेतन प्रतिशत में वृद्धि' में दूसरा स्थान, और 'कैरियर सेवा का छात्र मूल्यांकन' में चौथा स्थान प्राप्त किया।

क्यू.एस. वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2020

आईआईएमए के पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने भारत में प्रथम स्थान और एशिया में 40वाँ स्थान तथा 240 एमबीए कार्यक्रमों में से क्यू.एस. (क्वेक्वारेल्ली साइमंड्स) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2020 के तीसरे संस्करण में 40वाँ स्थान प्राप्त किया।

संस्थान ने एशिया रैंकिंग में मजबूत प्रदर्शन दिखाया जिसमें क्षेत्रीय रैंक के साथ 'रोजगारक्षमता' तथा 'उद्यमिता एवं पूर्वछात्र नतीजे' में चौथे स्थान पर और 'निवेश पर प्रतिफल' में पाँचवें स्थान पर रहा।

प्रबंधन में क्यूएस मास्टर्स रैंकिंग 2020

आईआईएमए का पीजीपी कार्यक्रम प्रबंधन में क्यूएस मास्टर्स रैंकिंग 2020 के अपने तीसरे संस्करण में 130 प्रबंधन में मास्टर्स (एमआईएम) कार्यक्रमों के बीच 27वें स्थान पर रहा। संस्थान ने प्रबंधन के लिए 'पूर्वछात्रों के परिणाम सूचक' में 12वाँ स्थान और 'रोजगारक्षमता' में 14वाँ स्थान प्राप्त किया।

एफ़.टी. वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2020

पीजीपीएक्स को फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2020 में शीर्षस्थ 100 बी-स्कूलों की सूची में 61वाँ स्थान मिला। संस्थान 'डॉक्टरेट संकायों' के मानदंडों में प्रथम स्थान पर रहा, और पीजीपीएक्स कार्यक्रम 'कैरियर

प्रगति रैंक' में सातवें स्थान पर रहा जबकि 'वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर)' तथा 'भारित वेतन' में आठवें स्थान पर रहा।

आईआईएमए को 'विपणन में शीर्षस्थ' के तहत सूचीबद्ध शीर्ष 10 एमबीए कार्यक्रमों में सातवाँ स्थान प्राप्त हुआ।

कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर एडुनिवर्सल रैंकिंग 2019

पीजीपी-एफ़एबीएम को शीर्षस्थ 50 बी-स्कूलों की सूची में कृषि व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर एड्युनिवर्सल रैंकिंग 2019 में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

इसके विवरण **परिशिष्ट ड** में दिए गए हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) के चौथे संस्करण में संस्थान को प्रबंधन श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय सर्वेक्षण

संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के 10वें संस्करण में भाग लिया। संस्थान ने उच्चतर शिक्षा की स्थिति पर बने रहने के लिए एक विश्वसनीय प्रणाली विकसित करने में मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करना जारी रखा है।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता को संस्थान की अंतर्राष्ट्रीय रणनीति के हिस्से के रूप में और वैश्विक स्तर पर अपने ब्रांड और दृश्यता को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनाया जाता है। मान्यता प्रक्रिया एक विस्तृत और गहन प्रक्रिया है, जो यह सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाती है कि यह उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों को प्रदान करने में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करती है।

इक्विस पुनः मान्यता

संस्थान को यूरोपीय प्रबंधन विकास फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2015 में अगले पाँच वर्षों के लिए पुनः मान्यता दी गई थी। आईआईएमए भारत का पहला ऐसा प्रबंधन स्कूल था, जिसे पाँच साल के लिए मान्यता प्राप्त करने के लिए, अधिकतम विस्तार मिला है जिसके लिए इक्विस किसी संस्थान को मान्यता देता है।

नवंबर 2019 में, संस्थान ने औपचारिक रूप से पुनः मान्यता प्रक्रिया का पालन करने के लिए इक्विस के समक्ष स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट 2019-20 प्रस्तुत की थी।

संस्थान ने 21 से 23 जनवरी, 2020 तक आईआईएमए में इक्विस साथी समीक्षा टीम के दौरे का सफल समापन किया। आईआईएमए ने इक्विस साथी समीक्षा टीम के विशिष्ट सदस्यों की मेजबानी की, जिनमें शामिल थे :

- प्रोफ़ेसर माइकल फ्रेनकेल, सहयोगी डीन-अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं विविधता तथा पूर्व डीन-डब्ल्यूएचयू -ओटो बेइसिम मैनेजमेंट स्कूल, जर्मनी - पीआरटी के अध्यक्ष
- प्रोफ़ेसर कोंस्टेंटिन क्रोटोव, स्कूल प्रमुख-मैनेजमेंट ग्रेजुएट स्कूल, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय, मैनेजमेंट ग्रेजुएट स्कूल, रूस

ईक्विस सहकर्मी समीक्षा टीम के साथ आईआईएमए के निदेशक, डीन एवं प्रमुख अधिकारीगण

नॉर्वे के राजदूत, महामहिम श्री हांस जेकब फ़्राइदेनलंद, आईआईएमए के निदेशक, प्रोफ़ेसर एरोल डिसूज़ा के साथ

महामहिम श्री हांस जेकब फ़्राइदेनलंद, नॉर्वे के राजदूत आईआईएमए की मुख्य प्रबंधक एवं प्रॉटोकॉल अधिकारी सुश्री इशिता सोलंकी के साथ संक्षिप्त वार्ता के दौरान

- प्रोफ़ेसर जिंदरिच सूकूप, उप-डीन - अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय, प्राग - व्यवसाय प्रशासन संकाय, चेक गणराज्य
- श्री एलन मिशेल, निदेशक-वैश्विक शिक्षा एवं विकास, ईपी एकेडमी, एबीबी आसिया ब्राउन बोवेरी लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम

तीन दिवसीय यात्रा पर, पीआरटी ने प्रमुख बाहरी और आंतरिक हितधारकों के साथ मुलाकात की, जिसमें आईआईएमए की कार्यकारी समिति, इसके शासी निकाय के प्रतिनिधि; इसके पूर्वछात्र, भर्तीकर्ताओं, दाताओं, कॉर्पोरेट ग्राहकों, संकाय और छात्रों के प्रतिनिधि; और प्रबंध संकाय, अनुसंधान, कार्यक्रम और वित्त समितियों के प्रतिनिधि शामिल थे।

प्रोटोकॉल कार्यालय

वर्ष के दौरान, संस्थान विदेशी संस्थानों / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कई उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों और प्रमुख सरकारी अधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं में संलग्न रहा।

कुछ विशिष्ट व्यक्तियों में निम्नलिखित शामिल हैं :

- 3 अप्रैल, 2019 को श्री जगदीप नारायण सिंह, मुख्य सचिव, गुजरात सरकार।
- 11 अप्रैल, 2019 को भारत में संस्कृति, शिक्षा और विज्ञान, फ्रांसीसी दूतावास के काउंसलर डॉ. बर्ट्रेंड डी हार्टिंग।
- 24 जून, 2019 को श्री अमलान बोरा, व्यापार और निवेश आयुक्त, नीदरलैंड्स बिजनेस सपोर्ट ऑफिस (एनबीएसओ), नीदरलैंड के साम्राज्य का दूतावास।
- 26 जून, 2019 को श्री पीटर कुक, ब्रिटिश उप उच्चायुक्त।
- 28 जून, 2019 को श्री जेम्स मिडलटन, वाइस कांसुल, ऑस्ट्रेलिया वाणिज्य दूतावास, मुंबई के साथ श्री क्रिस्टोफर एलिंगर, उप-महावाणिज्यदूत।
- 12 जुलाई, 2019 को ओमान की सल्तनत में भारत के राजदूत महामहिम श्री मुनु महावर।
- 1 अगस्त, 2019 को भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति समिति के अध्यक्ष माननीय नंद कुमार साई।

केनेथ काम्वी मटेंगु, नामीबिया विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफ़ेसर शैलेश गाँधी, डीन (कार्यक्रम), आईआईएमए के साथ बातचीत करते हुए

प्रोफ़ेसर केनेथ काम्वी मटेंगु, नामीबिया विश्वविद्यालय के कुलपति, सुश्री इशिता सोलंकी, मुख्य प्रबंधक (मान्यता एवं रैंकिंग), प्रोटोकॉल अधिकारी, आईआईएमए के साथ

सुश्री कैथरीन बेसेन्ट, मुख्य परिचालन एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी, बैंक ऑफ अमेरिका और श्री किरण कर्णिक, अध्यक्ष, ऑक्सफैम इंडिया एवं हेल्प एज इंडिया, आईआईएमए के निदेशक प्रोफ़ेसर एरोल डिसूज़ा के साथ

सुश्री कैथरीन बेसेन्ट, मुख्य परिचालन एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी, बैंक ऑफ अमेरिका और श्री किरण कर्णिक, अध्यक्ष, ऑक्सफैम इंडिया एवं हेल्प एज इंडिया

- 8-9 अगस्त, 2019 को डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार, डॉ. एम.एस. साहू, अध्यक्षा, भारतीय दिवाला एवं दिवालियापन बोर्ड (इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ़ इंडिया) और श्री यू.के. सिन्हा, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष।
- 30 सितंबर, 2019 को नॉर्वे के राजदूत महामहिम श्री हंस जैकब फ्राइडलुंड।
- 4 अक्टूबर, 2019 को प्रोफ़ेसर केनेथ काम्वी मटिंगु, नामीबिया विश्वविद्यालय के कुलपति।
- 29 नवंबर, 2019 को श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के पूर्व राष्ट्रपति।

वर्ष के दौरान संस्थान ने विशेष कार्यक्रमों में मुख्य वक्ताओं के रूप में राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्वों की मेजबानी की। इनमें निम्नलिखित शामिल थे :

- 3 अप्रैल, 2019 को डॉ. वाई वी रेड्डी, पूर्व गवर्नर, आरबीआई, और आईआईएमए में प्रबंधन तरीकों के प्रोफ़ेसर।
- 17 जुलाई, 2019 को आरबीआई के डिप्टी गवर्नर डॉ. विरल आचार्य।
- 6 दिसंबर, 2019 को सुश्री कैथरीन बेसेन्ट, मुख्य परिचालन और प्रौद्योगिकी अधिकारी, बैंक ऑफ अमेरिका और श्री किरण कार्णिक, अध्यक्ष, ऑक्सफैम इंडिया, और हेल्प एज इंडिया।
- 9 जनवरी, 2020 को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में प्रोफ़ेसर एरिक हनुशेक, पॉल और जीन हैना सीनियर फेलो।
- 30 जनवरी, 2020 को डॉ. डर्क वान डेन बर्ग, क्षेत्रीय सीईओ, वॉलमार्ट।

9 पूर्वछात्र गतिविधियाँ

पूर्वछात्र कार्यालय विभिन्न मंचों के माध्यम से पूर्वछात्रों के साथ गहरे संबंध स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। पिछले 12 महीनों के दौरान की गई गतिविधियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं।

विमवियन पत्रिका

संस्थान ने *आईआईएमए पूर्वछात्र पत्रिका* को 'विमवियन' के रूप में पुन: उद्घाटित किया। प्रिंट और ऑनलाइन दोनों संस्करणों को सामग्री के संदर्भ में नया रूप दिया गया है।

पत्रिका के ई-संस्करण में अध्याय / बैच गतिविधियाँ, अन्य महत्वपूर्ण वीडियो, पॉडकास्ट, यूट्यूब लिंक और प्रवर्तित कहानियों / महत्त्वपूर्ण लेखों के साथ फोटो गैलरी शामिल हैं। ऑनलाइन संस्करण के लिए प्रासंगिक खोज इंजन अनुकूलन को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य केवल "*आईआईएमए पूर्वछात्र पत्रिका*" के रूप में प्राथमिक कीवर्ड के साथ पत्रिका के ई-संस्करण की दृश्यता और गूगल रैंकिंग में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना था।

भारतीय समाचारपत्र रजिस्ट्रार के साथ पत्रिका का पुनः पंजीकरण कराना शीर्षक में परिवर्तन के कारण आवश्यक हो गया था।

पत्रिका के तीन अंक (प्रिंट संस्करण) जून, अक्टूबर और फरवरी में प्रकाशित हुए थे। वेब संस्करण में अतिरिक्त रूप से पॉडकास्ट, वीडियो और अन्य डिजिटल सामग्री शामिल हैं।

कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के कारण छपी हुई प्रतियों को नहीं भेजा जा सका।

आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल

पूर्वछात्र कार्यालय ने नए आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल पर पूर्वछात्र वेबसाइट का उन्नयन करने के लिए अलमा कन्नेक्ट के साथ सहयोग किया जिससे नई कल्पनाओं तथा शिक्षा अधिगम की अंतर्क्रिया तथा विनिमय को आगे बढ़ाने वाले छात्रों एवं संकायों को एकीकृत किया जा सके।

पूर्वछात्रों के लगभग 1000 अभिलेखों को अद्यतन किया गया।

पुनर्मिलन अद्यतन अभियान

पूर्वछात्रों के दिसंबर-2019 के पुनर्मिलन दौरान 1979, 2004, और 2009 बैचों के पूर्वछात्रों से लगभग 155 अभिलेखों का अद्यतन करने के लिए संपर्क किया गया।

पूर्वछात्रों के पुनर्मिलन

कक्षा	बैच	पुनर्मिलन	दिनांक		पूर्वछात्रों की संख्या
			से	तक	
1979 की कक्षा	1977-1979	40 वर्ष	13.12.2019	15.12.2019	29
2009 की कक्षा	2007-2009	10 वर्ष	20.12.2019	22.12.2019	70
2004 की कक्षा	2002-2004	15 वर्ष	27.12.2019	29.12.2019	56

पूर्वछात्र अकादमिक संयोजन

पूर्वछात्रों द्वारा कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम / अतिथि व्याख्यान दिए गए थे। पूर्वछात्रों को नियमित रूप से छात्रों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के महत्व के बारे में बताया जा रहा है। अतिथि व्याख्यान निम्नलिखित द्वारा दिए गए थे :

पूर्वछात्र	बैच	अतिथि व्याख्यान
श्री सुनील वर्गीस	पीजीपी 1987	वक्ता सत्र

शाखा गतिविधियाँ

भुवनेश्वर शाखा

3 मई, 2019 को होटल मेफेयर रिज़ॉर्ट में इस शाखा की एक बैठक आयोजित की गई। डॉ. कैलाश गुप्ता, पीजीपी 1971, कुछ पूर्वछात्रों से मिले। 7 जुलाई, 2019 को, एक्सआईएमबी मैदान में शाखा द्वारा एक वृक्षारोपण

कार्यक्रम आयोजित किया गया। चूँकि हाल ही आए फनी चक्रवात के दौरान एक्सआईएमबी में बहुत सारे पेड़ों को नुकसान हुआ था, इसलिए हमारे अनुरोध को आगे बढ़ाने में खुशी हुई थी।

मुंबई शाखा

शाखा ने होटल ऑर्किड में छठे वार्षिक पारिवारिक मिलन का आयोजन किया। मुंबई में हल्की सर्दी के मौसम ने खुले आसमान के नीचे अद्भुत शाम का एक सही माहौल पेश किया। जबकि जादूगर और वेंट्रिलोक्विस्ट ने बच्चों का मनोरंजन किया, तो एक तरफ सारे दंपत्ति टैटू कलाकार के साथ व्यस्त थे। खेल आयोजक ने यह सुनिश्चित किया कि सभी लोग संगीत कुर्सी और अन्य मनोरंजन में शामिल हों।

आरबीएल बैंक के सहयोग से शाखा ने 4 दिसंबर को 'कन्वर्सेशन@आरबीएल बैंक' के तहत प्रोफ़ेसर कार्तिक होसानागर (जॉन सी. होवर प्रोफ़ेसर-प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल व्यापार, द व्हार्टन स्कूल) के साथ एक संवादात्मक व्याख्यान आयोजित किया।

सिंगापुर शाखा

2019 के लिए आईआईएमएएए सिंगापुर की 24वीं वार्षिक बैठक 13 फरवरी 2020 के लिए निर्धारित की गई थी। सिंगापुर की सरकार ने कोविड-19 वायरस के बढ़ते 'रोग प्रकोप प्रतिक्रिया प्रणाली स्थिति' (डोरस्कोन) से बदलती ऑरेंज स्थिति के कारण और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की बड़ी सभाओं पर दी गई सलाह के अनुसार / प्रतिबंधों के साथ, कार्यकारी समिति ने रूबरू बैठक को वर्चुअल करने का निर्णय लिया, जिसे ज़ूम (एक टेलीकांफ्रेंसिंग सुविधा) पर होस्ट किया गया। ऑनलाइन बैठक ने अपने सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आईआईएमएएएएस के लिए अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद की।

द्वितीय शाखा प्रमुखों और सचिवों की बैठक 29 फरवरी, 2020 को हुई थी। बैठक में मुंबई, अहमदाबाद, वडोदरा, बैंगलुरू और जयपुर शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विशेष रुचि समूह

विशेष रुचि समूहों द्वारा कई पहल की गई थीं जो **परिशिष्ट ढ1** में सूचीबद्ध हैं।

छात्रवृत्ति और पुरस्कार

छात्रवृत्ति प्रदान करने का पूर्व-दीक्षांत समारोह 20 मार्च, 2020 के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण इसे आयोजित नहीं किया जा सका।

इसके विवरण **परिशिष्ट ढ2** में दिए गए हैं।

सिंक्रॉनी

सिंक्रॉनी का उद्देश्य नए आने वाले छात्रों का स्वागत करना और उन्हें जोशपूर्ण पूर्वछात्र समुदाय का हिस्सा बनाना है। इसके अतिरिक्त, यह संस्थान के विशिष्ट पूर्वछात्रों की प्रतिष्ठा को मनाने का एक समारोह है।

मई में अहमदाबाद, दिल्ली एनसीआर, मुंबई, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु, और सिंगापुर में सिंक्रॉनी 2019 आयोजित किया गया था ताकि मौजूदा और आने वाले बैचों

को अपने सीनियर्स से सीखने का मौका दिया जा सके। समग्र बैचों के कई पूर्वछात्रों, यहाँ तक कि कई पीढ़ियों के इंटर्न और फ्रेशर्स ने ज्ञान के भाषणों को याद करते हुए एक शाम बिताई।

युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ द्वारा युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार उन युवा अग्रणियों को पहचान दिलाने के लिए की गई एक पहल है जिन्होंने दूसरों को प्रभावित और प्रेरित किया है। यह पुरस्कार न केवल पूर्वछात्रों के संबंधों को बढ़ाता है बल्कि छात्रों को पूर्वछात्रों की उपलब्धियों के बारे में अधिक जागरूक बनने में मदद करता है। यह पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिया जाता है : कॉर्पोरेट अग्रणी; उद्यमिता; और समाज सेवा / लोक सेवा / अकादमिक / साहित्य / प्रदर्शन कला / राजनीति / खेल।

युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार के लिए यह पाँचवाँ वर्ष था। पुरस्कार समिति ने विभिन्न श्रेणियों में विजेता चुनने के लिए प्राप्त प्रत्येक प्रविष्टि की छानबीन की। समिति ने इस बार चार श्रेणियों में से दो में संयुक्त पुरस्कार देने का फैसला किया। यह पुरस्कार समारोह 16 जून, 2019 को आरजेएम ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था।

पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता इस प्रकार हैं :

पूर्वछात्र का नाम	पदनाम और संगठन	श्रेणी
वैशाली रस्तोगी (वालिम्बे)	वरिष्ठ भागीदार और प्रबंध निदेशक, दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप	कॉर्पोरेट अग्रणी
सुमित जालान	प्रबंध निदेशक तथा सह-प्रमुख-निवेश बैंकिंग तथा पूँजी बाज़ार, क्रेडिट सुईस इंडिया	कॉर्पोरेट अग्रणी
विराज साहनी	प्रबंध निदेशक, वॉरबर्ग पिंकस	कॉर्पोरेट अग्रणी
श्रीकांत वेलमकन्नी	सह-संस्थापक, समूह के मुख्य कार्यकारी और कार्यकारी उपाध्यक्ष, फ्रैक्टल एनालिटिक्स इंक.	उद्यमिता
प्रणय अग्रवाल	सह-संस्थापक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा निदेशक, फ्रैक्टल एनालिटिक्स इंक.	उद्यमिता
डॉ. सुचित्रा सेबास्टियन	भौतिकी शास्त्र में युनिवर्सिटी रीडर,	शिक्षाविद

पूर्वछात्र समारोह

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के सहयोग से दूसरा संस्थान व्याख्यान 26 अगस्त, 2019 को प्रोफ़ेसर शैलेंद्र जैन, जेम्स डी. करी विपणन प्रोफ़ेसर, फोस्टर स्कूल ऑफ बिजनेस, वाशिंगटन विश्वविद्यालय द्वारा "ए कंज्यूमर साइड एग्जामिनेशन ऑफ़ ब्रांड ट्रांसग्रेशन्स-ब्रांड उल्लंघन का एक उपभोक्ता पक्षीय परीक्षण" विषय पर दिया गया था।

बाहरी साझेदारी

स्माइल (निपुण बनने तक पढ़ाई के लिए छात्र-मध्यस्थता पहल)

दूसरी तिमाही के अंत में, स्माइल केंद्र में छठी से बारहवीं कक्षा तक के लगभग 120 छात्र थे। विभिन्न कक्षाओं में छात्रों में वृद्धि हुई थी, लेकिन त्यौहारों के मौसम में संख्या अलग-अलग होती थी। तीसरी तिमाही में, स्माइल केंद्र में लगभग 110 छात्र थे। चौथी तिमाही में छात्रों को परीक्षा के लिए तैयार करने के लिए पुनः अवलोकन कक्षाएँ आयोजित की गईं थी।

स्माइल केंद्र में आयोजित मुख्य गतिविधियाँ **परिशिष्ट ढ3** में दी गई हैं।

ए-लीग गतिविधियाँ

कई ए-लीग गतिविधियाँ आयोजित की गईं थी। इसके विवरणों के लिए **परिशिष्ट ढ4** देखें।

दुबई केंद्र

डीन, पूर्वछात्र और बाहरी संबंध, विकास योजना तैयार करने और क्षेत्र में पूर्वछात्रों तक पहुँचने के लिए प्रमुख-रणनीतिक विकास एवं विस्तार के साथ काम कर रहे हैं। कार्यालय उन पूर्वछात्रों का चयन करने के लिए पहुँच रहा है, जो नेतृत्व प्रशिक्षण से संबंधित अवसरों का पता लगाने के लिए सरकार और कॉर्पोरेट में उपयुक्त बढ़त प्रदान करने की स्थिति में हो सकते हैं।

संलग्नता केंद्र

पूर्वछात्रों की गतिविधियों, कार्यकारी शिक्षा और संस्थान के कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से, संस्थान ने देश भर के पाँच शहरों में 13 स्थानों पर अपने सह-कार्यशील स्थान का उपयोग करने के लिए कोवर्क्स के साथ भागीदारी की है।

मुंबई, बेंगलुरु और नई दिल्ली में सुविधाओं का उपयोग स्वास्थ्य देखभाल विशेष रुचि समूह (एसआईजी), प्रौद्योगिकी एसआईजी, डेटा विश्लेषिकी एसआईजी, और महिला पूर्वछात्र एसआईजी पर बैठकों सहित कई कार्यक्रमों के लिए किया गया है।

कोवर्क्स के साथ साझेदारी में पेश किए गए पहले कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए अपने स्थान का उपयोग करने के लिए चर्चा चल रही है।

विदेशी संस्थानों के साथ सहयोग

सरे बिजनेस स्कूल के साथ संस्थान की साझेदारी को 11 मार्च, 2019 को औपचारिक रूप दिया गया था, जो अनुसंधान, संगोष्ठियों, शोध अनुदानों के लिए बोली लगाने और संकायों, डॉक्टरेट और अनुस्नातक के छात्रों के विनिमय / पारस्परिक मुलाकातों के लिए अनुमति देता है।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के संबंध में संभावित सहयोग के लिए मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ वार्ता चल रही है।

उद्यमिता के क्षेत्र में साझेदारी का पता लगाने के लिए नेओमा बिजनेस स्कूल के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई।

एफ़पीएम छात्र गतिशीलता का पता लगाने के लिए वर्तमान में न्यूकैसल विश्वविद्यालय और लिवरपूल विश्वविद्यालय के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है।

डेलवेयर, डेलवेयर स्टेट यूनिवर्सिटी, ब्रेस्ट बिजनेस स्कूल, मेलबर्न यूनिवर्सिटी, सिडनी यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल, वियना यूनिवर्सिटी, क्लेरमॉन्ट ग्रेजुएट यूनिवर्सिटी और न्यूकैसल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने इस वर्ष के दौरान संस्थान का दौरा किया। एमबीए के छात्र विनिमय, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम, संकाय अनुसंधान, और पीएच.डी. छात्र विनिमय, अनुसंधान, और इंटर्नशिप के क्षेत्र में सहयोग का पता लगाने के लिए उपरोक्त स्कूलों और एनयूसीबी बिजनेस स्कूल के साथ चर्चा की गई।

विएना विश्वविद्यालय के साथ एक दोहरी डिग्री कार्यक्रम की पेशकश पर चर्चा चल रही है।

ब्रेस्ट बिजनेस स्कूल ने दो छात्रों को पीएच.डी. अनुसंधान में सहयोग करने के हिस्से के रूप में बीबीएस का दौरा करने के लिए चुना।

हिरोशिमा विश्वविद्यालय ने गोवा में "बीच टूरिज्म : स्टेकहोल्डर वैल्यू निर्माण और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना" के लिए ताओयाका ऑनसाइट प्रशिक्षण के लिए नामांकन माँगे हैं।

बिग डेटा प्रयोगशाला – डेटा साझाकरण समझौता

बिग डेटा प्रयोगशाला बड़े डेटा सेट तक की पहुँच के लिए अवसंरचना का एक महत्वपूर्ण घटक है। हमने द्वार अनुसंधान और बिग बास्केट के साथ जुड़ना जारी रखा है।

द्वार के साथ संस्थान क्षेत्रिय ग्रामीण वित्तीय सेवा (केजीएफ़एस) के प्रशासनिक डेटा के अनुसंधान के अनुकूल संस्करण की खरीद की प्रक्रिया में है। द्वार वित्तीय विकल्पों और कम आय वाले घरों के निर्णय लेने पर प्रासंगिक अनुसंधान को उत्प्रेरित कर रहा है और दुनिया भर के शोधकर्ताओं के लिए इन दो खुले स्रोत संसाधनों के माध्यम से इसे सुलभ बनाया जायेगा – वित्तीय कल्याण साक्ष्य फ़ासला मानचित्र (एफ़डब्ल्यूबी-ईजीएम) और परिवार वित्त अनुसंधान के लिए द्वार मुक्त ऑनलाइन भंडारगृह (डीओओआर)।

वर्तमान में, बिग बास्केट के साथ डेटा सुरक्षा, गोपनीयता तथा उपयोग के संदर्भ में उनकी आवश्यकताओं को समझने के लिए विचार-विमर्श जारी है। बिग बास्केट हमारे होस्टिंग माहौल (डेटा होस्ट करने के लिए हार्डवेयर, सॉफ़्टवेयर, डेटाबेस, भंडारण विशेषता, सुरक्षा तंत्र और डेटा ट्रांसफ़र के लिए सुरक्षित एफ़टीपी) के बारे में आवश्यक तकनीकी जानकारी का विवरण साझा करेगा।

विकास कार्यालय

विकास कार्यालय पूर्वछात्रों के साथ-साथ कॉरपोरेट्स को भी धन उपलब्ध कराता है। ये योगदान या तो व्यक्तिगत योगदान या बैच योगदान के रूप में प्राप्त होते हैं। कुछ कॉरपोरेट वित्त पोषण उन संगठनों से हैं जहाँ पूर्वछात्र शीर्ष भूमिकाओं में हैं।

विभिन्न विकासात्मक पहलों का समर्थन करने के लिए 23.28 करोड़ रुपए का योगदान / दान हमें प्राप्त हुआ। इसमें पिछली प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में प्राप्त 8 लाख रुपए भी शामिल हैं।

हम यह बताना चाहेंगे कि संकाय स्कंध 2 और 6 की बहाली और उन्नयन का समर्थन करने के लिए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र एसोसिएशन (सिंगापुर डॉलर वन मिलियन अभियान) का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्वछात्रों ने अनूठा योगदान दिया है। इकठ्ठा किए गए वास्तविक फंड, एक मिलियन का लक्ष्य वित्त पोषण से अधिक हैं। कोविड महामारी के कारण संस्थान मार्च 2020 के दीक्षांत समारोह में पीजीपी 1970 "स्वर्ण

जयंती बैच" की मेजबानी करने का अवसर चूक गया। पीजीपी 1970 बैच ने अभी अपनी मातृ संस्था में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दान / योगदान देकर तथा प्रथम स्वर्ण जयंती बैच बनकर इतिहास रचा है।

इस वर्ष प्राप्त अनुदान परिसर पर कई नई पहलों का समर्थन करेगा। इनमें पीजीपी 2003 बैच और अमेरिकन एक्सप्रेस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के वित्त पोषण समर्थन के साथ हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग लैब; पीजीपी 1967 बैच की ओर से विजय भार्गव द्वारा संकाय स्कंध - 11 और संगोष्ठी कक्ष - 3 का जीर्णोद्धार और उन्नयन (प्रथम ऐसा संगोष्ठी कक्ष जिसे वित्तपोषण प्राप्त हुआ); डी बी कॉर्प (दैनिक भास्कर समूह) उच्च-मूल्य मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति; सार्वजनिक नीति पेपर अवार्ड और इन्डीजीन प्राइवेट लिमिटेड के लिए भारतीय फार्मास्युटिकल गठबंधन अनुसंधान समर्थन शामिल हैं। स्वास्थ्य देखभाल सेवा क्षेत्र में अनुसंधान और केस के अध्ययन का समर्थन करने के लिए सीएसआर वित्त पोषण शामिल है।

आईआईएमए बोर्ड के सदस्यों और पूर्वछात्रों द्वारा योगदान हमेशा संस्थान में विश्वास का एक विशेष टोकन है। इस वर्ष रूपा और विवेक कुडवा ने संकाय स्कंध - 7 की बहाली और उन्नयन का समर्थन करने के लिए धन उपलब्ध कराया है।

सिंगापुर शाखा द्वारा श्रेणी-वार प्रमुख योगदान; व्यक्तिगत पूर्वछात्र; कॉर्पोरेट / संगठन; और पूर्वछात्रों के बैच के विवरण **परिशिष्ट ढ5** में सूचीबद्ध हैं।

जिन्होंने 5 लाख और उससे अधिक का व्यक्तिगत योगदान दिया है उनके विवरण **परिशिष्ट ढ6** में सूचीबद्ध किए गए हैं।

आईआईएमए एंडॉमेंट फंड का शुभारंभ

वर्ष 1961 में अपनी स्थापना के बाद से, आईआईएमए ने 34,000 से अधिक पूर्वछात्रों को स्नातक किया है जो पूरे भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में काम करते हैं। इन पूर्वछात्रों ने कॉर्पोरेट्स, उद्यमिता, शिक्षा, सार्वजनिक नीति और सेवा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईआईएमए से प्रबंधन की डिग्री वाले सात में से एक सीईओ के साथ, संस्थान के पास भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में सीईओ/सीएक्सओ स्तर की भूमिकाओं में पूर्वछात्रों की संख्या सबसे अधिक है। आईआईएम अहमदाबाद के पूर्वछात्रों ने देश के कुछ बेहतरीन व्यावसायिक उद्यमों की भी स्थापना की है। दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों के बंदोबस्ती निधियों से एक को लेते हुए, कुछ प्रमुख पूर्वछात्र 'आईआईएमए एंडोमेंट फंड' बनाने के लिए एकसाथ आगे आए हैं और संस्थान

को प्रबंधन शिक्षा और अभ्यास, उद्यमशीलता नेतृत्व और सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में प्रभावी बनाने में सक्षम बनाते हैं।

आईआईएमए शासी निकाय के मार्गदर्शन में, एंडोमेंट फंड का प्रबंधन एक स्वतंत्र एंडोमेंट समिति द्वारा किया जाएगा, जिसमें निदेशक और डीन - पूर्वछात्र और बाहरी संबंध के साथ-साथ उनकी पूर्व-अधिकारी क्षमता शामिल है। इस फंड को प्रारंभिक पूर्वछात्रों के योगदान से 100 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता के साथ स्थापित किया जा रहा है, जिसमें पाँच वर्ष के भीतर लगभग 1000 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का लक्ष्य है। इस पहल के साथ, संचालक और पूर्वछात्र एक ऐसा बीज बोना चाहते हैं जो एक दिन आईआईएम अहमदाबाद के विस्तार का एक बड़ा समर्थन भाग होगा। यह एंडॉमेंट कॉर्पस बहुत प्रभावशाली होगा क्योंकि हम उम्मीद करते हैं कि यह संस्थान के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक पहलों और अभिनव परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभरकर आएगा। अधिकांश भारतीय शिक्षण संस्थानों के लिए इस तरह के एक महत्वपूर्ण वित्त पोषण का समर्थन कभी नजर नहीं आया है और हम यह बेंचमार्क बनाते हुए अति प्रसन्न हैं। इस फंड की पारदर्शी संरचना आईआईएमए को अपने पूर्वछात्रों के साथ अधिक सक्रिय रूप से जुड़ने में मदद करेगी और वे अपनी मातृ संस्था के भविष्य को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकेंगे। इससे संस्थान को समकालीन, उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से अधिकतम मूल्य देने में भी मदद मिलेगी।

इस फंड को दीक्षांत समारोह के दिन, 21 मार्च, 2020 को उद्घाटित करने का इरादा था। चूँकि कोविड-19 महामारी को देखते हुए दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया गया है, इसलिए इस फंड को जून 2020 में उद्घाटित करने का फैसला किया गया है।

10 अभिलेखागार

17 नवंबर, 2017 को पहली आईआईएमए अभिलेखागार समिति की घोषणा के साथ औपचारिक रूप से आईआईएमए अभिलेखागार अस्तित्व में आया। इस समिति के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर चिन्मय तुम्बे हैं। इस समिति का उद्देश्य संस्थागत स्मृति का संरक्षण और आईआईएमए समुदाय और आम जनता के लिए संस्थान के बारे में ऐतिहासिक जानकारी का समय-समय पर प्रसार बनाए रखना है। अभिलेखागार ने संस्थान की नींव और विकास से संबंधित भौतिक और डिजीटल दस्तावेजों का एक बड़ा संग्रह बनाया है। आईआईएमए की मौखिक इतिहास परियोजना एक महत्वपूर्ण पहल है जो संस्थान से जुड़े कई लोगों के अनुभवों को उसके प्रारंभिक वर्षों के दौरान अधिकृत करता है। अभिलेखागार में भारत के व्यवसाय और आर्थिक इतिहास से संबंधित दस्तावेजों और निर्देशिकाओं का संग्रह भी है।

आईआईएमए अभिलेखागार वेबसाइट को 31 अगस्त, 2019 (https://archives.iima.ac.in/) को शुरू किया गया, जिससे आईआईएमए के बारे में प्रकाशनों का एक समृद्ध संग्रह, आईआईएमए कार्यक्रमों से संबंधित सामग्री, प्रारंभिक दस्तावेज़, मौखिक इतिहास, और पुरानी तस्वीरें आदि जैसी चीजों को इलेक्ट्रोनिक रूप से देखा जा सकता है। सामान्य रूप से संस्थान के अतीत या व्यावसायिक इतिहास में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं और छात्रों के बीच अभिलेखागार लोकप्रिय हो रहा है। वर्ष के अंत तक, 24 मौखिक इतिहास पूर्व संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा सुनाए गए थे; और 4497 भौतिक दस्तावेजों (पुस्तकों, प्रतिवेदनों, ब्रोशर, समाचार पत्र, आदि सहित) का एक संग्रह, आईआईएमए संकायों द्वारा लिखे गए 3824 केस, 21,410 तस्वीरें, और अन्य सामग्री जैसे वीडियो और भौतिक कलाकृतियों आदि को तैयार किया गया।

अभिलेखागार ने फरवरी 2020 में 'अभिलेखागार से सारांश' का मासिक साझाकरण शुरू किया, जिसमें संस्थान द्वारा अधिकृत पहले परिसर जैसी रूचि की चीजों को शामिल किया गया। एक प्रदर्शन स्थल पर काम शुरू हो गया है। प्रशासनिक दस्तावेजों के डिजिटलीकरण और समेटने की एक प्रमुख कवायद चल रही है। कुछ अन्य मौखिक इतिहास पाइपलाइन में हैं।

11 संचार गतिविधियाँ

मीडिया विस्तारण

मीडिया संबंधों की गतिविधियों के हिस्से के रूप में, संस्थान ने क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण चैनलों को संस्थागत समारोहों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

- संस्थान ने इकतालीस प्रेस विज्ञप्ति और 14 प्रेस सम्मेलन आयोजित किए। संस्थान को 126 विभिन्न मीडिया चैनलों में चित्रित किया गया था।
- संस्थान ने *दैनिक भास्कर, बिजनेसलाइन, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, इंडियन एक्सप्रेस* और *डीएनए* के साथ संकायों के लेखों के लिए काम किया। अठहत्तर संकायों के लेख 2019-20 में प्रकाशित किए गए।

डिजिटल विपणन / सोशल मीडिया

वर्ष 2019-20 में, आईआईएमए के आधिकारिक फेसबुक पेज पर 5,87,907 फॉलोअर्स, ट्विटर पेज पर 192,856 फॉलोअर्स, लिंक्डइन अकाउंट में 166,879 फॉलोअर्स और संस्थान के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट में 36,767 फॉलोअर्स थे। संस्थान के यूट्यूब चैनल के 15,500 ग्राहक सदस्य थे और 6,65,022 से अधिक लोगों ने दर्शक के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई।

संकाय विचारों, पूर्वछात्रों की बातचीत, अतिथि बातचीत, अनुसंधान सेमिनार आदि के 234 से अधिक वीडियो रिकॉर्ड किए गए और संपादित किए गए।

संकाय पॉडकास्ट

2019-20 में, 20 संकाय सदस्यों ने ऐप्पल पॉडकास्ट पूर्वावलोकन और साउंडक्लाउड पर आधिकारिक पॉडकास्ट चैनल पर व्याख्यान दिए। साउंडक्लाउड पर इस पॉडकास्ट चैनल के कुल श्रोताओं की संख्या 36,783 है। चैनल को एप्पल पॉडकास्ट पूर्वावलोकन पर 5 में से 5 रेटिंग दी गई है।

परिसर का दौरा

वर्ष 2019-20 के दौरान, संस्थान में विदेशी नागरिकों, सरकारी अधिकारियों, कॉर्पोरेट और शिक्षा क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारियों, सशस्त्र सेना बलों, व्यावसायियों और वास्तुकला छात्रों सहित 14,355 आगंतुक थे।

परिसर दौरे

12 कंप्यूटर केंद्र

संस्थान में आईटी परियोजनाओं और समर्थन सेवाओं का प्रबंधन कंप्यूटर केंद्र (सीसी) के माध्यम से किया जाता है। कंप्यूटर सेवा समिति द्वारा संचालित यह केंद्र, समय-समय पर आईटी नीतियों का निर्माण करता है। केंद्र को 30 योग्य आईटी अनुभवी व्यक्तियों, प्रबंधकों और तकनीकी कर्मचारियों की एक टीम द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

केंद्र उच्च उपलब्धता, मापनीयता, गतिशीलता, सुरक्षा, प्रदर्शन, स्वचालन, कम टीसीओ (स्वामित्व की कुल लागत) और प्रबंधन में आसानी पर ध्यान देने के साथ आईटी की अवसंरचना को विकसित करना जारी रखता है। इसका लक्ष्य एक डिजिटली स्मार्ट कैंपस को बनाए रखना है, जहाँ एप्लिकेशन / सूचना को किसी भी उपकरण से और कहीं से भी स्वीकार्य गति से सुरक्षित रूप से 24x7 चलाया जा सकता है / एक्सेस किया जा सकता है और जहाँ सभी कैंपस संसाधनों का नवीनतम उपकरणों और तकनीकों के उपयोग के साथ बेहतर उपयोग किया जा सकता है। संस्थान के पास एपीसी श्नाइडर की एक अत्याधुनिक टियर-2 डेटा सेंटर सुविधा है, जहाँ कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग और दूरसंचार बुनियादी ढाँचे की मेजबानी ईआरपी (एसएपी) से लेकर एलएमएस (मूडल) तक के संबंधित प्रशासनिक और शैक्षणिक अनुप्रयोगों के साथ की जाती है।

छात्रावासों, संकाय भवन-समूह, अकादमिक भवन-समूह, कंप्यूटर केंद्र और पुस्तकालय सहित सभी इमारतें एक गीगाबिट ईथरनेट-स्विच नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। केंद्र ने हाल ही में एकल मोड फाइबर बिछाकर अपने नेटवर्क बैकबोन को 10जीबीपीएस / 40जीबीपीएस पर अपग्रेड किया है। स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (एलएएन) को 3-लेयर आर्किटेक्चर - एक्सेस लेयर, डिस्ट्रीब्यूशन लेयर और कोर लेयर का उपयोग करके बनाया गया है। नेटवर्क प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरे नेटवर्क की निगरानी और प्रबंधन एक सिंगल विंडो के माध्यम से किया जाता है।

उपलब्ध कुल इंटरनेट बैंडविड्थ दो अलग-अलग आईएसपी के माध्यम से 500 एमबीपीएस है। इसके अलावा, एनकेएन (नेशनल नॉलेज नेटवर्क-राष्ट्रीय ज्ञान जालतंत्र) से 1 जीबीपीएस लिंक है।

ईआरपी का कार्यान्वयन - एसएपी एस4 एचएएनए

संस्थान ने एसएपी एस/4 एचएएनए को अपने ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग-उद्यम संसाधन योजना) एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म के रूप में अपनाया है और इसी पर आधारित विकल्प के लिए आगे जाने का फैसला किया है।

कार्यान्वयन के पहले चरण में, एसएपी के मुख्य मॉड्यूल लागू किए गए थे और जनवरी 2020 से लाइव हो गए थे। दूसरे चरण में छात्र जीवन चक्र प्रबंधन (एसएलसीएम) का हिस्सा होगा। एसएपी का कार्यान्वयन संस्थान को अपनी प्रक्रियाओं को स्वचालित करने और संसाधन अनुकूलन और उत्पादकता में सुधार के साथ कागजरहित कार्यालय संचालन की ओर बढ़ने में मदद करेगा।

उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग (एचपीसी) लैब की स्थापना

डेटा संग्रह, विज़ुअलाइज़ेशन और मॉडलिंग के महत्व को देखते हुए, संस्थान ने बड़े डेटा-भंडारण सुविधाओं के साथ-साथ अत्याधुनिक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटरों से लैस एक नई प्रयोगशाला विकसित करने का निर्णय लिया है। इस प्रयोगशाला से शैक्षणिक निकाय की सुविधा की उम्मीद है।

संस्थान अपना स्वयं का डेटाबेस बनाने की प्रक्रिया में है जो नीति-निर्माताओं के साथ-साथ अकादमिक शोधकर्ताओं को सूचित करने में मदद करेगा। यह एचपीसी लैब, मिश्रा वित्तीय बाज़ार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र के साथ मिलकर कई परियोजनाओं में शामिल है।

इस वर्ष एचपीसी लैब ने नए विश्लेषिकी कार्यक्रम (उन्नत

व्यापार विश्लेषिकी में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए)) की शुरूआत के लिए एक आकर्षक सुविधा प्रदान की है। संस्थान ने *अर्थशास्त्र और वित्त में नेटवर्क विज्ञान* पर एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी शुरू किया है।

टेलीफोनी इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन

कंप्यूटर केंद्र यूनिफाइड कम्युनिकेशंस (एकीकृत संचार) में अपने एनालॉग टेलीफोनी इन्फ्रास्ट्रक्चर को अत्याधुनिक डिजिटल आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) टेलीफोनी में अपग्रेड कर रहा है। वोडाफोन सेशन इनिशिएशन प्रोटोकॉल (एसआईपी) ट्रंक सेवाएँ प्रदान करेगा। नई तकनीक एक ही स्थान पर सभी संचार चैनलों जैसे चैट, वॉइस, वीडियो, वेब आदि को एकीकृत करेगी। इसका मतलब यह है कि विभिन्न उपकरणों को चुनने के बजाय, उपयोगकर्ता एक ही यूजर इंटरफेस के माध्यम से विभिन्न संचार जरूरतों के लिए सिर्फ एक माध्यम का उपयोग कर सकते हैं, जिससे काफी समय और संसाधनों की बचत होती है।

अन्य पहलें

कई विभाग, जो प्रचार और विपणन गतिविधियाँ करते हैं, कंप्यूटर केंद्र द्वारा तैनात बल्क मेल समाधान का उपयोग करते हैं। संस्थान ने एक हाइब्रिड मॉडल को चुना है, जिससे कुछ एप्लिकेशन क्लाउड पर होस्ट किए जाते हैं, जबकि अन्य आंतरिक डेटा केंद्र द्वारा होस्ट किए जाते हैं।

सभी कक्षाओं को एक प्रोजेक्टर, एक पीसी और एक डीवीडी प्लेयर के साथ विकसित और सुसज्जित किया गया है। कुछ कक्षाओं में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी है। कंप्यूटर केंद्र में एक पूरी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर कक्षा उपलब्ध है जहाँ ऑन-लाइन कंप्यूटर-आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकता है। स्थानन कार्यालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी प्रदान की गई है ताकि कंपनियाँ छात्रों को दूरस्थ रूप से स्क्रीन कर सकें।

संस्थान दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग मोड के माध्यम से भी शिक्षा प्रदान करता है। इसने व्याख्यान रिकॉर्डिंग, संग्रह और वेब स्ट्रीमिंग के लिए भागीदारों के माध्यम से उच्च-परिभाषा वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित किए हैं।

केंद्र ने ज्यादातर शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुप्रयोगों को इन-हाउस में ज्यादातर एलएएमपी प्लेटफॉर्म पर विकसित किया है। इसमें तकनीकी सहायता के लिए एक केंद्रीकृत हेल्पडेस्क है। संस्थान ने कुछ गैर-महत्वपूर्ण सेवाओं को आउटसोर्स किया है, जबकि महत्वपूर्ण समर्थन कार्यों का प्रबंधन अपनी आंतरिक टीम के माध्यम से सीधे ही करता है। केंद्र के पास सभी बातों से संबंधित ओईएम और सेवा प्रदाताओं के साथ एसएलए संचालित समर्थन अनुबंध हैं।

शिक्षा प्रबंधन प्रणाली

मूडल एक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) - शिक्षा प्रबंधन प्रणाली के रूप में उपलब्ध है। यह प्रशासन, प्रलेखन, ट्रैकिंग, रिपोर्टिंग और इलेक्ट्रॉनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी (जिसे ई-लर्निंग भी कहा जाता है) पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के वितरण के लिए एक सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग है। मूडल का उपयोग संकायों द्वारा अध्ययन सामग्री, ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण, ऑनलाइन क्विज़ / परीक्षा, चर्चा मंचों (पाठ्यक्रम विशिष्ट) को साझा करने के लिए और साहित्यिक चोरी-विरोधी सॉफ़्टवेयर आकलनों के साथ एकीकृत करते हुए किया जाता है।

13
सहायता अनुदान

वर्ष 2019-20 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) और योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई अनुदान प्राप्त नहीं किया।

14

बुनियादी ढाँचे का विकास

विभिन्न प्रमुख ढाँचागत परियोजनाओं की प्रगति इस प्रकार है :

	वर्ग फ़ीट	आरंभ करने की तारीख	अपेक्षित कार्य समापन की तारीख	संशोधित* समापन तारीख (नोवेल कोविड-19 से पहले)	31 मार्च, 2020 तक कितना काम पूरा हुआ
खेल संकुल	57,858	1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2020	26 मई, 2020	60%
जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल	56,420	1 अप्रैल, 2019	30 जून, 2020	4 अगस्त, 2020	45%
छात्रावास (36, 37, 38, 40, और 43)	3,47,359	1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2021	12 मई, 2021	18%
छात्रावास 39 और 42		1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2021	30 मई, 2021	12%
छात्रावास 41		1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2021	15 जून, 2021	8%
नया अकादमिक भवन समूह	2,36,924	1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2021	22 मई, 2021	40%
कुल	**6,98,561**				

* लॉकडाउन इन तारीखों को प्रभावित कर सकता है।

अहमदाबाद महानगर पालिका निगम से निर्माण की अनुमति नहीं मिलने के कारण निम्नलिखित इमारतों का काम शुरू नहीं हो सका :

	वर्ग फ़ीट	अपेक्षित प्रारंभ तिथि	अपेक्षित कार्य समापन की तारीख
संकाय आवास (56 यूनिट)	2,21,494	1 अक्टूबर, 2020	30 सितंबर, 2022
कर्मचारी आवास 1 (60 यूनिट)	93,556	1 अक्टूबर, 2020	30 सितंबर, 2022
कर्मचारी आवास 2 (40 यूनिट)	65,262	1 अक्टूबर, 2020	30 सितंबर, 2022
कुल	**3,80,312**		

खुदाई की मिट्टी के निपटान, वायु चक्रवात, अनुमोदित सामग्री की सोर्सिंग में देरी, कुछ ड्राइंग / डिजाइन से संबंधित मुद्दों आदि के कारण काम में कुछ देरी हुई है। परियोजना की जटिलता को देखते हुए, काम की गति अच्छी और गुणवत्ता संतोषजनक थी।

आंतरिक कार्यों के लिए निविदाएँ शीघ्र ही मंगाई जाएंगी।

मुख्य परिसर पर संकाय ब्लॉक की बहाली

सिविल और संबद्ध कार्यों के लिए निविदा कार्य फरवरी 2020 में पूरा हो गया। यह कार्य दीक्षांत समारोह-2020 के बाद काम शुरू होना था, लेकिन कोविड-19 के कारण शुरू नहीं हो सका।

अस्थायी संकाय कार्यालय

यह निर्माण कार्य मार्च 2020 में 40,460 वर्गफुट के निर्मित क्षेत्र के साथ पूरा हुआ। यह केवल भूतल भवन है और इसमें समिति के कमरों, संकाय लाउंज (विश्रांतिका), आदि के साथ 36 संकाय कार्यालयों को समायोजित किया जा सकता है।

संकाय क्लब का नवीनीकरण

फरवरी 2020 में सिविल और संबद्ध कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई थी। लेकिन कोविड-19 के कारण निर्धारित कार्यसूची के अनुसार काम शुरू नहीं हो सका।

अंडरपास के पास फार्मेसी स्टोर का निर्माण

फरवरी 2020 में सिविल और संबद्ध कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई थी। लेकिन कोविड-19 के कारण निर्धारित कार्यसूची के अनुसार काम शुरू नहीं हो सका।

15 राजभाषा कार्यान्वयन

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा नीतियों के अनुपालन के लिए संस्थान में एक पूर्णकालिक हिंदी अनुभाग कार्यरत है। वर्ष के दौरान, राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों, उनके तहत बनाए गए नियमों, और राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों / निर्देशों को लागू करने के लिए ठोस प्रयास किए गए।

हिंदी पखवाड़ा

संस्थान ने 16 से 30 सितंबर, 2019 के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़ा मनाया। इसका शुभारंभ 16 सितंबर, 2019 के हिन्दी दिवस के समारोह के साथ किया गया था। इस पखवाड़े के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ (निबंध, कविता-पाठ, शब्द-ज्ञान, हिंदी सामान्य ज्ञान, हिंदी अंताक्षरी और सुलेख) आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में 300 से अधिक हिंदी भाषी और गैर-हिंदी भाषी कर्मचारी सदस्यों और संस्थान के छात्रों ने भाग लिया। समापन समारोह के दिन, प्रोफ़ेसर राकेश बसंत, डीन (पूर्वछात्र एवं बाहरी संबंध) द्वारा सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर, कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने भी संस्थान के सभी सदस्यों को अपने दैनिक कार्यालयीन काम में हिंदी का उपयोग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। विक्रम साराभाई पुस्तकालय में 24 सितंबर, 2019 को हिंदी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। मानव संसाधन विकास मंत्री और माननीय गृह मंत्री से प्राप्त संदेशों की प्रतियाँ सभी सूचनापट्टों पर प्रदर्शित की गई थी।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा एवं निगरानी के क्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकों का आयोजन निदेशक महोदय की अध्यक्षता में किया गया। वर्ष के दौरान चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिनमें 146 कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया था। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 24 फरवरी, 2020 को मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में आईआईएमए समुदाय के सदस्यों ने हमारे बहुभाषी समाज के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न भाषाओं में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया था।

"प्रतिबिंब" हिंदी पत्रिका

हिंदी पत्रिका *प्रतिबिंब* का नौवाँ संस्करण फरवरी 2020 में प्रकाशित किया गया और इसकी प्रतियाँ सभी आईआईएमों, आईआईटीयों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी निकाय सदस्यों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सभी 140 सदस्यों को भेजी गई। इस पत्रिका की सॉफ्ट कॉपी संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

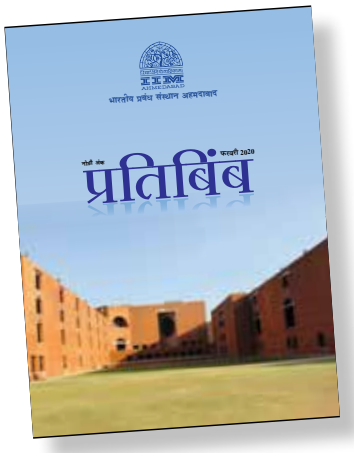

16 कार्मिक

वर्ष 2019-20 के दौरान, दस नए संकाय सदस्यों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। दो संकाय सदस्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने के बाद सेवानिवृत्त हुए, एक संकाय सदस्य ने त्यागपत्र दिया, और एक संकाय सदस्य का कार्यकाल समाप्त हुआ। चालीस नए कर्मचारियों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। इक्कीस कर्मचारी सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने के बाद सेवानिवृत्त हुए, आठ कर्मचारियों ने त्यागपत्र दिया और पाँच कर्मचारियों की कार्यावधि पूरी हुई।

पाँच संकाय सदस्यों को संस्थान से अनुपस्थिति के लिए स्वीकृति दी गई थी और एक संकाय सदस्य अपनी अनुपस्थिति स्वीकृति की अवधि समाप्त होने पर वापिस संस्थान से जुड़ गए।

कर्मचारियो की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ण7** में दिये गए हैं।

उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्तकर्त्ता संकाय

वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित पाँच संकाय सदस्यों ने उच्चतम पारिश्रमिक अर्जित किया है :

- प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी
- प्रोफ़ेसर संजय वर्मा
- प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय
- प्रोफ़ेसर सुनील शर्मा
- प्रोफ़ेसर अमित कर्णा

संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में इनके द्वारा किये गए योगदान के विवरण **परिशिष्ट ण8** में दिए गए हैं।

अधिकारी और कर्मचारी विकास गतिविधियाँ

वर्ष के दौरान, 69 कर्मचारियों को अहमदाबाद प्रबंधन संघ और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया था।

संस्थान ने कई कर्मचारी सदस्यों को प्रायोजित करना जारी रखा जो विभिन्न पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ाना चाहते थे।

कर्मचारी पुरस्कार / सम्मान

वर्ष के दौरान, संकायों और कर्मचारियों को निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए :

बीस वर्ष की सेवा पूरी करने पर प्रशंसा पुरस्कार

- प्रोफ़ेसर अरिंदम बनर्जी
- प्रोफ़ेसर संजय वर्मा
- प्रोफ़ेसर निहारिका वोहरा
- सुश्री रिनी विनोद
- सुश्री माया स्वामीनाथन
- सुश्री रेजी आर. पिल्लई
- श्री भगवानभाई जेड. परमार
- श्री रेवेंद्र डी. वाघेला
- श्री सुधीरन के.एस.
- श्री मौलिक आर. ठक्कर
- सुश्री कैरवी आर. स्वरूप
- श्री बीजू सहदेवन

सेवानिवृत्ति पर दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार

- श्री हीराभाई पुनाभाई सोलंकी
- श्री एम.पी. बेबी
- श्री बधाभाई आर. राठौड़
- डॉ. उपेंद्रकुमार पी. पंड्या
- श्री अजय एन. सुथार
- सुश्री शैलजा एच. नायर
- श्री पी. बोस
- श्री दिताजी एस. मोडिया
- श्री अखिलेश नटवरलाल गोर
- श्री भीखाभाई जी. वाघेला
- श्री जितेंद्र आर. शाह
- श्री हरगोविंद जे. रबारी
- श्री मनुभाई के. वाघेला
- श्री हीराभाई एम. वाघेला
- श्री पूनमचंद एस. मकवाना
- सुश्री पुष्पा हरिहरन
- श्री देवाभाई आर. भट्टी
- श्री लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
- श्री धनजीभाई के. पटेल
- श्री उर्मिल जे. अंजारिया
- श्री जयंतीभाई एस. प्रजापति
- श्री गणपत एस. सोलंकी

इन कर्मचारियों के विवरण **परिशिष्ट ण** में दिए गए हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत, वर्ष के दौरान 308 आरटीआई आवेदन और 23 प्रथम अपील प्राप्त हुई और इनके जवाब दिए गए। महीने के अनुसार इनका विश्लेषण निम्न प्रकार से है :

महीना	आरटीआई आवेदन	प्रथम अपील
अप्रैल 2019	66	2
मई 2019	29	3
जून 2019	22	0
जुलाई 2019	14	1
अगस्त 2019	14	3
सितंबर 2019	21	4
अक्टूबर 2019	10	0
नवंबर 2019	21	2
दिसंबर 2019	15	2
जनवरी 2020	46	0
फरवरी 2020	21	2
मार्च 2020	29	4
कुल	**308**	**23**

पूर्व कर्मचारी मिलन समारोह

संस्थान ने 11 दिसंबर, 2019 को पूर्व कर्मचारियों के लिए मिलन समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन के दौरान, कर्मचारियों ने संस्थान के निदेशक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद किया।

सेइफ़-टी(सुरक्षा चाय) : सीएमजीआई के साथ चाय पर चर्चा

लैंगिक मुद्दों के प्रबंधन के लिए समिति (सीएमजीआई) ने 19 फरवरी, 2020 को संस्थान की महिला कर्मचारियों के साथ एक बैठक आयोजित की। इस बैठक का उद्देश्य परिसर में महिलाओं के लिए बेहतर माहौल प्रदान करने के लिए महिला कर्मचारियों के विचार प्राप्त करना था।

आईआईएमए माहौल का सर्वेक्षण

विलिस टॉवर्स वाटसन की मदद से, संस्थान ने संकायों और अधिकारियों का एक माहौल सर्वेक्षण किया। इसका उद्देश्य प्रमुख संगठनात्मक चुनौतियों पर धारणाओं को पकड़ना था, कर्मचारियों की खुशी के हिस्से का मापन करना और संस्थान के लिए सुधार के क्षेत्रों की पहचान करना था।

एसएपी, ईआरपी का कार्यान्वयन

संस्थान ने एसएपी भागीदार के रूप में यश प्रौद्योगिकी के साथ विभिन्न विभागों में एसएपी लागू किया है।

एसएपी के कार्यान्वयन के साथ मानव संसाधन गतिविधियों में भी परिवर्तन आया है। वेतन / पेंशन का संसाधन एसएपी के माध्यम से किया जा रहा है। कर्मचारी स्वयं सेवा (ईएसएस) पोर्टल का उपयोग कर्मचारियों द्वारा छुट्टी के लिए आवेदन करने, व्यक्तिगत जानकारी देखने, दावा प्रतिपूर्ति, कार्यालय में आने-जाने का समयक्रम देखने, आदि के लिए किया जाता है। अपने अधीन काम करने वाले कर्मचारियों को प्रबंधक स्वयं सेवा (एमएसएस) पोर्टल प्रदान किया गया है। एमएसएस के माध्यम से, प्रबंधक अपने अधिनस्थ कर्मचारियों के अनुरोधों का प्रबंधन कर सकते हैं। एसएपी के माध्यम से कार्य-प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया का प्रबंधन बाद में किया जाएगा।

पूर्व कर्मचारी मिलन समारोह

17

खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा)

परिसर में खेल गतिविधियों का आयोजन सारा समिति द्वारा किया जाता है। एक नाम मात्र के सदस्यता शुल्क का भुगतान करके कोई भी कर्मचारी सारा का सदस्य बन सकता है।

संस्थान के परिसर में निम्नलिखित खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं :

आउटडोर	दो टेनिस कोर्ट
	एक बास्केटबॉल कोर्ट
	वॉलीबॉल कोर्ट
	फुटबाल का मैदान
इनडोर (खेल संकुल)	दो बैडमिंटन कोर्ट
	दो टेबल टेनिस कोर्ट
	एक स्क्वैश रूम
	एक स्नूकर रूम

समुदाय के लिए योग कक्षाएँ फिटनेस सेंटर के पास स्थित योग कक्ष में आयोजित की जाती हैं।

सारा समुदाय के सदस्यों और छात्रों को टेनिस कोचिंग भी प्रदान करती है।

वार्षिक खेल दिवस

सारा समिति ने सभी समुदाय के सदस्यों के लिए 1 मार्च, 2020 को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया। इसमें दौड़, म्यूजिकल चेयर, रस्सा-कस्सी, नींबू-चम्मच दौड़, मेंढ़क कूद, पिग्गीबैकिंग, सैक रेस, स्लो साइकिल रेस और सबसे तेज खाने वाली प्रतिस्पर्धा आदि खेलों का आयोजन किया गया।

18 छात्र गतिविधियाँ

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ (मेंटरशिप सेल)

मेंटरशिप सेल ने 2021 के बैच के लिए सुचारू ऑन-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान की। आने वाले 440 से अधिक छात्रों को मेंटर ग्रुप आवंटित करना और उनके लिए अनुकूल माहौल तैयार करना एक बड़ा काम था।

परिसर में छात्रों के आने से पहले, इस सेल ने राष्ट्रव्यापी फ़च्चा-टुच्चा (नए-पुराने छात्रों) की बैठक आयोजित की, ताकि छात्र अपने वरिष्ठों से अनौपचारिक रूप से मिल सकें और सहज हो सकें। एक बार जब छात्र परिसर में आ गए, तब सेल ने उन्हें स्वागत किट प्रदान की, जिसमें उनके वरिष्ठों के व्यक्तिगत संदेश थे। स्थानन के समय, श्री रॉय एडिंगटन-चार्ल्स द्वारा आयोजित एक कार्यशाला की मेजबानी भी इस सेल ने की, जिसने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप साक्षात्कार की तैयारी में छात्रों की मदद मिली।

संकाय छात्र संवाद (एफ़एसआई) सेल

एफ़एसआई सेल ने नियमित प्रेरण प्रक्रिया के साथ साल की शुरूआत की। इसने संस्थान में अत्यधिक सम्मानित संकाय-छात्र संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए डॉर्म मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया। ये सामयिक डॉर्म बैठकों से लेकर त्योहारों के जश्न तथा खाना पकाने के बार्बेक्यू/ग्रील्ड सत्रों तक के जीवंत अंतर्क्रियाओं के लिए मिलते हैं। एफ़एसआई ने बहुप्रतीक्षित संकाय-छात्र क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया, जो काँटे की टक्कर सा दिलों को धड़काने वाला रहा। यह वर्ष वार्षिक सामुदायिक खेल दिवस के साथ समाप्त हुआ, जिसमें 150 से अधिक अकादमिक साथी सदस्यों ने 10 से अधिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

स्माइल

स्माइल एक छात्र-मध्यस्थता पहल है, जिसका उद्देश्य कमज़ोर पृष्ठभूमि के बच्चों को शिक्षा और उनके समग्र विकास में सहायता करना है। क्लब का प्राथमिक उद्देश्य अहमदाबाद के वस्त्रापुर के इलाकों में गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को समान अवसर प्रदान करना है। वाघ बकरी फाउंडेशन और अहमदाबाद महानगर पालिका निगम के सहयोग से, इस क्लब ने 140 से अधिक बच्चों के समग्र विकास के उद्देश्य से साप्ताहिक शिक्षण सत्र, सामुदायिक उत्थान अभियान और अतिरिक्त कार्यक्रम आयोजित किए। इस क्लब ने दीवाली समय के दौरान परिवर्तन-के-लिए-अध्यापन, सप्ताह भर चलने वाले शिविरों, मेंटरशिप कार्यक्रमों, स्वच्छता सत्रों और कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों जैसे अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया।

टेडएक्स आईआईएम अहमदाबाद (रेड डॉट)

रेड डॉट, एसआईजी का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के विषयों पर अपने दृष्टिकोण के लिए आईआईएमए समुदाय को एक मंच प्रदान करना है, लेकिन यह प्रौद्योगिकी, सामाजिक कल्याणकार्यों और नवाचार से लेकर नीति-निर्माण तक ही सीमित नहीं है। इस वर्ष क्लब ने टेडएक्सआईआईएमअहमदाबाद आयोजित किया, जो समुदाय द्वारा संचालित एक कार्यक्रम है, तथा विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण विचारों और दृष्टिकोणों को सामने लाने पर केंद्रित है। 'विमवियन की बात' जिसका उद्देश्य आईआईएमए छात्र समुदाय के इर्दगिर्द की कल्पनाओं, विचारों और दर्शन को प्रत्यक्ष लाना है, साथ ही अन्य क्लबों के सहयोग से कुछ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

पैनेसिया – आईआईएमए का स्वास्थ्य देखभाल क्लब

पैनेसिया - स्वास्थ्य देखभाल क्लब, संस्थान के लिए एक सुलभ स्वास्थ्य संरचना को शामिल करता है, जो समावेशी, सतत है और समुदाय को एक समग्र और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करता है। यह क्लब संस्थान में स्वास्थ्य सेवा और स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करने और स्वास्थ्य कार्रवाई के लिए उपयुक्त अवसर तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

क्लब ने समुदाय की भलाई के लिए कई रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जाँच अभियान, कैरियर जागरूकता पैनल चर्चा और, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सत्र आयोजित किए। सुश्री मंदिरा बेदी, वाईयूवीएए (युवा) के श्री निखिल तनेजा, इंडिजीन के श्री मनीष गुप्ता, और अन्य लोगों ने वर्ष के दौरान अतिथि के रूप में छात्रों के साथ संवाद किया। प्रत्येक डॉर्म

में प्राथमिक चिकित्सा किट के इंतजाम किए गए, मच्छरदानी का डॉर्म-वार आवंटन किया गया, मलेरिया के खिलाफ रोगनिरोधी गोलियाँ, और फ्लू के खिलाफ टीकाकरण किया गया।

बीटा : वित्त एवं निवेश क्लब

बीटा वित्त में व्यापक कैरियर के बारे में आंतरिक और बाहरी पहलों के माध्यम से वित्तीय सेवा उद्योग के भीतर नेटवर्किंग के लिए छात्र समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। बीटा अन्य प्रमुख बी-स्कूलों के छात्रों को समान विचारधारा वाले व्यवसायियों के साथ नेटवर्क बनाने के इरादे से जोड़ता है। इस वर्ष नोमुरा के एमडी (प्रबंध निदेशक) द्वारा आयोजित एक कार्यशाला के माध्यम से बाजार के जीवंत अनुकार के माध्यम से शिक्षित किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को मार्केट सत्र में जीवंत ट्रेडिंग प्रक्रिया को समझने में मदद करना है, जिस तरह से शीर्ष कंपनियों में किया जाता है।

कैओस - आईआईएमए का सांस्कृतिक महोत्सव

कैओस उत्सवों का सबसे बड़ा गंतव्य है। यह आईआईएमए छात्रों की उत्सव की भावना का प्रकटीकरण है। कैओस, पूरे भारत में 500 से अधिक कॉलेजों की भागीदारी के साथ, सह-अस्तित्व के माध्यम से सह-निर्माण के विमवियन आदर्शों का अनुकरण करने की कोशिश करता है। इस वर्ष इस कार्यक्रम में सलीम सुलेमान, सचिन जिगर, शाल्मली खोलगड़े, डीजे शान, डीजे नीना सुरते और डीजे एनवाईके ने मनोरंजन किया। छात्रों ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम किया कि यह उत्सव प्रतिभागियों को जीवन भर के लिए उनकी यादों को संजोये रखेगा। 1.25 करोड़ रुपए से अधिक के बजट के साथ, कैओस 2020 में चार दिनों के महोत्सव के दौरान 40 से अधिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ, 14 कार्यशालाएँ, 10 व्याख्यान सत्र और 4 प्रोनाइट्स (संगीत कार्यक्रम) आयोजित किए गए।

आईआईएमए सांस्कृतिक तथा नाट्य सोसाइटी (आईआईएमएक्ट्स)

क्लब ने *बेचारा मारा गया* और उसके बाद *द वेव, ताजमहल का टेंडर* और आईआईएमएसीटीएस के पहले-पहले अनुभवात्मक नाटक *गुस्ताख मंटो* नामक एक गुदगुदाहटभरे व्यंग्य के साथ वर्ष की शुरूआत की।

संकाय-छात्र नाटक, *डाइवर्सिटी का भूत और भविष्य* ने दर्शकों को गुदगुदाने के साथ-साथ परिसर में विभिन्न विविधता संबंधी मुद्दों को उजागर किया। इस वर्ष का अंत आईआईएमएसीटीएस द्वारा लगातार चार नाटकों के साथ किया गया, जो केवल 100 मिनटों में भावनाओं की एक पूरी श्रृंखला को समाविष्ट कर लेते हैं।

सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों की समिति (कल्टकॉम)

वर्ष की शुरूआत अनौपचारिक प्रेरण सप्ताह के द्वारा पीजीपी1 छात्रों आगमन के साथ हुई जिसके बाद एक स्वागत पार्टी का आयोजन किया गया। क्लब ने पोंगल और संक्रांति रात्रिभोज का आयोजन किया। क्लब ने बैच टी-शर्ट डिजाइनिंग प्रतियोगिता का भी संचालन किया और बैच को टी-शर्ट्स दी। हालांकि कोविड महामारी के डर से कई प्रमुख समारोहों को बाधित किया गया था।

डेसीबल, आईआईएम अहमदाबाद का संगीत क्लब

पिछला वर्ष आईआईएम अहमदाबाद के संगीत क्लब डेसीबल के आकर्षणों से भरपूर रहा। इस वर्ष की शुरूआत 'आग़ाज़' के साथ हुई जिसमें क्लब के दूसरे वर्ष के छात्र सदस्यों ने शानदार प्रदर्शन किया और भारी भीड़ को श्रोतागण के रूप में देखा गया जिससे टान्सटाफ़ल तथा उसके पास के मार्ग का बड़ा हिस्सा भर गया था। इस कार्यक्रम से क्लब में शामिल होने में अपनी रुचि व्यक्त करते हुए पहले की तुलना में रुचि वालों की संख्या बढ़ गई। डेसीबल सदस्यों की नई टीम को एक साथ रखा गया था, उसने अपने प्रदर्शन "हाई होप्स" में दम-खम दिखाया, जो उनका पहला प्रदर्शन था। इसके बाद टीआरबीएस में सेरेनाद, डेसिबल का सुगम संगीत था, जिसने क्लब की आधिकारिक ब्रांडिंग को डेसिबल के रूप में चिह्नित किया, और समुदाय के लिए क्लब के सदस्यों द्वारा संचालित गायन और विभिन्न उपकरणों पर एक कार्यशाला श्रृंखला को चिह्नित किया गया। कुछ प्रतिभागियों ने इतना उत्साह भी दिखाया कि उन्होंने अपने संबंधित प्रशिक्षकों से कार्यशाला के पूरा होने के बाद भी सीखना जारी रखा।

नए वर्ष की शुरूआत डेसीबल ने अपने पहले संगीत समारोह *झंकार* के साथ की थी - जो दो दिनों तक चलने वाला समारोह था उसमें एक वेस्टर्न नाइट, एक भारतीय संध्या संगीत और एक अन्ताक्षरी भी थी। *द लास्ट जिग* के साथ शैक्षणिक वर्ष समाप्त हो गया, जो कि क्लब का अंतिम सत्र होने के साथ स्नातक हुए छात्रों की विदाई का जश्न रहा। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस समारोह, कराओके प्रतियोगिता कोरस, ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता म्यूज़िकोलॉजी, प्रयास क्लब के लिए बाल दिवस प्रदर्शन, और निदेशक के निवास पर क्रिसमस समारोह के दौरान संकाय सदस्यों के साथ प्रदर्शन में एक विशेष सहयोग भी देखा गया।

एमएडी (मैड) : सिनेमा और डिजाइन क्लब

2019-20 के अकादमिक वर्ष ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक परिचय वीडियो जारी करने के साथ शुरूआत की, जिसने क्लब द्वारा वैश्विक फिल्म समारोहों में काम करने के साथ-साथ क्लब द्वारा की गई ग्राहक परियोजनाओं की विविधता के माध्यम से क्लब द्वारा अर्जित विभिन्न प्रशंसाओं को रेखांकित किया। इसके बाद टीम के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ नए प्रवेश प्राप्त छात्रों द्वारा कई प्रमुख लघु फिल्में प्रसारित की गई। ये लघु फ़िल्में, *स्पिरिटस टैसीटुमस, साइकोसिस* और *जस्ट अनदर डे* को मैड यूट्यूब चैनल पर प्रसारित की गई और इन्हें 15,000 से अधिक बार दर्शकों द्वारा देखा गया। वर्ष के अंत में, लघु फिल्म बूँद, आखिरकार पूरी हुई और यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुई।

एमएडी ने इस विषय पर केंद्रित इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट की एक श्रृंखला शुरू करके, ग्राफिक डिजाइन पर पूरी तरह से ध्यान देते हुए समर्पित सोशल मीडिया पोस्ट शुरू किए हैं। इसके अलावा, इसने फिल्म प्रशंसा सत्रों, मैडमेनिया क्विज़ और *आज़ाद-एन अनफॉरगेटेबल फ़िगर* जो दिवंगत डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि के रूप में अविस्मरणीय चलचित्र है जिसका प्रसारण फ़िल्म स्टे प्रॉडक्शन्स के सहयोग में परिसर के समुदाय के लिए किया गया।

प्रोडमैन क्लब

प्रोडमैन क्लब उत्पाद प्रबंधन के बारे में छात्रों के बीच कैरियर अवसर के रूप में जागरूकता पैदा करने की दिशा में काम करता है। क्लब ने ज्ञान हस्तांतरण सत्रों की एक श्रृंखला और एक स्थानन तैयारी मैनुअल के साथ पीजीपीएक्स बैच के साथ अपना सहयोग बढ़ाया। टीआरबीएस के दौरान पहली बार पीएम लाइव के प्रायोजक के रूप में टीम ने अमेज़न वेब सेवा को भी ऑनबोर्ड किया। कैरियर के रूप में उत्पाद प्रबंधन के बारे में बातचीत के लिए क्लब ने श्री डेविड ज़क्कम, वीपी स्विगी और श्री निशांत पांडे, ईवीपी इन्फोएड्ज को आमंत्रित किया। माइक्रोसॉफ़्ट के उत्पाद प्रबंधकों की एक टीम ने छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

फ़िनेस

फ़िनेस, फाइन आर्ट्स क्लब, छात्रों और समुदाय को कला की खुशी, कुछ नया बनाने की खुशी और परिसर में रंगों की सुंदरता का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करता है। कला की संस्कृति को विकसित करने के लिए, क्लब ने एक चारकोल कला कार्यशाला का आयोजन किया, इसके बाद सिरेमिक और मिट्टी कला कार्यशालाओं का आयोजन किया। क्लब ने प्रयास क्लब के बच्चों के लिए कला प्रतियोगिताओं का आयोजन करके उनके साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। खुद से बनाएँ वीडियो प्रतियोगिता, द्रव कला कार्यशाला और पेंसिल स्केचिंग कार्यशाला शामिल करते हुए कई अन्य कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

मेस (भोजनालय) समिति

इस वर्ष के दौरान वेंडर चयन समिति को भंग करते हुए और संकाय, प्रशासन और पीएच.डी. छात्रों के प्रतिनिधियों को शामिल करके, नए विक्रेता चयन के लिए आवश्यक समय

को कम करने के लिए, मेस समिति का पुनर्गठन किया गया। समिति ने वर्ष में विभिन्न विक्रेताओं से 25 से अधिक बोलियों का मूल्यांकन किया, और 10 नए द्वि-वार्षिक या वार्षिक विक्रेता अनुबंधों के साथ तीन नए विक्रेताओं को नियुक्त किया।

समिति भोजन स्थलों का मासिक और अचानक निरीक्षण करती है, जिससे गुणवत्ता का रखरखाव सुनिश्चित हो, और बचे हुए भोजन के दान के लिए फीडिंग इंडिया के साथ सहयोग करती है। इसने एफएसएसएआई द्वारा स्थापित *ईट राइट कैंपस* (उचित आहार परिसर) पुरस्कार के लिए विक्रेताओं को तैयार किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि संस्थान पुरस्कार ने जीते।

इसने हार्वर्ड डिनर, न्यू ईयर डिनर और हैंडओवर सेरेमनी डिनर का भी आयोजन किया।

सिनर्जी : मानव संसाधन प्रबंधन एसआईजी

सिनर्जी ने पिछले एक वर्ष में परिसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए - जिनमें पहला *एचआरबिंजर, एचआरमनी-हारमनी* – जो कि एचआर केस प्रतियोगिता है, इस प्रतियोगिता का आयोजन टीआरबीएस के सहयोग किया गया था जिसमें कई टीमों ने भाग लिया। *ब्रेकिंग स्टीरियोटाइप्स* नामक एक मेमे-मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को एचआर से जुड़े स्टीरियोटाइप का पर्दाफाश करने के लिए अपनी बुद्धि और रचनात्मकता प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

इलोकन्स (वाग्मिता) : सार्वजनिक वक्ता क्लब

क्लब ने कई कार्यक्रमों और पहलों का आयोजन किया, विशेष रूप से कुछ लोकप्रिय व्याख्यान सत्रों का आयोजन किया, जिनमें स्वामी मुकुंदानंद जैसे अग्रणियों द्वारा आध्यात्मिकता और चित्त प्रबंधन के सत्रों के लिए छात्रों को इंटर्नशिप साक्षात्कार पर कार्रवाई करने योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करने वाले प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया गया था। इलोकन्स ने कैरियर क्लबों के साथ मिलकर मॉक समूह-चर्चा और सक्रिय रूप से समन्वित क्लस्टर इंटरव्यू आयोजित करने के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रक्रिया में एक अभिन्न भूमिका निभाई। टीआरबीएस के दौरान यह क्लब काफी सक्रिय रहा, जिसने अपनी प्रकार का पहला मॉडल संयुक्त राष्ट्र का संचालन किया था, जिसमें *जस्ट-ए-मिनट* और *टर्नकोट* जैसे समारोहों के साथ 1000 से अधिक पंजीकरण और 85 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

जीएमएलसी : सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व क्लब

क्लब को हाल ही में एक एसआईजी से पदोन्नत किया गया था, जो विभिन्न पहलों के माध्यम से सामान्य प्रबंधन एवं उद्योग जगत में नेटवर्किंग के बारे में छात्र समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित था।

इसकी शुरूआत पहली प्रमुख प्रतियोगिता *परफेक्ट मैनेजर* के साथ हुई, जो आने वाले छात्रों के लिए सीईओ में आवश्यक विभिन्न नेतृत्व गुणों के लिए हर प्रतिभागी का आकलन करती है। दो सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में *गठबंधन* और *शोडाउन* थी, जिनमें आईआईएमए समुदाय के भीतर और बाहर बड़ी संख्या में पंजीकरण हुए। इसकी परिकल्पना किसी भी संगठन के अग्रणियों के जीवन में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों का अनुभव करना थी।

यह क्लब एक समाचार-पत्र 'द राउंडटेबल' प्रकाशित करता है, जिसमें समाचार लेख, स्थानन अनुभव और उद्योग में हाल के अद्यतन शामिल होते हैं। स्थानन की तैयारी के लिए, क्लब ने अपनी कंपनी को जानें नामक दस्तावेज तैयार किए, जो छात्रों को इंटर्नशिप के व्यस्ततम घंटों के दौरान अपना लंबा समय बचाने में पूरी तरह मदद करते हैं। नियमित आधार पर स्थानन से पहले फर्म-विशिष्ट चयन के लिए समूह चर्चा आयोजित की जाती है।

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय क्लब (एफ़एबी)

एफ़एबी क्लब ने एक स्वैच्छिक सलाह कार्यक्रम चलाने की पहल की, जहाँ वरिष्ठ बैच ने स्थानन तैयारी के सभी पहलुओं में जूनियर बैच का उल्लेख किया। गतिविधियों में सीवी तैयार करने और नियमित जीडी (समूह चर्चाएँ) और साक्षात्कार अभ्यास सत्र के साथ अवधारणा निर्माण में सहायता शामिल थी।

क्लब ने टीआरबीएस के साथ एग्रीनोवेरा केस अध्ययन प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए सहयोग किया। इस आयोजन में 2,972 प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्लब ने नवीनतम उद्योग समाचार के साथ दो समाचार पत्र प्रकाशित करने का बीड़ा उठाया और संबंधित उद्योग के अग्रणियों के लिए केवाईसी साझा किया। दुन्ज़ो में आपूर्ति श्रृंखला नवप्रवर्तन पर अपने ज्ञान को साझा करने के लिए क्लब ने दुन्ज़ो के मध्यस्थ आपूर्ति प्रमुख श्री अखिल शर्मा को भी आमंत्रित किया था।

आईआईएमएली

आईआईएमएली एक एलजीबीटीक्यू प्लस संसाधन समूह है जिसका उद्देश्य परिसर के भीतर एलजीबीटक्रीया प्लस

समुदाय के लिए दृश्यता और समर्थन लाना है। इस वर्ष की शुरूआत अभिनेत्री मोना अंबेगांवकर द्वारा निभाए गए एक *माधव बाग* में एकल अभिनय नाट्य के साथ हुई। समुदाय ने सक्रिय रूप से विभिन्न आईआईएमएली गतिविधियों में भाग लिया जैसे कि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, और फोटोग्राफी प्रतियोगिता (फ्रेमवर्कस), तथा अन्य। इस समूह ने अमेरिकन कॉर्नर के सहयोग से एक फिल्म बनाने की कार्यशाला "द वॉयस" का भी आयोजन किया।

कशिश मुंबई इंटरनेशनल क्वीयर फिल्म फेस्टिवल के सहयोग से आईआईएमएली ने 'बेस्ट ऑफ कशिश' की मेजबानी की। इस फिल्म फेस्टिवल में भारत और दुनिया भर से एलजीबीटक्वीया प्लस समुदाय की फिल्में दिखाई जाती हैं।

छात्रों की पूर्वछात्र एवं बाहरी संबंध समिति (एसएईआरसी)

आईआईएमए प्रेरण व्याख्यान श्रृंखला ने श्री अरविंद सुब्रमण्यन और श्री जवागल श्रीनाथ जैसे वक्ताओं तथा छात्रों और प्रोफेसरों के साथ चर्चा में संलग्न होकर एक ऐतिहासिक मोड़ लिया। कार्यक्रमों की पहुँच को बढ़ाने के लिए एसएईआरसी ब्लॉग लॉन्च किया गया था। इस समिति ने 11 शहरों में 1450 से अधिक लोगों की संचयी उपस्थिति के साथ सिंक्रोनी क्लब की सुविधा सफलतापूर्वक दी। समिति ने करियर-पैनल चर्चा और *एक पूर्वछात्र की परछाँई* जैसी कई नई पहल कीं। एसएईआरसी ने भी प्रयत्न के दोहराव को कम करने और गतिविधियों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए अन्य क्लबों के साथ तालमेल किया।

आइडियोज़ : समाज नवप्रवर्तन एसआईजी

आइडियोज़ क्लब सबसे कम उम्र का क्लब है और मुख्य रूप से ग्रासरूट इनोवेशन्स-जमीनी स्तर से नवप्रवर्तन को पोषण देते हुए अन्य क्लबों से बिलकुल अलग है। आइडियोज़ जमीनी स्तर पर नवप्रवर्तनकर्ताओं तक पहुँचता है और उन्हें बिक्री, विपणन, कानूनी पहलुओं और अन्य से संबंधित प्रबंधकीय समस्याओं को हल करने में मदद करता है। आइडियोज़ ने 13 नवाचारों को अपने प्रमुख कार्यक्रम : इनोवेशन प्लेग्राउंड में निवेशकों को प्रभावित करने के लिए पिच करने का अवसर दिया। इसने वर्ष भर चार और नवाचारों के साथ काम किया।

आइडियोज़ भी इस नवीन अवधारणा को फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसने कई एनजीओ के साथ काम किया और विभिन्न बी-स्कूलों के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक आयोजन, *आगाज़* का आयोजन किया। इस समारोह में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा बतायी गई वास्तविक जीवन की समस्याएँ थीं और छात्रों ने इन समस्याओं को हल करने के लिए अभिनव तरीकों की तलाश की।

समान अवसर छात्र समिति (ईओएससी)

समान अवसर छात्र समिति (ईओएससी) छात्रों की एक समिति है जो छात्रों को उनके शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक (सह-पाठयक्रम) गतिविधियों के संबंध में परिसर में समान अवसर में आने वाली चुनौती के संदर्भ में समस्याओं को सुलझाती है। समिति के आउटरीच सेल ने आईआईएमए समुदाय को विभिन्न मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए "विज़न इन द डार्क" शीर्षक से एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका सामना बिना दृष्टि या बहुत कम दृष्टि के साथ एक ईओ छात्र करता है।

उद्योग पारस्परिक क्रिया मंच (एफ़आईआई)

उद्योग पारस्परिक क्रिया मंच (एफ़आईआई) आईआईएम अहमदाबाद का एक आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित छात्र परामर्श निकाय है जो छात्रों को बी-स्कूल में रहते हुए भी व्यवसायों को बदलने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। एफ़आईआई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों, विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्ट-अपों और गैर-लाभकारी संगठनों को अभिनव और व्यावहारिक समाधान प्रदान करने का प्रयास करता है।

एफ़आईआई ने वर्ष के दौरान 25 से अधिक औद्योगिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया और उसके बाद उद्योगों के पास परियोजना टीमों द्वारा किए गए कार्यों के लिए लुभावनी सिफारिशों के अलावा करने को कुछ नहीं था। औसतन, एफ़आईआई को 8.7/10 की रेटिंग मिली। गुजरात स्थित डेयरी फर्म के साथ एक परियोजना में, जहाँ छात्रों ने एक विपणन रणनीति पर काम किया, डेयरी के मुवक्किल ने अपने शोध का संचालन करने और कंपनी को बढ़ाने में मदद करने के लिए टीम की सराहना की। जैविक खाद्य की बिक्री और विपणन रणनीति के लिए एक अन्य परियोजना में, मुवक्किल ने अपने संरचित दृष्टिकोण और उच्च उत्साह के लिए टीम की सराहना की।

कंप्यूटर केंद्र समिति (सीसीसी)

कंप्यूटर केंद्र समिति ने छात्रों को बेहतर आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने की खोज में कई नई पहल की। लैपटॉप के लिए थोक सौदों की पेशकश जारी रखने के अलावा, टीम ने

ऑफिस 365 पर भी थोक सौदों की पेशकश की। टीम ने भोजनालय मेनू पोर्टल के साथ सभी क्लबों के लिए वेबसाइट टेम्पलेट के लिए एक प्रोटोटाइप तैयार किया। टीम ने छात्र मंचों की एक पहल भी शुरू की जहाँ लोग एक-दूसरे के साथ गुमनाम बातचीत कर सकते हैं। टीम ने एक छात्र ऐप बनाने का एक प्रोजेक्ट शुरू किया है जो सभी कैंपस गतिविधियों के लिए सूचना के एकल बिंदु के रूप में कार्य करेगा।

रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन (2020)

रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन (टीआरबीएस) का तीसरा संस्करण 29 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2019 तक आयोजित किया गया।

आयोजक टीम ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोतीलाल ओसवाल, एयर इंडिया, सीमेंस, जेब्रोनिक्स, एडब्ल्यूएस, और ओयो के समर्थन से चार दिनों में 50 से अधिक कार्यक्रमों की योजना बनाई, और 1200 से अधिक कॉलेजों से 61 हज़ार से ज्याद पंजीकरण प्राप्त किए। इस तीसरे संस्करण में सार्वजनिक नीति और सामान्य प्रबंधन के तहत नए कार्यक्रम थे। टीआरबीएस ने "थिंक इक्विटी, थिंक क्यूजीएलपी" एशिया के सबसे बड़े स्टॉक पिच इवेंट का आयोजन किया, जिसमें मोतीलाल ओसवाल के साथ सहयोग करके कुल 13 लाख रुपए की पुरस्कार राशि जुटाई गई थी। कुछ उल्लेखनीय व्याख्यानकर्त्ताओं में से कुछ थे : सचिन बंसल (सीईओ बीएसीक्यू और सह-संस्थापक, पूर्व सीईओ, फ्लिपकार्ट), नवीन गुरनानी (सीईओ, टाटा स्टारबक्स), डॉ. हसमुख अढिया (गैर-पूर्व अध्यक्ष, बैंक ऑफ बड़ौदा), गौरव अजमेरा (सीओओ, ओयो - भारत और दक्षिण एशिया), और श्री गौर गोपाल दास। कुल 20000 से अधिक श्रोताओं के साथ 17 मुख्य वक्ता सत्र थे।

टीआरबीएस ने इनोवेशन प्लेग्राउंड 2019 भी पेश किया, जो चार दिनों में 20 से अधिक जमीनी स्तर के नवाचारों की मेजबानी करने वाली अपनी तरह की अनूठी प्रदर्शनी है।

पर्स्पेक्टिव्स (परिप्रेक्ष्य), फोटोग्राफी क्लब

टीम पर्स्पेक्टिव्स अपने विभिन्न ऑन-कैंपस उपक्रमों में अपने समुदाय के सदस्यों की यात्रा को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने पर बहुत गर्व करती है। फचास-नए प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए प्रेरण सप्ताह से शुरू होकर, यह टीआरबीएस या कैओस हो, या डेसिबल, रेड डॉट और आईआईएमएसीटीएस द्वारा सभी कार्यक्रमों के दौरान, इस टीम का एक व्यक्ति हमेशा दिख जाता है जो तस्वीरों को क्लिक करते हुए उन सभी लोगों को, उनके कामों को यादगार बनाता जाता है जो उनमें शामिल थे। टीम ने परिसर के अन्य छात्र समूहों जैसे कि प्रकृति, हेरिटेज क्लब, और स्टारगेज़र्स के साथ भी समन्वय किया, जो समुदाय के मूल्यों को बढ़ाते हैं।

आईआईएमबी, आईआईएमसी और आईआईएमएल के सहयोग से *शटर स्पीड* नामक एक अंतर-आईआईएम फोटोग्राफी प्रतियोगिता शुरू की गई थी।

मीडिया प्रकोष्ठ

मीडिया प्रकोष्ठ की शुरूआत एक आधिकारिक फेसबुक समूह के माध्यम से आने वाले बैच की ऑनबोर्डिंग के साथ हुई। आने वाले बैच को एक स्वागत पुस्तिका और स्वागत वीडियो के माध्यम से आगे क्या आएगा उसका आस्वादन कराया गया था। मीडिया प्रकोष्ठ चर्चा को बढ़ावा देने और विभिन्न प्रशासनिक निकायों के साथ छात्र समुदाय को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने और समुदाय को इन चर्चाओं में उठाए गए बिंदुओं को संप्रेषित करने में शामिल रहा है। सेल ने उन घटनाओं के संगठन की भी सुविधा प्रदान की जहाँ छात्र समुदाय को बाहरी मीडिया संगठनों के साथ जुड़ने की सुविधा मिली - वार्षिक अखबार सदस्यता अभियान से लेकर प्रमुख प्रकाशनों के साथ व्यक्तिगत और समूह साक्षात्कार तक।

सार्वजनिक नीति क्लब

इस क्लब ने आईआईएमए समुदाय के विविध हितों को पूरा करने के लिए विभिन्न पृष्ठभूमि वाले प्रमुख वक्ताओं को आमंत्रित किया है। क्लब ने प्रसिद्ध लेखक पी. साईनाथ, श्री सुधांशु मणि (ट्रेन 18 के लिए जिन्होंने दिमाग दौड़ाया), सुश्री नंदिता हस्कर (नागालैंड में सशस्त्र प्रतिरोध और राज्य हिंसा के खिलाफ कार्यकर्ता), परंजॉय गुहा (पत्रकार और ब्लड एंड आयरन के निदेशक) और अमित हंस (एडुकॉर्प के संस्थापक) को आमंत्रित किया।

क्लब ने अड्डा और संकायों के साथ संक्षिप्त बातचीत का आयोजन करके सीएए तथा अनुच्छेद 370 जैसे अत्यावश्यक मुद्दों पर भी चर्चा की। सार्वजनिक मुद्दों को उठाने के लिए प्रगतिशील तरीके से विपरीत विचारों को सामने लाने के लिए क्लब ने अपनी तरह की पहली छात्र बहस "विद्यार्थी अड्डा" की शुरूआत की। छात्रों को नीति निर्माण का लाभ प्रदान करने के लिए, क्लब ने नागरिक समुदाय केंद्र के सहयोग से एक केस प्रतियोगिता 'कंसीलियम' का आयोजन किया।

उद्यमिता प्रकोष्ठ (एंत्रे सेल)

वर्ष की शुरूआत *यंग सीईओ* के साथ हुई, जो कि एक साधारण, कदम-दर-कदम अनुकार खेल है, जो स्टार्ट-अप 101 (कार्यशालाओं की एक श्रृंखला) के समानांतर चल रहा है, जिससे लगभग 50 टीमों को एक मूल विचार से व्यवसाय मॉडलिंग, बी-प्लान सिमुलेशन और पिचिंग तक उद्यमी दिमाग सेट करने में मदद मिली। ।

"कैसे शुरू करें एक स्टार्ट-अप" श्रृंखला में विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध उद्यमियों और उपाध्यक्षों के साथ बातचीत की गई। प्रबंधन क्लिनिक सफलतापूर्वक अपने दूसरे वर्ष में आ गया, जहाँ छात्रों ने स्टार्टअपों और एसएमई के साथ काम किया जिससे उन्हें निदान करने और चुनौतियों का सामना करने की विधि को तैयार करने में मदद मिली। एंत्रे फेयर ने रुचि रखने वाले छात्रों को नए-जमाने के स्टार्टअप के साथ जुड़ने और अल्पकालिक परियोजनाओं और उनके साथ शीतकालीन इंटर्नशिप लेने में मदद की।

प्रकृति : आईआईएमए का प्रकृति एवं निरंतरता क्लब

प्रकृति क्लब का उद्देश्य परिसर के हर व्यक्ति को हरियाली का स्वयंसेवक बनाना है। यह समारोहों, प्रतियोगिताओं, व्याख्यान, आदि के माध्यम से प्रकृति के करीब रहने और निरंतरता में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है।

क्लब ने पेपर कलेक्शन ड्राइव, पौधारोपण अभियान, पोलो और गिर के जंगल की यात्रा और छात्रावासों में जैविक खेती, दोहरे कचरे के डिब्बे की व्यवस्था, डॉर्म में पानी के मीटर और छात्र भोजनालय में पानी बचाव नल कार्यक्रम जैसी गतिविधियों का आयोजन किया।

परामर्श (कंसल्ट) क्लब

क्लब ने पूरे बैच को परामर्श देने और सलाहकार के जीवन को डिकोड करने वाले वर्ष की शुरूआत की, जिसके बाद परामर्श भूमिकाओं के लिए सीवी तैयार करने पर एक सत्र शुरू किया गया। क्लब ने श्री सतीश शंकर, प्रबंधन भागीदार, बैन एपीएसी और बीसीजी इंडिया के प्रबंध निदेशक अल्पेश शाह जैसे परामर्श में अग्रणी व्यावसायियों द्वारा सह-आयोजित वार्ता का भी आयोजन किया।

क्लब ने स्ट्रैटेगोस, जो परिसर पर तत्क्षण बहु-मंचीय प्रतियोगिता है उसका आयोजन किया, जिसमें प्रथम वर्ष के छात्रों ने अपनी समस्या को सुलझाने और साफ़-वक्तव्य कौशल का परीक्षण किया। इसके बाद व्यापक केस-तैयारी कार्यशालाओं की श्रृंखला के साथ-साथ एक मेंटरशिप पहल की शुरूआत की गई।

क्लब ने अपनी गतिविधियों के लिए नए लोगों को अपने लिंक्डइन पेज के साथ और अधिक सार्वजनिक करने के लिए विकसित किया, जिसके वर्ष के अंत तक 1,500 से अधिक फ़ॉलोवर थे। क्लब ने सभी गतिविधियों के लिए सार्वजनिक होने का आह्वान किया ताकि उत्पादित ज्ञान को सभी के लाभ के लिए साझा किया जा सके।

विभिन्न समस्याओं और उद्योगों में फैले 70 से अधिक केसों के साथ एक सर्वग्राही केसबुक को सम्पन्न गया। क्लब ने क्लब की प्रमुख केस स्टडी प्रतियोगिता, आर्मगेडन में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी का पहला उदाहरण देखा।

प्रमुख भारतीय बी-स्कूलों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने के लिए, क्लब ने एमआईसीए और आईआरएमए में तैयारी कार्यशालाएँ आयोजित की, जिन्हें राष्ट्रीय मीडिया कवरेज में ज्यादा स्थान मिला। क्लब की डिजिटल समाचार-पत्रिका "द कंसल्ट कुकबुक" के तीन संस्करणों को कई डिजिटल चैनलों पर प्रकाशित और साझा किया गया।

ऑप्टिमा : संचालन क्लब

क्लब ने केपीएमजी के साथ ग्रीन बेल्ट सिक्स सिग्मा वर्कशॉप के अलावा वार्सिग्मा के साथ मिलकर ब्लैक बेल्ट सिक्स सिग्मा वर्कशॉप की शुरूआत की।

क्लब ने व्याख्यान सत्रों की मेजबानी की, जो छात्रों को ओयो और अमप्लस सोलर से वक्ताओं को परिसर पर लाकर संचालन की रूढ़िवादी अनुभवों से दूर ले जाने के लिए किए जाते हैं।

क्लब ने विशेष रूप से पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक केस अध्ययन प्रतियोगिता *सिनोप्सिस* शुरू की, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागिता देखी गई। क्लब ने मासिक क्विज़ श्रृंखला *ओप्समेनिया* के आयोजन को हमारी परंपरा मे बने रहने के लिए जारी रखा और द *रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन* के दौरान उल्लेखनीय राष्ट्रीय केस अध्ययन प्रतियोगिता, *ओप्सस्ट्रक्ट* का आयोजन किया।

निशे : विपणन क्लब

क्लब ने टीआरबीएस के प्रमुख विपणन समारोह *कोटलर का कॉनन्ड्रम*, जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें

देश भर से बड़ी भागीदारी देखी गई। इसने पूरे भारत के कॉलेजों के छात्रों को अपनी रचनात्मकता और दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाया। ब्रेकिंग द ब्रांड और लोगो क्विज़ जैसी कुछ अन्य रोचक गतिविधियाँ थीं जो छात्रों को जोड़ने के लिए आयोजित की गईं।

मॉक समूह चर्चाएँ और साक्षात्कार के रूप में स्थानन प्रक्रिया के लिए आवश्यक और महत्वपूर्ण जानकारी के साथ क्लब को लैस करने के लिए क्लब ने प्रयास किया। इसने विपणन संकायों द्वारा विस्तृत सत्र और पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा मेंटरशिप सत्रों को भी आयोजित किया, जिन्होंने मार्केटिंग प्रभाव क्षेत्र में अपने अनुभवों से अंतर्दृष्टि साझा की।

आरटीईआरसी : शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र

वर्ष की शुरूआत विंटर स्कूल नामक मुख्य कार्यक्रम की तैयारी के साथ हुई। यह आयोजन संस्थान के कई प्रोफेसरों, शोधकर्ताओं और पीएच.डी. छात्रों के सहयोग से 13 से 16 दिसंबर, 2019 तक आयोजित किया गया। समावेश के मूल विषय के इर्द-गिर्द प्रणालियों और नीतियों के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विश्लेषण का अध्ययन किया गया।

महिला नेतृत्व सोसायटी

महिला नेतृत्व सोसायटी का उद्देश्य महिलाओं के नेतृत्व के बारे में छात्रों को जागरूक करना है। सोसायटी ने छात्रों और महिला अग्रणियों के बीच बातचीत के लिए गतिविधियाँ और सुविधा प्रदान करके ऐसा करना चाहा।

यह क्लब जीवन के विभिन्न पहलुओं में महिलाओं द्वारा महसूस की जाने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने में शामिल था। इन गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ अग्रणी महिलाओं की कहानियों को साझा किया गया। क्लब ने एक समाचार पत्र प्रकाशित किया जिसमें लैंगिक भूमिकाओं, महिलाओं के कैरियर और समानता के विषयों पर कॉमिक्स, कला और साहित्य का इस्तेमाल किया गया।

क्लब ने परिसर पर समानता और एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए "ही फॉर शी एंड शी फॉर ही" अभियान का आयोजन किया।

स्टारगेज़र्स

स्टारगेज़र्स अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अन्वेषण पर चर्चाएँ आयोजित करने के साथ-साथ समुदाय के लिए रात में आकाश की सुंदरता को उजागर करने के लिए एक पोर्टल के रूप में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। इस क्लब ने चंद्र ग्रहण पर एक स्टारगेज़िंग सत्र आयोजित किया, जिसमें सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्लब ने एक एस्ट्रोफोटोग्राफ़ी कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें एस्ट्रोफोटोग्राफ़ी की कैसे शुरूआत करनी है उस पर विस्तृत और व्यावहारिक विवरण शामिल था। अंतरिक्ष के प्रति उत्साही लोगों के लिए, टीम ने क्विज़ के बाद एक अंतरिक्ष रणनीति खेल का आयोजन किया। इस क्लब ने थार रेगिस्तान, जैसलमेर में एक खगोल विज्ञान यात्रा की भी व्यवस्था की थी।

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क

परिसर के सबसे पुराने क्लबों में से एक के रूप में, एलएसडी तीन प्रकोष्ठ-सेलों में साहित्यिक झुकाव की विविधता पर पकड़ रखता है, वे हैं : डिबेटिंग सेल (वादविवाद प्रकोष्ठ), लिटररी सेल (साहित्यिक प्रकोष्ठ) और क्विज़िंग सेल (प्रश्नोत्तरी प्रकोष्ठ)। सारे प्रकोष्ठ परिसर में सभी बहसों, क्विज़िंग और लेखन गतिविधियों के लिए एक महाकेंद्र हैं – जिसमें ख़ज़ाने की खोज से लेकर पुस्तक स्वैप और संकाय-छात्र बहस से लेकर क्विज़िंग लीग तक की गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

अत्यंत नाखुश करने वाली एफ़आरए (नए प्रविष्ट छात्रों को ध्यान देने की आवश्यकता है) क्विज़ के साथ शुरू करके, क्लब ने नवीन प्रश्नोत्तरी अवधारणाओं के साथ दौड़ लगाई, जिसमें दशक के अंत को चिह्नित करने के लिए एक समारोह शामिल है। प्रवचन सक्षम व्यक्तित्व बनाने के अपने मिशन के साथ परिसर को पहले से ज्यादा साफ करने के लिए, "राम भाई से अनुमोदित" को संस्थान के चाई-पे-चर्चा संस्करण के रूप में आगे बढ़ाया गया। समुदाय को करीब लाने का प्रयास इंस्टाग्राम पर "ह्यूमन ऑफ आईआईएमए" के साथ किया गया।

सैश (एसएएसएच)

सैश ने दो समारोहों का समन्वय किया। जोश वार्ता "कानूनी अधिकारों के माध्यम से सशक्तिकरण" विषय के साथ एक व्याख्यान सत्र और सैश के लिए एक नारा तय करने के लिए एक प्रतियोगिता। सैश ने परिसर में लैंगिक समानता पर चर्चा करने के लिए प्रोफ़ेसर पृथा देव के साथ एक अनौपचारिक सत्र का भी आयोजन किया।

एबेकस

इस वर्ष में गणित / पहेली में समुदाय के भीतर और बाहर दोनों तरफ रुचि बढ़ाने के लिए नई पहलें देखी गई। इस

वर्ष लगभग 15 कार्यक्रम आयोजित किए गए। एबेकस के समारोहों में भागीदारी पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी रही। *द रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन* में क्लब चमक उठा, इसके राष्ट्रीय स्तर के इवेंट *ब्लिट्ज़क्रीग* और *नॉटिलस* में देश भर के छात्रों की भागीदारी में तीन गुना वृद्धि देखी गई।

एबेकस ने विश्लेषिकी में छात्र हित की सुविधा के लिए आने वाले बैच के लिए विश्लेषिकी कार्यशाला और अतिरिक्त उपचारात्मक सत्र आयोजित किए। एबेकस ने अपनी प्रमुख व्याख्यान श्रृंखला को स्पीकर सत्रों के साथ पेश किया, जिसमें *ब्रिज और पोकर गेमिफ़ाइड स्ट्रैटेजी* को उद्योग के दिग्गजों द्वारा आयोजित किया गया था, जो कि आईआईएमए के पूर्वछात्र श्री सुनील वर्गीज द्वारा किया गया था।

एफ़एबीएम समिति

समिति का उद्देश्य छात्र समुदाय और कॉर्पोरेट जगत में एफ़एबीएम कार्यक्रम की दृश्यता को बढ़ाना है।

क्लब ने 28-29 दिसंबर, 2019 को एशिया के सबसे बड़े खाद्य एवं कृषि व्यवसाय कॉन्क्लेव, "कृषि मंथन" का आयोजन किया। इस सम्मेलन में उद्योग जगत के प्रमुख अग्रणियों द्वारा कृषि-प्रौद्योगिकी, सामाजिक नवप्रवर्तन, स्थायी कृषिव्यवसाय एवं कृषि आपूर्ति श्रंखला अंतराल जैसी चार कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

क्लब ने चार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया : इन-क्विज़-टिव, क्विज़ प्रतियोगिता, स्ट्रैट-जैक, केस अध्ययन प्रतियोगिता, और *ब्रेन-ए-थॉन - रणनीति प्रतियोगिता* और व्यापार कल्पना प्रतियोगिता *पिचर्स 2.0* ।

इक्विपोइज़

इक्विपोइज़ ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया - जिनमें प्रमुख कार्यक्रम "ट्रेडक्राफ़्ट" था, जिसमें टीआरबीएस के हिस्से के रूप एक कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग प्रतियोगिता शामिल है। इसने एलएसडी के सहयोग से एक *ख़ज़ाने की खोज* का भी आयोजन किया। इक्विपोइज़ ने प्रीमियर लीग नीलामी के आयोजन के लिए खेल समिति के साथ मिलकर समन्वय किया, जिसमें बैडमिंटन, फ्रिसबी, फुटबॉल और क्रिकेट के खेल के खिलाड़ियों की नीलामी हुई और फ्रिसबी और क्रिकेट की भी नीलामी हुई।

क्लब ने श्री पी. साईनाथ के साथ एक वार्ता का आयोजन किया। देश की नवीनतम आर्थिक घटनाओं पर चर्चा करने के लिए अन्य ट्रेडमार्क कार्यक्रम "आर्थिक अड्डा" आयोजित किया गया था। इसके अलावा, क्लब ने संकाय सदस्यों का साक्षात्कार लिया और अपने "नो योर फैकल्टी (अपने संकायों को जानें)" पहल के हिस्से के रूप में उनके साक्षात्कार आयोजित किये।

विरासत - हेरिटेज क्लब

जेंटानो लुई कहते हैं, "किसी की संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं को बनाए रखना कीमत से परे है।" इस क्लब ने छात्रों को हमारी विरासत का व्यावहारिक अनुभव देने के लिए पूरे अहमदाबाद की विभिन्न धरोहरों के दौरों का आयोजन किया। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में, विनिमय छात्रों को अडालज बावड़ी और हेरिटेज वॉक पर ले जाया गया। क्लब ने टीआरबीएस महोत्सव के दौरान टीआरबीएस के सहयोग से बाहरी छात्रों के लिए कैंपस वॉक का भी आयोजन किया।

स्पिक मेकेय के सहयोग से, क्लब ने पद्मश्री पुरस्कार विजेता श्रीमती तीजन बाई द्वारा पांडवी प्रदर्शन का आयोजन किया। क्लब ने विरासत के बारे में समुदाय के लिए प्रश्नोत्तरी और बहुत छोटे किस्से-कहानी प्रतियोगिता आयोजित की। विरासत और इतिहास के प्रेमियों के लिए, क्लब ने रानी की वाव, सूर्य मंदिर और बिन्दु सरोवर के दौरे के लिए एक दिवसीय विरासत यात्रा का आयोजन किया।

फ़ूटलूज़ : नृत्य क्लब

फ़ूटलूज़ क्लब पूरे वर्ष में 40 से अधिक कार्यक्रम आयोजित / उसमें भाग लेने के लिए गर्वित है। फ़ूटलूज़ का प्रमुख कार्यक्रम – बिग बैंग - एक बड़ी सफलता थी। फ़ूटलूज़ ने परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को थोड़ा और मज़ेदार बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ा।

फ़ूटलूज़ विभिन्न नृत्य रूपों / शैलियों पर केंद्रित 26 कार्यशालाओं को आयोजित करने में भी सक्षम रहा। कुछ कार्यशालाओं का आयोजन विशेष रूप से प्रयास और स्माइल क्लबों के लिए किया गया था। ये कार्यशालाएँ पूरे आईआईएमए समुदाय के लिए खुली थीं। ऑनलाइन उपस्थिति बनाए रखने और बढ़ाने के लिए क्लब के कई डांस वीडियो शूट किए और उन्हें सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किया।

19 निरंतरता और हरियाली के लिए पहलें

वृक्षारोपण गतिविधि

परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगभग 300 नए पेड़ पौधे लगाए गए और गिरे हुए पेड़ों के रिक्त स्थानों पर भी पौधे लगाए गए।

मुख्य परिसर पर नई परियोजना स्थल से नब्बे बड़े पेड़ों को वैज्ञानिक स्थानांतर के तरीकों का उपयोग करके अन्य क्षेत्रों में प्रत्यारोपित किया गया, जिससे बुनियादी ढाँचे के विस्तार के लिए पेड़ों की कटाई से बचा जा सके।

वर्षा जल संचयन और जल पुनर्भरण प्रणाली

संस्थान में वर्षा जल संचयन (भूजल पुनर्भरण) प्रणाली अच्छी तरह से काम कर रही है। इसका एक हिस्सा और 50 लाख लीटर की सबसे बड़ी भूजल पुनर्भरण प्रणाली पहले से ही 1970 के दशक में मास्टर वास्तुकार लुइस कान द्वारा बनाई गई थी।

इसके पश्चात, इस मूल प्रणाली में अन्य आठ पुनर्भरण प्रणालियों को डिजाइन, स्थापित और विस्तारित किया गया है। संस्थान हर वर्ष प्री-मानसून गतिविधि के रूप में इन सभी जल पुनर्भरण प्रणालियों का रखरखाव करता है।

इसके अलावा, दूसरे 15 रिसाव कुएँ बनाने की योजना है (5 मुख्य परिसर में और 10 नए परिसर में)। दोनों परिसरों में निर्मित क्षेत्र के लिए यह कार्य लगभग दस लाख वर्गफ़ीट के अवसंरचना परियोजना कार्य के साथ दो वर्ष की अवधि में पूरा किया जाएगा।

गंदे पानी के शुद्धीकरण के लिए संयंत्र

नए परिसर में आगामी छात्रावास-41 के तहखाने में 200 केएलडी क्षमता का एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाया जा रहा है।

परिधीय क्षेत्रों में एसटीपी की स्थापना की उपयुक्तता का पता लगाने के लिए मुख्य परिसर में एक सर्वेक्षण किया गया है। जल निकासी पाइपलाइनों के मौजूदा नेटवर्क को छेडे बिना

अलग-अलग जल निकासी आउटलेटों के पैक पूर्वनिर्मित एसटीपी को अलग-अलग जल निकासी आउटलेट्स पर स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है। प्राथमिक छनाई के बाद, रसोई और बाथरूम से निकले पानी को परिसर के विशाल पार्क और उद्यान क्षेत्र की सिंचाई के लिए उपयोग में लिया जाएगा।

जैविक अपशिष्ट खाद

पूरे परिसर से सूखी पत्तियों को बड़ी मात्रा में एकत्र किया गया और प्राकृतिक खाद के लिए खुले एकांत क्षेत्रों में ढेर किया गया (इस प्रकार उन्हें कचरे के रूप में नगरपालिका कचरा लैंडफिल में हम नहीं भेजते हैं)। पत्तियों के इन ढेर को बारीक जैविक खाद में मिलाया गया है।

जैविक कचरा खाद प्रसंस्करण प्रणाली का एक सयंत्र मुख्य परिसर में परिचालन में है और नए परिसर में उत्पन्न होने वाले सूखे कचरे के प्रसंस्करण के लिए इस तरह की एक और प्रणाली की खरीद की जा रही है।

वर्मी-कम्पोस्टिंग गड्ढों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है जो सूखे और रसोई के कचरे से अच्छी खाद प्रदान करते हैं।

सौर ऊर्जा परियोजना

नए परिसर के अधिकांश भवनों की छतों पर 365 केडब्ल्यूपी क्षमता के रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये जा रहे हैं।

अन्य

- लॉन में पानी के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई पद्धति का उपयोग किया जाता है।
- पूरे परिसर में एलईडी लैंप और गति सक्रिय रोशनी जैसे ऊर्जा बचत उपकरण स्थापित किए गए हैं। जहाँ भी संभव हो, पारंपरिक एयर कंडिशनर को वीआरएफ सिस्टम या नवीनतम उच्च रेटिंग एसी के साथ बदल दिया गया है। सभी गेस्ट हाउसों और एमएसएच में ऊर्जा की बचत करने वाले वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर प्रदान किए गए हैं।
- छत पर सौर जल तापन पैनलों की 40 इकाइयाँ पूरे परिसर (सभी छात्रावासों, आईएमडीसी अतिथि भवनों और विवाहित छात्रावासों) में कार्यरत हैं। चूँकि वर्ष के 9-10 महीनों के दौरान तेज धूप उपलब्ध है, इसलिए इन हीटरों का उपयोग अधिकतम क्षमता के साथ किया जा रहा है।

निरंतरता-संबंधित कार्यक्रम

छात्रों द्वारा संचालित प्रकृति और निरंतरता क्लब ने, निरंतरता और हरित पहल के संदेश को चलाने के लिए विभिन्न अभियान चलाते हुए, *प्रकृति* क्लब का नेतृत्व किया। कुछ उल्लेखनीय अभियानों में निम्नलिखित शामिल हैं :

- डॉर्म ऊर्जा जंग - बिजली की खपत को कम करने और बिजली के विवेकपूर्ण उपयोग की आदत को बढ़ाने के लिए, यह क्लब बिजली इकाइयों की प्रति व्यक्ति खपत के संदर्भ में छात्रावासों को रैंकिंग प्रदान करता है।
- स्टालों के माध्यम से नियमित ई-कचरा संग्रह ड्राइव।
- पौधारोपण और पौधा-दत्तक अभियान।
- साइकिलिंग कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।
- नेचुरोग्राफी प्रतियोगिता - द्वि-साप्ताहिक फोटोग्राफी प्रतियोगिता में निम्न विषय शामिल रहते हैं:
  - परिसर की सुंदरता
  - चिंताएँ जताना
- स्वच्छ्ता पखवाड़ा (स्वच्छ सप्ताह) मनाना।
- परिसर पर एफ़एम 98.3-रेडियो मिर्ची, एसबीआई, सीबीआई आदि संगठनों के सहयोग से वृक्षारोपण अभियान।
- आसपास के स्थानों के लिए निरंतरता से संबंधित छात्रों के नेतृत्व वाली क्षेत्र यात्राएँ:
  - वर्षा जल संरक्षण के बारे में सीखने के लिए अहमदाबाद के पास वडावी गाँव में क्षेत्रीय दौरा।
  - पाटण और आसपास के क्षेत्रों में एक दिवसीय विरासत यात्रा।

20 कल्याण गतिविधियाँ

कर्मचारी वार्षिक स्वास्थ्य जाँच

अहमदाबाद के सीम्स (सीआईएमएस) अस्पताल में मई से अगस्त 2019 के दौरान कल्याण समिति द्वारा 35 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों और उनके जीवनसाथी की सामान्य स्वास्थ्य जाँच की गई। इस गतिविधि से कुल 386 कर्मचारी और उनके जीवनसाथी लाभान्वित हुए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएँ

कल्याण समिति ने 8 मई से 10 जून, 2019 के दौरान आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का आयोजन किया जिसमें आर्ट कार्यशाला, क्राफ़्ट कार्यशाला, और डान्स कार्यशाला जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। समिति ने समुदाय के बच्चों को एएमए और वीएएससीएससी में आयोजित ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया और इन कक्षाओं में भाग लेने वाले बच्चों को 600 रुपये प्रति बच्चे के हिसाब से प्रतिपूर्ति की। इन कक्षाओं में समुदाय के अठारह बच्चों ने भाग लिया।

प्रोफ़ेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना

प्रोफ़ेसर बी.एच. जाजू ने संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक कोष स्थापित करने के लिए 25,00,000 रुपए की राशि दान की थी। प्रोफ़ेसर जाजू द्वारा गठित उप-समिति चिकित्सा आवश्यकताओं की जरूरत को सत्यापित करती है और कल्याण समिति की मदद से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राशि वितरित करती है। इस वर्ष ग्रुप सी और डी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों में 2,87,800 रुपए की प्रतिपूर्ति की गई थी।

प्रोफ़ेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना ने सेवानिवृत्त समूह सी और डी के सीपीएफ कर्मचारियों के लिए वार्षिक सामान्य स्वास्थ्य जाँच को भी प्रायोजित किया था। इस पहल से 15 पूर्व कर्मचारी लाभान्वित हुए जिस पर 27,060 रुपए खर्च हुए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा ऋण

कल्याण समिति कर्मचारियों के बच्चों की उच्च शिक्षा की जरूरतों को पूरा करती है। यह समूह बी, सी, तथा डी कर्मचारियों के लिए एक ब्याजमुक्त शिक्षा ऋण योजना है। यह ऋण केवल भारत के भीतर एआईसीटीई, यूजीसी मान्यता प्राप्त कॉलेजों / विश्वविद्यालयों / संस्थानों के नियमित डिग्री / डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध है।

कर्मचारियों द्वारा भुगतान की गई सत्र अनुसार फीस को शामिल करने के लिए ऋण को वर्ष में दो बार वितरित किया जाता है।

पहले चरण में 2019-20 में, इस योजना से पाँच कर्मचारी लाभान्वित हुए, जिन्हें 2,94,500 रुपए का ऋण वितरित किया गया था। दूसरे चरण में, दो कर्मचारियों ने 1,30,555 रुपए की कुल राशि का ऋण लिया।

शैक्षिक पहल : ट्यूशन कक्षाएँ आयोजित करना

कल्याण समिति ने एक गैर सरकारी संगठन, संवाद के सहयोग से समूह सी और डी कर्मचारियों के 1 से 8 तक की कक्षाओं में पढ़ाई कर रहे बच्चों के लिए निःशुल्क ट्यूशन कक्षाओं का आयोजन किया। इस पहल से लगभग 20 बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

श्री रामकृष्ण - शारदा मेडिकल फ़ंड

कल्याण समिति ने श्री रामकृष्ण शारदा मेडिकल फंड के नाम पर एक मेडिकल फंड बनाया है, जिसमें पीजीपी 1990 बैच के प्रोफ़ेसर शेखर चौधरी तथा सुश्री सरोजा द्वारा 5,00,000 रुपए का योगदान दिया गया है। इस फ़ंड से मिलने वाले ब्याज से समूह सी तथा डी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके जीवनसाथी के मेडिकल खर्चों की जरूरतों को पूरा किया जाएगा। इस वर्ष, इस फ़ंड से 22,150 रुपए जारी किए गए।

कर्मचारी जन्मदिन समारोह

कल्याण समिति ने कर्मचारियों के जन्मदिन का जश्न उन्हें उनके जन्मदिन पर कार्ड और मिठाई के पैकेट के साथ अभिवादन करके मनाया।

गुजराती नव वर्ष समारोह

कल्याण समिति गुजराती नव वर्ष का जश्न मनाने के लिए एक मिलन समारोह आयोजित करती है। इस वर्ष भी 08 नवंबर, 2019 को दीप प्राकट्य, फूलों से रंगोली सजावट, आतिशबाजी, और मौजूद सभी लोगों को मिठाई पैकेट वितरित करने के साथ गुजराती नववर्ष मनाया गया। पूरे लुइस काह्न प्लाज़ा को मोमबत्तियों से जगमगाया गया था।

संस्थान दिवस समारोह

संस्थान की स्थापना जश्न मनाने के लिए 11 दिसंबर, 2019 को 'स्थापना दिवस' समारोह मनाया गया था। समारोह के दौरान, निदेशक द्वारा मेधावी बच्चों और कर्मचारियों को उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। विभिन्न श्रेणियों में इस वर्ष बानवे पुरस्कार प्रदान किए गए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों, कर्मचारियों और संस्थान के छात्रों द्वारा हर साल तरह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। संस्थान में निरंतर सेवा के 15 वर्ष या उससे अधिक पूर्ण करने पर इस वर्ष सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को सम्मानच किया गया। संस्थान में 20 वर्ष या उससे अधिक सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

कल्याण समिति ने 6 मार्च, 2020 (8 मार्च, 2020 को रविवार) को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। समिति ने संस्थान की सभी स्थायी महिला कर्मचारियों के लिए मजेदार गतिविधियों का आयोजन किया। चॉकलेट बॉक्स वितरित किए गए और संस्थान में कार्यरत सभी महिलाओं के लिए एक विशेष मध्याह्न भोजन का आयोजन करके मेजबानी की गई थी। सुश्री दक्षा निरंजन शाह, पीजीपी 1967 बैच की पूर्वछात्रा को महिला कर्मचारियों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

स्वर्ण सदस्यता : दर्पण अकादमी

संस्थान ने दर्पण अकादमी में एम्फीथिएटर के लिए स्वर्ण सदस्यता ली है। सदस्यता के हिस्से के रूप में, संस्थान को वर्ष के दौरान विभिन्न शो के लिए 200 टिकट मिलते हैं जो कल्याण समिति द्वारा संकायों और कर्मचारी सदस्यों में वितरित किए गए थे। *नटरानी* ने करीबन 80 कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य प्रदर्शन, संगीत, नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और फिल्में शामिल हैं। मुक्त दीर्घा (ओपन गैलरी) स्थान नटरानी को कैफे में लाइव प्रदर्शन, शिल्प प्रदर्शन और बिक्री, मूर्तिकला और पेंटिंग प्रदर्शनियों और विशेष भोजन को शामिल करने के लिए विषयगत कार्यक्रमों की मेजबानी करने की अनुमति देता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

गुजराती नववर्ष पर आईआईएमए समुदाय के लिए कल्याण समिति द्वारा मिलन समारोह का आयोजन

परिशिष्ट

क

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क1 पीजीपी छात्र

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम में शामिल हुए	**389**	**398**
(-) अलग हुए	-	-
(-) 2020 में पुन: शामिल करने के लिए कहा / अनुमति	2	-
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	-	-
(+) 2019 में पुन: शामिल होने की अनुमति दी गई	-	-
प्रथम / द्वितीय वर्ष में संख्या	**387**	**398**
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	-	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	-	-
(-) अकादमिक अनुशासनहीनता के कारण एक या अधिक सत्रों के लिए निलंबन	-	-
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	9
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	1
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	5
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र		22
कुल प्रोन्नत / स्नातक	**387**	**415**

क2 छात्र विनिमय कार्यक्रम में आईआईएमए के छात्र

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2019-20 में जाने वाले
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, डेनमार्क	5
ईडीएचईसी, सेडेक्स, फ्रांस	9
एमिलीन बिजनेस स्कूल, फ्रांस	8
ईएससी रेन्नेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	3
ईएससीपी-ईएपी, सेडेक्स, फ्रांस	10
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस	10
एचईसी लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड	1
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पेरिस, फ्रांस	4
एचएचएल-लीपज़िग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, लीपज़िग, जर्मनी	2
इंस्टीट्यूटो डे एम्प्रेसा, मैड्रिड, स्पेन (आईई बिजनेस स्कूल)	1
जोंकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, जोंकोपिंग, स्वीडन	4
लौवेन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बेल्जियम	4
मुंस्टेर स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, जर्मनी (एमएसबीई)	5
नार्वे स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्वे (पीजीपी + एबीएम)	7
पफोर्जेम एप्लाइड साइंसेज के विश्वविद्यालय, पफोर्जेम, जर्मनी	5
सोल्वे बिज़नेस स्कूल, ब्रसेल्स, बेल्जियम (लिब्रे डे विश्वविद्यालय)	4
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्टॉकहोम, स्वीडन	3

परिशिष्ट जारी

क

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2019-20 में जाने वाले
टूलूज़ बिजनेस स्कूल (पुराना नाम - ईएससी-टूलूज़) सेडेक्स, फ्रांस	6
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	7
कोलोन विश्वविद्यालय, कोलन, जर्मनी	8
मैनहेम विश्वविद्यालय, मैनहेम, जर्मनी	2
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, सेंट गैलेन, स्विट्ज़रलैंड	2
वियना अर्थशास्त्र और व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय, वियना, ऑस्ट्रिया	4
वारसॉ स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, पोलैंड	3
उत्तरी अमेरिका	
केनान फ्लैगलर बिजनेस स्कूल, यूएनसी चैपल हिल, उत्तरी कैरोलिना	1
टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टेक्सास (मेककॉम्ब बिजनेस स्कूल)	1
दक्षिणी अमेरिका	
ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय (पीजीपी-एबीएम के लिए)	2
एशिया	
एनयूएस बिजनेस स्कूल (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर), सिंगापुर	1
कुल	**122**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	7
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पेरिस, फ्रांस	2
कुल	**9**

क3 छात्र विनिमय कार्यक्रम पर विदेशी छात्र

विनिमय सहभागी संस्थान का नाम	वर्ष 2019-20 में आने वाले
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिक्सबर्ग, डेनमार्क	5
ईडीएचईसी, सेडेक्स, फ्रांस	9
एमलीयान बिज़नेस स्कूल, फ्रांस	6
ईएससी रेन्नेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	3
ईएससीपी-ईएपी, सेडेक्स, फ्रांस	9
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस	5
एचएचएल-लीपज़िग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, लीपज़िग, जर्मनी	1
लौवेन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बेल्जियम	1
मुंस्टर स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, जर्मनी (एमएसबीई)	5
सोल्वे बिजनेस स्कूल, ब्रुसेल्स, बेल्जियम (लिब्रे डे विश्वविद्यालय)	2

परिशिष्ट जारी

क

विनिमय सहभागी संस्थान का नाम	वर्ष 2019-20 में आने वाले
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्टॉकहोम, स्वीडन	2
टूलूज़ बिजनेस स्कूल (पुराना नाम - ईएससी-टूलूज़) सेडेक्स, फ्रांस	3
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	6
कोलोन विश्वविद्यालय, कोलन, जर्मनी	1
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, सेंट गैलेन, स्विट्जरलैंड	2
वियेना अर्थशास्त्र एवं व्यापार प्रशासन विश्वविद्यालय, वियेना, ऑस्ट्रेया	3
वारसो अर्थशास्त्र स्कूल, पोलेंड	2
ईएम नार्मान्दी बिजनेस स्कूल, फ्रांस	1
उत्तरी अमेरिका	
फुका विज़नेस स्कूल, ड्यूक विश्वविद्यालय, उत्तरी केरोलीना	1
न्यूजीलैंड	
ओटागो विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड	1
एशिया	
एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड	1
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय, रूस	1
कुल	**70**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	7
कुल	**7**

क4 छात्रवृत्तियाँ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ : बैच 2018-20 (प्रथम वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
आदित्य अग्रवाल	राधा और संजीव चड्ढा छात्रवृत्ति
कार्तिकेय गुप्ता	जेट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
जोबलिया जिनेश राजेंद्र	एस.एम. शाह छात्रवृत्ति
साहिल अग्रवाल	इंफोसिस छात्रवृत्ति
खुशबू गुप्ता	आईसीआईसीआई छात्रवृत्ति
मीत तरुण कुमार अग्रवाल	एसबीआई म्युचुअल फंड छात्रवृत्ति
साहिल गुप्ता	आईआईएमए रजत जयंती/पीजीपी-87 बैच/संकाय स्मारक, ऑडको और आईआईएमए छात्रवृत्ति

परिशिष्ट जारी

क

आईआईएमए छात्रवृत्तियाँ

स्वप्निल जैन	आईआईएमए
पूरव समीर शाह	आईआईएमए
सौरभ पिंजानी	आईआईएमए
अर्पित गुप्ता	आईआईएमए
आदित्य विक्रम डागा	आईआईएमए
श्रेय सिंघल	आईआईएमए
प्रमोद बेरी	आईआईएमए
ऋषभ मालू	आईआईएमए
रोमिल कुलकर्णी	आईआईएमए
अक्षय मेहंदीरत्ता	आईआईएमए
अभिषेक मूंदड़ा	आईआईएमए
राधिका मुंशी	आईआईएमए
मधुर गुप्ता	आईआईएमए

उद्योग छात्रवृत्तियाँ : बैच 2018-20 (द्वितीय वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
आदित्य अग्रवाल	श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी. के. रथ
जोबलिया जिनेश राजेंद्र	अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
सौरभ पिंजानी	रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
खुशबू गुप्ता	आलोक मिश्रा छात्रवृत्ति
तिष्य कपूर	कर्नल मनोहर लाल सरीन एवं श्रीमती सुशीला सरीन
करण रत्नम	जेट एज सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड छात्रवृत्ति
प्रखर तोषनीवाल	एस.एम. शाह छात्रवृत्ति
साहिल गुप्ता	आईएफसीआई लिमिटेड छात्रवृत्ति
संकल्प अग्रवाल	आईएफसीआई लिमिटेड छात्रवृत्ति
क्रुणाली शाह	मोनसेंटो और आईआईएमए छात्रवृत्ति
कार्तिकेय गुप्ता	सुरेंद्र पॉल एवं ब्रांडस्ट्रीट + आईआईएमए छात्रवृत्ति
अभिषेक मूंदड़ा	दून एवं ब्रांडस्ट्रीट + आईआईएमए छात्रवृत्ति

आईआईएमए छात्रवृत्तियाँ

अनुव्रत चतुर्वेदी	आईआईएमए
अमन किल्ला	आईआईएमए
श्रेय सिंघल	आईआईएमए
कार्तिकेय सुरेंद्र सिंह	आईआईएमए
नवीन चक्रवर्ती बाटचला	आईआईएमए
ऋषभ जैन	आईआईएमए
अनिक गांगुली	आईआईएमए
मीत तरुण कुमार अग्रवाल	आईआईएमए

परिशिष्ट जारी

क

क5 पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

	बैच 2020-2022				बैच 2019-2021			
श्रेणी	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल
सामान्य वर्ग	88558	51294	4	139856	94093	52397	2	146492
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	2824	794	0	3618	-	-	-	-
नॉन क्रीमी- अन्य पिछड़ा वर्ग	21932	9285	0	31217	21310	8663	1	29974
अनुसूचित जाति	9034	4116	0	13150	9385	4044	0	13429
अनुसूचित जनजाति	2344	1115	0	3459	2347	1156	0	3503
दिव्यांग	660	139	0	799	632	150	1	783
जीमैट (प्रवासी भारतीय)	7	2	0	9	9	6	0	15
जीमैट (अधिसंख्य कोटा)	4	2	0	6	4	5	0	9
कुल	**125363**	**66747**	**4**	**192114**	**127780**	**66421**	**4**	**194205**
प्रतिशत	**65.26**	**34.74**	**0.00**	**100.00**	**65.80**	**34.20**	**0.00**	**100.00**

क6 पीजीपी 2020-22 बैच के लिए प्राप्त आवेदन

चरण	लिंग / कुल	सामान्य वर्ग			आरक्षित वर्ग					कुल
		कैट	जीमैट							
			प्रवासी भारतीय	अधिसंख्य कोटा	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	नॉन क्रीमी-अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	
आईआईएमए के लिए आवेदनकर्ता	पुरुष	88558	7	4	2824	21932	9034	2344	660	125363
	महिला	51294	2	2	794	9285	4116	1115	139	66747
	विपरीत लिंगी	4	0	0	0	0	0	0	0	4
	कुल	139856	9	6	3618	31217	13150	3459	799	192114
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	425	4	2	27	234	110	72	29	903
	महिला	121	2	1	3	61	45	15	7	255
	विपरीत लिंगी	546	6	3	30	295	155	87	36	1158
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवार	पुरुष	419	4	2	27	225	95	61	26	859
	महिला	121	2	1	3	60	43	14	6	250
	विपरीत लिंगी	540	6	3	30	285	138	75	32	1109

एसएनक्यू : अधिसंख्य कोटा

ईडब्ल्यूएस : आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग

ख

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1 प्राप्त आवेदन

वर्ग	बैच 2019-21				बैच 2020-22			
	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल
सामान्य	65869	34454	1	100324	58356	31422	3	89781
नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	15836	6126	1	21963	15692	6189	0	21881
अनुसूचित जाति	6744	2648	0	9392	6033	2628	0	8661
अनुसूचित जनजाति	1575	723	0	2298	1474	646	0	2120
दिव्यांग	431	93	0	524	420	80	0	500
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	0	0	0	0	2216	566	0	2782
कुल	**90455**	**44044**	**2**	**134501**	**84191**	**41531**	**3**	**125725**
प्रतिशत	**67.25**	**32.75**	**0.00**	**100**	**66.96**	**33.04**	**0**	**100**

ख2 प्रवेश : 2020-22

विवरण	लिंग	सामान्य वर्ग	आरक्षित वर्ग					
	लिंग	सामान्य	नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	कुल
कैट परीक्षा में शामिल	पुरुष	94857	23934	9887	2616	723	2900	134917
	महिला	56832	11012	4812	1350	163	835	75004
	विपरीत लिंगी	5	0	0	0	0	0	5
	कुल	**151694**	**34946**	**14699**	**3966**	**886**	**3735**	**209926**
पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए आवेदकों की संख्या	पुरुष	58356	15692	6033	1474	420	2216	84191
	महिला	31422	6189	2628	646	80	566	41531
	विपरीत लिंगी	3	0	0	0	0	0	3
	कुल	**89781**	**21881**	**8661**	**2120**	**500**	**2782**	**125725**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	146	82	42	25	11	12	318
	महिला	67	38	16	8	2	0	131
	विपरीत लिंगी	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**213**	**120**	**58**	**33**	**13**	**12**	**449**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	125	69	34	13	6	11	258
	महिला	58	35	11	8	2	0	114
	कुल	**183**	**104**	**45**	**21**	**8**	**11**	**372**

परिशिष्ट जारी

ख

ख3 पीजीपी-एफ़एबीएम 2019-20 में छात्र

	पीजीपी-एफ़एबीएम - I (2019-20)	पीजीपी-एफ़एबीएम - II (2019-20)
कार्यक्रम में शामिल हुए	**46**	**45**
(-) अलग हुए	--	--
(-) 2019 में पुन: शामिल करने के लिए कहा / अनुमति	--	--
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	--	--
(+) 2019 में पुन: शामिल होने की अनुमति दी गई	--	--
प्रथम/ द्वितीय वर्ष में संख्या	**46**	**45**
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	01	शून्य
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
शैक्षणिक अनुशासनहीनता करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
पूर्व वर्ष के स्नातक	शून्य	शून्य
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	शून्य	शून्य
कुल प्रोन्नत / स्नातक	**45**	**45**

ख4 पुरस्कार एवं औद्योगिक छात्रवृत्ति

पुरस्कार / औद्योगिक छात्रवृत्ति	दाता	पुरस्कार / औद्योगिक छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता
सर्वश्रेष्ठ पीजीपी-एफएबीएम छात्रा	श्रीमती माथुर, स्वर्गीय श्री आर. सी. माथुर (पीएमए 1972) की स्मृति में	सुश्री शगुन गुप्ता
बैच सर्वश्रेष्ठ का पुरस्कार	सुश्री गीता गर्ग (पीजीपी-एबीएम 2015)	सुश्री शगुन गुप्ता
औद्योगिक छात्रवृत्ति (आई-स्कोल)	श्री परमेश शाह (पीजीपी-एसपीए 1982)	सुश्री सलोनी गोयल

ग

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ग1 छात्रों की प्रोफाइल

मापदंड	औसत
जीमैट	690
जीआरई	317
कुल कार्यानुभव	8 वर्ष 6 महीने

मापदंड	औसत
अंतरराष्ट्रीय कार्यानुभव	1 वर्ष 03 महीने
31 मार्च 2020 को आयु	31 वर्ष 07 महीने

अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन

- 13 (9.29%) भारत से बाहर के देशों में रह रहे हैं।
- 50 (35.71%) के पास कार्य और अध्ययन के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन है।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- 13 (09.28%) ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
- 23 (27.85%) ने स्नातक से ज्यादा उच्च योग्यता (व्यावसायिक, अनुस्नातक) प्राप्त की है।
- 119 (85.00%) इंजीनियर हैं।
- 25 (17.85%) आईआईटी / एनआईटी से स्नातक हैं।

उद्योगों में अकादमिक और शिक्षा, कृषि, बैंकिंग वित्तीय सेवाएँ और बीमा, परामर्श, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और उपयोगिताएँ, एफएमसीजी / उपभोक्ता ड्यूरेबल्स, सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, स्वास्थ्य सेवाएँ, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं निर्माण, आईटी और आईटी सेवाएँ, आईटी उत्पाद, विनिर्माण/इंजीनियरिंग, गैर सरकारी संगठन और सामाजिक सेवाएँ, फार्मा / बायो-टेक / हेल्थकेयर / अस्पताल, खुदरा / ई-कॉमर्स, शिपिंग / परिवहन / रसद और दूरसंचार शामिल हैं।

39 (27.85%) छात्राएँ हैं।

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
अकादमिक एवं शिक्षा	3	प्रशासन	1
कृषि	1	ग्राहक खाता प्रबंधन	2
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	16	परामर्श	19
परामर्श	8	इंजीनियरिंग और रखरखाव	19
रक्षा और सुरक्षा	4	ईआरपी व्यावसायिक	3
ऊर्जा और उपयोगिताएँ	12	वित्त एवं लेखा	10
एफएमसीजी / उपभोक्ता ड्यूरेबल्स	1	सामान्य प्रबंधन	10
सरकारी उद्यम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	9	आईटी आधारित संचालन	3
स्वास्थ्य देखभाल	1	आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	11
अवसंरचना और निर्माण	4	आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	7
आईटी और आईटी सेवाएँ	12	ज्ञान कार्यकर्ता (बीपीओ / केपीओ)	1
आईटी उत्पाद	20	विपणन	4
विनिर्माण / इंजीनियरिंग	28	गैर-आईटी आधारित संचालन	1
गैर सरकारी संगठन और सामाजिक सेवाएँ	1	गैर-आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	6

परिशिष्ट जारी

ग

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
फार्मा / बायो टेक / स्वास्थ्य / अस्पताल	7	गैर-आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	5
खुदरा / ई-कॉमर्स	6	संचालन	11
शिपिंग / यातायात / रसद	4	खरीद	5
दूरसंचार	3	उत्पाद प्रबंधन	1
		गुणवत्ता आश्वासन / गुणवत्ता नियंत्रण	4
		बिक्री और विपणन	5
		सिस्टम डिजाइनिंग	3
		अन्य	9
कुल	**140**	**कुल**	**140**

ग2 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- लोग गेम खेलते हैं : मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- उच्च प्रदर्शन वाले संगठन बनाना
- डिजिटल रणनीति और डिजिटल परिवर्तन
- स्वास्थ्य तकनीक उत्पाद और वितरण प्रणाली
- प्रबंधकों के लिए मोल भाव की रणनीति
- अभिनव, जीवंत !

ग3 वक्ता श्रृंखला

वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी
श्री मनोज पांडे	सलाहकार, भारतीय प्रतियोगिता आयोग	भारतीय प्रतियोगिता आयोग
श्री अमित मुकीम	प्रबंध निदेशक दक्षिण एशिया	आईक्यूवीआईए
श्री कृष्णन चटर्जी	मुख्य ग्राहक अधिकारी एवं विपणन प्रमुख	एसएपी
श्री सत्य रंजन	वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सह-प्रमुख इंडिया टेक्नोलॉजी सर्विसेज	फिडेलिटी इनवेस्टमेंट्स
श्री नितिन प्रसाद	अध्यक्ष	भारतीय शेल कंपनियाँ
श्री मनीष गुप्ता	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	इंडेजीनी
डॉ. अखिल प्रसाद	भारत देश के सलाहकार एवं कंपनी सचिव	बोइंग इंडिया
श्री अभिषेक लोढ़ा	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी	लोढ़ा समूह
श्री प्रवीण कुमार	सह- मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैश्विक सेवा केंद्र	बार्कलेज
सुश्री प्रवीणा राय	मुख्य संचालन अधिकारी	नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया
डॉ. शैलेश राव	संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक	क्लाइमेट हेलर्स
श्री अखिल बाशा	निदेशक, वाणिज्यिक सेवाएँ	एली लिली

घ

ई-प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

घ 1 ईपीजीपी प्रथम वर्ष अनिवार्य पाठ्यक्रम

सत्र 1

- आईआईएमए में शिक्षण पद्धति का परिचय
- व्यवहार 1 को समझना
- प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग
- वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण
- वित्तीय बाजार
- संभाव्यता और सांख्यिकी 1
- संचालन प्रबंधन 1
- विपणन प्रबंधन 1
- मानव संसाधन प्रबंधन 1
- प्रबंधकीय संचार 1
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- व्यापार के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन
- कॉर्पोरेट स्थिरता

सत्र 2

- संगठनात्मक व्यवहार 2
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसायों को बदलना
- कंपनी वित्त
- लागत और नियंत्रण प्रणाली
- संभाव्यता और सांख्यिकी 2
- मात्रात्मक तकनीक (निर्णय निर्धारण)
- संचालन प्रबंधन 2
- विपणन प्रबंधन 2
- मानव संसाधन प्रबंधन 2
- प्रबंधकीय संचार 2
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- रणनीतिक प्रबंधन
- कॉर्पोरेट स्थिरता
- व्यक्तिगत परियोजना

दूसरे वर्ष में प्रस्तुत ऐच्छिक विषयों की सूची

सत्र 3

- व्यापार लापरवाही, देयता एवं कानून
- उद्यमशीलता एवं रचनात्मकता
- ग्रामीण विपणन
- कॉरपोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- खेल सिद्धांत
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार
- निगम शासन प्रणाली
- वित्तीय वक्तव्य विश्लेषण
- व्यापार बदलाव और संगठनात्मक परिवर्तन
- परियोजनाओं में मानव पूंजी का प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ
- ब्रांड प्रबंधन
- व्यापारिक विश्लेषण
- प्रबंध परिवहन: व्यापार मॉडल और नीति प्रपत्र
- शैक्षिक नवाचार और उद्यम
- सोशल मीडिया में दोहन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण

सत्र 4

- अंतर-सांस्कृतिक संचार क्षमता
- बृहद डेटा: संभावनाएँ और चिंताएँ
- व्यापार, सरकार और मैक्रो नीति
- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज
- काम का भविष्य एंव इसका विपणन
- कंपनियों का मूल्य निर्धारण – समूहन एवं वर्णन
- भगवद् गीता को समझना: प्रबंधकों की दुविधाएँ
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- नेटवर्क अर्थव्यवस्था: संरचनात्मक सिद्धांत और अनुप्रयोग
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण
- बिक्री के लिए नहीं: प्रचार का मनोविज्ञान
- प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उन्नत गणितीय मॉडलिंग
- गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन
- व्यापार और नीति निर्णय के लिए प्रयोग
- परिवहन अवसंरचना नीति प्रथा
- नैतिकता पर पाठ्यक्रम
- कैपस्टोन : व्यापार सिमुलेशन खेल
- समूह परियोजना

परिशिष्ट जारी

घ

घ2 बैच अनुसार प्रोफ़ाइल

	2017		2018		2019	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
आवेदन कर्ता	**227**	100	**193**	100	**243**	100
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए	142	62.56	118	61.14	153	62.96
उपस्थित रहे	117	51.54	109	56.48	134	55.14
प्रवेश की पेशकश की गई	66	29.07	78	40.41	109	44.86
स्वीकार किया	53	23.35	65	33.68	86	35.39
आवेदन कर्ता / प्रवेश की पेशकश का अनुपात	10 : 2.9		10:04		10 : 4.5	
स्वीकार / पेशकश का अनुपात	8 : 10		8.3 : 10		7.9:10	
शामिल हुए	49	21.59	62	32.12	69	30.40
बी.ई. बी. टेक.	39	79.59	44	70.97	48	69.57
बी. एससी.	2	4.08	7	11.29	1	1.45
बी.कॉम, बी.ए.	3	6.12	6	9.68	13	18.84
बीबीए / बीसीए	0		5	8.06	3	4.35
बी. फार्मा / बी. आर्क.	3	6.12	0	0.00	2	2.90
एमबीबीएस	2	4.08	0	0.00	2	2.90
कुल	**49**	**100**	**62**	**100**	**69**	**100.00**

ङ

प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम

ङ1 स्नातक होने वाले डॉक्टरेट छात्र

नाम	विषय-क्षेत्र	शोध-प्रबंध शीर्षक	शोध-प्रबंध परामर्शन समिति के सदस्य
अर्पित शाह	सार्वजनिक प्रणाली समूह	शहरी भूमि उपयोग और गर्म द्वीप प्रभाव	प्रोफ़ेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर पी. आर. शुक्ला प्रोफ़ेसर रविंद्र ढोलकिया प्रोफ़ेसर विमल मिश्रा
अरुलानन्था प्रभु पी.एम.	उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके	ई-हेलिंग टैक्सी प्लेटफार्मों के लिए निर्णय मॉडल	प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर प्रहलाद वेंकटेशन (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर एसो वखारिया
बालगोपाल गोपालकृष्णन	वित्त एवं लेखा	वित्तीय मध्यस्थता पर निबंध	प्रोफ़ेसर जोशी जैकब (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अजय पांडेय प्रोफ़ेसर संकेत महापात्रा
दीप्ति गुप्ता	सार्वजनिक प्रणाली समूह	भारत में ऊर्जा प्रणालियों और सतत विकास के संरेखण का निरूपण: सिनर्जी और ट्रेडऑफ़	प्रोफ़ेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अभिमान दास प्रोफ़ेसर पी. आर. शुक्ला डॉ. फ्रेडरिक घेरसी
गौरव कुमार सिंह	उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके	मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं पर निबंध	प्रोफ़ेसर तथागत बंद्योपाध्याय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूज़ा प्रोफ़ेसर अभिमान दास प्रोफ़ेसर अप्रतिम गुहा
गोविंद लाल कुमावत	उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके	स्टोचस्टिक मॉडलिंग और स्वचालित इंट्रा-लॉजिस्टिक्स सिस्टम का विश्लेषण	प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अर्नब कुमार लाहा प्रोफ़ेसर रेने डी कोस्टर
हरित जोशी	उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके	शेयरिंग इकोनॉमी में समन्वय: राइडिंग हैलिंग प्लेटफॉर्म का एक अध्ययन	प्रोफ़ेसर सरल मुखर्जी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर विप्लव घोष प्रोफ़ेसर अनिन्द्या चक्रवर्ती प्रोफ़ेसर जयेंद्रन वेंकटेश्वरन
हर्ष मित्तल	सार्वजनिक प्रणाली समूह	शहरी नीति संयोजन की स्थानिक टोपोलॉजी: भारत के स्मार्ट शहरों को बनाने का एक पोस्ट-स्ट्रक्चरल विश्लेषण	प्रोफ़ेसर नवदीप माथुर (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर सोलोमन जे बेंजामिन प्रोफ़ेसर कैटरीना टी. पॉल प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन
मितुल सुराणा	अर्थशास्त्र	चुनावी लोकतंत्र और विकास पर निबंध	प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूज़ा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन प्रोफ़ेसर पृथा देव

परिशिष्ट जारी

ङ

नाम	विषय-क्षेत्र	शोध-प्रबंध शीर्षक	शोध-प्रबंध परामर्शन समिति के सदस्य
नाइसिल जॉर्ज	व्यापार नीति	कंपनी आकांक्षाएँ, संसाधन आयोजन और प्रदर्शन: भारतीय कंपनियों पर एक अध्ययन	प्रोफ़ेसर अमित कर्णा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर सुनील शर्मा प्रोफ़ेसर विशाल गुप्ता
पवनीत सिंह	अर्थशास्त्र	भारतीय राज्यों में शासन और आर्थिक विकास	प्रोफ़ेसर एरॉल डिसूज़ा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर रविंद्र ढोलकिया प्रोफ़ेसर तथागत बंद्योपाध्याय
प्रतीक शाह	प्रबंधन और शिक्षा में नवाचार	मीडिया, अनुभूति और शिक्षा में आईसीटी पर असेंबलिंग पर्सपेक्टिव्स: एक प्रारंभिक-एडॉप्टर स्कूल में एक-तिहाई अध्ययन	प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर राजीव शर्मा प्रोफ़ेसर संजय चंद्रशेखरन
प्रिया नारायणन	विपणन	प्रस्तुतिकरण के आदेश का प्रभाव और ब्रांड की प्रमुख प्रस्तुति और उपभोक्ताओं की भुगतान करने की इच्छा	प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नेहरिका वोहरा प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या टी.
सुदर्शन कुमार	वित्त एवं लेखा	ब्याज दर मॉडलिंग पर तीन निबंध	प्रोफ़ेसर विनीत विरमानी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा प्रोफ़ेसर जयंत आर. वर्मा
सुमित कुमार यादव	उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके	मल्टी टाइप ब्रांचिंग प्रक्रिया: एक्सटेंशन्स, इनफेरेंस और एप्लिकेशन	प्रोफ़ेसर अर्नब कुमार लाहा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर कार्तिक श्रीराम प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल

ङ2 श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार

छात्र का नाम	शोध-प्रबंध शीर्षक	पुरस्कार राशि ₹
प्रोफेसर तीर्थ गुप्ता स्मारक श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार		
प्रिया नारायणन (विपणन क्षेत्र)	प्रस्तुतिकरण के आदेश का प्रभाव और ब्रांड की प्रमुख प्रस्तुति और उपभोक्ताओं की भुगतान करने की इच्छा	50,000
अर्पित शाह (सार्वजनिक प्रणाली समूह)	शहरी भूमि उपयोग और गर्म द्वीप प्रभाव	50,000
भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई) श्रेष्ठ शोध-प्रबंध प्रस्ताव पुरस्कार		
विशाल बंसल (उत्पादन और मात्रात्मक तरीके क्षेत्र)	रिटेल ऑर्डर पूर्ति के लिए स्टोचैस्टिक मॉडल	50,000
गरिमा खेमानी (संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र)	कार्यस्थल प्रताड़ना के संदर्भ में सुख विषयक और अच्छी तरह से किया जाना : मंच श्रमिक के अनुभव को समझना	50,000
प्रथम वर्ष में श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी-पद्मनाभन-पंत पुरस्कार		
शांतन कांडुला (सूचना प्रणाली क्षेत्र)		30,000

परिशिष्ट जारी

ङ

ङ3 सम्मेलनों/ पीएच. डी. वार्तालाप / कंसोर्टियम में छात्रों की भागीदारी / पेपर प्रकाशन

सम्मेलन	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	24
स्थानीय सम्मेलन	14
कुल सम्मेलन	38
कुल छात्रों ने भाग लिया	41
पीएच.डी. वार्तालाप / कंसोर्टियम	
अंतर्राष्ट्रीय पीएच.डी. वार्तालाप	4
स्थानीय पीएच.डी. वार्तालाप	4
कुल पीएच.डी. वार्तालाप	8
कुल छात्रों ने भाग लिया	5
पेपर प्रकाशन	
कुल पेपर प्रकाशित	14 (अ - 3, ब - 8, स - 3)
शामिल छात्रों की कुल संख्या	7

च

स्नातकोत्तर एवं फेलो कार्यक्रम : छात्र संख्या

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	खाद्य और कृषि- व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम	कुल
2010-11	688	77	86	69	920
2011-12	747	78	101	73	999
2012-13	753	78	85	84	1000
2013-14	756	87	85	80	1008
2014-15	773	82	85	75	1015
2015-16	790	92	85	80	1047
2016-17	790	92	90	85	1057
2017-18	788	91	115	95	1089
2018-19	792	91	137	110	1130
2019-20	**785**	**91**	**140**	**109**	**1125**

छ

स्थानन

स्थानन के लिए प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियाँ

लेंडमार्क ग्रुप	ज़ी	मोतीलाल ओसवाल	देसकारा	एटलासियन
टेनियो	एप्परेल ग्रुप	एंजेल ब्रोकर्स	एचसीएल	मोबिसी
ओरमे	ब्लेक स्टोन	एडफोरा	एलईसी ऑस्ट्रेलिया	आरटीडीएस
प्रॉक्सिस ग्लोबल एलायंस	इंड वेल्थ	टीसीएस	प्रोपर्टी पिस्टोलस	डाबर
अरविंद इंटरनेट	इरेज कैपिटल	एफआईआईटी जेईई	आईडीएफसी बैंक	
आईपीएसी	वाटर फील्ड़ एडवाईजर्स	डेटूडे हेल्थ	वेल्दी थिरेप्यूटिक्स	
डिएगो	लाइटस्पीड वेंचर्स	एचआरएम सॉल्यूशंस	सुक्शी	
कोलगेट	प्रेमजी इन्वेस्ट	मेरीलाइटिक्स	वाटफिक्स	

बैच प्रोफ़ाइल

शैक्षिक पृष्ठभूमि	
कार्य	छात्रों का प्रतिशत
इंजीनियरिंग	70
कला	4
वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन	22
अन्य	4

कार्यानुभव	
अवधि	छात्रों का प्रतिशत
नए	35
0 - 1 वर्ष	16
1 - 2 वर्ष	30
2 - 3 वर्ष	14
3 से अधिक वर्ष	5

प्रस्ताव स्वीकृति

समूह	स्वीकृति
समूह 1	111
समूह 2	59
समूह 3	42

समूह	स्वीकृति
पीपीओ	114
पार्श्विक	68
कुल	**394**

क्षेत्र / कार्य अनुसार स्थानन

क्षेत्र	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत
व्यापार विकास	13	3.30
परामर्श	151	38.32
वित्त	66	16.75
सामान्य प्रबंधन	25	6.35
विपणन	57	14.47
उत्पाद / श्रेणी प्रबंधन	58	14.72
सिस्टम्स / आईटी	24	6.09
कुल	**394**	**100**

परिशिष्ट जारी

छ

क्षेत्रों के अनुसार प्रस्तावों का सचित्र प्रतिनिधित्व

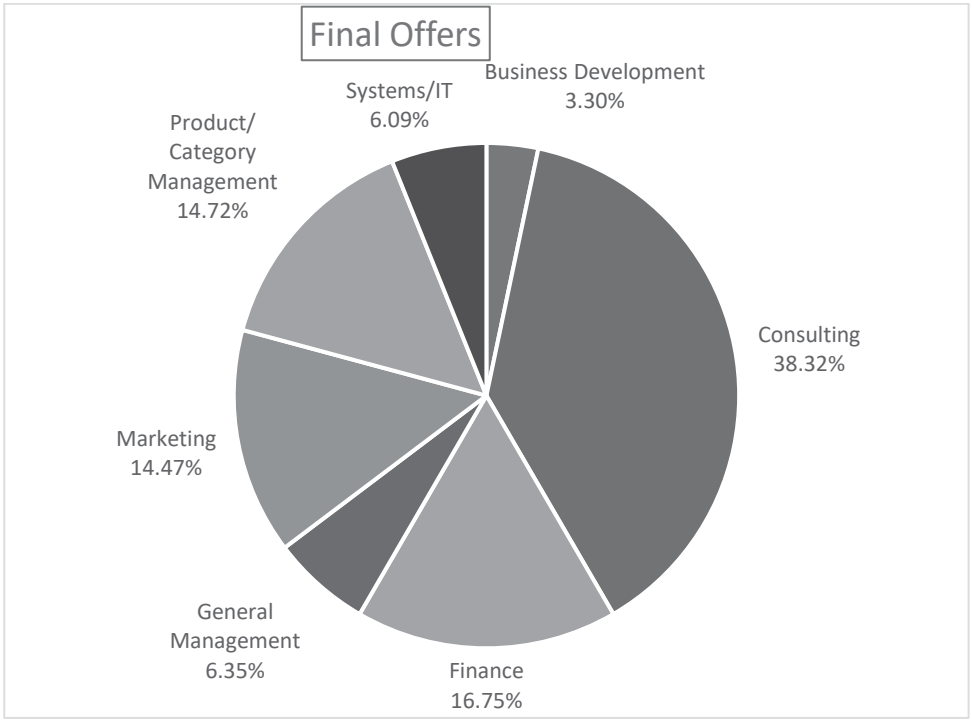

क्षेत्र / कार्य अनुसार स्थानन के रुझान

क्षेत्र	2018		2019		2020	
	संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत
बिक्री / विपणन	51	13.14	61	15.72	57	14.47
वित्त	52	13.41	45	11.60	66	16.75
आईटी / उत्पाद प्रबंधन / श्रेणी प्रबंधन	47	12.11	75	19.33	82	20.81
संचालन	8	2.06	5	1.29	0	0.00
परामर्शन	119	30.67	142	36.60	151	38.32
संगठन / व्यवसाय विकास	14	3.60	25	6.44	13	3.30
सामान्य प्रबंधन	52	13.41	34	8.76	25	6.35
अन्य	45	11.60	1	0.26	0	0.00
कुल	**388**	**100**	**388**	**100**	**394**	**100**

परिशिष्ट जारी

छ

कार्य अनुसार शीर्ष भर्तीकर्ता

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	भर्ती किए गए	कुल स्वीकृति का प्रतिशत (394)
परामर्श	मैकिन्से एंड कंपनी	26	6.60
	बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप	23	5.84
	पीडब्ल्यूसी	14	3.55
	बैन एंड कंपनी	14	3.55
	ए.टी. कर्नी	10	2.54
बीएफ़एसआई	एवेंडस	8	2.03
	जेपी मोरगन	8	2.03
	गोल्डमैन साक्स	5	1.27
सामान्य प्रबंधन	सीके बिड़ला ग्रुप	6	1.52
	टीएएस	5	1.27
विपणन	प्रोक्टर एंड गैंबल	5	1.27
	केविनकेयर	5	1.27
उत्पाद / श्रेणी प्रबंधन	अमेज़न	10	2.54
	माइक्रोसॉफ्ट	7	1.78
व्यापार विकास	फिनआईक्यू	9	2.28
सिस्टम / आईटी	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज	12	3.05

उद्यमिता

छात्र का नाम	स्टार्ट अप्स का नाम या व्यवसाय योजना का शीर्षक	स्टार्ट अप्स की वेबसाइट (यदि कोई हो)	स्टार्ट अप्स का प्रासंगिक क्षेत्र
तन्मय भूनिया तरुण कुमार	कौली टेकलेब्स प्राइवेट लिमिटेड	http://www.kollie.ai/	एचआर-टेक (एआई-आधारित)

ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्र अनुसार वितरण

क्षेत्र	स्थानन की संख्या	क्षेत्र	स्थानन की संख्या
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई)	77	मीडिया / संचार	5
कंपनियों के संगठन	30	ऑनलाइन सेवाएँ	31
परामर्श	131	औषधि / हेल्थकेयर	7
उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी)	55	दूरसंचार	4
इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी	29	अन्य (विमानन)	1
पर्यावरण और ऊर्जा	4	**कुल**	**386**
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	9		
विनिर्माण	3		

परिशिष्ट जारी

छ

स्थानन पूल का वर्गीकरण

कुल पीजीपी-एफएबीएम बैच का आकार	45
स्थानन के लिए पात्र छात्रों की कुल संख्या	45
संस्थान के माध्यम से स्थानन की माँग नहीं करने वाले छात्रों की संख्या	1
स्थानन के माध्यम से नियुक्ति पाने वाले छात्रों की संख्या	**44**
प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	44*

* एक छात्र ने अभी तक प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है

विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्ताव

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
कृषि इनपुट्स	7	15.90%
कृषि सामग्री	4	9.10%
कृषि समाधान	2	4.54%
बीएफएसआई	1	2.27%
कंपनियों के संगठन	1	2.27%
परामर्श	4	9.10%
शिक्षा	5	11.36%
एफएमसीजी	1	2.27%

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
खाद्य प्रसंस्करण	7	15.90%
खाद्य उत्पादन	4	9.10%
स्वास्थ्य देखभाल	3	6.82%
रसद और आपूर्ति श्रृंखला	4	9.10%
विनिर्माण / बायोटेक	1	2.27%
कुल	**44**	**100%**

प्रस्तावों का सचित्र प्रतिनिधित्व

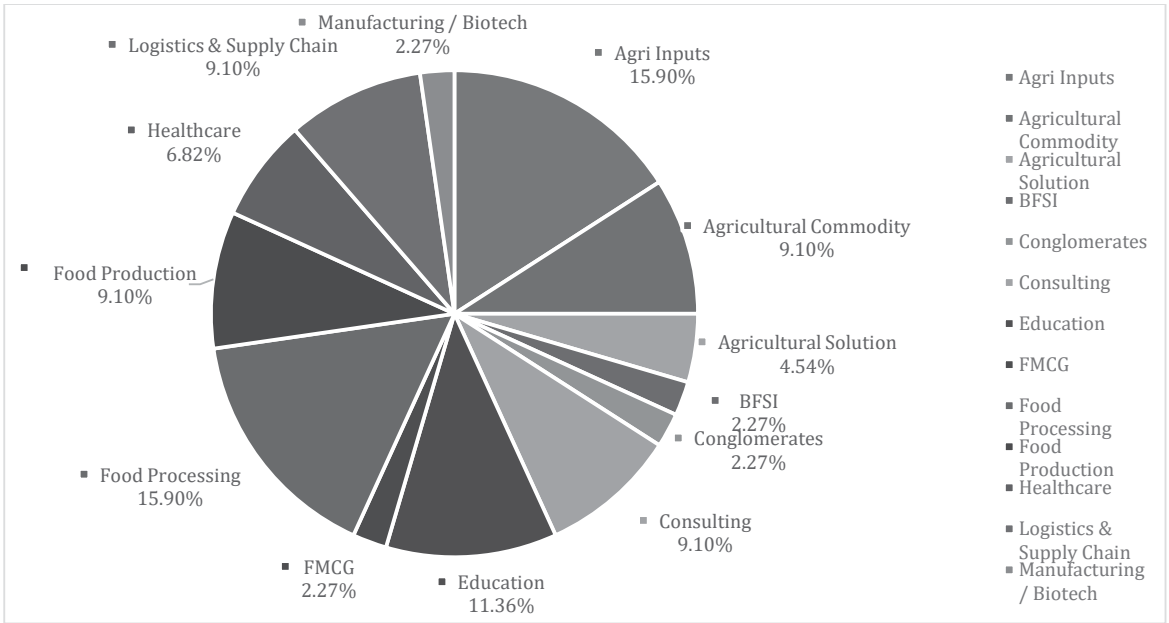

परिशिष्ट जारी

छ

स्थानन के लिए नई कंपनियाँ

एवेस्थाजेन	ई टी जी	कलश सीड्स
डे टू डे हेल्थ	एफआईआईटी -जेईई	एनआईएसजी
देहात	फ्रेश वीएनएफ	स्ट्राइकर

एफएबीएम स्थानन पूल

श्रेणियाँ	संख्या
1. कुल बैच संख्या	46
1 क. ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए योग्य कुल छात्र	46
1 ख. ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए अयोग्य कुल छात्र	0
2. संस्थान के माध्यम से इंटर्नशिप की मांग करने वाले छात्र	46
3. संस्थान की स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से इंटर्नशिप की माँग नहीं करने वाले छात्र	0
3 क. उद्यमिता मेले के माध्यम से इंटर्नशिप की माँग करने वाले छात्र	0
3 ख. उद्यमिता विकल्पों को आज़माने के लिए चयन करने वाले छात्र	0
3 ग. अन्य स्रोतों के माध्यम से ऑफ-कैंपस इंटर्नशिप की माँग करने वाले छात्र	0

एफएबीएम इंटर्नशिप

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
कृषि इनपुट	11
बीएफ़एसआई	1
कंपनी समूह	4
एफ़एमसीजी	10
खाद्य प्रसंस्करण	4

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	8
ऑनलाइन सेवाएँ	7
अन्य*	1
कुल योग	**46**

* अन्य में विकास क्षेत्र से एक शामिल है।

पीजीपीएक्स स्थानन पूल

छात्रों की कुल संख्या	**140**
छात्रों ने स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम प्रस्ताव प्राप्त किया	121
छात्र स्वयं द्वारा ही नियुक्ति चाहते हैं (स्थानन प्रक्रिया के बाहर)	3
छात्रों ने स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन अवकाश का विकल्प चुना	1
स्व-रोजगार	0
सीआईआईई - मेवरिक फैलोशिप	1
जो छात्र अपने पिछले नियोक्ता के पास वापिस गए	1
जिन छात्रों की स्थानन प्रक्रिया जारी है	13

परिशिष्ट जारी

छ

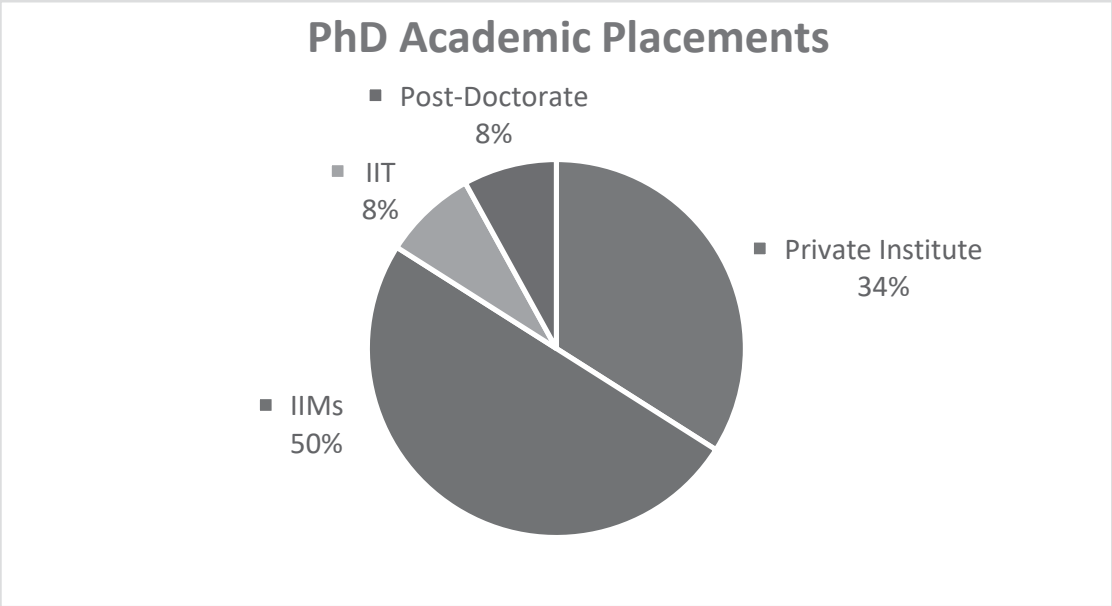

* आईआईएमों में आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम इंदौर, आईआईएम कोझीकोड, आईआईएम उदयपुर और आईआईएम बोधगया (आईआईएम बीजी) शामिल हैं।

@ आईआईटी में प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी दिल्ली शामिल है।

निजी संस्थानों में, गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जीआईएमएस), अदानी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी और अहमदाबाद यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

ज

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रतिभागियों का विभाजन

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	2	12	103	16	131
नए कार्यक्रम	5	5	77	1	83
नियमित / दोहराए कार्यक्रम	56	371	923	59	1353
कुल	**63**	**388**	**1103**	**76**	**1567**

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
3 टीपी: उभरते अग्रणियों का कार्यक्रम 21 जुलाई - 17 अगस्त, 2019	0	51	4	55
3 टीपी: वरिष्ठ अग्रणियों का कार्यक्रम 12 जनवरी - 01 फरवरी, 2020	12	52	12	76
कुल	**12**	**103**	**16**	**131**

प्रस्तुत किए गए नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
वैश्विक खरीद और निर्यात ठेके का प्रबंधन 17 – 19 जुलाई, 2019	2	9	0	11
सामरिक गठजोड़ का प्रबंधन 19 – 21 फरवरी, 2020	1	12	0	13
वित्त एवं लेखा				
युवा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए प्रबंधन और वित्त 07 अप्रैल - 11 मई 2019	0	35	0	35
विपणन				
अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में व्यवसाय प्रबंधन 25 – 27 जुलाई, 2019	2	9	0	11
उन्नत ग्राहक विश्लेषिकी 29 – 31 जुलाई, 2019	0	12	1	13
कुल	**5**	**77**	**1**	**83**

परिशिष्ट जारी

ज

नियमित / दोहराए गए कार्यक्रमों की पेशकश

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
डिजाइन सोच (पहली पेशकश) 08 – 11 अप्रैल, 2019	2	23	0	25
विदेश में व्यवसाय करना 02 – 04 मई, 2019	7	5	0	12
अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ 03 – 05 जून, 2019	1	22	0	23
अनुबंध प्रबंधन 14 – 18 अक्टूबर, 2019	30	10	0	40
नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन 11 – 16 नवंबर, 2019	5	6	1	12
रणनीति कार्यान्वयन 02 – 04 दिसंबर, 2019	0	23	0	23
डिजाइन सोच (दूसरा प्रस्ताव) 02 – 05 दिसंबर, 2019	6	27	1	34
विकास के लिए रणनीतियाँ 09 – 13 सितंबर, 2019	5	1 1		16
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 06 – 09 जनवरी, 2020	1 1	24	1	36
युवा उद्यमी कार्यक्रम मॉड्यूल 1: 05 – 10 अगस्त, 2019 मॉड्यूल 2: 06 – 11 जनवरी, 2020	0	21	1	22
उद्यमी संगठन बनाना 02 – 05 मार्च, 2020	1	13	8	22
पारिवारिक व्यवसाय: संगठन, रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार 17 - 19 मार्च, 2020	0	10	0	10
संचार				
लोगों को साथ लेकर: अनुनय द्वारा प्रबंधन 22 – 27 जुलाई, 2019	5	14	4	23
द विनिंग एज: अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ 19 – 24 अगस्त. 2019	8	22	0	30
अर्थशास्त्र				
पीपीपी अधिकार में इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राप्त करना 10 – 14 जून, 2019	14	6	0	20

परिशिष्ट जारी

ज

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों का नेतृत्व : आज की चुनौतियाँ 11 – 15 नवंबर, 2019	5	6	4	15
वित्त एवं लेखा				
अनुभवी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए प्रबंधन एवं वित्त (पहला प्रस्ताव) मॉड्यूल 1: 15 – 24 फरवरी, 2019 मॉड्यूल 2: 08 - 22 जून, 2019	0	22	0	22
सामरिक व्यापार निर्णयों के लिए वाणिज्यिक एवं वित्तीय कौशल का विकास 26 – 30 अगस्त, 2019	8	14	0	22
निवेश निर्णय और व्यवहारिक वित्त 10 – 12 दिसंबर, 2019	3	16	0	19
रणनीतिक लागत प्रबंधन 20 – 24 जनवरी, 2020	3	9	3	15
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन 24 – 29 फरवरी, 2020	5	14	0	19
अनुभवी चार्टर्ड एकाउंटेंट के लिए प्रबंधन एवं वित्त (दूसरा प्रस्ताव) मॉड्यूल 1: 11 – 22 नवंबर, 2019 मॉड्यूल 2: 24 फरवरी - 06 मार्च, 2020	3	21	0	24
सूचना प्रणालियाँ				
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 05 – 10 अगस्त, 2019	9	13	0	22
बिग डेटा एनालिटिक्स 17 – 22 फरवरी, 2020	26	8	0	34
विपणन				
विपणन में तंत्रिका विज्ञान 26 - 28 जून, 2019	1	31	3	35
ग्राहक आधारित व्यापार रणनीति 01 – 03 जुलाई, 2019	4	13	5	22
फिनटेक: बिजनेस मॉडल, विपणन, रणनीति और तरीके 01 – 04 जुलाई, 2019	1	18	5	24
डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग 09 – 13 सितंबर, 2019	0	16	0	16
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 20 – 24 जनवरी, 2020	2	20	0	22
बी 2 बी मार्केटिंग 17 – 22 फरवरी, 2020	1	20	0	21

परिशिष्ट जारी

ज

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
बिक्री बल के प्रदर्शन को बढ़ाना 09 - 13 मार्च, 2020	0	25	0	25
संगठनात्मक व्यवहार				
पेशेवर महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता और संभाव्यता बढ़ाना 16 - 19 जुलाई, 2019	4	14	0	18
नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन 19 – 23 अगस्त, 2019	25	17	1	43
पारस्परिक प्रभाव और टीम निर्माण 06 – 09 जनवरी, 2020	1 1	21	0	32
मानव संसाधन प्रबंधन				
आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास 08 - 10 अप्रैल, 2019	8	14	4	26
मानव संसाधन विश्लेषण 16 – 18 सितंबर, 2019	12	9	0	21
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 02 – 07 दिसंबर, 2019	7	13	0	20
प्रबंधकीय प्रभावशीलता 13 – 18 जनवरी, 2020	17	20	1	38
मानव संसाधन ऑडिटिंग – रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन के लिए आधार तैयार करना 24 - 26 फरवरी, 2020	12	8	2	22
उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके				
राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण 29 अप्रैल - 03 मई, 2019	5	10	0	15
परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम 27 – 31 मई, 2019	10	4	0	14
विनिर्माण रणनीति 01 जुलाई - 03, 2019	5	8	0	13
वेयरहाउस डिजाइन एंव प्रबंधन 29 जुलाई - 02 अगस्त 2019	8	20	0	28
जोखिम: मॉडलिंग और प्रबंधन 19 – 23 अगस्त 2019	6	10	3	19
परियोजना प्रबंधन 26 – 31 अगस्त, 2019	19	5	1	25
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 14 – 19 अक्टूबर, 2019	6	16	5	27
रसद प्रबंधन 18 – 20 नवंबर, 2019	13	12	2	27

परिशिष्ट जारी

ज

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
रेस्तरां प्रबंधन 09 - 13 दिसंबर, 2019	1	15	0	16
कृषि प्रबंधन केंद्र				
कृषि इनपुट विपणन 24 – 29 फरवरी, 2020	3	18	0	21
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र				
अस्पताल प्रबंधन 17 – 22 जून, 2019	8	20	0	28
नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन 10 – 12 दिसंबर, 2019	3	16	0	19
नवाचार ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र				
रचनात्मक एवं सांस्कृतिक व्यवसाय कार्यक्रम मॉड्यूल 1: 18 – 24 अगस्त, 2019 मॉड्यूल 2: 11 – 16 अक्टूबर, 2019 मॉड्यूल 3: 03 - 04 फरवरी, 2020	1	31	1	33
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
स्थायी वित्त 17 – 19 दिसंबर, 2019	16	0	1	17
शिपिंग के लिए सामान्य प्रबंधन 23 – 29 फरवरी, 2020	3	14	0	17
रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र				
बदलते परिवेश में स्कूलों का रणनीतिक नेतृत्व (बैच 1) 14 – 18 अक्टूबर, 2019	0	56	1	57
बदलते परिवेश में स्कूलों का रणनीतिक नेतृत्व (बैच 2) 21 – 25 अक्टूबर, 2019	2	49	1	52
कुल	**371**	**923**	**59**	**1353**

झ

अनुसंधान एवं संगोष्ठियाँ

पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ

शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
भारत में न्यायालयों की सार्वजनिक धारणा: एर्नाकुलम जिला न्यायालय का एक केस स्टडी	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	मुहम्मद फैजल के
एक प्रतिगमन का उपयोग करके क्रॉस-कंट्री ग्रोथ के मुद्दे पर काम करना	प्रोफेसर सेबस्टियन मॉरिस	यशस्वी मोदी
मानचित्रण और विश्लेषण प्रतियोगिता कानून के केस	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	तेजस राव
कमोडिटी समाचार के भावना विश्लेषण के लिए प्रशिक्षण डेटासेट विकसित करना	प्रोफेसर अंकुर सिन्हा	तन्मय खंडैत
मोबाइल एड-हॉक नेटवर्क के नेटवर्क सिमुलेशन के लिए कोडिंग	प्रोफेसर कविता रंगनाथन	राम गणेश वी.
परमाणु ऊर्जा राजनीति पर साहित्य की समीक्षा	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	सोनल शेखर
कमोडिटी न्यूज की भावनाओं का विश्लेषण	प्रोफेसर अंकुर सिन्हा	तन्मय खंडैत
परिवर्तन के लिए ज्ञान प्रबंधन और नवाचार (केएमआईसी)	प्रोफेसर अंकुर सरीन	हेमंगिनी भारतीय और रोहन परमार
शहरी कॉमन्स के लिए संपत्ति की कीमतों को लिंक करना	प्रोफेसर अमित गर्ग	पलक पुरोहित
आईआईएमए परिसर की स्थायित्व पहलों का दस्तावेजकरण	प्रोफेसर राम मोहन आर. तुरागा	जितेश मित्तल
एक क्षमता-आधारित भावनात्मक खुफिया पैमाने का विकास	प्रोफेसर विशाल गुप्ता	डिंपी नंदवानी
भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी	प्रोफेसर राजेश चंदवानी	कंदर्प कौशिक
विकासशील देशों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में समुदाय आधारित संगठनों की भूमिका	प्रोफेसर राजेश चंदवानी	शुभम मल्लिक
निजी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार के माध्यम से आरक्षित सीटों की एक डेटासेट बनाना	प्रोफेसर अंबरीश डोंगरे	महबूब नवाज एन.एम.
भारतीय मीडिया का विज्ञापन राजस्व	प्रोफेसर ऋतिका खेड़ा	तीस्ता साहा और पीयूष बथवाल
लिंग और निर्णय	प्रोफेसर पृथा देव	शुभांगी गोखरू
शहरी भारत में सुलभता का भूगोल	प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती	निकुंज कोठारी
एसोसिएशन खनन के तरीकों का डिजाइन	प्रोफेसर संजय वर्मा	रिया अदलक्खा
राजकोषीय नीति और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के बीच करणीय संबंध	प्रोफेसर अभिमान दास	कोमल बरनवाल
भारत में कोर मुद्रास्फीति की गतिशीलता	प्रोफेसर अभिमान दास	पल्लव श्रीवास्तव
भारतीय राज्यों के बीच प्रजनन संक्रमण	प्रोफेसर अभिमान दास	कीया व्यास
भारत में पशुधन फ़ीड के परिवर्तन का अध्ययन और पशुधन द्वारा ग्रीनहाउस गैसों के शमन का विश्लेषण	प्रोफेसर रंजन कुमार घोष	सौरभ एम. घोरपड़े
समय के साथ भारत में शहरी विकास	प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे	जाहिद अहमद
कॉर्पोरेट इंडिया का विकास	प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे	मोहित अरोड़ा
बॉटम ऑफ पिरामिड (बीओपी) ग्राहकों की पैकेज के आकार की प्राथमिकताओं को समझना	प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल	कृतिका सोनी
लांछित और उत्पादकों का उपभोग तथा उत्पादन के तरीके	प्रोफेसर अक्षय विजयलक्ष्मी	फातिमा माहा
एचएएल और एरोनॉटिक्स प्रतिष्ठान का केस अध्ययन	प्रोफेसर सेबस्टियन मॉरिस	मुदिता मैस्के

परिशिष्ट जारी

झ

शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
भारत में पर्यावरण लेखांकन: लाभ और कारोबार / स्कूल शुल्क विनियमन: हाल में हुआ विकास	प्रोफेसर नीरव नगर	स्वेता अग्रवाल
उपग्रह चित्रों का उपयोग करके बड़े बिंदु उत्सर्जन स्रोतों की पहचान करना	प्रोफेसर अनीश सुगाथन	राहुल जैन
आईटीएस नीति योजना पर केस अध्ययन	प्रोफेसर सुंदरवल्ली नारायणस्वामी	हर्ष गुप्ता
भारत में बड़े बिंदु स्रोतों के लिए भावी प्रौद्योगिकी संक्रमण	प्रोफेसर अमित गर्ग	स्वाभाव नरहरशेट्टी
वित्त में अनुभवजन्य साहित्य का विश्लेषण और समीक्षा	प्रोफेसर प्रणव सिंह	सार्थक राणा
अनौपचारिक क्षेत्र में मातृत्व लाभ	प्रोफेसर ऋतिका खेड़ा	देवयानी गुप्ता
क्राउड फंडेड एआई स्टार्टअप्स की गतिशीलता	प्रोफेसर आदिराज मजूमदार	अनुभव जैन
स्कूली माहौल के मूल्यांकन के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म विकसित करना	प्रोफेसर कथन शुक्ला	अमन कालरा और जतिन सिंह
रणनीतिक गठबंधनों में सीईओ के व्यक्तित्व की भूमिका को समझना	प्रोफेसर मोहम्मद फौद	किशन पनपालिया
बेहतर पोषण संकेतकों और हस्तक्षेपों के लिए नुस्खा आधारित आहार अवधारणा के अवसर	प्रोफेसर विद्या वेमिरेड्डी	आकृती खुरानिया

अप्रैल 2019 - मार्च 2020 की अवधि के दौरान आधारपत्र

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक(कों)	विषय-क्षेत्र
2019-04-01	क्या यह काम करता है? भारत में कल्याण में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	खेड़ा, ऋतिका; पतिबांधला, विनीत	अर्थशास्त्र, पीएसजी
2019-04-02	खरीदें, बेचें या रोकें : व्यावसायिक समाचार का इकाई-वाकिफ वर्गीकरण	सिन्हा, अंकुर; केदास, सतीश्वर; कुमार, रिशु; मालो, पेक्का	आईजीपीसी एवं पी एवं क्यूएम
2019-05-01	भारत में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अव्यक्त दोषों के आधार पर पुनरावृत्ति दावों का अधिकार: तथ्य-गहन विवादों के लिए अपने आप को संभालो	राम मोहन, एम.पी.; किनी, एल्स रेयनेर्स	व्यापार नीति
2019-06-01	आस्था और ज़ी के बीच: मिस्ट्री ऑफ़ द मिसिंग मार्केट फॉर ए वेदर चैनल	देवधर, सतीश वाई.; डेका, चय्यस्मिता	अर्थशास्त्र
2019-06-02	केंद्रीय बैंकों की अप्राप्य अनुक्रमिक प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए एक कम्प्यूटेशनल एल्गोरिथ्म: नीतिगत विकास के विकास में जटिल लीड-लैग संबंध पर हस्तक्षेप	चक्रवर्ती, अनिंद्य एस .; कुमार, सुदर्शन	अर्थशास्त्र
2019-09-01	रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर संकल्प	वर्मा, जयंत आर.; मॉरिस, सेबस्टियन	अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा
2019-09-02	एक टूटी हुई कम्पास और फंसी हुई पतवार के साथ मैक्रोइकॉनॉमी को संभालना ?	मॉरिस, सेबस्टियन	अर्थशास्त्र
2019-10-01	वित्तीय नेटवर्क पर लहर	कुमार, सुदर्शन; बंसल, अविजित; चक्रवर्ती, अनिंद्य एस.	अर्थशास्त्र
2019-11-01	वित्तीय लेनदारों के रूप में 'आवंटी' : भारतीय दिवाला शासन की वैचारिक सीमा आगे बढ़ाना	राम मोहन, एम.पी.; राज, विशाखा	व्यापार नीति

परिशिष्ट जारी

झ

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक(कों)	विषय-क्षेत्र
2019-12-01	वैकल्पिक हब स्थानिक समस्या के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण	तिवारी, ऋचा; जायसवाल, सचिन; सिन्हा, अंकुर	पी एवं क्यूएम
2019-12-02	प्रतियोगी हब स्थान समस्या: मॉडल और समाधान दृष्टिकोण	तिवारी, ऋचा; जायसवाल, सचिन; सिन्हा, अंकुर	पी एवं क्यूएम
2020-02-01	वाहन बीमा के लिए उपयोगिता कार्य का विकास: लॉगरिदमिक लक्ष्य प्रोग्रामिंग विधि और निकटता विश्लेषण विधि की तुलना	नटेसन, सुमीथा आर.; दत्ता, गौतम	पी एवं क्यूएम
2020-02-02	होम लोन मूल्य निर्धारण में राजस्व प्रबंधन के साथ एक गणितीय प्रोग्रामिंग दृष्टिकोण	दत्ता, गौतम; नटेसन, सुमीथा आर.; ठाकुर, दीपिका; तिवारी, मनोज के.	पी एवं क्यूएम
2020-03-01	भारत में ऊष्मायन - एक बहुस्तरीय विश्लेषण	शर्मा, सुप्रिया; वोहरा, नेहरिका	सीआईआईई

2019-2020 अनुसंधान संगोष्ठियाँ

संकाय का नाम और संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
प्रोफेसर जिया वदूद लीड्स विश्वविद्यालय	मदद या बाधा? पूरी तरह से स्वचालित वाहनों के निहितार्थ	30 मई, 2019
प्रोफेसर देवव्रत दास एनआईटीआईई	उत्पाद विनिमय प्रस्ताव की उपस्थिति में उपयोग किए गए उत्पादों की मॉडलिंग रिटर्न: उपभोक्ताओं के सापेक्ष और संदर्भ सोच का इंटरएक्टिव प्रभाव	10 जून, 2019
प्रोफेसर अशोक चौरसिया वाटरलू विश्वविद्यालय	एकाधिक अध्यारोपित डाटा से गैर सामान्य परीक्षण के आंकड़े के लिए एक नया संयोजन नियम के माध्यम से स्वदेशी वर्ग में पारा जोखिम के स्तर का मूल्यांकन	17 जुलाई, 2019
प्रोफेसर मीनाक्षी ऋषि सिएटल विश्वविद्यालय	ग्रीन ओडीए और कार्बन उत्सर्जन: क्या संस्थाएं महत्व रखती हैं?	15 जुलाई, 2019
प्रोफेसर निरंजन चिपलकट्टी सिएटल विश्वविद्यालय	अघोषित स्व-निर्मित अमूर्त आस्तियों का पूंजी बाजार प्रभाव: अनुसंधान निर्णयों का सर्वेक्षण	15 जुलाई, 2019
प्रोफेसर अभिजीत सिंह स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	स्केल पर सार्वजनिक क्षेत्र के प्रबंधन में सुधार? भारत में स्कूल प्रशासन पर प्रायोगिक साक्ष्य	26 जुलाई, 2019
सूरज येंगड़े हार्वर्ड कैनेडी स्कूल	क्या पूंजीवाद दलितों को आजाद कर सकता है	29 जुलाई, 2019
प्रोफेसर मैत्रीश घटक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	क्यों लोग गरीब रहते हैं? बांग्लादेश में एक बेतरतीब पूंजी हस्तांतरण कार्यक्रम से प्रायोगिक साक्ष्य का उपयोग कर गरीबी में फंसाने के लिए परीक्षण?	22 अगस्त, 2019
प्रोफेसर इंद्रजीत ठाकुरता आईआईएम इंदौर	खपत और मानव पूंजी पर वित्तीय बाजार की भागीदारी का प्रभाव: एक जीवन-चक्र अनुकूलन मॉडल	28 अगस्त, 2019
तान्या जाकिमो न्यू साउथ सेल्स सिडनी विश्वविद्यालय	दलगत राजनीति में महिलाओं का प्रतिकूल समावेश: भारत और इंडोनेशिया में राजनीतिक श्रम	28 अगस्त, 2019
प्रोफेसर डेविड सेबन कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और सेंटर फॉर सस्टेनेबल रोड फ्रेट के निदेशक	सतत रोड फ्रेट की ओर	13 सितंबर, 2019
डॉ. मार्टिन कन्ज़ विश्व बैंक	क्रेडिट कार्ड ऋण चुकौती में नैतिक प्रोत्साहन: एक क्षेत्र प्रयोग से साक्ष्य	12 सितंबर, 2019

परिशिष्ट जारी

झ

संकाय का नाम और संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
प्रोफेसर राजेंद्र श्रीवास्तव यूनिवर्सिटी ऑफ कैनसस लॉरेंस यूएसए	एसईसी फाइलिंग से वित्तीय और गैर-वित्तीय जानकारी के लिए अवतरण खनन, और पूर्वानुमान मॉडल और जोखिम मूल्यांकन के लिए पाठीय विश्लेषण	17 सितंबर, 2019
प्रोफेसर किरण पेडादा आईएसबी हैदराबाद	उभरते हुए मार्केट पार्टनर फर्म के शेयरधारक के मूल्य पर अंतर्राष्ट्रीय विपणन एलायंस विघटन का प्रभाव	19 सितंबर, 2019
अमित जैन चौरड़िया आईएसबी हैदराबाद	जब लेटरल हायरिंग से फर्म का प्रदर्शन बढ़ता है? ह्यूमन कैपिटल एक्वायरिंग स्ट्रक्चर्स की माइक्रोफाउंडेशन	09 अक्टूबर, 2019
प्रोफेसर अर्नब मुखर्जी आईआईएम बैंगलोर	सशक्तिकरण के माध्यम से महिला शिक्षा को सशक्त बनाना: भारत से साक्ष्य	04 नवंबर, 2019
दिनेश मोहन आईआईटी दिल्ली	भारत में सड़क सुरक्षा: आगे का रास्ता	21 अक्टूबर, 2019
प्रोफेसर भावेन संपत कोलम्बिया विश्वविद्यालय	भारत में ट्रिप्स, पेटेंट और ड्रग की कीमतें	14 नवंबर, 2019
प्रोफेसर सोफिया अमरल म्यूनिख का मैक्सिमिलियन विश्वविद्यालय	लिंग, अपराध और सजा: भारत में महिला पुलिस स्टेशनों का प्रभाव	20 नवंबर, 2019
डॉ. शिल्पा मदान कोलम्बिया विश्वविद्यालय	हरियाली रखना आसान नहीं है: पर्यावरण करों के लिए एक धन-अनुकूलन परत थ्योरी फोस्टर का समर्थन करता है	21 नवंबर, 2019
डॉ. संजीत चक्रवर्ती वी एफ, आईआईएम इंदौर	नैतिकता और मानवतावादी रोबोट: विभिन्न नैतिक सिद्धांतों का पुनरीक्षण	26 नवंबर, 2019
प्रोफेसर संतोष कुमार सैम ह्यूस्टन स्टेट यूनिवर्सिटी	बचपन के दौरान जन्म वजन और संज्ञानात्मक विकास: भारत से साक्ष्य	02 दिसंबर, 2019
डॉ. अनाका अय्यर टाटा कॉर्नेल इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चर एंड न्यूट्रिशन	स्वास्थ्य बीमा और शिशु मृत्यु दर: भारत से साक्ष्य	04 दिसंबर, 2019
प्रोफेसर संजीत धामी लीसेस्टर विश्वविद्यालय	माइक्रोफाइनेंस कॉन्ट्रैक्ट्स में मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रेरणाएं: सिद्धांत और साक्ष्य	13 दिसंबर, 2019
डॉ. एड्रियन लोपेज शारजाह का अमेरिकी विश्वविद्यालय	बाघ की पूजा: वन्यजीव आध्यात्मिक सेवाओं की मॉडलिंग में गैर-उपयोग अस्तित्व मूल्य	16 दिसंबर, 2019
प्रोफेसर अनुजित चक्रवर्ती डेविस का कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय	वर्तमान पूर्वाग्रह	17 दिसंबर, 2019
सुश्री शेल्ली राठी यूटा विश्वविद्यालय	उपस्थिति और ग्राहक समीक्षा में बाज़ार लैंगिकता के परिणाम	17 दिसंबर, 2019
डॉ. भूमिजा रंजन मोनाश विश्वविद्यालय	विज्ञापन के लिए स्टोर ट्रैफ़िक में भाग लेना: गृह सुधार और हार्डवेयर स्टोर का केस	02 जनवरी, 2020
प्रोफेसर निशीथ प्रकाश कनेक्टिकट विश्वविद्यालय	परिवर्तन के पहिये: शिक्षा और अधिकारिता के साथ महिलाओं के जीवन को बदलना	06 जनवरी, 2020
प्रोफेसर हरि बापूजी मेलबर्न विश्वविद्यालय	एमएनईएस और आईबी अनुसंधान के लिए जाति के निहितार्थ	06 जनवरी, 2020

परिशिष्ट जारी

झ

संकाय का नाम और संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
डॉ. राजा नारायणन एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान	भारत में नकली अवास्टिन: अपराधियों को सजा दो, मरीजों को नहीं	10 जनवरी, 2020
प्रोफेसर अभिषेक चक्रवर्ती मैनचेस्टर विश्वविद्यालय	सूचित नागरिक और राजनीतिक प्रवेश: भारत में एक बड़े शिक्षा कार्यक्रम से साक्ष्य	13 जनवरी, 2020
प्रोफेसर क्रिस्टोस माविस सरे विश्वविद्यालय	खरीदने के लिए बेचना: संपत्ति की बिक्री और अधिग्रहण	20 जनवरी, 2020
प्रोफेसर मार्सी नेरद वाशिंगटन विश्वविद्यालय	सरकारी नवाचार नीतियां, वैश्वीकरण, और डॉक्टोरल शिक्षा का दुनिया भर में परिवर्तन: क्या डॉक्टरल कार्यक्रम परिवर्तित हो रहे हैं? रुझान और तनाव	20 जनवरी, 2020
प्रोफेसर सुजाता विसारिया हांगकांग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	उधार देने वाली पहेली: क्यों हांगकांग में फिलिपिनो डोमेस्टिक वर्कर्स डिसेव के बजाय उधार लेते हैं?	27 जनवरी, 2020
प्रोफेसर चंद्रा भट टेक्सास विश्वविद्यालय	ड्राईवलेस कारें शहरी फैलाव को जन्म दे सकती हैं? यात्रा के वाहन माइलेज बढ़ाएँ? उभरते परिवहन लैंडस्केप में सक्रिय नीतियों की आवश्यकता	31 जनवरी, 2020
प्रोफेसर बीरेंद्र राय मोनाश विश्वविद्यालय	बेकर, स्टिगलर और मैं भी : आपसी सहमति की भूमिका	31 जनवरी, 2020
प्रोफेसर संजीब बसु इलिनोइस विश्वविद्यालय शिकागो	बायेसियन मानदंड आधारित परिवर्तनीय चयन : तुलना और अनुप्रयोग	03 फरवरी, 2020
प्रोफेसर चमन लाल (सेवानिवृत्त) जेएनयू	समकालीन भारत के लिए विचार "भगत सिंह रीडर" से	06 फरवरी, 2020
डॉ. सुरेश दिवाकर सलाहकार	उपभोक्ता पैक किए गए सामानों के लिए पूर्वानुमान मॉडल-विकास, कार्यान्वयन और चुनौतियाँ	03 मार्च, 2020
प्रोफेसर जॉन हैरिस (एमेरिटस) साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय	पोलानी के महान परिवर्तन और आज का भारत	19 फरवरी, 2020
प्रोफेसर डी. डैनियल सोकोल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	साझा अर्थव्यवस्था में नवीन व्यावधान कैसे प्रोत्साहन प्रतियोगिता के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं - होटल के प्रदर्शन पर एयरबीनबी का प्रभाव	04 मार्च, 2020

अ

प्रकाशन

पुस्तकें

अग्रवाल, ए.के. (2019). अधिकारियों के लिए बुनियादी ढाँचा, पीपीपी और कानून, कैलिफोर्निया : सेज प्रकाशन।

बनर्जी, टी., और बनर्जी, ए. (2019). *व्यवसाय विश्लेषिकी - पाठ और केस, नई दिल्ली* : सेज प्रकाशन भारत प्राइवेट लिमिटेड।

देवधर, एस.वाई. (2019). *आर्थिक सूत्र : आर्थिक चिंतन के लिए प्राचीन भारतीय प्राचीन शब्द*, गुड़गांव : पेंगुइन रैंडम हाउस।

गुप्ता, वी. (2020). *बराबरी के बीच प्रथम : ज्ञान आधारित दुनिया में एल-ई-ए-पी के लिए टी-आर-ई-ए-टी नेतृत्व*, नई दिल्ली : ब्लूम्सबरी।

माथुर, ए.एन. (2019). *फिनलैंड-भारत के बीच व्यापार के अवसर : चींटी और हाथी को जोड़ना*, सिंगापुर : स्प्रिंगर।

माथुर, ए.एन. (2020). *नेपाल का संवैधानिक कानून*, नीदरलैंड : वॉल्टर्स क्लूवर।

पिल, एल., काइज़ोजी, टी., एवं चक्रवर्ती, ए.एस. (2019). *अर्थशास्त्र और वित्त में नेटवर्क सिद्धांत और एजेंट-आधारित मॉडलिंग*, सिंगापुर : स्प्रिंगर।

राम मोहन, टी.टी. (2020). *एक कारण के साथ विद्रोही : व्यापक असंतोष और उन्हें क्यों नहीं सुना जा रहा है*, गुड़गांव : पेंगुइन रैंडम हाउस।

व्यावसायिक पत्रिकाओं में लेख

अग्रवाल, ए.के. (2019). कॉरपोरेट कानून और भारत में शासन की गतिशीलता में बदलाव : कैसे दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 का प्रभावी कार्यान्वयन किया जाए, *शासन-विधि जर्नल*

अग्रवाल, वाई., और वेंकटेशन, पी. (2019). एक साथ पिकअप और वितरण के साथ असममित वाहन मार्ग समस्या के लिए एक नया मॉडल. *संचालन अनुसंधान पत्र*. doi:https://doi.org/10.1016/j.orl.2019.11.005

अग्रवाल, वाई., और वेंकटेशन, पी. (2019). फैलते वृक्ष की समस्या के वैकल्पिक संचार के लिए एक नई वैध असमानता. *इनफ़ॉर्म्स जर्नल ऑन कम्प्यूटिंग*. doi:https://doi.org/10.1287/ijoc.2018.0827

अगरवाला, ए., सरीन, ए., और गुप्ता, आई. (2019). बच्चों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के कार्यान्वयन में नगरपालिका पार्षदों की भूमिका : अहमदाबाद, भारत का एक केस, *पब्लिक अफ़ेयर्स जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1002/pa.2018

अग्रवाल, एम., चक्रवर्ती, ए.एस., और देव, पी. (2020). "खराब" लिंक को तोड़ना : भारतीय कॉर्पोरेट नेटवर्क पर कंपनी अधिनियम 2013 का प्रभाव. *सामाजिक नेटवर्क*. doi:https://doi.org/10.1016/j.socnet.2020.01.001

अरुणा दिव्या टी., और मुखर्जी, के. (2019). भुगतान के तरीके और टिकाऊ वस्तुओं के प्रतिस्थापन पर उनका प्रभाव. *कंज़ूमर मार्केटिंग जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1108/JCM-11-2017-2435

अज़ादेह, के., डी कोस्टर, आर., और रॉय, डी. (2017). रोबोटाइज़्ड और स्वचालित गोदाम प्रणाली : समीक्षा और हालिया विकास. *परिवहन विज्ञान*. doi:http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.2977779

अज़ादेह, के., रॉय, डी., और डी कोस्टर, आर. (2018). ऊर्ध्वाधर रोबोट डिजाइन, मॉडलिंग, एवं भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणालियों का विश्लेषण. *परिवहन विज्ञान*. doi:http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.2888615

बालकृष्ण, एस., और विरमानी, वी. (2019). वन-निर्भर समुदायों की संख्या और वित्तीय साक्षरता. *विकल्प : द जर्नल फॉर डिसिजन मेकर्स*. doi:https://doi.org/10.1177/0256090919862059

बनर्जी, ए., और रामपाल, जे. (2020). एक नए उत्पाद के लिए उलटा बंदोबस्ती प्रभाव. *अमेरिकन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स*. doi:https://doi.org/10.1002/ajae.12006

बाथिनी, डी.आर., और कंडाथिल, जी. (2020). ग्राहक शिकायत करता है तो ही मुझे तकलीफ दें : भारत में घर-आधारित टेलीवर्क पर नियंत्रण और प्रतिरोध. *कर्मचारी संबंध : अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1108/ER-09-2018-0241

ब्रॉक, एस.ई., जोगलेकर, वाई., टंडन, ए., और बार्डवेल, जी. (2019). नई व्यावसायिक कक्षा के लिए पावरपॉइंट अपडेट करना। सूचना विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा सम्मेलन के प्रॉसीडिंग्स doi:https://doi.org/10.28945/4268

परिशिष्ट जारी

अ

चक्रबर्ती, एस., और तत्वार्थी, ए.डी. (2019). भारत में चिकित्सा यात्रा का भूगोल : राज्यों में अंतर और शहरी-ग्रामीण विभाजन. *अनुप्रयुक्त भूगोल.* doi:https://doi.org/10.1016/j.apgeog.2019.04.003

चक्रवर्ती, डी. (2019). एसटीईएम में बहुरूपी घटना : घटना, विशेषता, और पहचान. *स्नातक और पोस्टडॉक्टरेट शिक्षा में अध्ययन.* doi:https://doi.org/10.1108/SGPE-D-18-00014

चक्रवर्ती, डी. (2020). पीएचडी छात्र के एसटीईएम में अनेकरंगी घटना के साथ अनुभव. *डॉक्टरल अध्ययन का इंटरनेशनल जर्नल.* doi:https://doi.org/10.28945/4513

चक्रवर्ती, डी., न्यूकमर, एस., पूजियो, के., और ताई, आर.एच. (2020). यह परिवार में चलता है : प्रारंभिक विज्ञान रुचि विकसित करने में परिवार और विस्तारित सामाजिक नेटवर्क की भूमिका. *विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज का बुलेटिन.* doi:https://doi.org/10.1177/0270467620911589

चंद, वी.एस., और देशमुख, के. (2019). विकासशील देशों में स्नातक इंटर्नशिप चुनौती को संबोधित करना : एक "सीखने-दर-कर" परियोजना-आधारित ऑनलाइन इंटर्नशिप मॉडल. *शिक्षा और प्रशिक्षण* . doi:http://dx.doi.org/10.1108/ET-12-2018-0254

चांद, वी.एस., देशमुख, के. और शुक्ला, ए. (2020). प्रौद्योगिकी एकीकरण विफल क्यों होता है? एक भारतीय पहल में शिक्षक का विश्वास और सामग्री विकासक धारणाएँ. *शैक्षिक प्रौद्योगिकी और विकास.* doi:https://doi.org/10.1007/s11423-020-09760-x

चटर्जी, ए., और बंद्योपाध्याय, टी. (2019). समूह परीक्षण के लिए प्रतिगमन मॉडल : पहचान और परिवर्तनशीलता. *सांख्यिकीय योजना और आविष्कार का जर्नल.* doi:https://doi.org/10.1016/j.jspi.2019.05.003

चटर्जी, सी., महापात्र, डी.पी., और एस्टे, एम. (2019). अदालतों से लेकर बाजारों तक : भारत में फार्मास्यूटिकल बैन लागू करने के नए सबूत. *सामाजिक विज्ञान और चिकित्सा.* doi:https://doi.org/10.1016/j.socscimed.2019.112480

दास, ए., बंसल, ए., और घोष, एस. (2020). वित्तीय कदाचार, अभियोजन पक्ष का डर, और बैंक ऋण. *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक.* https://www.epw.in/journal/2020/13/money-banking-and-finance/financial-misconduct-fear-prosecution-and-bank.html से लिया गया.

डी'क्रूज़, पी. मुल्डर, आर., नोरोन्हा, ई. बेयरपूट, एन., और मगाला, एस. (2019). राष्ट्र-राज्य और काम से संबंधित विनियमन की बदलती भूमिका : नीदरलैंड में कार्यस्थल बदमाशी कानून. *आर्थिक और श्रम संबंध की समीक्षा.* doi:https://doi.org/10.1177/1035304618823959

देबनाथ, एस., और जैन, टी. (2020). सामाजिक जुड़ाव और तृतीयक स्वास्थ्य सेवा का उपयोग. *स्वास्थ्य अर्थशास्त्र.* doi:https://doi.org/10.1002/hec.3996

डाइनिंगर, के., जिन, एस., और नागराजन, एच.के. (2018). वंशानुक्रम कानून सुधार, सशक्तीकरण और मानव पूंजी संचय : भारत से दूसरी पीढ़ी के प्रभाव. *विकास अध्ययन जर्नल.* doi:https://doi.org/10.1080/00220388.2018.1520218

डाइनिंगर, के., नागराजन, एच.के., और सिंह, एस.के. (2019). महिला राजनीतिक नेतृत्व और आर्थिक सशक्तिकरण : भारत में सार्वजनिक कार्यों से साक्ष्य. *तुलनात्मक अर्थशास्त्र जर्नल.* doi:https://doi.org/10.1016/j.jce.2019.12.003

देव, एस., त्यागी, एच., चटर्जी, सी., और मोलाकापुरी, एच. (2019). क्या कोरोनरी स्टेंट के लिए भारत की मूल्य नियंत्रण नीति ने अनपेक्षित परिणाम पैदा किए? *सामाजिक विज्ञान और चिकित्सा.* doi:https://doi.org/10.1016/j.socscimed.2019.112737

देवधर, एस.जे. (2020). नवप्रवर्तन टूर्नामेंट में बाधाओं और पुरस्कारों के बीच का अंतर : भागीदारी के लिए निहितार्थ. *सहकारी सूचना प्रणाली अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.* doi:https://doi.org/10.1142/S0218843020400043

देवधर, एस.जे., बाबर, वाई., और बर्ट्च, जी. (2019). डिजिटल छवि से गिरना: स्थिति के नुकसान के बाद ऑनलाइन सॉफ्टवेयर प्रतियोगिता में प्रतिभागिता. *सिस्टम साइंसेज पर वार्षिक हवाई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रॉसीडिंग्स.* doi:https://doi.org/10.5465/AMBPP.2019.13956abstract

देवधर, एस.वाई., और डेका, सी. (2019). आस्था और ज़ी चैनलों के बीच मौसम चैनल के लिए लापता बाजार का रहस्य. *व्यवसाय और अर्थशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा,* 3(1), 65-82.

देवधर, एस., सिंह, एस., और टांक, एन. (2019). ग्रेपवाइन या सूचित चयन : भारत के उभरते शराब बाजार में गुणवत्ता विशेषताओं का महत्व. *शराब अर्थशास्त्र और नीति.* doi:https://doi.org/10.1016/j.wep.2019.02.003

परिशिष्ट जारी

अ

देशमुख, के.एस., चंद, वी.एस., शुक्ला, के.डी., और लाहा, ए.के. (2020). एक ऑनलाइन व्यवसायी विकास कार्यक्रम में प्रतिभागियों के जुड़ाव पैटर्न : मिश्रण मॉडलिंग का एक अनुप्रयोग. *सिस्टम साइंसेज पर वार्षिक हवाई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रॉसीडिंग्स*. doi:https://doi.org/10.24251/HICSS.2020.010

डोंगरे, ए., और तिवारी, वी. (2019). परेशानी के बिना लाभ? भारत में स्कूल के युक्तिकरण का प्रभाव. *शैक्षिक विकास अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*. doi:http://doi.org/10.1016/j.ijedudev.2019.102142

डोरा, एच.के., वर्लीकर, वी.आर., और नारायणस्वामी, एस. (2019). पंजाब नेशनल बैंक घोटाला : नैतिकता बनाम मजबूत प्रक्रियाएँ. *पब्लिक अफ़ेयर्स जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1002/pa.1952

फौद, एम., और जैन, ए.के. (2019). उभरते बाजारों में नवाचार के लिए पूर्ववृत्त : भारत से साक्ष्य. *नवाचार प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1142/S1363919620500425

गाँधी, वी.पी. और जॉनसन, एन. (2019). पूर्वी भारत-गंगा के मैदानी इलाकों में सहभागी जल संस्थानों का प्रदर्शन बढ़ाना : हम नए संस्थागत अर्थशास्त्र और शासन सिद्धांतों से क्या सीख सकते हैं? *वॉटर*. doi:https://doi.org/10.3390/w12010070

गाँधी, वी.पी., जॉनसन, एन., नियोग, के., और जैन, डी. (2019). पूर्वी भारत के जल संस्थानों में संस्थागत संरचना, भागीदारी और विचलन. *वॉटर*. doi:https://doi.org/10.3390/w12020476

गंगाधरन, एल., जैन, टी., मैत्रा, पी., और वेक्सी, जे. (2019). महिला नेताएँ और सामाजिक वातावरण के लिए उनकी प्रतिक्रिया. *आर्थिक व्यवहार एवं संगठन जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1016/j.jebo.2019.06.001

घोष, डी. (2019). प्रतिबंधित समूह परीक्षण के माध्यम से दोषपूर्ण नेटवर्क घटकों की पहचान करना. *ऑपसर्च*. doi:https://doi.org/10.1007/s12597-019-00382-3

गोपाकुमार, के.वी., और सिंह, एस. (2019). क्या अपमानजनक पर्यवेक्षण के साथ अधीनस्थ आवाज़ प्रबल हो सकती है? संसाधनों के दृष्टिकोण के संरक्षण का उपयोग करते हुए एक वैचारिक मॉडल. *प्रबंधन अनुसंधान समीक्षा*. doi:https://doi.org/10.1108/MRR-07-2019-0324

गोपाकुमार, के., और राम मोहन, एम.पी. (2019). परमाणु ऊर्जा सुरक्षा, नियामक स्वतंत्रता और न्यायिक सम्मान : भारतीय परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड का मामला. *प्रशासन और समाज*. doi:https://doi.org/10.1177/0095399719882640

गोपालकृष्णन, बी., और महापात्र, एस. (2020). ऋण अनुबंध पर रिपोर्टिंग मानकों और सूचना साझा करने के प्रभाव : पार-देशीय साक्ष्य. *कॉजेंट अर्थशास्त्र एवं वित्त*. doi:https://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/23322039.2020.1716920

गुप्ता, डी., गर्ग, ए., और दास, ए. (2019). पवन उत्पादन का वित्तीय समर्थन बनाम साझाकरण : क्या कोई विभक्ति बिंदु है? ऊर्जा. doi:http://doi.org/10.1016/j.energy.2019.05.221

गुप्ता, डी., गेर्सी, एफ़., गर्ग, ए., और विश्वनाथन, एस.एस. (2019). निम्न कार्बन मार्गों के साथ भारत में स्थायी विकास प्राप्त करना: व्यापक आर्थिक आकलन. विश्व विकास. doi:https://doi.org/10.1016/j.worlddev.2019.104623

गुप्ता, डी., गेर्सी, एफ़., विश्वनाथन, एस.एस., और गर्ग, ए. (2019). भारत के विकास और शमन मार्गों का व्यापक आर्थिक आकलन. जलवायु नीति doi:https://doi.org/10.1080/14693062.2019.1648235

गुप्ता, डी., पांडेय, ए.के., और गर्ग, ए. (2019). भारत में सार्वजनिक प्रशासन में एक नवाचार. ऊर्जा. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक. https://www.epw.in/journal/2019/29/special-articles/innovations-public-administration-india.html?0=ip_login_no_cache%3Df91fe8dd4809ee0ebb9604ec9aff49d6 पर उपलब्ध है।

गुप्ता, एम., पांडे, जे., गौर, जे., और वोहरा, एन. (2019). कार्यबल प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर अनुसंधान के लिए प्रस्तावना. *कार्यबल प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर अनुसंधान के लिए प्रस्तावना*. doi:https://doi.org/10.3127/ajis.v23i0.2185

गुप्ता, एस., और कुमार, पी. (2019). किसी न किसी क्लस्टरिंग लिंकों पर एक अतिव्यापी समुदाय का पता लगाने का एल्गोरिथ्म. *डेटा और नॉलेज इंजीनियरिंग*. doi:https://doi.org/10.1016/j.datak.2019.101777

गुप्ता, एस., और कुमार, पी. (2020). क्रेडिट नेटवर्क के लिए अनुप्रयोग के साथ एकतरफा और द्विदलीय नेटवर्क के लिए एक कृत्रिम संचयकर्ता क्लस्टरिंग दृष्टिकोण. सूचना विज्ञान. doi:https://doi.org/10.1016/j.ins.2019.12.085

परिशिष्ट जारी

अ

गुप्ता, एस., वेमिरेड्डी, वी., और पिंगाली, पी. (2019). ग्रामीण भारत में महिलाओं के लिए सशक्तिकरण और बाजार एकीकरण के पोषण संबंधी परिणाम. *खाद्य सुरक्षा*. doi:https://doi.org/10.1007/s12571-019-00978-z

गुप्ता, एस., वेमिरेड्डी, वी., सिंह, डी., और पिंगाली, पी. (2019). कृषि सूचकांक में महिला सशक्तीकरण को विशिष्ट देश के संदर्भ में अपनाना : भारत में फील्डवर्क से अंतर्दृष्टि और आलोचना. *वैश्विक खाद्य सुरक्षा*. doi:https://doi.org/10.1016/j.gfs.2019.09.002

गुप्ता, वी. (2020). नेतृत्व, प्रेरणा और कर्मचारी स्तर के नवाचार के बीच संबंध : भारत से साक्ष्य. *कार्मिक समीक्षा*. doi:http://dx.doi.org/10.1108/PR-11-2019-0595/full/html

ईरानी, एल., और वेमिरेड्डी, वी. (2020). ग्रामीण उत्तर भारत में विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों के साथ माताओं के बीच समय पर गरीबी, बच्चों की देखभाल से लेकर मल्टीटास्किंग का सही मापन. *एशियाई जनसंख्या अध्ययन*. doi:https://doi.org/10.1080/17441730.2020.1778854

जयकुमार, एस., पिंगाली, वी., और विरमानी, वी. (2019). खेल टीमों की नैतिक छवि के लिए शेयरधारकों की प्रतिक्रिया : इंडियन प्रीमियर लीग में एक घटना का अध्ययन. *निर्णय*. doi:https://doi.org/10.1007/s40622-019-00230-9

जैन, वी., मर्चेंट, ए., रॉय, एस., और फ़ोर्ड, जे.बी. (2019). एक सामूहिक उभरते बाजार, भारत में विज्ञापन-जनित पुरानी यादों को मापने के लिए एक एमिक स्केल विकसित करना. *बिजनेस रिसर्च जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2019.02.039

झा, जे.के., और सिंह, एम. (2019). रोजगार संबंधों पर नैतिक नेतृत्व के प्रभाव के तंत्र की खोज. आईआईएमबी प्रबंधन समीक्षा. doi:https://doi.org/10.1016/j.iimb.2019.07.010

झा, जे.के., पांडे, जे., और वर्की, बी. (2019). तरल ज्ञान श्रमिकों के कार्य-जुड़ाव पर कर्मचारियों के विकास में कथित निवेश की भूमिका की जाँच करना : मनोवैज्ञानिक अनुबंध के मध्यम प्रभाव. *ग्लोबल ऑपरेशंस एंड स्ट्रेटेजिक सोर्सिंग जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1108/JGOSS-08-2017-0026

झा, आर., नागराजन, एच.के., और टैगैट, ए. (2019). जाति, स्थानीय सार्वजनिक सामान और ग्राम शासन: निजी कार्य और सार्वजनिक परिणाम. *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक*. doi:https://www.epw.in/journal/2019/49/special-articles/jati-local-public-goods-and-village-governance.html

झा, आर., नागराजन, एच.के., और टागट, ए. (2019). भारत में पंचायतों के प्रतिबंधित और अप्रतिबंधित राजकोषीय अनुदान और कर प्रयास. *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक*. doi:https://www.epw.in/journal/2019/32/special-articles/restricted-and-unrestricted-fiscal-grants-and-tax.html

जॉनसन, एन., गाँधी, वी.पी., और जैन, डी. (2020). पूर्वी भारत में सहभागी जल संस्थानों का प्रदर्शन व्यवहार : संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग के माध्यम से एक अध्ययन. *वॉटर*. doi:https://doi.org/10.3390/w12020485

जॉनसन, एस.एल., रीचेनबर्ग, आर.ई., शुक्ला, के., वासडॉर्प, टी.ई., और ब्रैडशॉ, सी.पी. (2019). आइटम प्रतिक्रिया सिद्धांत का उपयोग करके स्कूल की जलवायु के माप में सुधार करना. *शैक्षिक मापन : समस्याएँ और अभ्यास*. doi:https://doi.org/10.1111/emip.12296

कार्तिक, डी., उपाध्याय, आर., और एस., आर. (2019). बॉर्न ग्लोबल- जन्मजात वैश्विक सेवा फर्मों के अंतर्राष्ट्रीयकरण की रणनीतियाँ. *प्रतिस्पर्धात्मकता समीक्षा : एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पत्रिका*. doi:https://doi.org/10.1108/CR-02-2018-0017

खांडकर, वी., गाँधी, वी.पी. और जॉनसन, एन. (2020). जल प्रबंधन में लैंगिक परिप्रेक्ष्य : पूर्वी भारत के सहभागी जल संस्थानों में महिलाओं की भागीदारी. *वॉटर*. doi:https://doi.org/10.3390/w12010196

कृष्णामूर्ति, एस., और रॉय, डी. (2019). ई-कॉमर्स वेयरहाउस प्रबंधन के लिए एक उपयोगिता-आधारित भंडारण कार्य रणनीति. डेटा खनन कार्यशालाओं पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन. doi:https://doi.org/10.1109/ICDMW.2019.00144

कुमार, एम., सिंह, जे.बी., चंदवानी, आर., और गुप्ता, ए. (2020). स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी प्रतिरोध में "संदर्भ" : भविष्य के अनुसंधान के लिए मौजूदा साहित्य और कार्यसूची की एक व्यवस्थित समीक्षा. *सूचना प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1016/j.ijinfomgt.2019.102044

कुमार, एन., इस्माइल, ए., शेरुगर, एस., और चंदवानी, आर. (2019). बहाली का काम : एचआईवी आउटरीच की रोजमर्रा की चुनौतियों का जवाब देना. *मानव-कंप्यूटर सहभागिता पर एसीएम प्रॉसीडिंग्स*. doi:https://dl.acm.org/doi/10.1145/3359156

परिशिष्ट जारी

अ

कुय्यमुदी, सी., चक्रवर्ती, ए.एस., और सिन्हा, एस. (2019). हताशा के संकेत प्रणालीगत जोखिम का संकेत है. *भौतिक समीक्षा ई-सांख्यिकीय नॉनलीनियर और सॉफ्ट मैटर भौतिकी*. doi:https://doi.org/10.1103/PhysRevE.99.052306

लिन, एम.एच., विजयलक्ष्मी, ए., और लैक्ज़निआक, आर. (2019). किशोरों पर लक्षित सोशल मीडिया के प्रभावी लोगों पर माता-पिता के विचारों और कार्यों की समझ : माता-पिता के सामाजिक मीडिया के उपयोग और सशक्तिकरण की भूमिका. *मनोविज्ञान में फ्रंटियर्स*. doi:https://doi.org/10.3389/fpsyg.2019.02664

महेश, के.सी., और लाहा, ए.के. (2019). एक मजबूत स्पष्ट अनुपात. *सांख्य : दी इंडियन जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स*. doi:10.1007/s13571-019-00204-y

मजूमदार, ए., और बोस, आई. (2019). क्या ट्वीट मूल्य बनाते हैं? विनिर्माण फर्मों के लिए ट्विटर के उपयोग और ट्वीट्स की सामग्री का एक बहु-अवधि विश्लेषण. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स*. doi:https://doi.org/10.1016/j.ijpe.2019.04.008

मालोडिया, एस., गुप्ता, एस., और जायसवाल, ए.के. (2019). उत्क्रमी नवप्रवर्तन : एक वैचारिक ढाँचा. *विपणन विज्ञान अकादमी जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1007/s11747-019-00703-4

मेलोन, एम., शुक्ला, के., और कॉर्नेल, डी.जी. (2019). कक्षा विन्यास छठी-, सातवीं- और आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूल-स्तरीय मानकीकृत परीक्षा पास दरों से जुड़ा है. *स्कूल प्रभावशीलता और स्कूल में सुधार*. doi:https://doi.org/10.1080/09243453.2019.1654526

माथुर, ए.एन. (2020). संगठनात्मक विषाक्तता का मनोवैज्ञानिक नियंत्रण और इसके छलकाव. *संगठनात्मक और सामाजिक गतिशीलता*. doi:https://doi.org/10.33212/osd.v20n1.2020.60

मोज़ेस, ए., और शर्मा, ए. (2019). सामाजिक उद्यमों में मानव संसाधन अधिग्रहण और प्रतिधारण किस तरह से चलता है? एक उभरते बाजार में स्वास्थ्य सेवा उद्योग की एक अनुभवजन्य जाँच. *बिजनेस रिसर्च जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2019.07.025

नरसिम्हन, आर., और नारायणस्वामी, एस. (2019). राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान में सुरक्षा प्रबंधन : आउटसोर्स या इनसोर्स के लिए? मामले (ए) और (बी). *विकल्प : द जर्नल फॉर डिसिजन मेकर्स*. doi:https://doi.org/10.1177/0256090919853932

नारायणन, पी., गोपालकृष्णन, बी., और सहाय, ए. (2020). एक महत्वपूर्ण संसाधन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की सरकार की कोशिश को समझना : भारत में स्वर्ण मुद्रीकरण. संसाधन नीति. doi:https://doi.org/10.1016/j.resourpol.2020.101600

नारायणस्वामी, एस. (2019). निर्धारित परिवहन सेवाओं में रोलिंग स्टॉक का इष्टतम आवंटन. *लॉजिस्टिक्स सिस्टम और प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1504/IJLSM.2019.103087

नटेसन, एस., सिंह, सी., और दत्ता, जी. (2019). नेपाल में एयरलाइन यात्रा के लिए उपयोगिता कार्य और भारत के साथ इसकी तुलना. *राजस्व प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1504/IJRM.2019.103010

पाल, आर., गोलूबचिक, एल., सुनिस, के., और बंद्योपाध्याय, टी. (2019). साइबर बीमित आईटी फर्मों में सहसंबद्ध जोखिम के मजबूत अनुमानों के बारे में : "छोटे" डेटा के तहत इष्टतम एआई-आधारित अनुमानों पर पहली नज़र. *प्रबंधन सूचना प्रणाली पर एसीएम लेनदेन*. doi:https://doi.org/10.1145/3351158

पांडेय, ए., गुप्ता, वी., और गुप्ता, आर. (2019). टीमों में आध्यात्मिकता और अभिनव व्यवहार : टीम से सीखने की औसत भूमिका की जाँच करना. *आईआईएमबी प्रबंधन समीक्षा*. doi:https://doi.org/10.1016/j.iimb.2019.03.013

पांडे, जे., और सिंह, एम. (2019). नौकरी में संतुष्टि बढ़ाने और नौकरी-परिवार के बीच संघर्ष को कम करने के लिए एक तंत्र के रूप में सकारात्मक धार्मिक मुकाबला : एक संचालित मध्यस्थता विश्लेषण. *प्रबंधन, आध्यात्मिकता और धर्म जर्नल* . doi:https://doi.org/10.1080/14766086.2019.1596829

पाठक, ए.ए., और कंडाथिल, जी. (2019). भारत में छोटे अनौपचारिक खुदरा विक्रेताओं में रणनीतिककरण : एक रणनीतिक अभ्यास के रूप में होम डिलीवरी. *एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*. doi:https://doi.org/10.1007/s10490-019-09662-4

पट्टनायक, एस.के., जूलैंड, एम., लुईस, जे.जे., उस्मानी, एफ़., ब्रूक्स, एन., भोजवैद, वी., पतंगे, ओ., . . रामनाथन, वी. (2019). इलेक्ट्रिक और बेहतर बायोमास कुकस्टव के संवर्धन पर प्रायोगिक साक्ष्य. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी प्रॉसीडिंग्स doi:https://doi.org/10.1073/pnas.1808827116

परिशिष्ट जारी

अ

पेक, जे., और रामपाल, जे. (2019). राज्य की गैर-इष्टतमता माँग अनिश्चितता के साथ राज्य एकाधिकार मूल्य निर्धारण : एक उदाहरण. *अर्थशास्त्र के पत्र*. doi:https://doi.org/10.1016/j.econlet.2019.10856

राय, ए., बंसल, ए., और चक्रवर्ती, ए.एस. (2019). वित्तीय नेटवर्क में समय-भिन्न जटिलता का सांख्यिकीय अनुमान. *यूरोपीय भौतिक जर्नल बी*. doi:https://doi.org/10.1140/epjb/e2019-100161-1

राय, आर. (2019). नवउदारवादी और सांस्कृतिक राष्ट्रवादी अभ्यास के चौराहों पर असंतोषजनक विषय के लिए अनिश्चितता पैदा करना. *निर्णय*. doi:https://doi.org/10.1007/s40622-019-00214-9

राय, आर., बावा, ए., और जगन्नाथन, एस. (2018). मितव्ययी उपभोक्ताओं की कथात्मक दुनिया: ज़िम्मेदारी और राजनीतिकरण को प्रकट करने के लिए रोमांटिक आध्यात्मिकता को खोलकर रख देना. *बिजनेस एथिक्स जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1007/s10551-018-3931-1

राज, वी., और राम मोहन, एम.पी. (2019). भारत में बोलम और बोलिथो नियमों की चिकित्सा लापरवाही और कानून लागू करना. *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक*. https://www.epw.in/journal/2019/42/special-articles/medical-negligence-and-law.html?0=ip_login_no_cache%3D1feadae39aec8ecb0ca842c6bc995047 पर उपलब्ध है।

राम मोहन, एम.पी., और गोधा, एम. (2020). भारत में अन्यायपूर्ण संवर्धन के लिए बहाली का कानून. *लॉयड की समुद्री और वाणिज्यिक कानून त्रैमासिक*. https://www.i-law.com/ilaw/browse_journals.htm?name=Lloyd%27s%20Maritime% 20and%20Commercial%20Law%20Quarterly%20&year=2020&issueTitle=2020%20-%20Part%201 पर उपलब्ध है।

राम मोहन, एम.पी., और नंबूदिरी, एस.के. (2020). भारत में सार्वजनिक जोखिम धारणा और परमाणु ऊर्जा के सरकारी जुड़ाव की खोज. *पब्लिक अफ़ेयर्स जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1002/pa.2086

राम मोहन, एम.पी., और रेयानर्स, ई. (2020). भारत में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अव्यक्त दोषों के आधार पर पुनरावृत्ति के दावों का अधिकार : तथ्य-गहन विवादों के लिए अपने आप को संभालो. *ग्लोबल ऑपरेशंस एंड स्ट्रेटेजिक सोर्सिंग जर्नल* . doi:https://doi.org/10.2139/ssrn.3541415

राम मोहन, एम.पी., मुरुगवेलु, पी., रे, जी., और परख, के. (2020). भारतीय अनुबंध अधिनियम की धारा 56 के तहत हताशा का सिद्धांत. भारतीय कानून समीक्षा. doi:https://doi.org/10.1080/24730580.2019.1709774

राम मोहन, एम.पी., यादव, एस., और सारंगी, जी.के. (2019). भारत में हाइड्रोलिक फ्रैक्चरिंग और भूजल संदूषण : एहतियाती कार्रवाई की आवश्यकता का मूल्यांकन. *जर्नल ऑफ एनर्जी एंड नेचुरल रिसोर्सेज लॉ*. doi:https://doi.org/10.1080/02646811.2019.1693114

रॉय, एस., श्रीजेश, एस., और भाटिया, एस. (2019). सेवा की गुणवत्ता बनाम सेवा का अनुभव : बी 2 बी सेवाओं में परिणामी प्रभावों का एक अनुभवजन्य परीक्षण. 82, 52-69. *औद्योगिक विपणन प्रबंधन*. doi:https://doi.org/10.1016/j.indmarman.2019.02.017

सैय्यद, ए.ए., फर्नाबर, एस.ए., और राकेश, बी. (2020). उभरती अर्थव्यवस्था में नए उपक्रमों का अंतर्राष्ट्रीयकरण : उद्योग की सांद्रता की शिफ्टिंग भूमिका. *एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*. doi:https://doi.org/10.1007/s10490-020-09712-2

शाह, ए., और माथुर, एन. (2019). भारत में एक जलवायु संकट के दौरान जल आवंटन के आसपास प्रतियोगिता : 'आईपीएल बनाम सूखा' का मामला. *वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन*. doi:https://doi.org/10.1016/j.gloenvcha.2019.05.011

शर्मा, ए., पाठक, एस., बोराह, एस., और अधिकारी, ए. (2019). क्या यह बहुत जटिल है? आपूर्ति नेटवर्क जटिलता और फोकल फर्म नवाचार का उत्सुक मामला. *ऑपरेशन प्रबंधन जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1002/joom.1067

शर्मा, ए., सोनी, एम., बोराह, एस.बी., और साबू, ए. (2020). उभरते बाजारों में लक्ज़री ब्रांड की बिक्री के वाहकों की पहचान : एक खोजपूर्ण अध्ययन. *बिजनेस रिसर्च जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2020.02.009

शर्मा, एस., और सूद, एम. (2019). फर्मों के बोली व्यवहार पर नियामक ढाँचे का प्रभाव : तेल और गैस क्षेत्र के लिए नीतिगत निहितार्थ. *ऊर्जा नीति*. doi:https://doi.org/10.1016/j.enpol.2019.01.075

सिंह, एस. (2019). क्या भारतीय संघवाद पंजाब में विफल रहा? *वैश्विक सिख अध्ययन संस्थान*. doi:https://www.academia.edu/43318450/Did_Indian_Federalism_Fail_Punjab

परिशिष्ट जारी

अ

सिंह, एस. (2019). भारत में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि बाजारों का फिर से आयोजन : प्रासंगिकता, तंत्र और नीति की भूमिका. *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स*.

सिंह, एस. (2019). भारत में बेबी कॉर्न के निर्यात की मूल्य श्रृंखला : शासन, समावेश और उन्नयन. *एग्रेरियन साउथ : जर्नल ऑफ़ पॉलिटिकल इकोनॉमी*. doi:https://doi.org/10.1177/2277976019857192

सिंह, एस. (2020). इक्कीसवीं सदी के एशियाई संदर्भ में भारतीय कृषि व्यवसाय की वैश्विक प्रतिस्पर्धा की जाँच : अवसर और चुनौतियाँ. *मिलेनियल एशिया-एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशियन स्टडीज़*. doi:https://doi.org/10.1177/0976399619879889

सिंगला, सी. (2019). इनबाउंड और आउटबाउंड एम. एवं ए. के पूर्ववृत्त : भारत से उद्योग-स्तरीय विश्लेषण. *प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा*. doi:https://doi.org/10.1007/s11575-019-00398-3

सिन्हा, ए., लू, जेड, मालो, पी., और देब, के. (2020). मल्टीपल मैपिंग के पुनरावृत्ति सन्निकटन पर आधारित द्विस्तरीय अनुकूलन. *जर्नल ऑफ़ हेयूरिस्टिक्स*. doi:https://doi.org/10.1007/s10732-019-09426-9

सिन्हा, ए., वर्की, बी., और मीनाक्षी, एन. (2019). कर्मचारी अनुभव में सुधार के लिए डिजाइन सोच : एक खाद्य प्रौद्योगिकी कंपनी का मामला. *संगठनों में विकास और सीखना*. doi:https://doi.org/10.1108/DLO-11-2018-0154

सोहनी, एस.एस., और वर्की, बी. (2019). ब्रोकर ने भारतीय तकनीकी आप्रवासियों की अनिश्चितता को लागू किया. *औद्योगिक संबंध जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1111/irj.12253

सूद, एम., आर्य, बी., और सहस्रनामम, एस. (2019). उभरते बाजार में स्वामित्व संरचना और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी. *एशिया पैसिफिक मैनेजमेंट जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1007/s10490-019-09649-1

सुगथन, ए., मलघान, डी., चंद्रशेखर, एस., और सिन्हा, डी.के. (2019). डाउनस्ट्रीम विद्युत उपयोगिता पुनर्गठन और अपस्ट्रीम उत्पादन क्षमता : भारतीय कोयला और गैस-आधारित बिजली जनरेटर की उत्पादकता गतिशीलता. *एनर्जी*. doi:https://doi.org/0.1016/j.energy.2019.04.107

टमटम, आर., दत्ता, पी., दत्ता, जी., और लेसमैन, एस. (2019). 2008-2017 की अवधि में डेटा एनवेलपमेंट विश्लेषण का उपयोग करके भारतीय बैंकिंग उद्योग का दक्षता विश्लेषण. *बेंचमार्किंग : एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1108/JGOSS-08-2017-0026

टंडन, ए., कंडाथिल, जी., देवधर, एस., और माथुर, एन. (2019). प्रसूति और स्त्री रोग संबंधी आमना-सामना के इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड : स्वास्थ्य देखभाल के पेशेवर तर्क से परे. *एसीएम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग सीरीज़*. doi:https://doi.org/10.1145/3364183.3364196

तोमर, एन., और विजयलक्ष्मी, ए. (2019). 3जे, अंधेरे के उज्ज्वल पक्ष - सूचना खोज व्यवहार पर परिवेश प्रकाश का प्रभाव. *उपभोक्ता अनुसंधान में उन्नति*. doi:https://www.acrwebsite.org/volumes/2551988/volumes/v47/NA-47

लेहान, डी., और शर्मा, आर. (2020). सामाजिक सी2सी समुदायों पर सदस्यों को लेन-देन करने के लिए क्या प्रेरित करता है? एक सैद्धांतिक व्याख्या. *कंज़ूमर मार्केटिंग जर्नल*. doi:https://doi.org/10.1108/JCM-04-2019-3174

तुम्बे, सी. (2019). कॉर्पस भाषाविज्ञान, समाचार पत्र अभिलेखागार, और ऐतिहासिक अनुसंधान विधियाँ. *जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट हिस्ट्री*. doi:https://doi.org/10.1108/JMH-01-2018-0009

तुरागा, आर.आर., झा-ठाकुर, यू., चक्रवर्ती, एस., और हुसैन, डी. (2019). भारत में 'स्मार्टनिंग' शहरों में शहरी हरित स्थानों की भूमिका की खोज. *प्रभाव आकलन और परियोजना मूल्यांकन*. doi:https://doi.org/10.1080/14615517.2019.1690864

वानसैंड्ट, सी.वी., मिशेल, एम.सी., और सूद, एम. (2019). अमेरिकी एमएनईएस : वैधता की तलाश में जब आप अजीब होते हैं। *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट पॉलिसी एंड प्रैक्टिस*. doi:https://doi.org/10.33423/jmpp.v20i4.2382

वर्मा, जे.आर. (2019). वित्त में ब्लॉकचेन. *विकल्प : द जर्नल फॉर डिसिजन मेकर्स*. doi:https://doi.org/10.1177/0256090919839897

वेंकटेशन, पी., स्ज़मेरेकोवस्की, जे., और वैराकार्तकिस, जी. (2019). बहु-मशीन पूर्वता-विवश शेड्यूलिंग समस्या का एक अद्यतन स्पष्ट दृष्टिकोण. *संचालन अनुसंधान के इतिहास*. doi:https://doi.org/10.1007/s10479-019-03212-3

वासडॉर्प, टी.ई., जॉनसन, एस.एल., शुक्ला, के.डी., और ब्रैडशॉ, सी. (2019). स्कूल के माहौल का मापन : माध्यमिक और उच्चतर स्कूल के छात्रों के बीच का अंतर. *बच्चे और स्कूल*. doi:https://doi.org/10.1093/cs/cdz026

परिशिष्ट जारी

अ

पुस्तकों में अध्याय

बर्लिंगिएरी, ए., और डी'क्रूज़, पी. (2019). मानवीय अधिकारों से वंचित करने वाली बदमाशी : समकालीन कार्यस्थल पर उभरती हुई चिंता। एन.ई. डी'क्रूज़ पी. (संपादन) की *अवधारणा, दृष्टिकोण और तरीके। कार्यस्थल बदमाशी, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न* (भाग-1) की हस्तपुस्तिका में। सिंगापुर: स्प्रिंगर।

डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2019). प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था में भारतीय फ्रीलांसर : संभावनाएँ और समस्याएं। के. श्याम सुंदर (संपादन), *वैश्वीकरण, श्रम बाजार संस्थानों,* भारत में *प्रक्रियाएँ और नीतियाँ* । सिंगापुर : पालग्रेव मैकमिलन।

डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2019). कार्यस्थल बदमाशी की किस्में का मापन : क्षेत्र का दायरा। पी. डी'क्रूज़, ई. नोरोन्हा, जी. नोटेलर्स, और सी. रेनर (संपादन) की *अवधारणा, दृष्टिकोण और तरीके। कार्यस्थल बदमाशी, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न* हस्तपुस्तिका में। सिंगापुर : स्प्रिंगर।

डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2019). रोबोटाइजेशन के संदर्भ में कार्यस्थल बदमाशी : इस क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए। पी. डी'क्रूज़, ई. नोरोन्हा, जी. नोटेलर्स, और सी. रेनर (संपादन) के *कार्यस्थल बदमाशी, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न* (खंड 1) की हस्तपुस्तिका में। सिंगापुर : स्प्रिंगर।

देवधर, एस. (2020). मेक इन इंडिया : सफलता की कहानियाँ, सीखे हुए सबक। यू. कपिला (संपादन) के *भारतीय अर्थव्यवस्था : बड़ी मंदी ?* दिल्ली : एकेडेमिक फाउंडेशन में।

मॉरिस, एस. (2019). इंडिया टुडे में निजी अवसंरचना में वित्तपोषण की समस्या। आर. कथूरिया, और पी. कुकरेजा (संपादन) के *जी20 के 20 साल - वैश्विक सहयोग से सर्वसम्मति के निर्माण तक* में। सिंगापुर : स्प्रिंगर।

नोरोन्हा, ई. (2019). जाति और कार्यस्थल बदमाशी : एक लगातार और व्यापक घटना। पी. डी'क्रूज़, ई. नोरोन्हा, सी. कैपोनकेशिया, जे. एस्कार्टिन, डी. सेलिन एम., तथा एम.आर. टकेयिल्ला (संपादन) के *कार्यस्थल पर गरिमा एवं समावेशन* में। सिंगापुर : स्प्रिंगर।

नोरोन्हा, ई., और डी'क्रूज़, पी. (2019). *भारत में सामूहिक श्रमिक संघर्षों में मध्यस्थता और सुलह*। एम. यूवेमा, एफ़ मदीना, ए. गार्सिया, और ई. पेंदेर (संपादन) के *सामूहिक श्रमिक संघर्ष में मध्यस्थता* में। चाम : स्प्रिंगर।

नोरोन्हा, ई., और डी'क्रूज़, पी. (2019). *संगठन लाभ : भारत में टेलीवर्क का अनुभव*। जे. मैसेंजर (संपादन) के *21वीं सदी में टेलीवर्क* में। एडवर्ड एल्गर।

पेलेग्रिनी, पी., टोल्फ़ो, एस., अज़ेवेदो, एस., और डी'क्रूज़, पी. (2019). महत्वपूर्ण अन्य और कार्यस्थल बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न के बीच अंतराफलक। पी. डी'क्रूज़, ई. नोरोन्हा, ई. बेलियन, बी. कैटले, के. हार्लोस, ए. हॉग, और ई. मिकेलसेन, के *कार्यस्थल बदमाशी, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न* (खंड 2) - *नौकरी से संबंधित नकारात्मक व्यवहार के रास्ते* हस्तपुस्तिका में। सिंगपोर : स्प्रिंगर।

राम मोहन, टी. (2019). आई.एल. एवं एफ़.एस. (अवसंरचना भाड़ापट्टे एवं वित्तीय सेवाएँ) एक परिहार्य संकट था। यू. कपिला के *भारत में आर्थिक विकास,* खंड 245।

राम मोहन, टी. (2019). *हम पीएसबी (सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों) के साथ क्या करते हैं?* यू. कपिला, और यू. कपिला (संपादन) के, *भारतीय अर्थव्यवस्था - बड़ी मंदी? अकादमिक फाउंडेशन : अकादमिक फाउंडेशन* में।

राम मोहन, टी., और रंगराजन, सी. (2019). भारत के बैंकिंग संकट को हल करना। यू. कपिला (संपादन) के, *भारत में आर्थिक विकास* में। नई दिल्ली : अकादमिक फाउंडेशन।

सेनगुप्ता, ए., और चक्रवर्ती, ए. (2019). यूरोपीय संघ का प्रवासन नेटवर्क : भाषाई घर्षणों के प्रभाव को कम करना। एफ़. ऑर्बेल, बी. चक्रवर्ती, ए. चक्रवर्ती, एन. देव, और के. शर्मा (संपादन) के *नए परिप्रेक्ष्य और इकोनोफिज़िक्स में चुनौतियाँ* में। स्विट्जरलैंड : स्प्रिंगर।

शर्मा, के., चक्रवर्ती, ए., और चक्रवर्ती, ए. (2019). बहुस्तरीय नेटवर्क संरचना : वित्तीय और व्यापक आर्थिक गतिशीलता के बीच संबंध। एफ़. ऑर्बेल, बी. चक्रवर्ती, ए. चक्रवर्ती, एन. देव, और के. शर्मा (संपादन) के *नए परिप्रेक्ष्य और इकोनोफिज़िक्स में चुनौतियाँ* में। स्विट्जरलैंड : स्प्रिंगर।

सिंह, एस. (2019). समावेशी कृषि विकास के लिए संस्थागत नवाचार, भारत में फ्रैंचाइज़ी का एक केस, आई रूटलेज, लंदन, 2020 । एल. सिंह, और ए. गिल (संपादन) के *एशिया में कृषि नवाचार प्रणाली - समावेशी ग्रामीण विकास की ओर* में। लंदन : रूटलेज।

सिंह, एस., और गुप्ता, वी. (2019). भारत में संगठनात्मक प्रदर्शन अनुसंधान : एक समीक्षा और भविष्य अनुसंधान एजेंडा। एम. मिश्रा (संपादन) के *मनोविज्ञान का संगठन* में। नई दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

परिशिष्ट जारी

अ

तुम्बे, सी., और वर्तक, के. (2020). प्रवास और जाति। एस. इरुदया राजन, और एम. सुमिता (संपादन) के *भारत में आंतरिक प्रवासन की हस्तपुस्तिका* में। सेज ।

वोहरा, एन., नायर, एन., और शील, आर. (2019). खराबी, संगठनात्मक निंदक, अलगाव : नकारात्मक कार्यस्थल दृष्टिकोण, व्यवहार और अनुभूति की समीक्षा। जी. मिश्रा के *मनोविज्ञान वॉल्यूम 1-5 आईसीएसएसआर अनुसंधान सर्वेक्षण और अन्वेषण* में। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अग्रवाल, एम. (9-13 अगस्त, 2019). *प्लेटफार्मों की लागत और लाभ : अमेजन इंक का अध्ययन* । प्रबंधन अकादमी, बोस्टन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अली, एस., और माथुर, ए.एन. (फरवरी 17-19, 2020). *पुनः अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रक्रियाओं को समझना* । अनज़ीबा 2020 सम्मेलन, सिडनी में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

आरिफ़, ए. (2-4 जनवरी, 2020). *खानाबदोशों के बीच मातृ स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग को प्रभावित करने वाले कारक* । भारतीय प्रबंधन अकादमी के छठे द्विवार्षिक सम्मेलन (आईएनडीएएम 2020), तिरुचिरापल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

अरोड़ा, एच., और गुप्ता, वी. (2-4 जनवरी, 2020). *अपराध उन्मुखता : प्रतिबद्धता और रणनीतियों का मुकाबला करते हुए अनेक केंद्रबिंदु को प्राथमिकता देना* । भारतीय प्रबंधन अकादमी के छठे द्विवार्षिक सम्मेलन (आईएनडीएएम 2020), तिरुचिरापल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

अरोड़ा, एच., भयना, सी., सूद, एस., और वोहरा, एन. (12-14 दिसंबर, 2019). *एक उच्च प्रदर्शन कार्य प्रणाली (एचपीडब्ल्यूएस) की गतिशीलता की खोज : भारत की एक दवा कंपनी का केस अध्ययन* । ट्रांसेंडेंस (उत्कृष्टता) 2019 (तीसरा अंतर्राष्ट्रीय ओडी (संगठन विकास) सम्मेलन), टीआईएसएस, मुंबई में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

अवस्थी, के., गोपकुमार, के.वी., और ओझा, ए. (9-13 अगस्त, 2019). *संस्थागत परिवर्तन विफल क्यों होते हैं? भारत में संस्थागत लोच और पेट्रोलियम क्षेत्र में सुधार* । प्रबंधन अकादमी की बैठक, बोस्टन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

बंदे, एम.यू., चक्रवर्ती, एस., डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (24-26 अप्रैल, 2019). *जीपीएन (वैश्विक उत्पादन नेटवर्क) के दूर के छोर पर : पश्चिमी भारत में संकर कपास के उत्पादन में बाल श्रमिक* । 37वें अंतर्राष्ट्रीय श्रम प्रक्रिया सम्मेलन, वियना में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

बंसल, वी., और रॉय, डी. (15-18 दिसंबर, 2019). *बहुस्तरीय आदेशों के साथ एकीकृत भंडारण-ऑर्डर पिकिंग सिस्टम के लिए प्रसंभाव्य मॉडल।* भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

बंसल, वी., और रॉय, डी. (20-23 अक्टूबर, 2019). *बहुस्तरीय आदेशों के साथ एकीकृत भंडारण-ऑर्डर पिकिंग सिस्टम के लिए प्रसंभाव्य मॉडल* । इनफॉर्म्स- आईएनएफ़ओआरएमएस की वार्षिक बैठक, सिएटल में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

भद्रा, डी. (18-23 अगस्त, 2019). *छोटे क्षेत्रों के लिए औसत घरेलू आय का अनुमान : एक बायेसियन अर्धवृत्ताकार दृष्टिकोण* । अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संघ - विश्व सांख्यिकी कांग्रेस (आईएसआई-डब्ल्यूएससी), कुआलालंपुर में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

भट्टाचार्य, पी., और रामपाल, जे. (10-13 दिसंबर, 2019). *समूह के भीतर और बीच में प्रतियोगिताएँ* । विंटर स्कूल सम्मेलन, दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

भट्टाचार्य, पी., और रामपाल, जे. (27-28 जून, 2019). *समूह के भीतर और बीच में प्रतियोगिताएँ।* प्रतियोगिताएँ : सिद्धांत और साक्ष्य पर पूर्व एंग्लिया विश्वविद्यालय, नॉर्विच में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

भयना, सी., और वोहरा, एन. (2-4 जनवरी, 2020). *मैं जो करता हूँ वही मैं हूँ : भारत में फ्रीलांसरों के अनुभवों की खोज* । भारतीय प्रबंधन अकादमी, तिरुचिरापल्ली (आईएनडीएएम 2020) के छठे द्विवार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

भयना, सी., गुप्ता, वी., और शारदा, के. (2-4 जनवरी, 2020). *मिलेनियल्स के साथ बहुआयामी टीमों के भीतर गतिशीलता की खोज : एक शोध ढाँचा* । भारतीय प्रबंधन अकादमी (आईएनडीएएम 2020) के छठे द्विवार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया शोध पत्र, तिरुचिरापल्ली।

बोस, जी., जैन, टी., और वाकर, एस. (18-20 दिसंबर, 2019). *महिलाओं के श्रम बल की भागीदारी और घरेलू प्रौद्योगिकी को अपनाना* । आर्थिक वृद्धि और विकास, आईएसआई, नई दिल्ली में 15वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया शोध पत्र।

परिशिष्ट जारी

अ

चक्रवर्ती, डी. (मार्च 2020). लिंगभेद, शत्रुतापूर्ण काम का माहौल, और कपटी घटना। वार्षिक एनएआरएसटी बैठक, पोर्टलैंड के लिए शोध पत्र स्वीकार किया गया। (कोविड 19 के कारण सम्मेलन रद्द किया गया)।

चक्रवर्ती, डी., और जेफ़े, डी.बी. (5-9 अप्रैल, 2019). *सर्वेक्षण में विस्तृत जवाब वाले प्रश्न कठोर गुणात्मक अनुसंधान डिजाइन में कैसे सहायता कर सकते हैं* । यह शोध पत्र वार्षिक एईआरए बैठक, टोरंटो में प्रस्तुत किया गया।

चांग, एस., चक्रवर्ती, डी., एंडरसन, सी., ली, एच.वाई., और येट्स, एम. (मार्च 2020). *जैव-चिकित्सकीय और स्वभाव-संबंधी अनुसंधान कार्यबल में विविधता लाने के लिए कार्रवाई में अनुसंधान : बहुरूपी घटना (आईपी) का संयोजन : विविध ग्रीष्मकालीन शोध छात्रों के लिए एक कार्यशाला का प्रारंभिक गुणात्मक मूल्यांकन* । विज्ञान करियर में भागीदारी को व्यापक बनाने वाले हस्तक्षेपों को समझना जिसकी विज्ञान करियर में व्यापक भागीदारी है विषय पर सेंट एंटोनियो के 12वें सम्मेलन में शोध पत्र स्वीकार किया गया। (कोविड 19 के कारण सम्मेलन रद्द किया गया)।

डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (8-10 जुलाई, 2019). *वैश्वीकरण के तनाव : नीदरलैंड में भारतीय आईटी फर्मों का कार्य करना* । छठवें नियमन कार्य सम्मेलन, आईएलओ, जिनेवा में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (27-29 मार्च, 2019). *भारतीय आईटी उद्योग : एक जीपीएन (वैश्विक उत्पादन नेटवर्क) परिप्रेक्ष्य* । बर्लिन में आयोजित 14वें वैश्विक श्रम विश्वविद्यालय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

दीप प्रकाश, सी., और वेइचल, एन. (15-18 दिसंबर, 2019). *डीईईपी-एनआईएक्स (नियो इंटीग्रेटेड एक्स) मॉडल : पूर्वाग्रह सुधार के साथ निर्णय-स्तंभ को भविष्य अंतराल के लिए 2-आयामी प्रतिगमन के माध्यम से मान्य किया गया।* भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

देवधर, एस.वाई., और डेका, सी. (22 दिसंबर, 2019). *आस्था और ज़ी चैनल के बीच, एक मौसम चैनल के लिए लापता बाजार का रहस्य* । अर्थशास्त्र और व्यवसाय के मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सूरत में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

देशमुख, के.एस. चंद, वी.एस., शुक्ला, के.डी., और लाहा, ए.के. (7-10 जनवरी, 2020). *एक ऑनलाइन व्यवसायी विकास कार्यक्रम में प्रतिभागियों के जुड़ाव का पैटर्न : मिश्रण मॉडलिंग का एक अनुप्रयोग* । प्रणाली विज्ञान पर 53वें हवाई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, माउ में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

देव, पी., और रामपाल, जे. (28 जून - 2 जुलाई, 2019). *कठोर अपराधों के लिए सामाजिक दंड और अंडर रिपोर्टिंग* । पश्चिमी आर्थिक संघ अंतरराष्ट्रीय (डब्ल्यूईएआई), सैन फ्रांसिस्को के 94वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

देव, पी., और रामपाल, जे. (28-29 जनवरी, 2020). *यौन हिंसा : गलत रिपोर्ट और अंडर रिपोर्टिंग के पीछे की सच्चाई का पता लगाना* । सार्वजनिक वित्त एवं नीति प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र (सीटीआरपीएफ़पी), कोलकाता द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

धार, डी., जैन, टी., और जयचंद्रन, एस. (12-13 दिसंबर, 2019). *लिंग व्यवहार को नया रूप देना : भारत में एक स्कूल-आधारित प्रयोग से साक्ष्य* । मेलबोर्न के यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण पर सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

डोंगरे, ए., सिंघल, के., और दास, यू. (9-11 दिसंबर, 2019). *भारतीय शिक्षा में महिलाएं : अर्थशास्त्र अनुशासन से साक्ष्य* । 10वें अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन, जाकिर हुसैन शैक्षणिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया

दत्ता, जी. (15-18 दिसंबर, 2019). *ट्यूटोरियल - प्रसंभाव्य प्रोग्रामिंग का परिचय।* भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

दत्ता, जी., मित्रा, के., नटेसन, एस.आर. (15-18 दिसंबर, 2019). *ट्यूटोरियल - एएमपीएल का परिचय और एएमपीएल के साथ स्टोकेस्टिक प्रोग्रामिंग* । भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

फ़रहीन, एफ़., माखिचा, यू., और वर्की, बी. (9-13 अगस्त, 2019). *भलाई या कामकाजवादी - नए कार्य व्यवहारों में कर्मचारी जुड़ाव पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण।* प्रबंधन अकादमी की बैठक, बोस्टन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी. (23-24 अप्रैल, 2019). *बागवानी व्यवसाय क्लस्टर / मूल्य श्रृंखला विकास कार्यक्रम के लिए संस्था निर्माण* । राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मैंगो / केला / अनार क्लस्टर विकास पर राष्ट्रीय स्तर के हितधारकों के परामर्श में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

अ

गाँधी, वी.पी. (28 जून - 2 जुलाई, 2019). *पूर्वी भारत में नए संस्थागत अर्थशास्त्र और सिंचाई प्रदर्शन : भागीदारी सिंचाई प्रबंधन संस्थानों का अध्ययन* । पश्चिमी आर्थिक संघ अंतरराष्ट्रीय (डब्ल्यूईएआई) के सैन फ्रांसिस्को के 94वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी. (15-17 फरवरी, 2020). *जनसंख्या वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, पोषण संबंधी आवश्यकताओं और भारतीय जनसंख्या की खाद्य आदतों की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय कृषि की नई प्रवृत्तियाँ और भविष्य की संभावनाएँ* । भारतीय बीज कांग्रेस 2020, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी. (6 मार्च, 2020). *स्थायी कृषि के संस्थागत पहलू* । स्थायी कृषि, आईसीएआर लेक्चर हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण।

गुप्ता, वी., और गोपकुमार, के.वी. (4-6 जुलाई, 2019). *संगठनात्मक विकास के साथ मिशन में बदलाव : भारतीय गैर-लाभकारी संगठन का मामला* । 35वें ईजीओएस कोलोक्वियम 2019, एडिनबर्ग में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

किशोर, वी., और शुक्ला, ए. (26-27 मार्च, 2019). *जैविक बुद्धिजीवियों के रूप में क्राफ्टिंग प्रबंधक - आईआईएम अहमदाबाद में वैकल्पिक शैक्षणिक प्रथाओं की समीक्षा* । समावेशी शिक्षाशास्त्र : भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण और शिक्षण अभ्यास, अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

कुलकर्णी, वी., शर्मा, सुप्रिया, और चंदवानी, आर. (9-13 अगस्त, 2019). *अनौपचारिक अपशिष्ट बीनने वालों की कार्य प्रथा को बदलना : भारतीय उद्यम का एक केस अध्ययन।* प्रबंधन अकादमी सम्मेलन, बोस्टन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

कुमावत, जी.एल., रॉय, डी., और पैपियर, एफ़ (15-18 दिसंबर, 2019). *गँवाई हुई बिक्री और सेवा पर निर्भर मांग के तहत गतिशील क्षमता आवंटन* । भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

कुमावत, जी.एल., रॉय, डी., और पैपियर, एफ़. (20-23 अक्टूबर, 2019). *गँवाई हुई बिक्री और सेवा पर निर्भर मांग के तहत गतिशील क्षमता आवंटन* । इनफोर्मस की वार्षिक बैठक, सिएटल में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

कुंबरजरी, ए., मंडल, एस., और खमितोव, एम. (14-16 फरवरी, 2020). *हे ईश्वर! क्या तू उस पाप को क्षमा करेगा? - ब्रांड परिवर्तन के लिए उपभोक्ता प्रतिक्रियाओं पर ब्रांड विरासत का प्रभाव* । एएमए शीतकालीन सम्मेलन 2020, सैन डिएगो में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

ली, एच.वाई., येट्स, एम., चक्रवर्ती, डी., एंडरसन, सी., और चांग, एस. (मार्च 2020). *जैवचिकित्सकीय तथा व्यवहारिक अनुसंधान कार्यबल में विविधता लाने के लिए कार्रवाई में अनुसंधान : प्रशिक्षुओं के आईपी भावनाओं को संबोधित करने और उनकी विकास मानसिकता में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किए गए एक ग्रीष्मकालीन अनुसंधान कार्यक्रम के प्रभाव* । विज्ञान सम्मेलन, शिकागो में व्यापक भागीदारी हस्तक्षेप की समझ पर 12वें सम्मेलन के लिए शोध पत्र स्वीकार किया गया। (कोविड 19 महामारी के कारण सम्मेलन रद्द किया गया)।

लेवेस्क, एम., चक्रवर्ती, डी., क्यूई, जे., और ओ'कैरोल, सी. (5-6 सितंबर, 2019). *वैश्वीकरण के युग में क्षमता निर्माण* । बलों और डॉक्टरेट शिक्षा के रूपों, हनोवर में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

मंकोडी, टी. (30-31 जनवरी, 2020). *कार्यस्थल की गतिशीलता के लेंस के माध्यम से नेतृत्व की भूमिका की जाँच करना* । 7वें अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन सम्मेलन, के.जे. सोमैया प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान, मुंबई में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

मेसन, एच.आर., मिसेली, एम., शर्मा, टी., चक्रवर्ती, डी., रूइज़, सी., ली, आर., केलर, आर., एंटोनिकोव्स्की, ए., स्टेला, ए., एग्गन, बी., और व्हिपल, के. (मार्च 2020). *मेडिकल स्कूल में पहली पीढ़ी के कॉलेज के पूर्व-मेडिकल ग्रेड और उनके निरंतर पीढ़ी साथियों के अनुभव।* 2020 एएएमसी जीएसए – सीआईएम-ओएसआर व्यावसायिक विकास सम्मेलन, शिकागो के लिए शोध पत्र स्वीकार किया गया। (कोविड 19 महामारी के कारण सम्मेलन रद्द किया गया)।

माथुर, ए.एन. (13-15 दिसंबर, 2019). *संगठनात्मक विषाक्तता के खिलाफ मुकाबला करने और बचाव करने के संघर्ष* । अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर एक भ्रमित विश्व व्यवस्था पर 45वें वार्षिक ईआईबीए सम्मेलन, लीड्स में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, ए.एन. (7-10 दिसंबर, 2019). *गुजरात के ग्रामीण श्रम बाजारों की महिला कारीगर* । 61वें भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसाइटी सम्मेलन, पटियाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, ए.एन. (24 - 30 जून, 2019). *चिपचिपी ध्रुवीयताओं में संस्थागत विषाक्तता : दक्षिण एशिया में भुरभुरा पहचान के बेअदब इंटर-जेनेरिक अवशेष* । ध्रुवों पर परिप्रेक्ष्य : सतह के नीचे सोच पर 36वें आईएसपीएसओ वार्षिक सम्मेलन, न्यूयॉर्क में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

अ

माथुर, ए.एन. (8-9 नवंबर, 2019). *आशा की क्षितिज और निराशा की गहराई।* आईएसएबीएस अनुप्रयुक्त व्यवहार विज्ञान शिखर सम्मेलन 2019, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, ए.एन. (16-17 नवंबर, 2019). *सद्भाव संवेदी मैट्रिक्स की खोज : जब एक नेत्रहीन वास्तुकार से मिलने के लिए नाविक ने एक नींद में ख्वाब देखने वाले को पार कराया।* प्रवाह 2019 : पुलिन गर्ग, बेंगलुरु की स्मृति में राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, ए.एन. (10-12 फरवरी, 2020). *कौन पारंपरिक ज्ञान का मालिक है?* अफ्रीका को समझना : निरंतरता और परिवर्तन पर आईआईसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, ए.एन. (17-19 फरवरी, 2020). *विदेशों में भारतीय निवेश की विफलताओं से सीखना : जादुई स्पर्श या भस्मासुर का अभिशाप?* एएनज़ेडआईबीए 2020 सम्मेलन, सिडनी में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, ए.एन. (5-6 मार्च, 2020). *अनियमित कॉर्पोरेट कदाचार और सीमित कॉरपोरेट देयता : जब ये दो किनारे मिल ही नहीं सकते तब प्रतिस्पर्धा विनियमन का भविष्य क्या है?* प्रतियोगिता कानून का अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, एन. (26-28 जून, 2019). *सत्य युग के बाद में शासन : कल्पना और शहरी नीति के परिदृश्यों पर पुनर्विचार* । सार्वजनिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मॉन्ट्रियल में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

माथुर, एन. (29-31 जनवरी, 2020). *जलविद्युत के रूप में सत्य युग के बाद का शासन : असंबद्ध संघर्ष और भारत के जल क्षेत्र में सामाजिक आंदोलन* । पर्यावरणीय शासन : नीति प्रवचन, प्रचलित व्यवहार और सार्वजनिक भागीदारी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सिंगापुर में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

मित्रा, के., और दत्ता, जी. (15-18 दिसंबर, 2019). *खुदरा बिजली के लिए गतिशील मूल्य निर्धारण लागू करने की क्षमता : बाजार सर्वेक्षण के आधार पर डेटा विश्लेषण* । भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

नारायणन, पी., भार्गव, पी., और अरुणा दिव्या, टी. (28-31 मई, 2019). *हारने के बाद भी क्या आप दान देंगे? समर्थक-सामाजिक व्यवहार पर संसाधन की कमी का प्रभाव* । 48वें ईएमएसी वार्षिक सम्मेलन, हैम्बर्ग में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

नटेसन, एस.आर., और दत्ता, जी. (15-18 दिसंबर, 2019). *कई अतिव्यापी प्रतिस्पर्धी बोलियों के साथ अनुकूलित मूल्य निर्धारण का अनुकूलन* । भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

निगुड़कर, एस., और जायसवाल, एस. (5-7 जून, 2019). *अंतरविरोध के जोखिम के तहत अनपेक्षित पी-मेडियन सुविधा स्थान की समस्या* । लोकेशनल एनालिसिस पर यूरो वर्किंग ग्रुप, ब्रुसेल्स में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

नोरोन्हा, ई., और डी'क्रूज़, पी. (20-22 जून, 2019). *कामगारों के प्रतिरोध को समझना : अहमदाबाद में ईंट भट्ठा श्रमिकों का अनुभव।* अंतरराष्ट्रीय दृश्य समाजशास्त्र संघ सम्मेलन, साराटोगा स्प्रिंग्स, न्यूयॉर्क में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

नोरोन्हा, ई., डी'क्रूज़, पी., चक्रवर्ती, एस., और बंदे, एम.यू. (16 सितंबर, 2019). *वैश्विक बीटी कपास बीज उत्पादन नेटवर्क में बाल श्रमिकों का दुरुपयोग : भारत से एक अध्ययन* । आधुनिक गुलामी परिसंवाद, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय, पर्थ में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

नोरोन्हा, ई. (17-18 जुलाई, 2019). काम का भविष्य : माइक्रोसॉफ़्ट अनुसंधान संकाय शिखर सम्मेलन 2019, सिएटल।

परमेश्वरन, एस. (11-14 अक्टूबर, 2019). *स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक विकास के बीच कड़ियों के माध्यम से भारत में सतत विकास के रास्तों की खोज : एक पैनल सह-एकीकरण ढांचे से साक्ष्य* । मिशिगन में स्थिरता और विकास सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

पतंगे, ओ.एस. (15-18 दिसंबर, 2019). *एक स्थानीय स्तर पर कार्बन कैप्चर और स्टोरेज (बीईसीसीएस) के साथ बायोएनेर्जी की जलवायु शमन क्षमता का अध्ययन करने के लिए एक अनुकूलन मॉडल* । भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद के 52वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

पेक, जे., और रामपाल, जे. (18-20 दिसंबर, 2019). *माँग अनिश्चितता के साथ इष्टतम एकाधिकार तंत्र* । आर्थिक वृद्धि और विकास, आईएसआई दिल्ली के 15वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

राम मोहन, एम.पी. (6-7 मार्च, 2019). *परमाणु ऊर्जा और भारतीय समाज* । कानून, सोसाइटी, और विकास, बैंगलोर के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

अ

राम मोहन, एम.पी. (5-8 मई, 2019). *व्यापार जोखिम के रूप में कानून : भारत के परमाणु दायित्व अधिनियम 2010 का मामला* । एसआरए पाँचवें विश्व कांग्रेस में जोखिम पर दक्षिण अफ्रीका में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रामा, जे., और शर्मा, आर., और कुणाल (9-12 जुलाई, 2019). *सतत पर्यटन विकास : सामाजिक मूल्य या सामाजिक खतरा?* एएमएस विश्व विपणन काँग्रेस, 2019 एडिनबर्ग में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

रामपाल, जे. (13-14 जुलाई, 2019). *विपक्ष की दूरदर्शिता और इष्टतम विकल्प* । एसईआरआई सम्मेलन, आईआईटी कानपुर में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

सेखरी, एस., और त्रिपाठी, एस. (7-8 फरवरी, 2020). *विशलिस्ट या कार्ट : ऑनलाइन ज्वैलरी रिटेल में उपभोक्ता की धारणा* । गोल्ड और गोल्ड मार्केट, नई दिल्ली में आईआईएमए-आईजीपीसी सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

शाह, ए., गर्ग, ए., और मिश्रा, वी. (11-14 अक्टूबर, 2019). *शहरी हरित स्थानों के स्थानीय शीतलन प्रभाव की मात्रा निर्धारित करना* । मिशिगन में स्थिरता और विकास सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

शर्मा, जी., और जायसवाल, ए.के. (2-4 दिसंबर, 2019). *हाइब्रिड बिजनेस मॉडल में तनाव* । ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड विपणन अकादमी, एएनज़ेडएमएसी 2019, न्यूजीलैंड में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

शुक्ला, के.डी. (7-8 फरवरी, 2020). *हाई स्कूल के छात्रों का जुड़ाव और सुरक्षा धारणाओं पर स्कूल की जलवायु का प्रभाव* । वडोदरा में शैक्षिक प्रबंधन में अंतःविषय अनुसंधान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

सिंह, जी.के. (23-25 जनवरी, 2020). *घरेलू मुद्रास्फीति की उम्मीदों में असहमति : मीडिया जानकारी के माध्यम से एक अनुमान* । अर्थशास्त्र में ग्यारहवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पोर्टो में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

सिंह, जी.के. (8-10 जनवरी, 2020). *भारत में घरेलू मुद्रास्फीति की उम्मीदों के अलग-अलग समय को देखते हुए* । 30वें ईबीईएस सम्मेलन, कुआलालंपुर में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

सिंह, पी., डिसूज़ा, ई. (17-19 जून, 2019). *भारतीय राज्यों में संस्थागत अभिसरण* । विकास अर्थशास्त्र सम्मेलन, लिंकन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

सिंह, पी., डिसूज़ा, ई. (19-22 सितंबर, 2019). *भारतीय राज्यों में संस्थागत अभिसरण* । समावेशी विकास के लिए संस्थान पर डब्ल्यूआईएनआईआर सम्मेलन, स्वीडन के लुंद विश्वविद्यालय में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

सिंह, पी., डिसूज़ा, ई. (11-14 अक्टूबर, 2019). *भारतीय राज्यों में राज्य क्षमता, जवाबदेही और आर्थिक विकास* । मिशिगन में स्थिरता और विकास सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

टंडन, आयुषी, (13-14 सितंबर, 2019). *अकादमिक और व्यवहार में सांख्यिकीय विश्लेषण (एआई, एमएल, डीप लर्निंग) में डेटा फीडिंग की रिकॉर्डिंग को समझना - महिलाओं के स्वास्थ्य डेटा के केस को लेकर* । आईटी के साथ स्वास्थ्य देखभाल परिवर्तन पर हैदराबाद में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

टंडन, आयुषी, कंडाथिल, जी., देवधर, एस., और माथुर, एन. (1-3 नवंबर, 2019). *प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान में आमना-सामना के इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड : स्वास्थ्य देखभाल के व्यावसायिक तर्क से परे* । आईएसबी हैदराबाद में मानव-कंप्यूटर संपर्क पर भारतीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

टंडन, आयुषी, देवधर, एस., टंडन, आभास, और त्रिपाठी, ए. (27-28 दिसंबर, 2019). *ई-लर्निंग प्लेटफार्मों में सामग्री-आधारित उपयोगकर्ता सहभागिता को समझना : यादृच्छिक क्षेत्र प्रयोगों से साक्ष्य* । डिजिटल अर्थव्यवस्था, आईएसबी हैदराबाद के सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

तुम्बे, सी. (1 फरवरी, 2020). *भारत में प्रवास* । अशोक विश्वविद्यालय सम्मेलन, सोनीपत में 'निरुपनिवेशवाद की सीमाएँ-लिमिट्स ऑफ डिकोलोनाइजेशन' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

तुम्बे, सी. (12 फरवरी, 2020). *भारत में प्रवास* । आईआईएफ़एल उद्यमी भारत ग्यारहवाँ सम्मेलन, मुंबई में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

वर्मा, पी. (2-4 अप्रैल, 2019). *भारत में चावल की गहनता की प्रणाली और इसके लिंग निहितार्थ के कई पैकेजों को अपनाने को समझना* । कैनबरा विश्वविद्यालय, कैनबरा में परिवर्तन के मूल सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

वर्मा, पी. (10-14 नवंबर, 2019). *भारत में दलहन उत्पादक किसानों के बीच न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति (एमएसपी) की जानकारी और उपयोग* । चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया, नानजिंग कृषि विश्वविद्यालय, नानजिंग से बाजार एकता सबक और अनुभव में छोटे-धारक कृषिखेत में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

अ

वर्मा, पी., जॉन, जे., और भट्ट, ए. (21-23 जुलाई, 2019). *भारत में दालों के उत्पादन पर न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का प्रभाव* । कृषि और एप्लाइड अर्थशास्त्र एसोसिएशन सम्मेलन, अटलांटा में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

वोहरा, एन., और शर्मा, सुप्रिया (9-11 जनवरी, 2020). *व्यवसाय की जीवंत कार्रवाई का अनुभव करना : उद्यमिता में एक पाठ्यक्रम पर विचार* । उद्यमिता और पारिवारिक व्यवसाय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंबई में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

यादव, वी. (7-8 फरवरी, 2020). *मिश्रित फ़्रीक्वेंसी मॉडल का उपयोग करके भारत में कम स्वर्ण स्थान की कीमतों का पूर्वानुमान* । आईआईएमए-आईजीपीसी के सम्मेलन स्वर्ण और स्वर्ण मार्केट, आईएचसी, नई दिल्ली में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

2019-20 के दौरान संस्थान में आयोजित अनुसंधान संगोष्ठियाँ

क्रमांक	संकाय का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक	विषय-क्षेत्र / केंद्र
1.	डॉ. उर्जनी चक्रवर्ती, आईआईएम इंदौर	सहस्राब्दी यात्रा कथाओं के माध्यम से यूट्यूब का घरेलूकरण	2 अप्रैल, 2019	संचार
2.	डॉ. अनूप अपरेम ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय	मल्टीपल स्टॉपिंग टाइम पीओएमडीपीएस : सोशल मीडिया पर संवादात्मक विज्ञापन में संरचनात्मक परिणाम और अनुप्रयोग।	2 अप्रैल, 2019	आईएस
3.	प्रोफ़ेसर जिया वदूद लीड्स विश्वविद्यालय	मदद या बाधा? पूरी तरह से स्वचालित वाहनों के निहितार्थ	30 मई, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
4.	प्रोफ़ेसर देवव्रत दास एनआईटीआईई	उत्पाद विनिमय प्रस्ताव की उपस्थिति में प्रयुक्त उत्पादों की मॉडलिंग वापसी : उपभोक्ताओं के सापेक्ष और संदर्भ सोच का पारस्परिक प्रभाव	10 जून, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
5.	प्रोफ़ेसर आलोक राज एक्सएलआरआई जमशेदपुर	गेम थ्योरी का उपयोग करके टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला के लिए डिज़ाइनिंग आपूर्ति अनुबंध	11 जून, 2019	पी. एवं क्यू.एम.
6.	प्रोफ़ेसर प्रशांत दास ईएचएल लॉज़ेन में वित्त और अर्थशास्त्र (आरईएफ़ई) संस्थान	वाणिज्यिक अचल संपत्ति की कीमतों में स्थानिक निर्भरता की समय-भिन्न प्रकृति : एक व्यवहारिक व्याख्या	13 जून, 2019	वित्त एवं लेखा
7.	श्री इलापुल्ली वासुदेवन डॉक्टरेट के प्रत्याशी आल्टो यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बिजनेस, फिनलैंड	कुछ लाभ दूसरों की तुलना में जोखिम भरे हैं : अस्थिरता परिवर्तन, विश्वास का पुनरावर्तन और मनोवृत्ति का प्रभाव	18 जून, 2019	वित्त एवं लेखा
8.	श्री अनिर्बन बैनर्जी डॉक्टरेट प्रत्याशी आईआईएम कलकत्ता	ऑर्डर असंतुलन के माध्यम से स्पॉट और वायदा बाजार के बीच सूचना प्रवाह का एक निरीक्षण	19 जून, 2019	वित्त एवं लेखा
9.	प्रोफ़ेसर रामानाथन सुब्रमण्यम आईआईएम अहमदाबाद और आईआईएम उदयपुर	पुनःचमकयुक्त माल की कीमत और गुणवत्ता की पसंद की जाँच	27 जून, 2019	विपणन
10.	श्री अविनाश गेड़ा डॉक्टरेट प्रत्याशी फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	ऑनलाइन मध्यस्थता और बढ़े हुए रिटर्न की पहेली	8 जुलाई, 2019	पी. एवं क्यू.एम.
11.	डॉ. गौरव सिंह चौहान आईआईएम इंदौर	जमा बीमा की उपस्थिति में अधीनस्थ ऋण द्वारा प्रत्यायोजित निगरानी	11 जुलाई, 2019	वित्त एवं लेखा

परिशिष्ट जारी

अ

क्रमांक	संकाय का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक	विषय-क्षेत्र / केंद्र
12.	प्रोफ़ेसर मीनाक्षी ऋषि सिएटल विश्वविद्यालय	ग्रीन ओडीए (आधिकारिक विकास सहायता) और कार्बन उत्सर्जन : क्या संस्थान मायने रखते हैं?	15 जुलाई, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
13.	प्रोफ़ेसर निरंजन चिपलकट्टी सिएटल विश्वविद्यालय	अघोषित स्व-उत्पादित अमूर्त संपत्ति का पूंजी बाजार प्रभाव : अनुसंधान निष्कर्षों का एक सर्वेक्षण	15 जुलाई, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
14.	प्रोफ़ेसर स्टीवन आई. विल्किंसन येल विश्वविद्यालय	भारत की लोकतांत्रिक सफलता	15 जुलाई, 2019	जेएसडब्ल्यूएसपीपी
15.	प्रोफ़ेसर अशोक चौरसिया वाटरलू विश्वविद्यालय	अनेक प्रतिरूपित आंकड़ों से गैर-सामान्य परीक्षण आँकड़ों के लिए एक नए संयोजन नियम के माध्यम से स्वदेशी समुदायों में तेज जोखिम के स्तर का आकलन	17 जुलाई, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
16.	डॉ. राजेश कुमार सिन्हा डॉक्टरेट प्रत्याशी आईआईएम बैंगलोर	व्यापक आर्थिक समाचार और विश्लेषकों का पूर्वानुमान सटीक है	18 जुलाई, 2019	वित्त एवं लेखा
17.	अरिजीत मुखर्जी मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी	संबंधपरक अनुबंधों में नियम	18 जुलाई, 2019	अर्थशास्त्र
18.	डॉ. शिखा सिंह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड	विनिर्माण संगठनों में उत्पाद जीवनचक्र प्रबंधन (पीएलएम) के संस्थानीकरण में महत्वपूर्ण बाधाएँ	23 जुलाई, 2019	पी. एवं क्यू.एम.
19.	श्री मनजोत सिंह भाटिया डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईआईएम लखनऊ	बंद लूप आपूर्ति श्रृंखला प्रथाएँ और सतत विकास : संस्थागत पूर्ववृत्त और संसाधन प्रतिबद्धता की भूमिका	24 जुलाई, 2019	पी. एवं क्यू.एम.
20.	डॉ. देबयान पकराशी आईआईटी कानपुर	क्या रेफरल लक्ष्यीकरण में सुधार कर सकता है? व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रयोग से साक्ष्य	25 जुलाई, 2019	जेएसडब्ल्यूएसपीपी
21.	प्रोफ़ेसर अभिजीत सिंह स्टॉकहोम इकोनॉमिक्स स्कूल	बड़े पैमाने पर सार्वजनिक क्षेत्र के प्रबंधन में सुधार? भारत में स्कूल प्रशासन पर प्रायोगिक साक्ष्य	26 जुलाई, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
22.	सूरज येंगड़े हार्वर्ड कैनेडी स्कूल	क्या पूंजीवाद दलितों को आज़ाद कर सकता है	29 जुलाई, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
23.	प्रोफ़ेसर तरुण जैन आईआईएम उदयपुर में सहायक प्रोफ़ेसर	सार्वजनिक क्लाउड कंप्यूटिंग उदाहरणों की मूल्य निर्धारण रणनीतियाँ	5 अगस्त, 2019	पी. एवं क्यू.एम.
24.	श्री समीर मित्तल डॉक्टरेट के प्रत्याशी वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी	छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों में स्मार्ट विनिर्माण अपनाने के लिए एक रूपरेखा की ओर	6 अगस्त,2019	पी. एवं क्यू.एम.
25.	डॉ. सुनील तिवारी सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	वितरण नेटवर्क डिज़ाइन के लिए एकीकृत निर्णय समर्थन ढाँचा	7 अगस्त,2019	पी. एवं क्यू.एम.
26.	सुश्री पूर्वा ग्रोवर डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईआईटी दिल्ली	डिजिटल लेन-देन के लिए ब्लॉक चेन तकनीक के उपयोग में मानी गई उपयोगिता, उपयोग में आसानी और उपयोगकर्ता स्वीकृति – यूज़र द्वारा बनाई गई ट्विटर सामग्री से उत्पन्न दृष्टिकोण	19 अगस्त, 2019	आईएस
27.	प्रोफ़ेसर हशीम मन्नान यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन	शक्ति : सार्वजनिक नीति - लोगों, पृथ्वी, शांति और समृद्धि पर प्रभाव	21 अगस्त, 2019	जेएसडब्ल्यूएसपीपी

परिशिष्ट जारी

अ

क्रमांक	संकाय का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक	विषय-क्षेत्र / केंद्र
28.	प्रोफ़ेसर मैत्रेयीश घटक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	लोग गरीब क्यों रहें? बांग्लादेश में एक यादृच्छिक पूँजी हस्तांतरण कार्यक्रम से प्रयोगात्मक सबूत का उपयोग कर गरीबी के जाल के लिए परीक्षण?	22 अगस्त, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
29.	प्रोफ़ेसर इंद्रजीत ठाकुरता आईआईएम इंदौर	खपत और मानव पूंजी पर वित्तीय बाजार की भागीदारी का प्रभाव : एक जीवन-चक्र अनुकूलन मॉडल	28 अगस्त, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
30.	तान्या जाकिमो दक्षिण वैल्स सिडनी विश्वविद्यालय	दलगत राजनीति में महिलाओं का प्रतिकूल समावेश : भारत और इंडोनेशिया में राजनीतिक श्रम	28 अगस्त, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
31.	डॉ. उपासक दास	कल्याण कार्यक्रमों की प्रभावकारिता में सुधार के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी का उपयोग करना : भारत में एक क्षेत्र प्रयोग से साक्ष्य	28 अगस्त, 2019	जेएसडब्ल्यूएसपीपी
32.	डॉ. मार्टिन केन्ज़ विश्व बैंक	क्रेडिट कार्ड ऋण चुकौती में नैतिक प्रोत्साहन : एक क्षेत्र प्रयोग से साक्ष्य	12 सितंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
33.	प्रोफ़ेसर डेविड सेबन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय एवं सस्टेनेबल रोड फ्रेट सेंटर के निदेशक	स्थायी सड़क माल ढुलाई की ओर	13 सितंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
34.	प्रोफ़ेसर राजेंद्र श्रीवास्तव यूनिवर्सिटी ऑफ कैनसस लॉरेंस यूएसए	एसईसी फाइलिंग से वित्तीय और गैर-वित्तीय जानकारी के लिए पाठीय खोज, और पूर्वानुमान मॉडल और जोखिम मूल्यांकन के लिए पाठीय विश्लेषण	17 सितंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
35.	प्रोफ़ेसर किरण पेडदा आईएसबी हैदराबाद	उभरते बाजार भागीदार फर्म के शेयरधारक के मूल्य पर अंतरराष्ट्रीय विपणन गठबंधन विघटन का प्रभाव	19 सितंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
36.	अमित जैन चौरड़िया आईएसबी हैदराबाद	पार्श्व स्थानन से फर्म के प्रदर्शन में वृद्धि कब होती है? मानव पूंजी प्राप्त करने वाली रणनीतियों की सूक्ष्म नींव	9 अक्टूबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
37.	प्रोफ़ेसर दिनेश मोहन आईआईटी दिल्ली	भारत में सड़क सुरक्षा : आगे का रास्ता क्या है	21 अक्टूबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
38.	डॉ. कन्नन रघुनंदन फ़्लॉरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी	आंतरिक नियंत्रण राय का पुनःकथन	21 अक्टूबर, 2019	वित्त एवं लेखा
39.	डॉ. भारत तिवारी ग्लोबल चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, यूसीबी	स्वास्थ्य सेवा में एआई अवसर : रोगी की नजर से वास्तविक रोगी मूल्य को परिभाषित करना	21 अक्टूबर, 2019	डीन (संकाय)
40.	प्रोफ़ेसर अर्नब मुखर्जी आईआईएम बैंगलोर	सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं की शिक्षा को सशक्त बनाना : भारत से साक्ष्य	04 नवंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
41.	प्रोफ़ेसर सोमा चौधरी मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी	संगठन, महिला सशक्तिकरण और वित्त पोषण : गुजरात का केस	7 नवंबर, 2019	पीएसजी
42.	प्रोफ़ेसर भावेन संपत कोलम्बिया विश्वविद्यालय	ट्रिप्स(टीआरआईपीएस), पेटेंट और भारत में दवा की कीमतें	14 नवंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
43.	डॉ. पलवी पसरीचा आईआईटी रुड़की	नैतिक नेतृत्व और सामाजिक नवाचार की प्रवृत्ति : सामाजिक उद्यमों का एक अध्ययन	15 नवंबर, 2019	मानव संसाधन प्रबंधन

परिशिष्ट जारी

अ

क्रमांक	संकाय का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक	विषय-क्षेत्र / केंद्र
44.	सुश्री दीप्ति मोहन डॉक्टरेट प्रत्याशी आईआईएमए	विशेष रूप से संरचित द्विघात असाइनमेंट समस्या के लिए कुशल स्थानीय खोज	18 नवंबर, 2019	पी. एवं क्यू.एम.
45.	प्रोफ़ेसर सोफिया अमराल म्यूनिख मैक्सिमिलियन विश्वविद्यालय	लिंग, अपराध और दंड : भारत में महिला पुलिस थानों का प्रभाव	20 नवंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
46.	डॉ. शिल्पा मदान कोलम्बिया विश्वविद्यालय	खुशहाल होना इतना आसान नहीं है : धन-अनुकूलन परत सिद्धांत, पर्यावरण करों के लिए समर्थन करता है	21 नवंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
47.	डॉ. पंकज सेतिया यूनिवर्सिटी ऑफ अरकंसास	इंट्रा-फर्म आईटी स्पिलओवर का लाभ कैसे उठाएं? इसमें टैंगो के लिए द्वि-बुनियादी ढाँचे की समानता और शासन की पसंद के विकल्प होते हैं	21 नवंबर, 2019	आईएस
48.	डॉ. संजीत चक्रवर्ती वीएफ़, आईआईएम इंदौर	नैतिकता और मानव सदृश रोबोट : विभिन्न नैतिक सिद्धांतों का फिर से आना	26 नवंबर 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
49.	श्री विशाल बंसल डॉक्टरेट प्रत्याशी आईआईएमए	मल्टी-लाइन ऑर्डर के साथ एकीकृत भंडारण-ऑर्डर पिकिंग सिस्टम के लिए स्टोकेस्टिक मॉडल	27 नवंबर, 2019	पी. एवं क्यू.एम.
50.	प्रोफ़ेसर संतोष कुमार सैम ह्यूस्टन स्टेट यूनिवर्सिटी	बचपन के दौरान जन्म-वजन और संज्ञानात्मक विकास : भारत से साक्ष्य	2 दिसंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
51.	प्रोफ़ेसर मनीष काकर मैकमास्टर विश्वविद्यालय	अंतरकंपनी नेटवर्कों में संगठनात्मक संकेतन और स्क्रीनिंग के प्रदर्शन निहितार्थ : फ्रेंचाइजिंग से सबूत	3 दिसंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
52.	डॉ. अनाका अय्यर टाटा कॉर्नेल कृषि एवं पोषण संस्थान	स्वास्थ्य बीमा और शिशु मृत्यु दर : भारत से साक्ष्य	4 दिसंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
53.	प्रोफ़ेसर संजीत धामी लीसेस्टर विश्वविद्यालय	माइक्रोफाइनांस अनुबंधों में मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रेरणाएँ : सिद्धांत और साक्ष्य	13 दिसंबर 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
54.	डॉ. एड्रियन लोपेज़ शारजाह अमेरिकी विश्वविद्यालय	बाघ की पूजा करना : वन्यजीव आध्यात्मिक सेवाओं के गैर-उपयोग अस्तित्व मूल्यों की मॉडलिंग	16 दिसंबर, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
55.	प्रोफ़ेसर अनुजित चक्रवर्ती कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय डेविस	वर्तमान पक्षपात	17 दिसंबर 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
56.	सुश्री शेली राठी उटाह विश्वविद्यालय	ग्राहक समीक्षा में बाज़ार में लिंगवाद की उपस्थिति और परिणाम	17 दिसंबर 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
57.	डॉ. नम्रता चिंदारकर सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	कृषि बिजली आपूर्ति प्रबंधन, कृषि निवेश और कृषि आय के बीच लिंक – भारत से साक्ष्य	23 दिसंबर, 2019	जेएसडब्ल्यूएसपीपी
58.	डॉ. अनाका अय्यर टाटा कॉर्नेल कृषि एवं पोषण संस्थान	स्वास्थ्य बीमा और शिशु मृत्यु दर : भारत से साक्ष्य	30 दिसंबर, 2019	जेएसडब्ल्यूएसपीपी

परिशिष्ट जारी

अ

क्रमांक	संकाय का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक	विषय-क्षेत्र / केंद्र
59.	डॉ. भूमिजा रंजन मोनाश विश्वविद्यालय	स्टोर ट्रैफ़िक को विज्ञापन में शामिल करना : गृह सुधार और हार्डवेयर स्टोर का केस	2 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
60.	प्रोफ़ेसर निशीथ प्रकाश कनेक्टिकट विश्वविद्यालय	परिवर्तन के पहिये : महिलाओं के जीवन को शिक्षा और सशक्तिकरण के साथ बदलना	6 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
61.	प्रोफ़ेसर हरि बापूजी मेलबर्न विश्वविद्यालय	एमएनईएस और आईबी अनुसंधान के लिए जाति के निहितार्थ	6 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
62.	डॉ. सारंग कुलकर्णी जाइकस इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड	एक नया सूत्रीकरण और कई डिपो वाहन शेड्यूलिंग समस्या के लिए एक कॉलम पीढ़ी-आधारित अनुमान	7 जनवरी, 2020	पी. एवं क्यू.एम.
63.	डॉ. कावेरी ईचेत्तिरा हार्वर्ड कैनेडी स्कूल	अक्षय ऊर्जा से बिजली के लिए एक व्यापक नीति की ओर : सामाजिक कल्याण के लिए डिजाइनिंग	7 जनवरी, 2020	पीएसजी और जेएसडब्ल्यू
64.	प्रोफ़ेसर वरुण गुप्ता ब्लैक स्कूल ऑफ बिजनेस, पेन स्टेट एरी	स्टॉकआउट को शामिल करते हुए उत्पादों या उपलब्धता के अनुकूल ग्राहकों को संतुष्ट करने के लिए मूल्य निर्धारण	9 जनवरी, 2020	पी. एवं क्यू.एम.
65.	डॉ. राजा नारायण एलवी प्रसाद नेत्र संस्थान	भारत में एक विशाल जालसाजी : अपराधियों को सजा दो, रोगियों को नहीं	10 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
66.	प्रोफ़ेसर अभिषेक चक्रवर्ती मैनचेस्टर विश्वविद्यालय	सूचित नागरिकों और राजनीतिक प्रविष्टि : भारत में एक बड़े शिक्षा कार्यक्रम से साक्ष्य	13 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
67.	प्रोफ़ेसर गुंजन तोमर आईआईएम नागपुर	प्रौद्योगिकी के कैरियर पहलुओं और कारोबार के इरादे और काम की थकावट के साथ इसके संबंध : आईटी व्यावसायियों के बीच एक बहु-अध्ययन जाँच।	16 जनवरी, 2020	आईएस
68.	प्रोफ़ेसर क्रिस्टोस मैविस सरे विश्वविद्यालय	खरीदने के लिए बेचना : संपत्ति की बिक्री और अधिग्रहण	20 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
69.	प्रोफ़ेसर मरसी नेरद वाशिंगटन विश्वविद्यालय	सरकारी नवाचार नीतियाँ, वैश्वीकरण, और दुनिया भर में डॉक्टरेट शिक्षा में बदलाव : क्या डॉक्टरेट कार्यक्रम परिवर्तित हो रहे हैं? रुझान और चिंताएँ	20 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
70.	प्रोफ़ेसर सुजाता विसारिया हांगकांग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	उधार लेने की पहेली : हांगकांग में फिलिपिनी घरेलू कामगार अपनी बचत खर्च कर देने के बजाय उधार क्यों लेते हैं?	27 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
71.	श्री परशुराम बालसुब्रमण्यन पीएचडी प्रत्याशी, ओलिन बिजनेस स्कूल, सेंट लुइस वाशिंगटन विश्वविद्यालय	फौजदारी के दौरान रणनीतिक प्रतिस्थापन : वाणिज्यिक मछली पकड़ने में एक प्राकृतिक प्रयोग	28 जनवरी, 2020	बीपी
72.	डॉ. बी. वीरेश थुम्मदी यूनिवर्सिटी ऑफ लिमरिक, आयरलैंड	उपयोग की विधि कितनी मायने रखती है? चुस्त और वाटरफाल सॉफ्टवेयर परियोजनाओं और उनके डिजाइन दिनचर्या भिन्नता का एक केस अध्ययन	29 जनवरी, 2020	आईएस

परिशिष्ट जारी

अ

क्रमांक	संकाय का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक	विषय-क्षेत्र / केंद्र
73.	डॉ. अनुज कपूर उटाह विश्वविद्यालय	प्लेटफ़ॉर्म प्रतिभागी अनुचित रेटिंग का जवाब कैसे देते हैं? एक अर्ध-प्रयोग का उपयोग करके राइड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म का विश्लेषण	29 जनवरी, 2020	विपणन
74.	प्रोफ़ेसर चंद्रा भट टेक्सास विश्वविद्यालय	एक नए डेटा परिदृश्य में योजना और सार्वजनिक नीति के लिए भविष्य की विश्लेषिकी	30 जनवरी, 2020	जेएसडब्ल्यूएसपीपी
75.	प्रोफ़ेसर चंद्रा भट टेक्सास विश्वविद्यालय	ऐसा हो सकता है कि ड्राइवर रहित कारें शहरी फैलाव को बढाएं? यात्रा के लिए वाहनों के माइलेज बढ़ाएँ? उभरते परिवहन परिदृश्य में सक्रिय नीतियों की आवश्यकता	31 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
76.	प्रोफ़ेसर बीरेंद्र राय, मोनाश विश्वविद्यालय	बेकर, स्टिगलर, और मैं भी : आपसी सहमति की भूमिका	31 जनवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
77.	प्रोफ़ेसर संजीब बसु इलिनोइस विश्वविद्यालय शिकागो	बायेशियन मानदंड आधारित चर चयन : तुलना और अनुप्रयोग	3 फरवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
78.	श्री नवीन कुमार डॉक्टरेट प्रत्याशी, इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो	पब्लिक स्कूल छात्रों के परिणामों में सुधार कर सकते हैं : भारत में एक प्राकृतिक प्रयोग से साक्ष्य	5 फरवरी, 2020	जेएसडब्ल्यूएसपीपी
79.	डॉ. श्रीनिधि बालासुब्रमण्यन मिनेसोटा विश्वविद्यालय	खाद्य प्रणालियों की स्थिरता : एक वायु गुणवत्ता परिप्रेक्ष्य	6 फरवरी, 2020	सीएमए
80.	प्रोफ़ेसर चमन लाल (सेवानिवृत्त) जेएनयू	"द भगत सिंह रीडर" से समकालीन भारत के लिए विचार	6 फरवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
81.	श्री भानु गुप्ता डॉक्टरेट के प्रत्याशी मिशिगन यूनिवर्सिटी	थर्ड-पार्टी ऑडिट और कर अनुपालन - भारत में एक नोकदार नीति से सबूत	10 फरवरी, 2020	अर्थशास्त्र और जेएसडब्ल्यूएसपीपी
82.	श्री मयंक वार्ष्णेय पीएचडी प्रत्याशी एनयूएस बिजनेस स्कूल, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	संगठन से कौन बाहर निकलता है और कौन रहता है? आविष्कारक के बाहर निकलने की संभावनाओं पर मुख्य प्रौद्योगिकियों में अनुभव का प्रभाव	11 फरवरी, 2020	बीपी
83.	श्री वरुण जिंदल डॉक्टरेट प्रत्याशी आईआईएम कलकत्ता	वित्तपोषण निवेश का एक नया क्रम : भारत की सूचीबद्ध फर्मों द्वारा अधिग्रहण से साक्ष्य	17 फरवरी, 2020	वित्त एवं लेखा
84.	प्रोफ़ेसर जॉन हैरिस (एमेरिटस) साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय	पोलेनी का बड़ा परिवर्तन और आज का भारत	19 फरवरी, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
85.	डॉ. राजीव जॉर्ज आरिकट	आईसीटी, प्रवासी लोग और हाशिये के लोग : सामाजिक परिवर्तनों और उपयोगकर्ता के अनुभवों का मानचित्रण	24 फरवरी, 2020	संचार

परिशिष्ट जारी

अ

क्रमांक	संकाय का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक	विषय-क्षेत्र / केंद्र
86.	श्री इलापुल्ली वासुदेवन डॉक्टरेट प्रत्याशी आल्टो यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बिजनेस, फिनलैंड	परिचितता अल्पावधि को जन्म देती है	25 फरवरी, 2020	वित्त एवं लेखा
87.	डॉ. सुरेश दिवाकर सलाहकार	उपभोक्ता पैक सामानों के लिए पूर्वानुमान मॉडल - विकास, कार्यान्वयन और चुनौतियाँ	3 मार्च, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
88.	प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय आईआईएमए	कोबोटिक्स : गतिशील मानव-रोबोट सहयोगी पिकिंग रणनीतियाँ	3 मार्च, 2020	पी. एवं क्यू.एम.
89.	प्रोफ़ेसर डी. डैनियल सोकोल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	साझा अर्थव्यवस्था में नवीन व्यवधानों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए कैसे उकसाया जाता है - होटल के प्रदर्शन पर एयरबीएनबी का प्रभाव	4 मार्च, 2020	अनुसंधान एवं प्रकाशन
90.	डॉ. श्रीराम शंकरनारायणन पॉलिटेक्निक मॉन्ट्रियल	अक्षय ऊर्जा बाजार के लिए निर्णय लेना	12 मार्च, 2020	पी. एवं क्यू.एम.
91.	डॉ. सुब्रमण्यम आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम	भारत में कृषि रोजगार और प्लूरी-गतिविधि के बदलते रूप	12 मार्च, 2020	सीएमए

ट

केस, अनुसंधान, और परामर्श

वर्ष	पूर्ण हुए केस (संचयी)	पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण हुई परामर्श परियोजनाएँ (संचयी)
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	3080	797	2708
2013-14	3169	814	2823
2014-15	3210	889	3356
2015-16	3849	889	3438
2016-17	3891	894	3492
2017-18	3918	901	3528
2018-19	3977	909	3564
2019-20	**4020**	**928**	**3591**

ठ

केस केंद्र

ठ1 पंजीकृत केस / तकनीकी नोट / शिक्षण नोट

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
एचआरएम 0243	22 अप्रैल 2019	केस	कर्नाटक राज्य पुलिस का पुलिस आईटी इकोसिस्टम	माहेश्वरी, सुनील कुमार वर्मा, संजय रे, प्रान्तिका
एचआरएम 0243टीएन	22 अप्रैल 2019	शिक्षण नोट	कर्नाटक राज्य पुलिस का पुलिस आईटी इकोसिस्टम: एक शिक्षण नोट	माहेश्वरी, सुनील कुमार वर्मा, संजय रे, प्रान्तिका
एमएआर0505	02 मई 2019	केस	साई कोटिंग: विस्फोट स्प्रे बंदूक	सहाय, अरविंद
एमएआर 0505 टीएन	02 मई 2019	शिक्षण नोट	साई कोटिंग: विस्फोट स्प्रे बंदूक : एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
एमएआर 0503	07 मई 2019	केस	महिंद्रा ट्रक और बस डिवीजन:एक विपणन योजना का निर्माण	सहाय, अरविंद
एमएआर 0503 टीएन	07 मई 2019	शिक्षण नोट	महिंद्रा ट्रक्स एंड बस डिवीजन: एक विपणन योजना का निर्माण : एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद
आईआईटीसीओई0007	30 मई 2019	केस	पंजीकरण और टिकट विभाग का कम्प्यूटरीकरण - संपदा, मध्य प्रदेश	जैन, रेखा
आईआईटीसीओई 0007टीएन	30 मई 2019	शिक्षण नोट	पंजीकरण और टिकट विभाग का कम्प्यूटरीकरण - संपदा, मध्य प्रदेश: एक शिक्षण नोट	जैन, रेखा
एमएआर 0504	30 मई 2019	केस	पेटीएम: लकी लिफ़ाफ़ा अभियान	टाइटस, निधि अभिषेक मुखर्जी, सारल
एमएआर 0504टीएन	30 मई 2019	शिक्षण नोट	पेटीएम: लकी लिफ़ाफ़ा अभियान: एक शिक्षण नोट	अभिषेक मुखर्जी, सरल टाइटस, निधि
बीपी0430	07 जून 2019	केस	एयरएशिया मलेशिया 2001	दीक्षित, एम.आर. जेना, संजय कुमार
बीपी 0430 टीएन	07 जून 2019	शिक्षण नोट	एयरएशिया मलेशिया 2001: एक शिक्षण नोट	दीक्षित, एम.आर. जेना, संजय कुमार
बीपी 0432	07 जून 2019	केस	गंगा एंटरप्राइजेज	कुमार, पुष्पेंद्र (प्रोफेसर विजया शेरी चंद द्वारा पर्यवेक्षित)
बीपी 0432 टीएन	07 जून 2019	शिक्षण नोट	गंगा एंटरप्राइजेज: एक शिक्षण नोट	कुमार, पुष्पेंद्र
आईएस0139	10 जून 2019	केस	आरटीई जनादेश का ऑनलाइन कार्यान्वयन	रंगनाथन; कविता
आईएस 0139 टीएन	10 जून 2019	शिक्षण नोट	आरटीई जनादेश का ऑनलाइन कार्यान्वयन: एक शिक्षण नोट	रंगनाथन; कविता
सीओएमएम0023टीईसी	17 जून 2019	तकनीकी नोट	महत्वपूर्ण सोच और लिखित संचार पर एक पाठ्यक्रम: डब्ल्यूएसी मॉडल	शर्मा, मीनाक्षी

परिशिष्ट जारी

ठ

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
सीआईआईई0015	13 अगस्त 2019	केस	उद्यमिता और उदार कला: अशोक विश्वविद्यालय का निर्माण	सूद, मुकेश नारायण, प्रियांक अग्रवाल, मेधा
सीआईआईई 0015 टीएन	13 अगस्त 2019	शिक्षण नोट	उद्यमिता और उदार कला: अशोक विश्वविद्यालय का निर्माण : एक शिक्षण नोट	सूद, मुकेश नारायण, प्रियांक
एमएआर0509 (ए)	07 अक्टूबर 2019	केस	नियोन्स फैशन एलएलपी (ए): अमेज़ॅन मार्केटप्लेस पर एक छोटा विक्रेता	मुखर्जी, सरल अभिषेक बालसुब्रमणि, सौंदर्य
एमएआर 0509 (ए) और (बी) टी.एन.	07 अक्टूबर 2019	शिक्षण नोट	नियोन्स फैशन एलएलपी (ए) और (बी): एक शिक्षण नोट	मुखर्जी, सरल अभिषेक
एमएआर 0509 (बी)	07 अक्टूबर 2019	केस	नियोन्स फैशन एलएलपी (बी): सेटबैक	मुखर्जी, सरल अभिषेक बालसुब्रमणि, सौंदर्य
ओबी0236	15 अक्टूबर 2019	केस	आदित्य कुमार: कार्यालय राजनीति और ऊपर की तरफ प्रबंधन	गुप्ता, विशाल प्रेमापुरी, प्रियंका
ओबी0236टीएन	15 अक्टूबर 2019	शिक्षण नोट	आदित्य कुमार: कार्यालय राजनीति और ऊपर की तरफ प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	गुप्ता, विशाल प्रेमापुरी, प्रियंका
एमएआर 0508	17 अक्टूबर 2019	केस	श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड: फिनटेक को अपनाना	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
एमएआर 0508 टीएन	17 अक्टूबर 2019	शिक्षण नोट	श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड: फिनटेक को अपनाना: एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
ओबी0223टीईसी	31 अक्टूबर 2019	तकनीकी नोट	संगठनात्मक उत्कृष्टता	मिश्रा, विनीता खोखले, प्रद्युम्न
एफ एंड ए0548टीईसी	05 नवंबर 2019	तकनीकी नोट	इंड ए एस 115 के कार्यान्वयन से पहले और बाद में आय मान्यता प्रथाओं में परिवर्तन के विश्लेषण पर उद्योग नोट	सिंधी, विक्की वासुदेव; (प्रोफेसर नमन देसाई द्वारा पर्यवेक्षण)
एमएआर 0510	07 नवंबर 2019	केस	अग्रवाल की 420 : एक पारंपरिक व्यवसाय की स्थापना और विकास में चुनौतियाँ	जैन, अभिनंदन के.
एमएआर 0510टीएन	07 नवंबर 2019	शिक्षण नोट	अग्रवाल का 420: एक पारंपरिक व्यवसाय की स्थापना और विकास में चुनौतियाँ : एक शिक्षण नोट	जैन, अभिनंदन के.
ओबी 0238	21 नवंबर 2019	केस	ध्रुव सलाहकार: विकास की नोर्थस्टार के रूप में संस्कृति	शर्मा, सुनील गुप्ता, परविंदर
ओबी 0238 टीएन	21 नवंबर 2019	शिक्षण नोट	ध्रुव सलाहकार: विकास की नोर्थस्टार के रूप में संस्कृति : एक शिक्षण नोट	शर्मा, सुनील गुप्ता, परविंदर

परिशिष्ट जारी

ठ

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
बीपी 0437	02 दिसंबर 2019	केस	भारतीय दंड संहिता के तहत आपराधिक लापरवाही और निदेशक की देयता: भोपाल गैस त्रासदी का केस	राम मोहन, एम.पी.
बीपी 0437 टीएन	02 दिसंबर 2019	शिक्षण नोट	भारतीय दंड संहिता के तहत आपराधिक लापरवाही और निदेशक की देयता: भोपाल गैस त्रासदी का केस : एक शिक्षण नोट	राम मोहन, एम.पी.
बीपी P0438	10 दिसंबर 2019	केस	भारत में कॉर्पोरेट आपराधिक दायित्व	राम मोहन, एम.पी.
बीपी 0438 टीएन	10 दिसंबर 2019	शिक्षण नोट	भारत में कॉर्पोरेट आपराधिक दायित्व: एक शिक्षण नोट	राम मोहन, एम.पी.
सीओएमएम 0024	30 दिसंबर 2019	केस	एक्सल मोटर्स	शर्मा, मीनाक्षी
सीओएमएम 0024 टीएन	30 दिसंबर 2019	शिक्षण नोट	एक्सल मोटर्स: एक शिक्षण नोट	शर्मा, मीनाक्षी
आईआईटीसीओई 0008	30 दिसंबर 2019	केस	भारत में स्पेक्ट्रम ट्रेडिंग: गॉर्डियन गाँठ को कैसे खोलें	जैन, रेखा
आईआईटीसीओई 0008 टीएन	30 दिसंबर 2019	शिक्षण नोट	भारत में स्पेक्ट्रम ट्रेडिंग: गॉर्डियन गाँठ को कैसे खोलें : एक शिक्षण नोट	जैन, रेखा
आईआईटीसीओई 0009	30 दिसंबर 2019	केस	नियामक स्थान बनाना: स्पेक्ट्रम व्यापार सौदा और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग	जैन, रेखा
आईआईटीसीओई 0009टीएन	30 दिसंबर 2019	शिक्षण नोट	नियामक स्थान बनाना: स्पेक्ट्रम व्यापार सौदा और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग: एक शिक्षण नोट	जैन, रेखा
सीएमए0820	31 दिसंबर 2019	केस	जलाराम राइस मिल्स प्राइवेट लिमिटेड: विशाल एच मिस्त्री की दुविधा	वर्मा, पूर्णिमा जेना, संजय कुमार
सीएमए 0820टीएन	31 दिसंबर 2019	शिक्षण नोट	जलाराम राइस मिल्स प्राइवेट लिमिटेड: विशाल एच मिस्त्री की दुविधा: एक शिक्षण नोट	वर्मा, पूर्णिमा जेना, संजय कुमार
एमएआर 0506	02 जनवरी 2020	केस	टेगा इंडस्ट्रीज (सी1)	मोहनका, मदन जैन, अभिनंदन के.
एमएआर 0506एस	02 जनवरी 2020	अनुपूरक	टेगा इंडस्ट्रीज (सी1): पूरक	जैन, अभिनंदन के. मोहनका, मदन
एमएआर 0506 टीएन	02 जनवरी 2020	शिक्षण नोट	टेगा इंडस्ट्रीज (सी1): एक शिक्षण नोट	जैन, अभिनंदन के. मोहनका, मदन
एमएआर 0507	09 जनवरी 2020	केस	रेजरपे : विघटनकारियों को भुगतान सुविधा प्रदान करना	गंजू, दिव्या मुखर्जी, सरल मुखोपाध्याय, संदीप

परिशिष्ट जारी

ठ

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
एमएआर 0507 टीएन	09 जनवरी 2020	शिक्षण नोट	रेज़रपे : विघटनकारियों को भुगतान की सुविधा प्रदान करना: एक शिक्षण नोट	मुखोपाध्याय, संदीप मुखर्जी, सरल गंजू, दिव्या
एफ एंड ए0549	20 जनवरी 2020	केस	टेजोस: क्रिप्टोकरेंसी वर्ल्ड में गवर्नेंस	बरुआ, समीर के. वर्मा, जयंत आर।
एफ एंड ए0549 टीएन	20 जनवरी 2020	शिक्षण नोट	टेजोस : क्रिप्टोक्यूरेंसी दुनिया में शासन: एक शिक्षण नोट	बरुआ, समीर के। वर्मा, जयंत आर।
सीआईआईई0016	31 जनवरी 2020	केस	रोहन @ ब्लू ऑयन टेक	वोहरा, नेहरिका मेंडोंका, वैलेरी शर्मा, सुप्रिया
सीआईआईई0016 टीएन	31 जनवरी 2020	शिक्षण नोट	रोहन @ ब्लू ऑयन टेक: एक शिक्षण नोट	वोहरा, नेहरिका मेंडोंका, वैलेरी शर्मा, सुप्रिया
एमएआर 0511	31 जनवरी 2020	केस	ल्यूपिन: खोज अनुसंधान	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा कंबोज; राज (डॉ) पल्ले, वेंकट (डॉ) शर्मा, शरद (डॉ)
एमएआर 0511 टीएन	31 जनवरी 2020	शिक्षण नोट	ल्यूपिन: खोज अनुसंधान : एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
बीपी 0436	25 फरवरी 2020	केस	इंडियन एक्सप्रेस: डिजिटल बिजनेस के माध्यम से पुनर्वित्त	शर्मा, सुनील श्रीनिवासन, आनंद सिंह, भूमिका
बीपी 0436 टीएन	25 फरवरी 2020	शिक्षण नोट	इंडियन एक्सप्रेस: डिजिटल बिजनेस के माध्यम से पुनर्वित्त: एक शिक्षण नोट	शर्मा, सुनील श्रीनिवासन, आनंद सिंह, भूमिका
एफ एंड ए 0547	26 फरवरी 2020	केस	एयरएशिया मलेशिया: आईपीओ निर्णय	जेना, संजय कुमार दीक्षित, एम.आर.
एफ एंड ए0547 टीएन	26 फरवरी 2020	शिक्षण नोट	एयरएशिया मलेशिया: आईपीओ निर्णय: एक शिक्षण नोट	जेना, संजय कुमार प्रधान, सुभेंदु कुमार दीक्षित, एम.आर.
ओबी0240	06 मार्च 2020	केस	चुपचाप अच्छा खाना परोसा: माइम रेस्तरां (ए)	खोकले, प्रद्युम्न कुलकर्णी, वैभवी
ओबी 0240 टीएन	06 मार्च 2020	शिक्षण नोट	चुपचाप अच्छा खाना परोसा : माइम रेस्तरां (ए): एक शिक्षण नोट	खोकले, प्रद्युम्न कुलकर्णी, वैभवी
पीआईओडी0321	06 मार्च 2020	केस	ब्रुकलिन सेंट्रल	रॉय, देबजीत रघुराम, जी.
पीआईओडी 0321 टीएन	06 मार्च 2020	शिक्षण नोट	ब्रुकलिन सेंट्रल: एक शिक्षण नोट	रॉय, देबजीत रघुराम, जी.
एचआरएम0244	12 मार्च 2020	केस	एस्टर खुदरा संयुक्त अरब अमीरात (ए): कर्मचारियों, ग्राहकों और व्यावसायिक परिणामों को जोड़ना	वर्की, बीजू त्रिवेदी, भूमि

परिशिष्ट जारी

ठ

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
एचआरएम 0244 टीएन	12 मार्च 2020	शिक्षण नोट	एस्टर खुदरा संयुक्त अरब अमीरात (ए): कर्मचारियों, ग्राहकों और व्यावसायिक परिणामों को जोड़ना: एक शिक्षण नोट	वर्की, बीजू त्रिवेदी, भूमि
पीएसजी 0132	18 मार्च 2020	केस	सतत रेलवे परियोजना के लिए परियोजना वित्त पोषण	गर्ग, अमित बेरी, प्रमोद कासलीवाल, सिद्धि
पीएसजी 0132 टीएन	18 मार्च 2020	शिक्षण नोट	सतत रेलवे परियोजना के लिए परियोजना वित्त पोषण : एक शिक्षण नोट	गर्ग, अमित बेरी, प्रमोद कासलीवाल, सिद्धि
ओबी 0241 (ए)	23 मार्च 2020	केस	वुडवर्क्स लिमिटेड (ए) में एचआईवी का केस : जय शाह की दुविधा	शारदा, कीर्ति
ओबी 0241 (बी)	23 मार्च 2020	केस	वुडवर्क्स लिमिटेड (बी) में एचआईवी का एक केस : ए स्लीव ऑफ कर्व बॉल्स	शारदा, कीर्ति
ओबी 0241 (सी)	23 मार्च 2020	केस	वुडवर्क्स लिमिटेड (सी) में एचआईवी का एक केस : निष्कर्ष	शारदा, कीर्ति
ओबी 0241 टीएन	23 मार्च 2020	शिक्षण नोट	वुडवर्क लिमिटेड में एचआईवी का एक मामला: एक शिक्षण नोट	शारदा, कीर्ति
बीपी 0441	31 मार्च 2020	केस	भारत में सांविधिक लेखा परीक्षक और पेशेवर लापरवाही: मूल्य वॉटरहाउस का केस बनाम सेबी	राम मोहन, एम.पी.
बीपी 0441 टीएन	31 मार्च 2020	शिक्षण नोट	भारत में सांविधिक लेखा परीक्षक और पेशेवर लापरवाही: मूल्य वॉटरहाउस का केस बनाम सेबी: एक शिक्षण नोट	राम मोहन, एम.पी.
बीपी 0442	31 मार्च 2020	केस	टोरेंट ग्रुप में सी.एस.आर.	बरवा , समीर कुमार अग्रवाल, सोभेश कुमार
बीपी 0442 टीएन	31 मार्च 2020	शिक्षण नोट	टोरेंट ग्रुप में सी.एस.आर : एक शिक्षण नोट	बरवा , समीर कुमार अग्रवाल, सोभेश कुमार
एफ एंड ए 0552 (ए)	31 मार्च 2020	केस	इंडीग्रिड : भारत का पहला पावर ट्रांसमिशन इनविट (ए) बनाना	अगरवाला, सोभेश कुमार पांडेय, अजय
एफए और 0552 (ए) तमिलनाडु	31 मार्च 2020	शिक्षण नोट	इंडीग्रिड : भारत का पहला पॉवर ट्रांसमिशन इनविट (ए) बनाना: एक शिक्षण नोट	अगरवाला, सोभेश कुमार पांडेय, अजय
पीएसजी 0133	31 मार्च 2020	केस	कुकिंग गैस के माध्यम से प्रकाश व्यवस्था एवं सोसायटी रूपांतरण	बरवा , समीर कुमार अग्रवाल, सोभेश कुमार
पीएसजी 0133 टीएन	31 मार्च 2020	शिक्षण नोट	कुकिंग गैस के माध्यम से प्रकाश व्यवस्था एवं सोसायटी रूपांतरण : एक शिक्षण नोट	बरवा , समीर कुमार अग्रवाल, सोभेश कुमार

परिशिष्ट जारी

ठ

ठ2 संस्थान, अन्य शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य द्वारा उपयोग में लिए जाने वाले केस

संस्थान	प्रतियों की संख्या
आईआईएमए के अंदर खरीदे गए केस	74,002
शैक्षिक संस्थानों द्वारा खरीदे गए केस (खुदरा + वार्षिक अनुबंध समझौता)	41,368
अन्य द्वारा खरीदे गए केस (व्यक्तिगत, कॉर्पोरेट और गैर-आईआईएमए संकाय शामिल हैं)	1,821

ठ 3 वितरण भागीदार

वितरण भागीदार	समझौते का वर्ष	वितरित केसों / शिक्षण नोट्स की संख्या	वर्ष 2019-2020 के दौरान बेची गई प्रतियाँ
रिचर्ड आईवे प्रकाशन	19 फरवरी, 2015	127	248
हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग	17 जून, 2015	107	15936
सेज प्रकाशन लिमिटेड	03 नवंबर, 2015	351	257
केस सेंटर यूके (ईसीसीएच)	01 फरवरी, 2016	211	477
इमराल्ड प्रकाशन लिमिटेड	02 सितंबर, 2019	100	100

ड

मान्यता और रैंकिग

अंतरराष्ट्रीय रैंकिग्स : फाइनेंसियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिग 2019 (मुक्त कार्यक्रम)

FT.com FINANCIAL TIMES **Executive Education - Open - 2019**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2019	2018	2017	School	Country
1	1	1	IMD Business School	Switzerland
1	7	13	Stanford Graduate School of Business	US
3	8	19	University of Chicago: Booth	US / UK / Hong Kong
4	6	9	University of Michigan: Ross	US
5	5	7	Insead	France / Singapore / Abu Dhabi
6	3	2	Iese Business School	Spain / US
6	2	4	University of Oxford: Saïd	UK
8	11	8	ESMT Berlin	Germany
9	22	17	Columbia Business School	US
10	12	14	University of Pennsylvania: Wharton	US
11	14	12	HEC Paris	France
12	32	-	Washington University: Olin	US
13	9	6	Center for Creative Leadership	US / APAC / EMEA
14	15	16	University of Toronto: Rotman	Canada
14	19	15	Fundação Dom Cabral	Brazil
16	13	10	London Business School	UK
16	21	11	Esade Business School	Spain
18	25	29	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
19	17	32	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
20	9	5	University of Virginia: Darden	US
21	23	24	Essec Business School	France
22	16	20	UCLA: Anderson	US
23	28	33	SDA Bocconi	Italy
24	-	29	Boston University: Questrom	US
24	28	28	University of St Gallen	Switzerland
26	27	25	University of Cambridge: Judge	UK
27	18	23	Henley Business School	UK
27	33	26	Western University: Ivey	Canada / China
29	34	35	Kaist College of Business	South Korea
30	30	21	Ceibs	China
30	39	43	Ashridge Executive Education at Hult	UK
32	23	31	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
33	41	48	NHH Norwegian School of Economics	Norway
34	51	48	Nyenrode Business Universiteit	Netherlands
35	25	22	IE Business School	Spain
36	35	36	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
37	36	39	Cranfield School of Management	UK
38	45	52	Gordon Institute of Business Science at UP	South Africa
39	40	37	Vlerick Business School	Belgium
40	37	41	Fdhec Business School	France
40	44	46	AGSM at UNSW Business School	Australia
42	43	48	York University: Schulich	Canada
43	48	48	University College Dublin: Smurfit	Ireland
44	48	56	National University of Singapore Business School	Singapore
45	60	-	WHU – Otto Beisheim School of Management	Germany
46	52	54	Insper	Brazil
47	54	44	University of British Columbia: Sauder	Canada
48	45	47	Lada Business School Barcelona	Spain
49	64	64	Indian Institute of Management Bangalore	India
50	47	39	Ipade Business School	Mexico
51	37	27	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
52	67	-	Rutgers Business School	US
53	-	68	University of Arizona: Eller	US
53	57	59	Universidad de los Andes	Colombia
55	61	62	Tias business School, Tilburg University	Netherlands
56	42	42	Aalto University	Finland
57	55	60	Alberta School of Business	Canada
57	57	57	Nova School of Business and Economics	Portugal
57	88	63	Grenoble Ecole de Management	France
57	66	66	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
61	-	-	HEC Montreal	Canada
61	77	74	Frankfurt School of Finance and Management	Germany
63	50	44	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
64	73	-	Kedge Business School	France

परिशिष्ट जारी **ड**

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : फाइनेंसियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2019 (अनुकूलित कार्यक्रम)

FT .com FINANCIAL TIMES **Executive Education - Customised - 2019**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2019	2018	2017	School	Country
1	1	1	Iese Business School	Spain / US
2	2	3	Duke Corporate Education	US / UK / Africa / Asia
3	3	2	IMD Business School	Switzerland
4	7	4	SDA Bocconi	Italy
5	12	17	Essec Business School	France
6	5	7	HEC Paris	France
7	4	6	London Business School	UK
8	14	16	Fundação Dom Cabral	Brazil
9	10	12	University of North Carolina: Kenan-Flagler	US
10	27	22	Edhec Business School	France
11	11	20	University of Michigan: Ross	US
12	8	13	Stanford Graduate School of Business	US
13	6	9	Insead	France / Singapore / Abu Dhabi
14	30	29	Esade Business School	Spain
15	34	-	University of Arizona: Eller	US
16	16	19	Ipade Business School	Mexico
17	24	40	University of Pennsylvania: Wharton	US
18	23	11	ESMT Berlin	Germany
18	18	24	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
20	28	36	University of Tennessee: Haslam	US
21	31	46	Alliance Manchester Business School	UK
22	25	23	Ashridge Executive Education at Hult	UK
23	16	10	Center for Creative Leadership	US / APAC / EMEA
24	26	26	University of Oxford: Saïd	UK
25	35	38	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
26	20	14	National University of Singapore Business School	Singapore
26	29	25	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
28	22	30	Emory University: Goizueta	US
29	44	33	Vlerick Business School	Belgium
30	46	35	Henley Business School	UK
31	33	18	Mannheim Business School	Germany
32	39	32	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
33	49	53	Western University: Ivey	Canada / China
34	44	55	Aalto University	Finland
35	37	52	University of Cambridge: Judge	UK
36	43	44	EMLyon Business School	France
37	55	48	Ceibs	China
38	48	61	Columbia Business School	US
39	21	15	Georgetown University: McDonough	US
40	31	21	Cranfield School of Management	UK
41	36	42	University of St Gallen	Switzerland
42	60	51	Insper	Brazil
43	-	-	AGSM at UNSW Business School	Australia
44	56	60	City, University of London: Cass	UK
45	51	41	Gordon Institute of Business Science at UP	South Africa
46	39	50	Warwick Business School	UK
47	52	58	Eada Business School Barcelona	Spain
48	64	68	Lagos Business School	Nigeria
49	57	63	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
50	46	-	Audencia Business School	France
51	67	70	University of Cape Town: Graduate School of Business	South Africa
52	39	31	University of Virginia: Darden	US

परिशिष्ट जारी

ड

अंतरराष्ट्रीय रैंकिग्स : फाइनेंसियल टाइम्स प्रबंधन में स्नातकोत्तर रैंकिग 2019

FT.com FINANCIAL TIMES

Masters in Management 2019

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2019	2018	School name	Country	Programme name
1	1	University of St Gallen	Switzerland	MA in Strategy and International Management
2	2	HEC Paris	France	Master in Management**
3	3	London Business School	UK	Masters in Management
3	4	Essec Business School	France / Singapore / Morocco	Master in Management**
5	5	ESCP Business School	France / UK / Germany / Spain / Italy	ESCP Europe Master in Management**
6	8	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	MSc International Management
7	7	University College Dublin: Smurfit	Ireland	MSc International Management
8	9	Cems Global Alliance	France***	Cems Master's International Management
9	13	WU (Vienna University of Economics and Business)	Austria	Master in International Management
10	6	Università Bocconi/SDA Bocconi	Italy	MSc in International Management
11	11	Esade Business School	Spain	MSc in International Management
12	25	Skema Business School	Brazil / China / France / US / South Africa	Global MSc in Management
13	12	Stockholm School of Economics	Sweden	MSc in International Business
14	15	Imperial College Business School	UK	MSc Management
14	18	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China	Master in Management
16	10	IE Business School	Spain	Master in Management
17	23	Indian Institute of Management Calcutta	India	Post Graduate Programme in Management
18	22	University of Economics, Prague	Czech Republic	International Master in Management
19	17	Edhec Business School	France	Edhec Master in Management**
20	16	WHU – Otto Beisheim School of Management	Germany	MSc in Management
21	19	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	Two-Year Post Graduate Programme in Management
22	21	Warwick Business School	UK	MSc in Management
22	30	Nova School of Business and Economics	Portugal	International Masters in Management
24	14	University of Mannheim	Germany	Mannheim Master in Management

परिशिष्ट जारी

ड

अंतरराष्ट्रीय रैंकिग्स : द इकोनॉमिस्ट विच एमबीए रैंकिंग 2019

Rank	Business School	Country	Rank	Business School	Country
1	University of Chicago – Booth School of Business	United States	51	EMLYON	France
2	Harvard Business School	United States	52	University of Cambridge	United Kingdom
3	HEC Paris Business School	France	53	University of Pittsburgh	United States
4	Northwestern University – Kellogg School of Management	United States	54	The University of Queensland Business School	Australia
5	University of Pennsylvania – Wharton School	United States	55	Southern Methodist University	United States
6	UCLA – UCLA Anderson School of Management	United States	56	University of California at Irvine	United States
7	University of California at Berkeley – Haas School of Business	United States	57	University of Rochester	United States
8	Stanford University – Graduate School of Business	United States	58	Durham University	United Kingdom
9	University of Michigan – Stephen M. Ross School of Business	United States	59	Cranfield School of Management	United Kingdom
10	University of Navarra – IESE Business School	Spain	60	National University of Singapore	Singapore
11	Duke University – Fuqua School of Business	United States	61	University of California at Davis – Graduate School of Management	United States
12	Dartmouth College – Tuck School of Business	United States	62	University of Oxford – Saïd Business School	United Kingdom
13	SDA Bocconi – School of Management	Italy	63	Western University – Ivey Business School	Canada
14	Cornell University – Samuel Curtis Johnson Graduate School of Management	United States	64	University of Bath – School of Management	United Kingdom
15	Columbia Business School	United States	65	European School of Management and Technology – ESMT Berlin	Germany
16	University of Virginia – Darden School of Business	United States	66	University of Edinburgh Business School	United Kingdom
17	New York University – Leonard N Stern School of Business	United States	67	University of Hong Kong – Faculty of Business and Economics	Hong Kong
18	University of Southern California – Marshall School of Business	United States	68	Sun Yat-sen University – Sun Yat-sen Business School	China
19	Massachusetts Institute of Technology – MIT Sloan School of Management	United States	69	IE University – IE Business School	Spain
20	University of Washington – Foster School of Business	United States	70	Boston University – Questrom School of Business	United States
21	Yale School of Management	United States	71	International University of Monaco	Monaco
22	INSEAD	France	72	Michigan State University	United States
23	Georgia Institute of Technology – Scheller College of Business	United States	73	Nanyang Technological University	Singapore
24	University of Warwick – Warwick Business School	United Kingdom	74	Macquarie Business School	Australia
25	London Business School	United Kingdom	**75**	**Indian Institute of Management Ahmedabad**	**India**
26	University of Texas at Austin – McCombs School of Business	United States	76	WHU	Germany
27	Emory University – Goizueta Business School	United States	77	City University – Cass Business School	United Kingdom
28	University of Melbourne – Melbourne Business School	Australia	78	Leeds University Business School	United Kingdom
29	Vanderbilt University – Owen Graduate School of Management	United States	79	University of Tennessee	United States
30	University of Florida – Warrington College of Business	United States	80	Queen's University	Canada
31	Carnegie Mellon University – The Tepper School of Business	United States	81	HHL Leipzig Graduate School of Management	Germany
32	EDHEC Business School	France	82	University of Birmingham – Birmingham Business School	United Kingdom
33	University of Georgia – Terry College of Business	United States	83	Grenoble Ecole de Management	France
34	University of North Carolina at Chapel Hill – Kenan-Flagler Business School	United States	84	University of Nottingham – Nottingham University Business School	United Kingdom
35	IMD - International Institute for Management Development	Switzerland	85	George Washington University – School of Business	United States
36	Indiana University – Kelley School of Business	United States	86	University of Exeter – University of Exeter Business School	United Kingdom
37	Rice University – Jesse H Jones Graduate School of Business	United States	**87**	Texas Christian University – Neeley School of Business	United States
38	Hult International Business School	United States	88	Lancaster University – Lancaster University Management School	United Kingdom
39	University of Minnesota – Carlson School of Management	United States	89	Purdue University – Krannert Graduate School of Management	United States
40	ESADE Business School	Spain	90	University College Dublin – Michael Smurfit Graduate School of Business	Ireland
41	Washington University in St Louis – Olin Business School	United States	91	Concordia University – John Molson School of Business	Canada
42	Arizona State University – W. P. Carey School of Business	United States	92	University of St.Gallen	Switzerland
43	Pennsylvania State University – Smeal College of Business	United States	93	North Carolina State University – Poole College of Management	United States
44	University of Mannheim – Mannheim Business School	Germany	94	International University of Japan – Graduate School of International Management	Japan
45	Georgetown University – Robert Emmett McDonough School of Business	United States	95	Yonsei University	Republic of Korea
46	University of Wisconsin-Madison – Wisconsin School of Business	United States	96	EADA Business School Barcelona	Spain
47	Brigham Young University – Marriott School of Business	United States	97	ESSEC Business School	France
48	York University – Schulich School of Business	Canada	98	The University of Liverpool – The University of Liverpool Management School	United Kingdom
49	University of Notre Dame – Mendoza College of Business	United States	99	University of Glasgow – Adam Smith Business School	United Kingdom
50	The Ohio State University – Fisher College of Business	United States	100	University of Strathclyde – Strathclyde Business School	United Kingdom

परिशिष्ट जारी

ड

अंतरराष्ट्रीय रैंकिग्स : फाइनेंसियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2020

FT.com Global MBA Ranking 2020

FINANCIAL TIMES FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2020	Rank in 2019	School name	Country
1	7	Harvard Business School	US
2	4	University of Pennsylvania: Wharton	US
3	1	Stanford Graduate School of Business	US
4	3	Insead	France / Singapore
5	5	Ceibs	China
6	8	MIT: Sloan	US
7	6	London Business School	UK
8	9	Columbia Business School	US
9	19	HEC Paris	France
10	7	University of Chicago: Booth	US
11	14	Northwestern University: Kellogg	US
12	10	University of California at Berkeley: Haas	US
13	12	Iese Business School	Spain
14	11	Yale School of Management	US
15	17	National University of Singapore Business School	Singapore
16	15	Dartmouth College: Tuck	US
16	19	Duke University: Fuqua	US
18	23	University of Virginia: Darden	US
19	16	University of Cambridge: Judge	UK
19	18	HKUST Business School	China
21	13	University of Oxford: Said	UK
22	25	New York University: Stern	US
23	27	Cornell University: Johnson	US
24	21	Esade Business School	Spain
25	22	IMD Business School	Switzerland
25	26	UCLA Anderson School of Management	US
27	33	Indian Institute of Management Bangalore	India
28	34	Indian School of Business	India
29	31	SDA Bocconi School of Management	Italy
30	28	University of Michigan: Ross	US
31	29	Georgetown University: McDonough	US
31	35	Carnegie Mellon: Tepper	US
33	34	Fudan University School of Management	China
34	39	University of Florida: Warrington	US
35	30	Nanyang Business School, NTU Singapore	Singapore
36	46	University of Southern California: Marshall	US
37	51	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
38	-	Renmin University of China Business School (RMBS)	China
39	52	University of North Carolina: Kenan Flagler	US
40	37	University of Texas at Austin: McCombs	US
40	43	Indiana University: Kelley	US
42	49	Indian Institute of Management Calcutta	India
43	36	Warwick Business School	UK
44	54	Washington University: Olin	US
45	59	Alliance Manchester Business School	UK
45	52	Vanderbilt University: Owen	US
47	-	Shanghai University of Finance and Economics: College of Business	China
47	38	Emory University: Goizueta	US
47	49	University of Washington: Foster	US
50	57	CUHK Business School	China
50	64	City, University of London: Cass	UK
52	31	IE Business School	Spain
53	69	Georgia Institute of Technology: Scheller	US
54	42	Sungkyunkwan University GSB	S Korea
55	39	Imperial College Business School	UK
56	41	The University of Hong Kong	China
57	56	Rice University: Jones	US
57	58	University of Notre Dame: Mendoza	US
59	63	Pennsylvania State University: Smeal	US
60	66	Babson College: Olin	US
61	47	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
62	43	Durham University Business School	UK
63	43	Singapore Management University: Lee Kong Chian	Singapore
64	71	WHU – Otto Beisheim School of Management	Germany

परिशिष्ट जारी

ड

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : क्यूएस वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2020

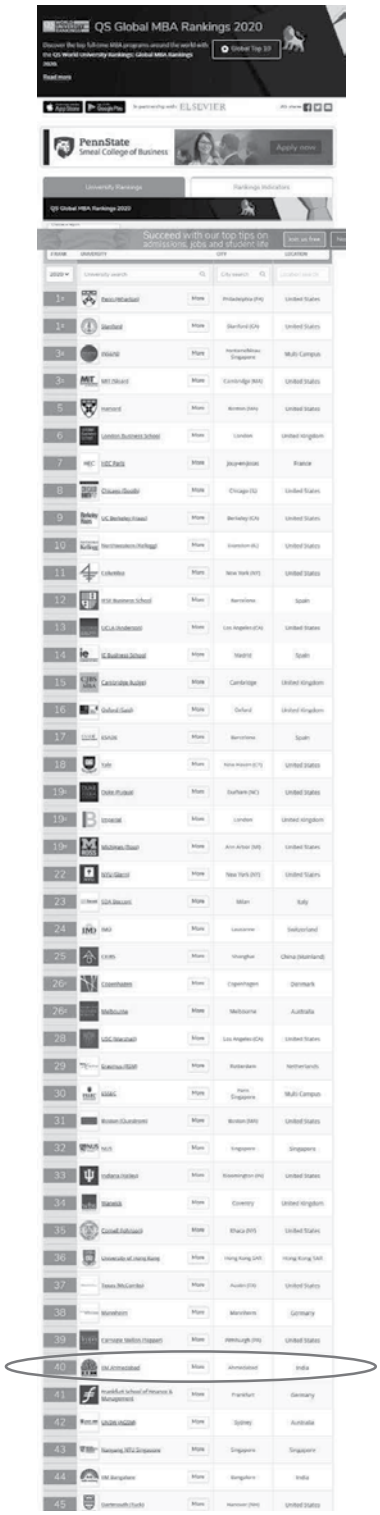

परिशिष्ट जारी ड

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : क्यूएस प्रबंधन में स्नातकोत्तर रैंकिंग 2020

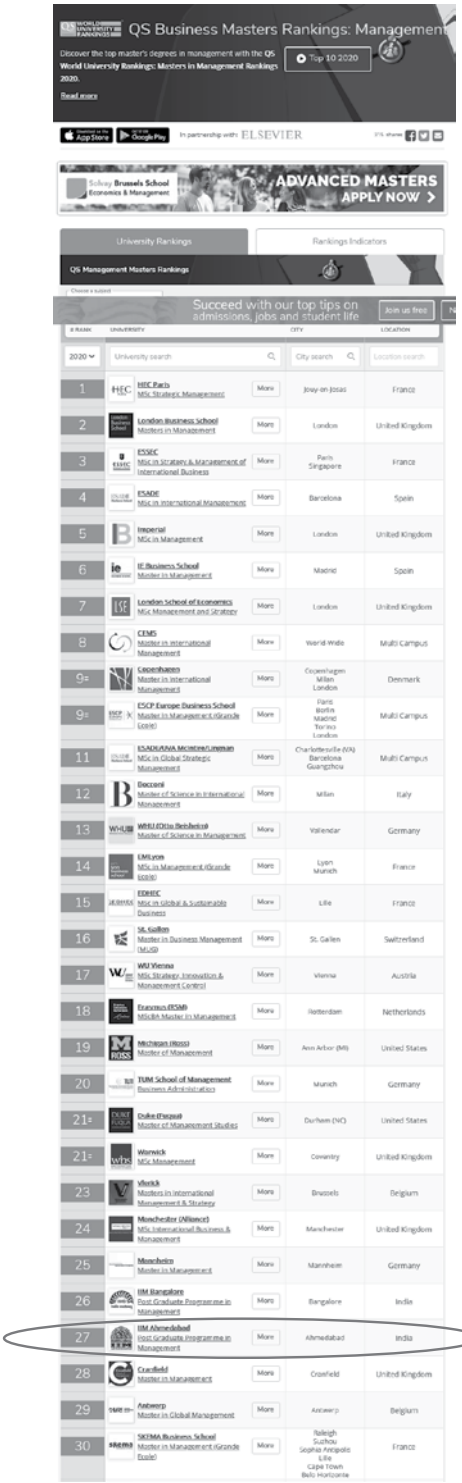

QS World University Rankings — QS Business Masters Rankings: Management

Discover the top master's degrees in management with the **QS World University Rankings: Masters in Management Rankings 2020.**

Read more

Top 10 2020

App Store | Google Play | In partnership with: ELSEVIER

Solvay Brussels School Economics & Management — ADVANCED MASTERS APPLY NOW ›

University Rankings | Rankings Indicators

QS Management Masters Rankings

Choose a subject

Succeed with our top tips on admissions, jobs and student life — Join us free

# RANK	UNIVERSITY		CITY	LOCATION
2020	University search		City search	Location search
1	HEC Paris MSc Strategic Management	More	Jouy-en-Josas	France
2	London Business School Masters in Management	More	London	United Kingdom
3	ESSEC MSc in Strategy & Management of International Business	More	Paris Singapore	France
4	ESADE MSc in International Management	More	Barcelona	Spain
5	Imperial MSc in Management	More	London	United Kingdom
6	IE Business School Master in Management	More	Madrid	Spain
7	London School of Economics MSc Management and Strategy	More	London	United Kingdom
8	CEMS Master in International Management	More	World-Wide	Multi Campus
9=	Copenhagen Master in International Management	More	Copenhagen Milan London	Denmark
9=	ESCP Europe Business School Master in Management (Grande Ecole)	More	Paris Berlin Madrid Torino London	Multi Campus
11	ESADE/UVA McIntire/Lingnan MSc in Global Strategic Management	More	Charlottesville (VA) Barcelona Guangzhou	Multi Campus
12	Bocconi Master of Science in International Management	More	Milan	Italy
13	WHU (Otto Beisheim) Master of Science in Management	More	Vallendar	Germany
14	EMLyon MSc in Management (Grande Ecole)	More	Lyon Munich	France
15	EDHEC MSc in Global & Sustainable Business	More	Lille	France
16	St. Gallen Master in Business Management (MUG)	More	St. Gallen	Switzerland
17	WU Vienna MSc Strategy, Innovation & Management Control	More	Vienna	Austria
18	Erasmus (RSM) MScBA Master in Management	More	Rotterdam	Netherlands
19	Michigan (Ross) Master of Management	More	Ann Arbor (MI)	United States
20	TUM School of Management Business Administration	More	Munich	Germany
21=	Duke (Fuqua) Master of Management Studies	More	Durham (NC)	United States
21=	Warwick MSc Management	More	Coventry	United Kingdom
23	Vlerick Masters in International Management & Strategy	More	Brussels	Belgium
24	Manchester (Alliance) MSc International Business & Management	More	Manchester	United Kingdom
25	Mannheim Master in Management	More	Mannheim	Germany
26	IIM Bangalore Post Graduate Programme in Management	More	Bangalore	India
27	IIM Ahmedabad Post Graduate Programme in Management	More	Ahmedabad	India
28	Cranfield Master in Management	More	Cranfield	United Kingdom
29	Antwerp Master in Global Management	More	Antwerp	Belgium
30	SKEMA Business School Master in Management (Grande Ecole)	More	Raleigh Suzhou Sophia Antipolis Lille Cape Town Belo Horizonte	France

परिशिष्ट जारी

ड

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर एडुनिवर्सल रैंकिंग 2019

International Rankings: Eduniversal Best Masters Ranking in Agribusiness / Food Industry Management 2019:

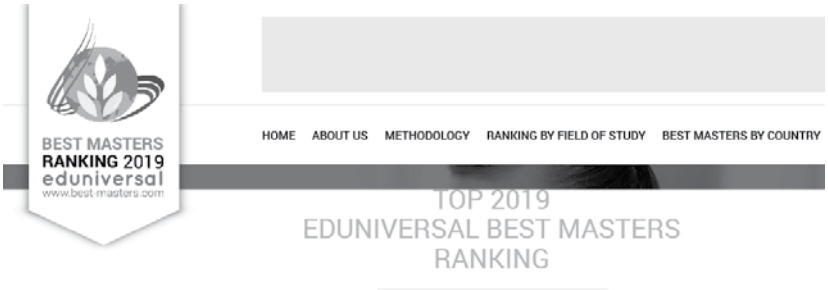

Home > Agribusiness / Food Industry Management

Key icons

Additional information / brochure | Video interview with the program director | Request info / Application | Available spots

See filters

COUNTRY	RANK	SCHOOL / PROGRAM	INFORMATIONS
India	1 ★★★★	**Post Graduate Programme in Food and Agri-Business Management (PGP-FABM)** Indian Institute of Management Ahmedabad (IIM-A)	
Argentina	2 ★★★★	**MBA en Agronegocios** Universidad Austral - Faculty of Business	
U.S.A.	3 ★★★★	**Master of Agribusiness** Texas A&M University - College of Agriculture & Life Sciences	
France	4 ★★★★	**MS Management International Agro-Alimentaire** ESSEC Business School	
Australia	5 ★★★★	**Master of Agribusiness** The University of Melbourne - Melbourne School of Land and Environment	
U.S.A.	6 ★★★★	**Master of Science in Food Industry Management** Cornell University - Johnson Cornell SC Johnson College of Business	
U.S.A.	7 ★★★★	**Agricultural and Resource Economics (Graduate program and PhD)** University of California, Berkeley - Department of Agricultural and Resource Economics	
Canada	8 ★★★★	**Master of Food and Resource Economics** University of British Columbia - Faculty of Land and Food Systems	
U.S.A.	9 ★★★★	**MS-MBA in Food and Agribusiness Management** Purdue University - Center for Food and Agricultural Business	
Chile	10 ★★★★	**Magister en Gestión de Empresas Agroalimentarias** Pontificia Universidad Católica de Chile - Facultad de Agronomía e Ingeniería Forestal	

ढ

पूर्वछात्र शाखा गतिविधियाँ

ढ1 विशेष रुचि समूह

एक विशेष रुचि समूह (एसआईजी) एक बड़े ढाँचे के अंतर्गत एक समुदाय है, जो ज्ञान, शिक्षण या प्रौद्योगिकी के एक विशिष्ट क्षेत्र को आगे बढ़ाने में साझा रुचि में शामिल है, जहाँ सदस्य अपने विशेष क्षेत्र के अंतर्गत समाधान को प्रभावित करने या समाधान करने के लिए सहयोग करते हैं और सम्मेलनों का आयोजन करते हैं और उनमें संवाद कर सकते हैं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, पूर्वछात्रों के कार्यालय ने आईआईएमए के पूर्वछात्रों के लिए पोर्टल में 15 एसआईजी बनाए हैं जिसमें नए उपयोगकर्ता और पंजीकृत उपयोगकर्ता इच्छुक एसआईजी में शामिल हो सकते हैं।

संस्थान ने महिला, स्वास्थ्य देखभाल, डेटा विश्लेषिकी, प्रौद्योगिकी और उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र जैसे एसआईजी समूहों को गति दी है जिन्होंने स्वयं को विकसित करने में रुचि दिखाई है। वे उन अनौपचारिक मिलन-समारोहों, विचारों का आदान-प्रदान, विशिष्ट शहरों में औपचारिक सेमिनार / कार्यक्रम या परिसर में गहन कार्य योजना, व्यावसायिक नेतृत्व, और प्रभावी गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं।

महिला एसआईजी मेंटरशिप इवेंट को मई 2019 में मुंबई शाखा द्वारा सफलतापूर्वक शुरू किया गया था। इसके अलावा, हेल्थकेयर एसआईजी अपनी कल्पना को प्राप्त करने और ऑनलाइन मोड के माध्यम से विचारों को समन्वित करने के लिए लगातार काम कर रहा है।

संस्थान द्वारा प्रयासों को आगे बढ़ाने में, डेटा एनालिटिक्स और प्रौद्योगिकी एसआईजी की एक संयुक्त बैठक 5 अप्रैल, 2019 को बेंगलुरु में आयोजित की गई थी, जिसमें दृष्टि और प्राथमिकताओं तथा कार्य योजनाओं को विकसित करने के उद्देश्य पर चर्चा की गई थी। इसमें 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें बहुत समृद्ध अनुभवी एवं विविध विशेषज्ञता वाले कई वरिष्ठ पूर्वछात्र शामिल थे।

संस्थान में 26 अगस्त, 2019 को "स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। श्री सुदर्शन जैन (पीजीपी 1977), श्री मनीष गुप्ता (पीजीपी 1998), सुश्री मीनाक्षी नेवतिया (पीजीपी 1994)) और श्री राजीव शर्मा (पीजीपी 1996) ने विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उनकी यात्रा के बारे में चर्चा की थी।

सार्वजनिक नीति एसआईजी

सार्वजनिक नीति एसआईजी को औपचारिक रूप से 9 अक्टूबर, 2019 को दिल्ली में शुरू किया गया था। इस बैठक में सरकारी, संबद्ध एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों और वकालत के कई पूर्वछात्रों ने भाग लिया गया था। इस समूह ने कई मूल मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और प्रारंभिक उद्देश्यों, संचालन सिद्धांतों, गतिविधियों और तात्कालिक आगामी चरणों पर निर्णय किया।

स्वास्थ्य देखभाल एसआईजी : इस एसआईजी ने भारतीय स्वास्थ्य सेवा में श्रेष्ठ विचारकों को एक साथ लाने के लिए 'प्रभावी स्वास्थ्य : भविष्य को परिभाषित करना' विषय पर एक आच्छादित सम्मेलन 30 नवंबर, 2019 को मुंबई में आयोजित किया। इस आयोजन ने भारतीय स्वास्थ्य सेवा उद्योग, शिक्षाविदों और उद्यमियों में सबसे बड़े नामों और प्रमुख हितधारकों को एक मंच प्रदान किया, जो उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और प्रवृत्तियों की भूमिका पर विचार-विमर्श और चर्चा करते हैं तथा जो स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को परिभाषित करते हैं। इस सम्मेलन ने डिजिटल स्वास्थ्य पर समृद्ध दृष्टिकोण की पेशकश की और प्रौद्योगिकी से इस उद्योग को बदलने की उम्मीद को जगाया।

ढ2 छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

- **मार्टी मन्नारैया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार अवार्ड :** यह पुरस्कार प्रोफेसर मार्टी सुब्रह्मण्यम (पीजीजी 1967-69) द्वारा श्री मार्टी मन्नारैया गुरुनाथ की स्मृति में स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को प्रदान किया जाता है, जिसने उस दीक्षांत समारोह के प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के बैच को पढ़ाया है। यह 2 लाख रू. का पुरस्कार प्रोफेसर सरल मुखर्जी को दिया गया।
- **आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीईएफ उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार :** यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है, जो आईआईएमए पूर्वछात्रों द्वारा संचालित 25 कंपनियों की एक शाखा है। उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार दो संकाय सदस्यों को दिया जाता है, जिन्हें उनके निरंतर अनुसंधान योगदान और / या एक विशिष्ट प्रकृति के महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए जाना जाता है। यह 2 लाख रू. का पुरस्कार प्रोफेसर देबजीत रॉय को दिया गया।
- **फिलिप थॉमस मेमोरियल स्ट्रेटेजी-पब्लिक सिस्टम्स केस पुरस्कार :** इस पुरस्कार की स्थापना श्री फिलिप थॉमस (पीजीपी-1966) की स्मृति में प्रोफेसर ऋषिकेष टी. कृष्णन (एफपीएम-1996) द्वारा की गई है। यह पुरस्कार उन लेखक (ओं) को जाता है, जिन्होंने प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के दौरान रणनीति / व्यापार नीति और सार्वजनिक प्रणाली के क्षेत्र में एक केस लिखा है। यह 50,000 रू. का पुरस्कार प्रोफेसर अरविंद सहाय को दिया गया।

परिशिष्ट जारी

ढ

- **संजीव सिरपाल शैक्षणिक और रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार:** यह पुरस्कार कनक सिरपाल (पीजीपी-1984) और दोस्तों द्वारा श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी-1984) की स्मृति में स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के प्रतिभागियों के बीच शिक्षण एवं रचनात्मकता में उत्कृष्टता को पहचानने के लिए है। सुश्री राधिका मुंशी (पीजीपी-2020) और श्री आदित्य अग्रवाल (पीजीपी-2020) प्रत्येक को 2 लाख रू. का पुरस्कार मिला।
- **उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार :** 75,000 रू. का यह पुरस्कार श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित किया गया है, यह एक ऐसे छात्र को दिया जाता है जो अपने कार्यकाल के दौरान सभी खेलों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करता है। श्री पी. गोकुलवनन (पीजीपी-2020) को 75,000 रू. का यह पुरस्कार मिला।
- **श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार :** प्रमोद कुंजु (पीजीपी 1999) द्वारा स्थापित 15,000 रू. का यह पुरस्कार प्रथम वर्ष के अंत में पीजीपी-1 में अकादमिक रूप से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को दिया जाता है। श्री आदित्य अग्रवाल (पीजीपी-2020) को 15,000 रू. का यह पुरस्कार मिला।
- **श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी.के.रथ छात्रवृत्ति :** इस छात्रवृत्ति की स्थापना श्री शारदा भंडारी और उच्च शिक्षा के बड़े पैरोकार श्री पी. के. रथ की स्मृति में पाँच वर्ष के लिए द्वितीय वर्ष के पीजीपी छात्रों के लिए श्री समीर भंडारी (पीजीपी-1989) द्वारा की गई है। एक लाख रू. की यह छात्रवृत्ति श्री आदित्य अग्रवाल (पीजीपी-2020) को प्रदान की गई।
- **एस. आर. के. पुरस्कार:** यह पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। वर्ष 2019-20 के लिए यह पुरस्कार प्रोफेसर सरल मुखर्जी को मिला।
- **मदन मोहनका अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार :** यह संकाय पुरस्कार तेगा इंडस्ट्रीज के श्री मदन मोहनका (पीजीपी 1967) द्वारा स्थापित किया गया है। इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता प्रोफेसर चित्रा सिंगला, प्रोफेसर अमित कर्णा और प्रोफेसर अमित गर्ग रहे।
- **आईपीए डी जी शाह श्रेष्ठ सार्वजनिक नीति पेपर पुरस्कार:** यह पुरस्कार भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) द्वारा स्थापित किया गया था और इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता प्रोफेसर तरुण जैन रहे।
- **रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति:** यह छात्रवृत्ति सुश्री रितु बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्षों के लिए स्थापित की गई है । एक लाख रू. की यह छात्रवृत्ति श्री सौरभ पिंजामी (पीजीपी-2020) को प्रदान की गई।
- **अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति:** यह छात्रवृत्ति श्री अजय बंगा (पीजीपी-1981) द्वारा पाँच वर्षों के लिए स्थापित की गई है। एक लाख रू. की यह छात्रवृत्ति श्री जोबलिया जिनेश राजेंद्र (पीजीपी 2020) को प्रदान की गई ।

ढ3 बाहरी संबंध और पहुँच

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान स्माइल केंद्र द्वारा आयोजित की गई प्रमुख गतिविधियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं :-

स्वयंसेवकों द्वारा उपचारात्मक शिक्षा और परामर्श

इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों के विकास में समग्र सुधार प्रदान करना है। इसने छात्रों को कई स्कूल-स्तरीय प्रारंभिक परीक्षाओं में भाग लेने में मदद की है जो व्यक्तिगत विकास के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं।

बुनियादी मूल्यांकन परीक्षा

मुख्य पाठ्यक्रम की ओर बढ़ने से पहले उनकी मूल बातें जाँचने के लिए स्माइल छात्रों के लिए एक बुनियादी मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की गई थी । इससे उन छात्रों पर अधिक ध्यान देने में मदद मिली जिन्हें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता थी।

क्लास में मार्गदर्शन

शिक्षकों द्वारा दी जाने वाली अधिक प्रभावी और कुशल गुणवत्ता युक्त शिक्षा का लाइव डेमो प्रदान करने के लिए, शिक्षकों को इन-क्लास मार्गदर्शन से गुजरना पड़ा, इन-क्लास मेंटरिंग प्रथम विशेषज्ञों द्वारा शिक्षकों के प्रदर्शन की जाँच की गई थी।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों के लिए कई पाठ्येतर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं:

- **नवरात्रि उत्सव** : स्माइल के शिक्षकों और आईआईएमए छात्र स्वयंसेवकों ने शाम को आईआईएम-ए में नवरात्रि समारोह के लिए 7 वीं से 12 वीं कक्षा के छात्रों को शामिल किया।

परिशिष्ट जारी

ढ

- **ड्राइंग कार्यशाला :** आईआईअमए के छात्र स्वयंसेवकों की टीम ने छात्रों के लिए ड्राइंग कार्यशाला का आयोजन किया। छात्रों ने तेलीय रंगों (क्रेयॉन) और पेंसिल रंग का उपयोग करके चित्र तैयार किए। इन सत्रों में छात्रों को उत्साह से भाग लेते हुए देखा गया जो बहुत सारे रचनात्मक विचारों और अपनी व्यस्तता को सामने लाए।
- **स्वतंत्रता दिवस समारोह :** छात्रों ने भारत का झंडा फहराया, कार्यक्रम के बारे में नारे लिखे, और देशभक्ति गीत गाए। इस समारोह में लगभग 40 छात्रों ने भाग लिया।
- **सार्वजनिक भाषण :** आईआईएमए के छात्र स्वयंसेवकों ने "मैं कौन हूं?" व्यक्तियों के परिचय पर सत्र लिया। छात्रों को यह भी सिखाया गया कि कविताओं का पाठ कैसे किया जाए।
- **दिवाली शिविर** : केंद्र द्वारा सात-दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था, जहाँ आईआईएमए के छात्र स्वयंसेवकों, शिक्षकों और केंद्र समन्वयक ने कला और शिल्प में नई तकनीकों की मदद से छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने, नृत्य करने और नाटक / नाटक करने के लिए काम किया। अन्य गतिविधियों में स्केच सत्र, गुब्बारे और धागे के साथ दीपक बनाना, कागज के दीपक बनाना, सिरेमिक मिट्टी के साथ बर्तनों की सजावट करना, उन बर्तनों को रंगना, वाटर कलर पेंटिंग, नाटक और संगीत शामिल हैं। शिविर में स्वस्थ तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया और सभी वर्गों के लिए योग सत्र शामिल थे। डॉ. रेखा ने बालिका स्वच्छता और मासिक धर्म स्वास्थ्य पर एक महत्वपूर्ण जानकारी पर सत्र लिया। शिविर की अवधि के लिए छात्रों को स्कूल में जलपान प्रदान किया गया। इस समारोह में 110 छात्रों ने भाग लिया।
- **क्रिसमस समारोह** : इस दिन के बारे में जानकारी के साथ छात्रों को यह बताया गया था कि वे क्रिसमस के बारे में क्या जानते हैं और यह हमें क्या सिखाता है। छात्रों को चॉकलेट और कपकेक दिए गए।
- **नृत्य कार्यशाला** : यह कार्यशाला, दो आईआईएमए छात्र स्वयंसेवकों द्वारा 8 वीं और 9 वीं कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित की गई, जिसमें पारंपरिक नृत्य के साथ-साथ गरबा के समकालीन कदमों को शामिल किया गया।
- **पतंग उड़ाना** : 12 जनवरी, 2020 को आयोजित समारोह में छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। पतंग उड़ाने के अलावा इस कार्यक्रम में अन्य गतिविधियों जैसे नृत्य, खेल और जलपान (उंधयू पार्टी) भी शामिल थे। बच्चों को पेन, मिठाई और पतंग जैसे रिटर्न गिफ्ट भी दिए गए।
- **फिल्म** : बच्चों को तान्हाजी 'नामक एक फिल्म दिखाई गई जो कि वाघ बकरी परिवार द्वारा प्रायोजित थी।
- **सपनों को रंग भरें** : निरमा विश्वविद्यालय के छात्रों ने "पेंट योर ड्रीम्स" इवेंट का आयोजन किया। इस आयोजन में 4 शिक्षकों के साथ 50 स्माइल छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को अपने सपनों को आकर्षित करने / चित्रित करने और अपनी कल्पना को पंख देने के लिए कहा गया। मुख्य ड्राइंग / पेंटिंग समारोह के अलावा इस आयोजन में छात्रों को विभिन्न आउटडोर खेलों को खेलने और एक जादू दिखाने की अनुमति भी दी गई।
- **कैरियर मार्गदर्शन** : 13 मार्च, 2020 को आईआईएमए छात्र स्वयंसेवकों और स्माइल शिक्षकों द्वारा कक्षा 9 और 11 के छात्रों के लिए "कैरियर मार्गदर्शन" सत्र आयोजित किया गया।
- **स्वास्थ्य शिविर** : 110 बच्चों को नि: शुल्क दवा सेवाएँ प्रदान करने और उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए, सीआईएमएस अस्पताल के सहयोग से एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया था। डॉक्टरों में सामान्य चिकित्सक, दंत चिकित्सक, नेत्र रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ शामिल थे।
- **खरीदारी के लिए चलो** : यह कार्यक्रम आसमान फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था, जो हर साल इसे आयोजित करता है। इसके आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यह सिखाना है कि पैसे कैसे संभालें, एक चेक भरें, वस्तुओं और अन्य व्यावहारिक चीज़ों का भुगतान करें।
- **आनंद मेला** : इस आयोजन में, छात्रों के दिमागी खेलों सहित कई बाहरी खेल शामिल हैं। उन्होंने नाश्ता, दोपहर का भोजन और नाश्ता किया। और उन्होंने इस कार्यक्रम के अंत में जादूगर शो देखा।
- **नि: शुल्क पुस्तक वितरण** : कक्षा 10 और 12 के छात्रों को उनकी बोर्ड परीक्षा हेतु प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए किताबें / पेपर सेट मुफ्त दिये जाते हैं।

परिशिष्ट जारी

ढ

सामुदायिक सहभागिता गतिविधियाँ

- **स्कूल के दौरे** : इसमें नियमित विद्यालयों का दौरा करना शामिल है जिसमें स्माइल के छात्रों का नामांकन होता है। स्कूल के दौरे यह समझने के लिए किए जाते हैं कि छात्र क्यों कभी-कभी स्कूलों से बाहर निकल जाते हैं, स्कूल स्तर पर एक बच्चे के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक, और सामाजिक संरचना जो एक बच्चे की शिक्षा के लिए बाधा साबित होती है। इससे स्कूलों को स्माइल और उसकी गतिविधियों के बारे में पता चलता है और नियमित घंटों के बाद छात्रों को इसका समर्थन मिलता है। स्माइल शिक्षकों ने इस शैक्षणिक वर्ष में 5 स्कूलों का दौरा किया।
- **सामुदायिक दौरे** : इनका उद्देश्य माता-पिता से जुड़ना और परिवार की जीवन स्थितियों को देखना है, इस बात की जानकारी प्राप्त करना है कि परिवार आगे की शिक्षा के लिए कितना सहायक हो सकता है, और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता को समझाना है। हमारे शिक्षकों ने इस वर्ष विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि विश्रामपुर गाँव, वृंदावन आवास और रानुजनगर में3 सामुदायिक दौरे किए।
- **अभिभावक बैठकें** : अभिभावकों के साथ विचार-विमर्श किया जाता है। यह शिक्षकों और छात्रों के बीच एक सेतु बनाने में भी मदद करता है और तीनों को एक ही जगह पर मिलाता है।
- **स्वयंसेवक संलग्नता** : विभिन्न गतिविधियों और खेलों के साथ नियमित सत्र लेकर कई स्वयंसेवकों ने योगदान दिया है और इस प्रकार सीखने को आसान बनाने की कोशिश की जा रही है। स्माइल में आने वाले बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए साप्ताहिक ड्राइंग कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

ढ 4 ए- लीग गतिविधियाँ

ए - लीग अहमदाबाद क्षेत्र और इसके आसपास के 14 प्रमुख संस्थानों का समूह है, इस पहल का उद्देश्य सहयोगात्मक और अंतःविषय गतिविधियों को बढ़ावा देना है। अन्य संस्थानों के सहयोग से कई सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे गरबा नाइट्स, उत्सव समारोह आदि का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अलग, ए-लीग गतिविधियों के मुख्य आकर्षण निम्नलिखित आयोजन थे :-

जूमकार स्टोरी - जुलाई 2019

- एसएईआरसी ने जूमकार के मुख्य परिचालन अधिकारी एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री परितोष गुप्ता की मेजबानी की, जिन्होंने सभी ए-लीग संस्थानों से उपस्थित लोगों के साथ कंपनी की उल्लेखनीय यात्रा को साझा किया।

एक स्टार्टअप कैसे शुरू करें

- आईआईएम अहमदाबाद के एंट्रेवीसी क्लब ने अपने अनुभव को साझा करने और अपनी उद्यमशीलता की यात्रा के बारे में जानकारी साझा करने के लिए मीशो के सह-संस्थापक श्री विदित आत्रे की मेजबानी की। (अगस्त 2019)
- इस श्रृंखला के एक अन्य सत्र में, आईआईएम अहमदाबाद के एंट्रेवीसी क्लब ने लाइटबॉक्स वेंचर्स के श्री संदीप मूर्ति को उपस्थित लोगों के साथ अपनी अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए आमंत्रित किया। (अक्टूबर 2019)

आईआईएमए प्रेरणा श्रृंखला

- एसएईआरसी ने अपनी प्रमुख प्रेरणा श्रृंखला के तहत सुश्री मल्लिका साराभाई और श्री शोवेन नारायण को उपस्थित लोगों के साथ अपनी प्रेरणादायक यात्राओं को साझा करने के लिए आमंत्रित किया। (अक्टूबर 2019)
- एसएईआरसी ने एक अन्य सत्र में, ए-लीग संस्थानों से 100 उपस्थित लोगों के लिए ब्लैकरॉक की प्रबंध निदेशक सुश्री निशा अवस्थी को आमंत्रित किया। (अक्टूबर 2019)
- रोहन जोशी से चर्चा : एसएईआरसी को आईआईएम अहमदाबाद में एआईबी के सह-संस्थापक श्री रोहन जोशी की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला, जिन्होंने 150 से अधिक प्रतिभागियों के साथ स्टैंडअप कॉमेडी और क्रिएटिव स्पेस में बदलते दृश्य की कहानी साझा की। (नवंबर 2019)
- जयराम श्रीधरन से चर्चा : एसएईआरसी ने एक्सिस बैंक के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री जयराम श्रीधरन की मेजबानी की, जिन्होंने मध्य प्रदेश के एक छोटे से शहर से एक्सिस बैंक के मुख्य वित्तीय अधिकारी बनने तक की अपनी उल्लेखनीय यात्रा को साझा किया। (नवंबर 2019)

परिशिष्ट जारी

ढ

सार्वजनिक व्याख्यान - सुश्री अनुराधा कपूर

- अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने सुश्री अनुराधा कपूर (नाटक निर्माता और शिक्षक) द्वारा "शरीर से मुद्राएँ : समकालीन भारतीय रंगमंच में नारीवादी रंगमंच की प्रथाएँ" पर एक सार्वजनिक व्याख्यान की मेजबानी की। (अक्टूबर 2019)

सार्वजनिक व्याख्यान - श्री गौतम पटेल

- श्री गौतम पटेल, सीनियर पॉलिसी मैनेजर, दक्षिण एशिया, अब्दुल जमील गरीबी एक्शन लैब (जे-पीएएल) द्वारा "गरीबी कम करने के लिए विज्ञान का उपयोग करना" विषय पर चर्चा सहित इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन। (नवंबर 2019)
- दिसंबर में, एसएईआरसी ने आरटीईआरसी (विंटर स्कूल 2019), आईआईएम एली (एलजीबीटीक्यू फिल्म स्क्रीनिंग), प्रयास (आईआईएमए में एक दिन) द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए ए-लीग संस्थानों को आमंत्रित किया।

  सत्र के दूसरे और तीसरे कार्यकाल में आईआईएमए ने अपनी कई गतिविधियों के लिए साथी ए-लीग संस्थानों से कई सहभागिता आमंत्रण प्राप्त किए, जिनमें फिटनेस मैराथन, क्विज़ प्रतियोगिताएँ, एमयूएन सम्मेलन, बैंक राष्ट्रीयकरण पर आर्थिक सम्मेलन, प्रतिभा खोज परीक्षा आदि शामिल थे।

ढ 5 सिंगापुर शाखा, व्यक्तिगत पूर्वछात्र, कॉर्पोरेट संगठनों और पूर्वछात्र बैचों द्वारा प्रमुख योगदान

नाम	उद्देश्य	राशि (₹)
क. वर्ष 2019-20 में शुरू किया गया विशिष्ट फंड		
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा – आईआईएमए के लिए एक मिलियन	संकाय विंग 2 एवं 6	54,199,886
ख. वर्ष 2019-20 में व्यक्तिगत रूप से पूर्वछात्रों का योगदान		
अरुण दुग्गल (पीजीपी 1974)	अभी प्रस्तावित किया जाना है	20,000,000
रूपा कुडवा (पीजीपी 1986) और विवेक कुडवा (पीजीपी 1986)	विंग 7 - रूपा कुडवा और विवेक कुडवा द्वारा समर्थित	12,500,000
शैलेंद्र पी. जैन (1984)	कर्नल मनोहर लाल सरीन एंव श्रीमती सुशीला सरीन आई-छात्रवृत्ति	100,000
दीपक गुप्ता (पीजीपी 1985)	दीपक गुप्ता मेरिट-कम-मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति	3,150,000
विजय भार्गव (पीजीपी 1967)	संकाय विंग 11 और सेमिनार रूम 3 के लिए बैच योगदान	40,000,000
अजय एंव ऋतु बंगा (पीजीपी 1981)	उद्योग छात्रवृत्ति	1,000,000
ग. वर्ष 2019-20 में पूर्व वायदों और पूर्व समझौता ज्ञापनों के अनुसार पूर्वछात्रों से व्यक्तिगत योगदान		
समीर भंडारी (पीजीपी 1989)	समीर भंडारी उद्योग छात्रवृत्ति	100,000
परमेश शाह (पीजीपी-एसपीए 1982)	पीजीपी एफएबीएम 2 के लिए एफएबीएम आई-छात्रवृत्ति	100,000
घ. वर्ष 2019-20 में कॉर्पोरेट्स के माध्यम से नई भागीदारी के अनुसार योगदान		
डी. बी. कॉर्प. लिमिटेड	दैनिक भास्कर मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति	5,000,000
भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस	आईआईएमए में आईपीए डीजी शाह बेस्ट पब्लिक पॉलिसी पेपर अवार्ड	3,000,000
इंडेजेन प्राइवेट लिमिटेड	आईआईएमए में केस स्टडीज और रिसर्च पेपर्स के माध्यम से हेल्थकेयर सेक्टर में अनुसंधान का समर्थन	1,000,000
अमेरिकन एक्सप्रेस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (एमेक्स)	उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग (एचपीसी) लैब	18,000,000

परिशिष्ट जारी

ढ

नाम	उद्देश्य	राशि (₹)
ङ. वर्ष 2019-20 में पूर्व वायदों और पूर्व समझौता ज्ञापनों के अनुसार कॉर्पोरेट्स के माध्यम से योगदान		
नाबार्ड	नाबार्ड में कृषि व्यवसाय के अध्यक्ष	624,780
च. वर्ष 2019-20 में बैचों से योगदान		
पीजीपी 1970 बैच	अभी प्रस्तावित किया जाना है	17,048,630
1987 बैच कॉर्पस	अभी प्रस्तावित किया जाना है	5,20,520
1994 बैच	प्रवेश कार्यालय और संकाय विंग 1 के लिए योगदान	8,393,730
1998 बैच कॉर्पस	स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन के लिए केंद्र (सीएमएचएस) कार्यालय - पीजीपी 1998 बैच द्वारा समर्थित	2,522,011
पीजीपी 2002 बैच	भारमुक्त अनुदान	3,858,625
पीजीपी 2003 बैच	उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग (एचपीसी) लैब समर्थन	20,935,066
पीजीपी 2004 बैच	एक संगोष्ठी कक्ष और एक छात्रवृत्ति की योजना बनाई	13,007,176
पीजीपी 2009 बैच	अभी प्रस्तावित किया जाना है	6,924,240
पूर्वछात्रों से दान	सामान्य उद्देश्य	1,189,687
एफपीएम पूर्वछात्र	एफपीएम पुरस्कार निधि	105,000
कुल योग		**232,758,831**
क. वर्ष 2019-20 में शुरू किया गया विशिष्ट फंड		54,199,886
ख. वर्ष 2019-20 में व्यक्तिगत रूप से पूर्वछात्रों का योगदान		76,750,000
ग. वर्ष 2019-20 में पूर्व वायदों और पूर्व समझौता ज्ञापनों के अनुसार पूर्वछात्रों से व्यक्तिगत योगदान		200,000
घ. वर्ष 2019-20 में कॉर्पोरेट्स के माध्यम से नई भागीदारी के अनुसार योगदान		27,000,000
ङ. वर्ष 2019-20 में पूर्व वायदों और पूर्व समझौता ज्ञापनों के अनुसार कॉर्पोरेट्स के माध्यम से योगदान		624,780
च. वर्ष 2019-20 में बैचों से योगदान		73,984,165
इस वर्ष नई साझेदारियों और वित्त पोषण पहलों के माध्यम से योगदान (क+ख+ग+घ)		231,934,051
पिछली प्रतिबद्धताओं और पहले के समझौता ज्ञापनों के माध्यम से योगदान (ग+ङ)		824,780
कुल योग		**232,758,831**

ढ6 व्यक्तिगत योगदान (5 लाख रु. और उससे अधिक)

नाम	बैच	राशि (₹)
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1969	1,300,112
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1969	2,586,955
बालाजी चक्रवर्ती	पीजीपी 1970	1,052,415
मार्सेल आर पार्कर	पीजीपी 1970	750,000
टी.के. बालाजी	पीजीपी 1970	1,500,000
पीजीपी 1970 बैच पूर्वछात्र	पीजीपी 1970	1,065,827
पीजीपी 1970 बैच पूर्वछात्र	पीजीपी 1970	563,794

नाम	बैच	राशि (₹)
पीजीपी 1970 बैच	पीजीपी 1970	1,127,588
पीजीपी 1970 बैच पूर्वछात्र	पीजीपी 1970	500,000
पीजीपी 1970 बैच पूर्वछात्र युगल	पीजीपी 1970	7,513,488
पीजीपी 1970 बैच पूर्वछात्र	पीजीपी 1970	2,000,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1975	1,000,018
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1982	5,149,750

परिशिष्ट जारी

ढ

नाम	बैच	राशि (₹)
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1982	2,500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र युगल	पीजीपी 1986	1,000,000
वरुण गोसाईं	पीजीपी 1987	1,084,313
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1988	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1988	5,125,750
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1988	757,073
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1988	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1988	800,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1988	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1988	512,100
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र युगल	पीजीपी 1988 एवं पीजीपी 1984	1,000,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1989	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1989	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1990	1,310,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1990	1,300,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1990	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1990	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1990	511,200
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1990	1,273,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1991	1,000,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1992	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1992	761,460
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1992	2,500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1992	1,000,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1992	1,277,640
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1994	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र युगल	पीजीपी 1994	508,518
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र युगल	पीजीपी 1994	510,100
गणेश रमणी	पीजीपी 1994	2,310,000
के.एस. जंगबहादुर	पीजीपी 1994	594,878
नवीन कुमार चोपड़ा	पीजीपी 1994	1,000,000
नितिन भंभानी	पीजीपी 1994	3,540,941
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1995	513,321
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1995	509,061
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1995	575,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1995	1,000,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1995	509,168
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र युगल	पीजीपी 1997	1,035,824
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1997	1,275,836
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1997	501,890
प्रणय अग्रवाल	पीजीपी 1998	708,188
आशीष सक्सेना	पीजीपी 1998	1,000,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 2001	500,000
नितिन जिंदल	पीजीपी 2002	3,758,625
गौरव पंत	पीजीपी 2003	800,000

परिशिष्ट जारी

ढ

नाम	बैच	राशि (₹)
किनारीवाला मेहुल विजयकुमार	पीजीपी 2003	700,000
मंजेश वर्मा	पीजीपी 2003	700,000
मुस्तनसिर बोरियावाला	पीजीपी 2003	500,000
नवीन उन्नी	पीजीपी 2003	500,000
नीरव नाइक	पीजीपी 2003	2,000,000
निखिलेश केदारी	पीजीपी 2003	600,000
नितिन दहिया	पीजीपी 2003	1,315,519
नितिन डायस	पीजीपी 2003	500,100
पार्थसारथी किरण चक्रवर्ती	पीजीपी 2003	500,000
प्रकुल कौशिव	पीजीपी 2003	1,500,000
प्रशांत कोठारी	पीजीपी 2003	993,300
प्रशांत सिंह	पीजीपी 2003	500,000
प्रशान्त रेड्डी	पीजीपी 2003	736,691
संदीप भरतवाज	पीजीपी 2003	2,104,830
शशांक सावला	पीजीपी 2003	526,680
सुमोद जॉर्ज जचारियाह	पीजीपी 2003	500,000
अभिषेक राजन	पीजीपी 2004	500,000
अंबरीश राठी	पीजीपी 2004	500,000
जी.वी. रविशंकर	पीजीपी 2004	2,000,000
गौतम रवि नारायण	पीजीपी 2004	700,000
कार्तिक शेठ	पीजीपी 2004	500,000
राघव मित्तल	पीजीपी 2004	750,000
सुब्रमण्य वेंकट सुमुख	पीजीपी 2004	500,000
सुदर्शन रामकृष्णन	पीजीपी 2004	1,000,000
अनमोल सेठी	पीजीपी 2009	500,000
देवदत्त मराठे	पीजीपी 2009	500,000
राहुल लूथरा	पीजीपी 2009	500,000
आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 2010	1,000,000

ण

कार्मिक

ण1 नई नियुक्तियाँ

संकाय

• रजत शर्मा	विपणन
• नवीन आंबली	विपणन
• मोहम्मद फौद	व्यापार नीति
• रजनीश राय	सार्वजनिक प्रणाली समूह
• अद्रीजा मजूमदार	सूचना प्रणाली
• तरुण जैन	अर्थशास्त्र
• प्रणव सिंह	वित्त एवं लेखा
• विद्या वेमिरेड्डी	कृषि प्रबंधन केंद्र
• रामनाथन सुब्रमण्यम	विपणन
• अनुज कपूर	विपणन

स्टाफ

• श्री वेंकटेश्वर राव अलापर्थी	प्रमुख-मानव संसाधन
• सुश्री मानसी परिख	सनदी लेखाकार
• श्री वरुणसिंह यादव	कार्यक्रम सहयोगी/पीजीपीएक्स
• सुश्री प्रियंका प्रदीप त्रिपाठी	संकाय सचिव/लिपिकीय सहायक
• सुश्री अलीशा के. एनग्रेवर	लिपिक सहायक, संचार विभाग
• सुश्री रिद्धि मजिठिया	संकाय सचिव/लिपिकीय सहायक
• सुश्री शुभम कँवर राजावत	एसएपी सलाहकार
• सुश्री मोनिका एन. पंचोली	संकाय सचिव/लिपिकीय सहायक
• श्री जयेश एम. पुरोहित	एचवीएसी तकनीशियन
• सुश्री जिशा गोपीनाथन	लिपिक सहायक/व्यापार विश्लेषिकी कार्यालय
• सुश्री हेतल राव	लिपिकीय सहायक/भंडार एवं क्रय
• सुश्री शिल्पा नागरे	लिपिकीय सहायक/आरटीआई एवं आर एंड पी
• सुश्री नैन्सी लॉरेंस राफेल	लिपिकीय सहायक/लेखा
• सुश्री राधा शर्मा	लिपिकीय सहायक/वित्त
• सुश्री महिमा शर्मा	लिपिक सहायक / कार्यकारी शिक्षा
• श्री वसीम रहमान	पुस्तकालय व्यावसायिक सहायक / पुस्तकालय

परिशिष्ट जारी

ण

• श्री अरुण गुप्ता	प्रमुख – कार्यकारी शिक्षा
• श्री इलयाराजा एम.	पुस्तकालय व्यावसायिक सहायक / पुस्तकालय
• श्री उमेश दलाल	मुख्य वित्तीय अधिकारी
• सुश्री इशिता दयानी	संकाय सचिव/लिपिकीय सहायक
• श्री मिहिर वी. ठाकुर	इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
• श्री अंकित पी. शाह	वरिष्ठ सिविल इंजीनियर (एस्टेट)
• श्री डेविड दिनाकरन एडा	एसोसिएट / प्रत्यायन एवं रैंकिंग
• श्री मिलिंद भट्टड़	सिविल इंजीनियर / परियोजना कार्यालय
• सुश्री साक्षी माहेश्वरी	चार्टर्ड एकाउंटेंट / अनुबंध
• सुश्री ग्रीष्मा नायर	लिपिक सहायक /स्थानन
• सुश्री नेहा एम. शर्मा	लिपिक सहायक / विकास कार्यालय
• श्री अब्दुलअहद कुरैशी	हेल्पडेस्क सहायक सह मेल प्रशासक / सीसी
• सुश्री डायना जोसेफ	संपादकीय अधिकारी / विकल्प
• श्री सौमिल गाँधी	वरिष्ठ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
• सुश्री कृष्णांशिका नायर	कार्यकारी सहायक / सीएओ कार्यालय
• श्री एम.एस. सचिदानंदम	कार्यकारी सहायक / पीजीपी कार्यालय
• श्री विजयकुमार राठौड़	सहायक अभियंता-मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल
• श्री अश्विन सुहास जोशी	प्रमुख, सामरिक विकास एवं व्यवसाय विकास, ईईपी
• श्री ए. एम. एस. राजेश कन्ना	मुख्य प्रबंधक-आईटी
• श्री हर्ष कौशिककुमार पटेल	लिपिक सहायक / पेरोल
• सुश्री अस्मिता अयप्पन	लिपिक सहायक / पूर्वछात्र कार्यालय
• सुश्री विधी देसाई	एसोसिएट / विशेष रुचि समूह
• सुश्री वेरोनिका डेविड	एसोसिएट / कार्यक्रम प्रशासन
• सुश्री मानसी पारेख	एसोसिएट / कार्यक्रम प्रशासन
• सुश्री मनाली शाह	एसोसिएट / कार्यक्रम प्रशासन

ण2 त्यागपत्र / समयावधि पूर्ण / तकनीकी त्यागपत्र

संकाय

• प्रोफेसर मनीष अग्रवाल	16 अक्टूबर, 2019 को त्यागपत्र दिया
• प्रोफेसर मिगुएल सर्रियन	31 मार्च, 2020 को कार्यकाल पूर्ण

परिशिष्ट जारी

ण

स्टाफ

- श्री अश्विन जोशी — 26 अप्रैल, 2019 को त्यागपत्र
- श्री पांडुरंगा स्वामी — 01 मई, 2019 को त्यागपत्र
- श्री एस.एन. राव — 31 मई, 2019 को कार्यकाल पूर्ण
- कर्नल बिस्वजीत मंडल — 17 जुलाई, 2019 को त्यागपत्र
- सुश्री स्वाति गुरुमूर्ति — 31 अक्टूबर, 2019 को त्यागपत्र
- सुश्री अंशु तिवारी — 08 नवंबर, 2019 को त्यागपत्र
- सुश्री डायना जोसेफ — 08 नवंबर, 2019 को त्यागपत्र
- श्री संतोष परब — 21 नवंबर, 2019 को त्यागपत्र
- सुश्री इशिता दयानी — 26 दिसंबर, 2019 को त्यागपत्र
- सुश्री श्रीजा पिल्लई — 31 दिसंबर, 2019 को कार्यकाल पूर्ण
- श्री जैनम शाह — 31 जनवरी, 2020 को कार्यकाल पूर्ण
- श्री संदीप जयदेवभाई पटेल — 03 फरवरी, 2020 को कार्यकाल पूर्ण
- सुश्री निधि सोमन — 13 मार्च, 2020 को कार्यकाल पूर्ण

संस्थान सभी उपरोक्त सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ प्रदान करता है।

ण3 सेवानिवृत्ति

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित संकाय सदस्य सेवानिवृत्त हुए :

- प्रोफेसर रेखा जैन — 31 दिसंबर, 2019 को सेवानिवृत्त
- प्रोफेसर वसंत गाँधी — 31 दिसंबर, 2019 को सेवानिवृत्त

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए :

- सुश्री शैलजा एच. नायर — 30 अप्रैल, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री बोस पी. — 30 अप्रैल, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री मोडिया डी.एस. — 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री अखिलेश एन. गौड — 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री भीखाभाई जी. वाघेला — 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री जितेंद्रकुमार आर. शाह — 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री हरगोविंद जे. रबारी — 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री मनुभाई के. वाघेला — 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री हीराभाई एम. वाघेला — 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त

- श्री पूनमचंद एस. मकवाना 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- सुश्री पुष्पा हरिहरन 31 मई, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री देवाभाई आर. भट्टी 31 जून, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री लक्ष्मणदेव बी. गोहिल 31 अगस्त, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री धनजीभाई के. पटेल 30 सितंबर, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री उर्मिल जे. अंजारिया 31 अक्टूबर, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री जयंतीलाल एस. प्रजापति 30 नवंबर, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री गणपत एस. सोलंकी 31 दिसंबर, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री ईशरदीन आर. पासी 29 फरवरी, 2020 को सेवानिवृत्त
- श्री सुनील गर्ग 29 फरवरी, 2020 को सेवानिवृत्त
- श्री रामचंद्रन के.वी. 31 मार्च, 2020 को सेवानिवृत्त
- श्री रतनाजी एम. परमार 31 मार्च, 2020 को सेवानिवृत्त

संस्थान इन्हें इनकी दीर्घकालीन, समर्पित और विशिष्ट सेवा के लिए धन्यवाद देता है।

ण 4 अनुपस्थिति की स्वीकृति

- प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा को 01 जून, 2016 से 31 मई, 2021 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी को 26 अगस्त, 2018 से 27 अगस्त, 2019 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर अप्रतिम गुहा को 18 फरवरी, 2019 से 17 फरवरी, 2021 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर नमन देसाई को 01 जनवरी, 2020 से 01 जून, 2020 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर देबजीत रॉय को 12 मार्च, 2020 से 21 अप्रैल, 2020 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।

स्टाफ

- श्री अनिल चौबल को 02 मार्च, 2020 से एक वर्ष के लिए बिना वेतन के छुट्टी दी गई।

ण 5 फिर से शामिल हुए

संकाय

- प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी वेतन के बिना छुट्टी का लाभ लेने के बाद फिर से संस्थान से जुड़े।

स्टाफ

- श्री मल्लिकार्जुन डोरा वेतन के बिना छुट्टी का लाभ लेने के बाद फिर से संस्थान से जुड़े।

ण 6 पदोन्नति एवं वित्तीय उन्नयन

संकाय

- प्रोफेसर देबजीत रॉय को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर नीरव नागर को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर चिला सिंगला को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर नवदीप माथुर को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

स्टाफ (पदोन्नति)

- श्री संजयसिंह आर. सिंह
- श्री अशोक बोरिचा
- सुश्री अंजनाकुमारी बीवीएन
- श्री गिरीश मकवाना
- श्री मोहम्मदइसाक एफ. शेख
- श्री राकेशकुमार चौहान
- श्री जीजो जोसेफ
- सुश्री नीलम वाढेर
- श्री अब्दुलरज़ाक ए. मुंशी
- सुश्री सुमिता नायर
- श्री उदयभानु पी.जी.
- सुश्री सरस्वती सुनीलराज
- श्री राजेशकुमार भावसार
- श्री धनजी पटेल
- श्री हर्षदकुमार बी. झाला
- सुश्री साजेदा मोमिन
- श्री भावेशकुमार पटेल
- श्री जयप्रकाश शिवसामी
- श्री प्रतीक शेठ
- सुश्री स्नेहल जेठवा
- श्री उमेश एम. पटेल
- श्री चंद्रशेखर सोलंकी
- श्री प्रवीणचंद्र वी. राज
- सुश्री रमिया नायर
- श्री सुनील पटेल
- श्री पी.वी. सेतुमाधवन

स्टाफ (वित्तीय उन्नयन)

- श्री गिरीश कोसंबिया
- श्री बब्बन पासी
- श्री भाविन बी. बदरकिया
- श्री रामकेवल कोरी
- श्री विनोद ईश्वरभाई सोलंकी
- श्री देवीसिंह एल. राजपूत
- सुश्री विमला कबीरा
- श्री रमेशभाई एम. वाघेला
- श्री देवा राजू भट्टी
- श्री गणपतभाई के. वाघेला
- श्री मनोज वसडिया
- श्री सतीश सी. वाघेला
- श्री डाह्याभाई एन. भट्टी
- श्री धनजी पटेल

ण 7 कार्मिक संख्या

वर्ष	संकाय	शैक्षणिक सहयोगी	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2010-11	88	71	327	486
2011-12	88	66	316	470
2012-13	85	70	291	446
2013-14	90	65	269	424
2014-15	95	72	286	453
2015-16	98	68	289	391
2016-17	94	64	293	451
2017-18	98	75	289	462
2018-19	96	80	303	479
2019-20	**103**	**88**	**308**	**499**

ण8 संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उच्चतम पारिश्रमिक और उनके योगदान वाले संकाय

	सुनील माहेश्वरी	संजय वर्मा	अरविंद सहाय	सुनील शर्मा	अमित कर्णा
1. निम्नलिखित दीर्घ अवधि कार्यक्रमों में पढ़ाया (पाठ्यक्रमों की संख्या):					
क. पीजीपी	02	03	08	02	03
ख. पीजीपीएक्स	02		05	02	01
ग. एफपीएम	01	01	02	01	02
घ. ई-पीजीपी	02	01	02		
ङ. एफडीपी			01		
च. एएफपी		02		01	
2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाया:					
क. ओईपी	12	11	12	08	16
ख. सीईपी	19	24	15	22	24
ग. बीएलपी	02	06			02
3. एफपीएम में योगदान:					
अध्यक्ष शोध-प्रबंध सलाहकार समिति	02		06		04
सदस्य शोध-प्रबंध सलाहकार समिति	02			03	02
4. अनुसंधान एवं प्रकाशन :					
पंजीकृत केस	01	01	03	02	02
सहकर्मी लेखों की समीक्षा			01	01	
जारी अन्य शोध			04		
समाचार पत्रों में लेख			04		
बाहरी वक्ता / कार्यशालाएँ			04		
5. सलाहकार सेवाएँ	**03**		**03**		
6. अन्य (परामर्श, नीति समितियाँ, आदि)		**03**	**02**	**02**	**03**

त

शासक मंडल

अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला
अध्यक्ष, आदित्य बिड़ला समूह, मुंबई

सदस्य	
संजय कुमार सिन्हा, आईएफएस संयुक्त सचिव, (प्रबंधन एवं भाषा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	**अशांक देसाई** संस्थापक एवं पूर्व-अध्यक्ष मास्टेक लिमिटेड, मुंबई
अंजू शर्मा प्रमुख सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) शिक्षा विभाग गुजरात सरकार, गाँधीनगर	**डॉ. हसित जोशीपुरा** सदस्य-कार्यकारी प्रबंधन समिति एवं प्रमुख - कॉर्पोरेट केंद्र लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड मुंबई
सुनील कांत मुंजाल अध्यक्ष हीरो एंटरप्राइज नई दिल्ली	**रूपा कुडवा** सहभागी एवं प्रबंध निदेशक ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया एडवाइजर्स प्रा. लिमिटेड, मुंबई
अलका भरुचा सहभागी भरूचा एंड पार्टनर्स मुंबई	**प्रदीप के. चिंतागुंटा** जोसेफ टी. एवं बर्निस एस. लुईस विशिष्ट सेवा विपणन के प्रोफेसर शिकागो विश्वविद्यालय बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस, अमेरीका
काकु नखाटे अध्यक्ष एवं देश प्रमुख (भारत) बैंक ऑफ अमेरिका, एन.ए. मुंबई	**पंकज आर. पटेल** अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड अहमदाबाद
संजीव डांगी उत्तर भारत अध्यक्ष दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई), नई दिल्ली	**एर्रोल डिसूज़ा** निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
तथागत बंद्योपाध्याय प्रोफ़ेसर भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद	सचिव **कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
विजया शेरी चंद प्रोफ़ेसर भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद	

थ

प्रशासन, संकाय, अधिकारी एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

एर्रोल डिसूज़ा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

डीन (संकाय)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कलकत्ता विश्वविद्यालय)

डीन (कार्यक्रम)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

डीन (पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे), वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुंबई विश्वविद्यालय),
व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (आईआईएमए),
पीएमआई का व्यवसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी),
संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
संकाय सदस्य

मुख्य वित्तीय अधिकारी

उमेश दलाल
सीए/सीएस/लागत लेखाकरण

संकाय

व्यापार नीति

अजीत नारायण माथुर
पीएच.डी. (आईआईएस, बैंगलोर)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच.डी. (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय)

अमित कर्णा
फेलो (आईआईएमए)

अनीश शुगथन
फेलो (आईआईएमबी)

अनुराग के. अग्रवाल
एलएल.एम. (हार्वर्ड),
विधि वाचस्पति (लखनऊ विश्वविद्यालय)

चिरंतन चटर्जी
पीएच.डी. (करनेगी मेलों विश्वविद्याल)

चित्रा सिंगला
फेलो (आईआईएमबी)

एम. पी. राम मोहन
पीएच.डी. (आईआईटी, खड़गपुर)

मोहम्मद फौद
फेलो (आईआईएमएल)

मुकेश सूद
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील शर्मा
फेलो (आईआईएमए)

कृषि प्रबंधन केंद्र

हरि नागराजन
पीएच.डी. (ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय)

पूर्णिमा वर्मा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

रंजन कुमार घोष
पीएच.डी. (हम्बोल्ट विश्वविद्यालय)

सुखपाल सिंह
पीएच.डी. (आईएसईसी, बैंगलोर)

वसंत पी. गाँधी
पीएच.डी. (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय)

विद्या वेमिरेड्डी
पीएच.डी. (कर्नेल विश्वविद्यालय)

विजय पॉल शर्मा
पीएच.डी. (एनडीआरआई करनाल)

संचार

आशा कौल
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

मीनाक्षी शर्मा
पीएच.डी. (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय)

वैभवी कुलकर्णी
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

परिशिष्ट जारी

थ

अर्थशास्त्र

अभिमान दास
पोस्ट-डॉक्टरल रिसर्च फेलो (एमआईटी)
पीएच.डी. (आईआईपीएस, मुंबई)

अनिन्द्य चक्रवर्ती
पीएच.डी. (बोस्टन विश्वविद्यालय)

चिन्मय तुम्बे
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

चिरंतन चटर्जी
पीएच.डी. (करनेगी मेलों विश्वविद्याल)

एरोल डिसूजा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

जीवंत रामपाल
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट विश्वविद्यालय)

पृथा देव
पीएच.डी. (न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

ऋतिका खेडा
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

संकेत मोहपात्रा
पीएच.डी. (कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क)

सतीश देवधर
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट विश्वविद्यालय)

सेबस्टियन मॉरिस
फेलो (आईआईएमसी)

श्रुति शर्मा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

तरुण जैन
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

विश्वनाथ पिंगाली
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय)

वित्त एवं लेखा

अजय पांडेय
फेलो (आईआईएमए)

जयंत आर. वर्मा
फेलो (आईआईएमए)

जोशी जेकब
फेलो (आईआईएमएल)

नमन देसाई
पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)

नीरव नागर
फेलो (आईआईएमसी)

प्रणव सिंह
पीएच.डी. (इलिनोइस विश्वविद्यालय)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

सोभेश कुमार अग्रवाल
फेलो (आईआईएमए)

टी.टी. राम मोहन
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

विनीत विरमानी
फेलो (आईआईएमए)

मानव संसाधन प्रबंधन

आदित्य मोसेस
फेलो (आईआईएमबी)

बीजू वर्की
फेलो (एनआईबीएम, पुणे)

मंजरी सिंह
फेलो (आईआईएमसी)

मिगुएल सर्रियन
पीएचडी (स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, यूके)

प्रोमिला अग्रवाल
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

राजेश चंदवानी
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील कुमार माहेश्वरी
फेलो (आईआईएमए)

सूचना प्रणालियाँ

अद्रीजा मजूमदार
पीएच.डी. (आईआईएमसी)

कविता रंगनाथन
पीएच.डी. (शिकागो विश्वविद्यालय)

मनीष अग्रवाल
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

रेखा जैन
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

सम्राट गुप्ता
पीएच.डी. (फेलो, आईआईएमएल)

संजय वर्मा
फेलो (आईआईएमसी)

श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
फेलो (आईआईएमएल)

स्वानंद देवधर
पीएच.डी. (मिनेसोटा विश्वविद्यालय)

परिशिष्ट जारी

थ

विपणन

अक्षया विजयालक्ष्मी
पीएच.डी. (आयोवा विश्वविद्यालय)

आनंद कुमार जायसवाल
फेलो (एक्सएलआरआई)

अनुज कपूर
पीएच.डी. (यूटा विश्वविद्यालय)

अरिंदम बनर्जी
पीएच.डी. (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

अरुणा दिव्या टी.
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय)

नवीन आंबली
पीएच.डी. (हवाई विश्वविद्यालय)

रजत शर्मा
फेलो (आईआईएमबी)

रामनाथन सुब्रमण्यम
पीएच.डी. (पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय)

सौम्या मुखोपाध्याय
पीएच.डी. (नानयांग टेक्नोलोकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर)

सौरव बोराह
फेलो (आईआईएमबी)

सुभदीप रॉय
पीएच.डी. आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून

संगठनात्मक व्यवहार

अमित नंदकियोलयार
पीएच.डी. (आयोवा विश्वविद्यालय)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच.डी. (कॉर्नेल विश्वविद्यालय)

के. वी. गोपाकुमार
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

कीर्ति शारदा
फेलो (आईआईएमसी)

नेहारिका वोहरा
पीएच.डी. (मनिटोबा विश्वविद्यालय)

परविंदर गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

प्रद्युमन खोखले
फेलो (आईआईएमए)

प्रेमिला डीक्रूज़
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

विशाल गुप्ता
फेलो (आईआईएमएल)

उत्पादन एवं मात्रात्मक विधियाँ

ए.के. लाहा
पीएच.डी. (आईएसआई, कलकत्ता)

अंकुर सिन्हा
पीएच.डी. (अल्टो विश्वविद्यालय)

अप्रतीम गुहा
पीएच.डी. (कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय)

चेतन सोमन
पीएच.डी. (ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय)

देबजीत रॉय
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय)

धीमन भद्रा
पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)

दिप्तेश घोष
फेलो (आईआईएमसी)

गौतम दत्ता
पीएच.डी. (नार्थवेस्टन विश्वविद्यालय)

कार्तिक श्रीराम
फेलो (आईआईएमबी)

प्रहलाद वेंकटेशन
पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय)

सचिन जायसवाल
पीएच.डी. (वाटरलू विश्वविद्यालय)

सरल मुखर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कोलकाता विश्वविद्यालय)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
फेलो (आईआईएमए)

अंकुर सरीन
पीएच.डी.(शिकागो विश्वविद्यालय)

ऋतिका खेडा
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

नवदीप माथुर
पीएच.डी. (रट्गेर्स विश्वविद्यालय)

रजनीश राय
फेलो (आईआईएमए)

राम मोहन तुरागा
पीएच.डी. (जॉर्जिया तकनीकी संस्थान)

संदीप चक्रवर्ती
पीएच.डी. (दक्षिणी कैलिफ़िर्निया विश्वविद्यालय)

सुंदरवल्ली नारायणस्वामी
पीएच.डी. (आईआईटी, बॉम्बे)

परिशिष्ट जारी

थ

रवि मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र

अंबरीश डोंगरे
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

देवास्मिता चक्रवर्ती
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

कथन शुक्ला
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

पी.जी. विजय शेरी चंद
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

सहायक संकाय

बृज कोठारी

मुकुल वसावड़ा

स्मिता प्रेमचंदर

अधिकारी

ए. एम.एस. राजेश कन्ना
बी. एससी. (भौतिकी), (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)
एम. बी. ए. (सूचना प्रणाली) (भारथिअर विश्वविद्यालय)
मुख्य प्रबंधक - आईटी

अभिजीत जगम
बी.टेक., मार्केटिंग एवं एचआरएम में स्नातकोत्तर
प्रबंधक - ईआरपी

अजीत मोटवानी
बी.टेक. (आईआईटी कानपुर), एमबीए
प्रमुख - विकास

अल्बर्ट जेवियर
बी.एससी./एमएलएम/पीजीडी आईआरपीएम/एमबीए
प्रबंधक - विकास - कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

अंकित पी. शाह
बी.ई., सिविल (गुजरात विश्वविद्यालय)
वरिष्ठ सिविल इंजीनियर

अंशुल महेता
बी.ई., एम.बी.ए., एल.एल.बी.
अधिकारी - मानव संसाधन

अनुराग चौधरी
बी.ए., प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एमबीए
प्रमुख - पूर्वछात्र एवं बाहरी साझेदारी

अरुण गुप्ता
बी. टेक. (एच.), विनिर्माण विज्ञान और इंजीनियरिंग (आईआईटी, खड़गपुर)
पी.जी.डी.एस., विपणन एवं वित्त, (आईआईएम लखनऊ), यूजीसी नेट
प्रमुख – कार्यकारी शिक्षा

अश्विन सुहास जोशी
ललित कला में स्नातक, एमबीए
प्रमुख, सामरिक विकास और व्यवसाय विकास, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात)
बीई (इलेक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र)
प्रबंधक - इलैक्ट्रिकल

भास्करन आर.
एम.ए.
कार्यक्रम अधिकारी,
छात्र गतिविधि कार्यालय

कर्नल विश्वजीत मंडल
बी.टेक./एम.ई./उन्नत विद्युत/मेकेनिकल इंजीनियरिंग
प्रमुख - इंजीनियरिंग एवं परियोजनाएँ

चंद्रशेखर डी. सोलंकी
बी.कॉम, एचडीएसई
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

दीपक भट्ट
पीजीडीएम, एचआरएम में डिप्लोमा, विदेश व्यापार में डिप्लोमा,
ईपीएचआरएम, पीजीडीटी एंड डी
प्रबंधक - संचार

डायना जोसेफ
बी.एससी. (बायोकेमिस्ट्री), (गुजरात विश्वविद्यालय)
एम. एससी. (पर्यावरण विज्ञान), (गुजरात विश्वविद्यालय)
संपादकीय अधिकारी, विकल्प

दिनेशकुमार डी. जोशी
मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
व्यवसाय प्रबंधन में डिप्लोमा
बी. ए.
गृह प्रबंधन अधिकारी

हरीश के. राठौड़
बी.कॉम, एम.कॉम, डीटीपी (कराधान)
लेखा अधिकारी

इशिता निलेश सोलंकी
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
एचआरएम में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
मुख्य प्रबंधक - प्रत्यायन एवं रैंकिंग

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बड़ौदा)
प्रबंधक - पीजीपीएक्स

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी.यू.)
प्रबंधक आईटी - वेब सेवाएँ

कलापी चेतनभाई शाह
सनदी लेखाकार
अधिकारी - वित्त

कौशिक डी. भट्ट
एम.कॉम, एल.एल.बी. - द्वितीय
लेखा अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
बी. कॉम., एसीएस
मुख्य प्रबंधक, लेखा

मानसी परिख
बी.कॉम (गुजरात विश्वविद्यालय)
सी. ए., (आईसीएआई)
आईसीएआई से सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा में प्रमाणपत्र
सनदी लेखाकार

परिशिष्ट जारी

थ

मोहन पालीवाल
एम.कॉम, (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
प्रबंधक - आईटी (अनुप्रयोग सेवाएँ)

लेफ्टिनेंट कमांडर मोनिका दत्ता
एम.एससी. (भौतिक विज्ञान)
प्रबंधक - निदेशक कार्यालय

डॉ. मुकेश शर्मा
एम.ए. (लोक प्रशासन) (राजस्थान विश्वविद्यालय)
एम.ए. (हिंदी) (उस्मानिया विश्वविद्यालय)
एम.फिल. (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
प्रबंधक - हिंदी

नीरज जैन
बी.ई. (आईआईटी रूड़की)
मुख्य प्रबंधक - सीआईआईई

पंकजकुमार के. भट्ट
एम.कॉम.
प्रबंधक लेखा

प्रदोष वी. थिया
बी. ए.
सुविधा अधिकारी

प्रणय श्रीवास्तव
बी.टेक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
मुख्य प्रबंधक - परियोजना, संपत्ति एवं रखरखाव

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम, एल.एल.बी. (द्वितीय)
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी - एफएबीएम

प्रवीणचंद्र वी. राज
बीए, पीजीडी - एचआरएम, एमबीए
अधिकारी, ए.वी. एवं दूरसंचार

पूजा सेली
बीए, पीजीडीबीए
अधिकारी, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

पुष्पा हरिहरन
एम.ए.
मा.सं.प्र. / डीएमएस डिप्लोमा
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

रामचंद्रन के.वी.
बी.कॉम. (मद्रास)
पी.जी. डिप्लोमा एचआरएम और कार्मिक (एम्स, चेन्नई)
कंप्यूटर एपलीकेशन में डिप्लोमा (अहमदाबाद)
प्रबंधक - मानव संसाधन

रवींद्रनाथ एन. पंड्या
बीएससी (भौतिक विज्ञान),
ईडीपी और कंप्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
प्रबंधक - भंडार एवं क्रय

एस. भट्टाचार्य
बी.एससी. (कोलकाता विश्वविद्यालय)
संबंध प्रबंधक

एस.एन. राव
एम.एससी. (सांख्यिकी)
एडवांस कंप्यूटिंग में डिप्लोमा
प्रमुख - मानव संसाधन

समीर शेठ
सनदी लेखाकार
प्रबंधक - पीजीपी

संजय कुमार त्रिपाठी
एम.ए., पीजीडीएमएम
संबंध प्रबंधक - पीजीपीएक्स

संतोष परब
बी.ई. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
प्रमुख - आईटी

सौरभ सोनी
बी.ई.
इलैक्ट्रिकल इंजीनियर

श्रीनिवास संधिकर
बी. टेक.
प्रबंधक - संपदा

सुधीश नांबियाथ
बी.ए., पीजीडीबीए
प्रमुख – आई जी पी सी

सुगता ए. नायर
बी.ए.
अधिकारी - केस सेंटर

सुनील कुमार गर्ग
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)
मुख्य प्रबंधक - आईटी सेवाएँ

टी. प्रसाद
बी.ए., एमबीए
अधिकारी - प्रवेश

यू.बी. भावसार
एम.कॉम, इंटर सीए ग्रुप-1
कार्यक्रम अधिकारी - कार्यकारी शिक्षा

उमा भास्करन
एम.ए., एचआरएम में डिप्लोमा
अधिकारी - सीएमए

वाढेर हरेंद्र जे.
बी.ई. (सिविल) (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
एमबीए (गुजरात विश्वविद्यालय)
मुख्य प्रबंधक - इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा

वेंकटेश्वर राव अलापर्थी
बी.कॉम. (नागार्जुन विश्वविद्यालय)
एम. ए. (औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन), आंध्र विश्वविद्यालय
प्रमुख – मानव संसाधन

विक्टर परेरा
एम.ए.
प्रबंधक - पूर्वछात्र संबंध

विनय चौहान
बी.ई., एमबीए
प्रबंधक, संविदा

पुस्तकालय

हीरल टी. पटेल
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (गुजरात विश्वविद्यालय)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

मुरलीधरन के.एन.
एम. लिब. एससी. (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात विश्वविद्यालय)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

स्थायी अनुसंधान कर्मचारी

श्रुति दवे
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

सोनल कुरेशी
एम.बी.ए., एल.एल.बी. (गुजरात विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380 009

सत्यमेव जयते

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

सेवा में,
भारत सरकार के सचिव,
मानव संसाधन विकास विभाग मंत्रालय,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नंबर 529 शास्त्री भवन, 'सी' विंग,
नई दिल्ली- 110001

संख्याःसीएई/एसएआर/आईआईईएम/2020-21ओडबल्यू-147
दिनांकः17/12/2020

विषयः भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2019-20 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2019-20 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 24.08.2020 से 04.09.2020 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (डीपीसी) के अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

1) वर्ष 2019-20 के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2019-20 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह प्रतिवेदन लोकसभा एवं राज्यसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने से पहले तक 'गोपनीय' समझा जाए।

हस्ता/-
उप निदेशक/आ.रा.ले.प.एवं के.ले.प.(व्यय)

संलग्नः उपर्युक्त
प्रतिलिपः निर्देशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद-380 015

वार्षिक लेखाओं एवं पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए।

जिस दिन, लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ, यह पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखापरीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित प्रतिवेदन में प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ता/-

17/12/2020
उप निदेशक/आ.रा.ले.प.एवं के.ले.प.(व्यय)

चतुर्थ तल, लेखापरीक्षा भवन, ईश्वर भवन के समीप, कॉमर्स छः रास्ता, नवरंगपुरा, अहमदाबाद
फोन : 079-26561282, 26561382, 26473888 फैक्स : 079-26560134, ई-मेल : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएम) के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

हमने भारतीय प्रबंध संस्थानों के अधिनियम 2017 के अनुच्छेद 23(3) के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अधीन 31 मार्च 2020 के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखापरीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रकटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (एसएआर) में, लेखाकरण समाधान पर महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों / लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3. हमने यह लेखापरीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और लेखापरीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखापरीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखापरीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षण के आधार पर, हम प्रतिवेदित करते हैं कि:

   i. हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

   ii. इस प्रतिवेदन में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

   iii. हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किए गए हैं, जो हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

   iv. हम आगे बताते हैं कि -

टिप्पणियाँ :

क. तुलन पत्र: शून्य

ख. आय एवं व्यय खाते

ख.1 आय एवं व्यय खाते

व्यय

मूल्यह्रास / ऋण परिशोधन (अनुसूची 19) - 11.31 करोड़ रुपए

नोट 4.2 के अनुसार, अनुसूची 23 - "महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ" केंद्रीय उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित वित्तीय विवरणों के प्रारूपों के अनुसार इलेक्ट्रानिक जर्नल्स (ई-जर्नल) को पुस्तकालय की पुस्तकों से अलग रखा गया है क्योंकि इनकी पहुँच ऑनलाइन सुविधा से प्राप्त की जा सकती है।

ई-पत्रिकाएँ मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन अस्थायी रूप से पूंजीकृत हैं और व्यय के महत्व को देखते हुए तथा अकादमिक और अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा अर्जित सतत ज्ञान से प्राप्त लाभ के संदर्भ में हैं। पुस्तकालय को पुस्तकों के संबंध में प्रदान किए गए 10% के मूल्यह्रास के मुकाबले 40% की उच्च दर पर प्रदान किया गया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार, ई-पत्रिकाओं के लिए मूल्यह्रास की दर 40% थी, हालांकि, संस्थान ने इस दर को 100% के रूप में अपनाया है। खातों में इस तरह के विषयांतर का औचित्य / कारण नोट्स में प्रकट नहीं किया गया था।

संस्थान ने सामयिकों और डेटाबेस (ई-सामग्री के रूप में खरीदी गई) की खरीद पर 8.00 करोड़ रुपये का व्यय किया और उसे पूंजीगत व्यय के रूप में दर्शाया तथा वर्ष के दौरान इसका पूरी तरह से परिशोधन कर दिया। संस्थान ने 4.80 करोड़ रुपये (100% - 40%* 8.00 करोड़ रुपए) के मूल्यह्रास का अधिभार लिया है। इससे अचल संपत्तियों में न्यूनबयानी हुई है और 4.80 करोड़ रुपये के अधिशेष का बोध हुआ है।

ख.1 व्यय

मूल्यह्रास / ऋण परिशोधन (अनुसूची 19) - 11.31 करोड़ रुपए

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा परिभाषित वार्षिक खातों की महत्वपूर्ण लेखा नीतियों की अनुसूची 23 के अनुसार संचित मूल्यह्रास लागत पर "अचल संपत्तियों का मूल्य लगाया गया है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास को सीधी रेखा विधि (स्ट्रेट लाइन मेथड) पर प्रदान किया गया है।" हालाँकि, संस्थान ने मुख्य परिसर भवन को छोड़कर आयकर (आईटी) अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है और मूल्यह्रास लिखित कम मूल्य (डब्ल्यूडीवी) पद्धति से बताया है।

इसलिए, कम मूल्यह्रास पर शुल्क लगाने से व्यय और कॉर्पस / पूंजी निधि पर आय की अधिकता में 1.23 करोड़ रुपये की अधिकबयानी हुई है।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 3.20 करोड़ रुपए थी। हालांकि संस्थान ने 3.48 करोड़ रुपए की धनराशि का उपयोग किया। अतिरिक्त व्यय अस्थायी रूप से आंतरिक संसाधनों से पूरा किया गया है जिसे अगले साल के अनुदान से पुन: प्राप्त किया जाएगा।

घ. लेखापरीक्षा का कुल प्रभाव

इस लेखापरीक्षा का कुल प्रभाव यह है कि देनदारियों को 1.23 करोड़ रुपये की अधिकबयानी से और संपत्तियों को 4.80 करोड़ रुपये की न्यूनबयानी से दर्शाया गया है और वर्ष के दौरान अधिशेष में 3.57 करोड़ रुपये कम दर्शाए गए हैं।

i. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम सूचना देते हैं कि इस प्रतिवेदन में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखाबहियों के अनुरूप हैं।

ii. हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के संदर्भ से और इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुलग्नक में दर्शाए गए अन्य मामलों के अधीन सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

   क. जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2020 के तुलन पत्र से संबंधित हैं और

   ख. जहाँ तक यह इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के अधिशेष से संबंधित हैं।

हस्ताक्षरित/-

प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केंद्रीय)

अनुलग्नक-क (लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के लिए)

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा (आईए) प्रणाली की उपयुक्तता:** आईआईएम में कोई आंतरिक लेखापरीक्षा अनुभाग नहीं है और वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान ने आंतरिक लेखापरीक्षा के रूप में सनदी लेखाकारों को नियुक्त किया है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुता :** आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्नलिखित के संदर्भ में पर्याप्त नहीं है :

   (क) आज तक संस्थान में कोई भी आंतरिक लेखापरीक्षा अनुभाग गठित नहीं किया गया है।

3. **अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

4. **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

5. **वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता :** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

हस्ताक्षरित/-

वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी/सीए (ई)

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
31 मार्च 2020 के अनुसार तुलन पत्र

(₹ लाख में)

	अनुसूची	31-03-2020 को शेष राशि	31-03-2019 को शेष राशि
निधियों का स्रोत			
कॉर्पस / पूंजीगत राशि	1	21,597.58	18,988.43
निर्दिष्ट / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	84,300.43	71,668.94
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	44,269.53	43,612.01
कुल		**1,50,167.54**	**1,34,269.38**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियाँ			
वास्तविक संपत्तियाँ	4	5,540.21	5,058.80
अमूर्त संपत्तियाँ	4	71.03	40.29
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4	6,495.42	1,483.32
निवेश			
दीर्घकालिक	5	1,20,840.18	1,07,220.55
वर्तमान संपत्तियाँ	6	10,476.37	11,850.28
ऋण, अग्रिम एवं जमा	7	6,744.33	8,616.14
कुल		**1,50,167.54**	**1,34,269.38**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों के नोट्स	24		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षर/-
एरॉल डिसूज़ा
निदेशक

हस्ताक्षर/-
उमेश दलाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ताक्षर/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009

दिनांक : 31/07/ 2020
स्थान : अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते

(₹ लाख में)

विवरण	अनुसूची	2019-20	2018-19
आय			
अकादमिक प्राप्तियाँ	8	25,665.33	23,099.29
अनुदान / सब्सिडी	9	348.07	326.71
निवेश से आय	10	546.57	486.94
अर्जित ब्याज	11	200.52	190.34
अन्य आय	12	2,693.30	2,233.04
पूर्व अवधि की आय	13	82.66	118.99
कुल (क)		**29,536.46**	**26,455.31**
व्यय			
कार्मिक भुगतान एवं लाभ (प्रतिष्ठान व्यय)	14	11,871.40	9,572.06
अकादमिक व्यय	15	6,051.13	5,528.39
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	16	1,651.74	1,376.94
यातायात खर्चे	17	4.66	2.60
मरम्मत एवं रखरखाव	18	1,282.10	1,292.04
अवमूल्यन / परिशोधन	19	1,131.00	1,092.70
अन्य खर्चे	20	-	10.87
पूर्व अवधि के व्यय	21	33.25	-
कुल (ख)		**22,025.27**	**18,875.60**
शेषराशि (कम) / व्यय से अधिक आय (क-ख)		7,511.19	7,579.71
निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरण	22	7,500.00	7,500.00
शेष के नाते अधिशेष / (कमी) पूंजीगत निधि में लाया गया		**11.19**	**79.71**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों के नोट्स	24		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
एर्रोल डिसूज़ा	**उमेश दलाल**	**वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी**
निदेशक	मुख्य वित्तीय अधिकारी	कार्यालय प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) गुजरात
		लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009

दिनांक : 31/07/ 2020

स्थान : अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 1 - कॉर्पस / पूंजीगत निधि

(₹ लाख में)

		01-04-2019 को शेष राशि	अनुदान में से (भारत सरकार / राज्य सरकार)	निर्धारित निधि में से	प्रायोजित परियोजनाओं में से	दान / उपहार	ब्याज	अन्य	वर्ष के दौरान (चूकाए गए) / जमा किए		31-03-2020 को शेष राशि
1	कॉर्पस निधि	13,789.27	-	-	-	-	1,061.77	-	500.00		15,351.04
2	पूंजीगत निधि	4,697.72	-	887.73	81.76	1,196.37	-	1,135.92 -2.07	-	(क) (ख)	5,729.74
3	आय और व्यय खाता	447.15	-	-	-	-	-	- -	11.19	(ग)	458.34
4	आईआईएमए सोसाइटी सदस्यता निधि	54.28	-	-	-	-	4.18	-	-		58.46
	कुल	**18,988.43**	**-**	**887.73**	**81.76**	**1,196.37**	**1,065.95**	**1,133.85**	**511.19**		**21,597.58**
	पिछले वर्ष	16,674.73	-	756.67	18.59	846.40	1,030.59	918.27	579.71	-	18,988.43

(क) मूल्यह्रास (चालू वर्ष) की सीमा तक आय और व्यय खाते में हस्तांतरित

(ख) संपत्ति की बिक्री से पूँजीगत निधि में हस्तांतरित

(ग) आय और व्यय खाते से स्थानांतरित चालू वर्ष के लिए शेष अधिशेष

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 2 – निर्धारित कोष

(₹ लाख में)

क्रम संख्या	विवरण	01-04-2019 को शेष राशि	प्राप्त योगदान	अन्य अर्जित आय	निवेश पर ब्याज आवंटन	निधि खातों के भीतर आंतरिक अंतरण	आय एवं व्यय खाते से स्वीकृत	अन्य समायोजन		पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय / मंजूर की गई परियोजनाएँ	31-03-2020 को शेष राशि
1	सीएमए कार्यक्रम के लिए निधि	676.02	-	44.96	54.91	-	-	-67.70	(क)	-	1.90	745.92
		-	-	-	-	-	-	39.63	(ख)	-	-	
2	पूर्व छात्र गतिविधियों के लिए निधि	715.70	96.11	2.98	57.37	-	-	-		-	28.55	843.61
3	कंप्यूटर पर खर्च के लिए निधि	3,173.46	-	-	238.46	-	2,000.00	-		887.73	31.02	4,493.17
4	छात्र कल्याण कोष	460.36	92.29	1.16	36.80	-	-	9.68	(ग)	-	29.90	570.40
5	परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	38,083.26	-	-	2,932.44	0.36	5,000.00	-		-	-	46,016.06
6	नवप्रवर्तन एवं ऊष्मायन केंद्र	114.36	-	-	5.39	-	-	-		-	44.39	75.36
7	अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	6,912.44	580.59	148.54	490.24	-	-	-81.10	(घ)	-	427.67	7,623.04
8	परिवहन अग्रिम निधि	87.86	-	0.60	6.79	-	-	-		-	-	95.25
9	मकान निर्माण अग्रिम निधि	774.11	-	0.92	59.66	-	-	-		-	-	834.69
10	संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारी विकास एवं कल्याण निधि	3,571.73	291.88	-	246.53	-	-	-		-	280.89	3,829.26
11	अध्यक्ष निधि	707.87	6.25	-	42.65	-127.57	-	-		-	76.54	552.65
12	बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 2क)	5,563.91	-	-	426.29	-	-	-		-	131.90	5,858.30
13	दान निधि	-	-	-	-	-	-	-		-	-	
	-परिसर एवं अवसंरचना विकास	6,623.43	1,568.76	-	538.84	345.32	-	-		1,195.87	93.56	7,786.92
	-अनुसंधान एवं प्रकाशन	369.16	-	-	28.36	-	-	-		-	4.59	392.92
	-छात्र सहायता	1,850.67	137.02	-	141.04	-9.30	-	-		-	76.14	2,043.28
	-कर्मचारी कल्याण	173.25	-	-	13.10	4.65	-	-		0.50	7.62	182.87
	-संकाय पुरस्कार, अध्येतावृत्ति	55.40	1.00	-	4.26	-	-	-		-	1.28	59.37
	-अन्य	1,755.95	689.55	-	119.34	-213.45	-	-		-	54.03	2,297.36
	कुल	**71,668.94**	**3,463.45**	**199.17**	**5,442.47**	**-**	**7,000.00**	**-99.50**		**2,084.10**	**1,290.00**	**84,300.43**
	पिछले वर्ष	57,391.74	4,992.98	135.79	4,897.14	-	7,000.00	92.03	-	1,603.06	1,237.66	71,668.94

द्वारा प्रस्तुत	01-04-2019 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
नकद एवं बैंक शेष	-	-
निवेश	71,669	84,300
ब्याज अर्जित किया परंतु देय नहीं है	-	-

अन्य समायोजनों के लिए नोट

(क) सीएमए केंद्र में चालू वर्ष के घाटे को सीएमए निधि से पूरा किया गया

(ख) सीएमए केंद्र में पिछले वर्ष के घाटे को वर्तमान वर्ष में प्राप्त अनुदान में से सीएमए निधि में वापस जमा कर दिया गया

(ग) छात्र कल्याण निधि से छात्र गतिविधियों के लिए शेष को हस्तांतरित किया गया (वर्तमान देयताएं)

(घ) निदेशक के अनुमोदन के अनुसार अनुसंधान और प्रकाशन कोष से प्रारंभिक धन परियोजनाओं में शेष हस्तांतरित

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 2क – बंदोबस्ती निधि

अध्यक्ष निधि

(₹ लाख में)

क्रमांक	बंदोबस्ती का नाम	01.04.2019 को शेष राशि		वर्ष के दौरान प्राप्य		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	31-03-2020 को शेष राशि		
		बंदोबस्त	संचित ब्याज	बंदोबस्त	ब्याज	बंदोबस्त	संचित ब्याज		बंदोबस्त	संचित ब्याज	कुल
1	अध्यक्ष निधि	2,330.62	1,013.28	-	257.61	2,330.62	1,270.89	91.93	2,330.62	1,178.96	3,509.58
	कुल	**2,330.62**	**1,013.28**	**-**	**257.61**	**2,330.62**	**1,270.89**	**91.93**	**2,330.62**	**1,178.96**	**3,509.58**

दान निधि

क्रमांक	नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान प्राप्त		वर्ष के दौरान व्यय		हस्तांतरण		समापन		कुल
		दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज से	दान	ब्याज	दान	ब्याज	
1	दान - रघुनंदन एवं अप्रमेय का वर्गखंड-2 आईएमडीसी	500.00	126.84	-	48.26	-	0.15	-	-	500.00	174.95	675
2	बंदोबस्ती पीजीपी1992 बैच- क्लासरूम -मुख्य परिसर सीआर-4	250.00	53.78	-	23.02	-	-	-	-	250.00	76.80	327
3	डॉर्म-1 के लिए प्रोफ़ेसर कमला चौधरी डॉर्म दान (नोट देखें)	349.90	107.50	-	35.22	-	-	-	-	349.90	142.72	493
4	आईआईएमेवरिक्स निधि - उद्यमशीलता को समर्थन करने के लिए आईआईएमए को दान	441.15	111.76	-	40.96	-	29.81	-	-	441.15	122.91	564
5	आईआईएम-ए और एसआरके व्याख्यान श्रृंखला के लिए दान	143.87	40.17	-	14.10	-	4.50	-	-	143.87	49.76	194
6	एसआरके विशिष्ट पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार के लिए दान	28.00	4.99	-	2.52	-	2.05	-	-	28.00	5.47	33
7	बंदोबस्ती निधि पीजीपी 1991 चिकित्सा समर्थन सेवानिवृत्ति समूह सी एवं डी - सीपीएफ़	39.16	3.42	-	3.10	-	2.41	-	-	39.16	4.11	43
8	बंदोबस्ती - मदन मोहनका अनुसंधान एवं प्रकाशन पुरस्कार - संकाय एवं एफ़पीएम	17.00	2.49	-	1.49	-	1.05	-	-	17.00	2.94	20
	कुल	**1,769.07**	**450.94**	**-**	**168.67**	**-**	**39.96**	**-**	**-**	**1,769.07**	**579.65**	**2,349**
	कुल योग	**4,099.69**	**1,464.22**	**-**	**426.29**	**91.93**	**39.96**	**-**	**-**	**4,099.69**	**1,758.61**	**5,859**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 3 वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(₹ लाख में)

विवरण			31-03-2020 को शेष राशि	31-03-2019 को शेष राशि
क.	**वर्तमान देनदारियाँ**			
	1	कर्मचारी से जमा राशि	5.40	0.88
	2	छात्रों से जमा राशि	218.45	206.46
	3	जमा - अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा, प्रतिधारण जमा सहित)	574.49	411.54
	4	विविध लेनदार		
		सामान एवं सेवाओं के लिए	773.74	1,080.87
		अन्य (पूंजीगत कार्यों के लिए)	1,460.88	888.97
	5	अग्रिम में प्राप्त शुल्क	3,923.13	3,978.78
	6	वैधानिक देयताएँ		
		अतिदेय	-	-
		अन्य	421.64	589.03
	7	अन्य वर्तमान देयताएँ		
		वेतन	416.29	321.88
		पेंशन	134.68	163.63
		प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों (अनुसूची 3क) के लिए प्राप्तियाँ	2,977.08	3,624.65
		प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (अनुसूची 3ख) के लिए प्राप्तियाँ	197.76	17.46
		अनुपयुक्त अनुदान (अनुसूची 9)	225.43	209.31
		छात्रों को वापसी योग्य सेवा कर / जीएसटी (पीजीपीएक्स)	224.63	960.50
		छात्र समारोह	324.08	339.70
		अन्य देनदारियाँ	433.68	521.87
		कुल क	**12,311.35**	**13,315.53**
ख.	**प्रावधान**			
	1	सेवानिवृत्ति पेंशन	25,871.32	24,901.10
	2	संचित छुट्टी नकदीकरण	2,410.63	2,165.43
	3	ग्रेचुइटी	1,864.81	1,825.04
	4	7वें केंद्रीय वेतन आयोग का बकाया भुगतान	-	163.43
	5	अन्य	1,811.42	1,241.48
		कुल ख	**31,958.18**	**30,296.48**
		कुल (क+ख)	**44,269.53**	**43,612.01**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 3क - प्रायोजित परियोजनाएँ / कार्यक्रम

(₹ लाख में)

क्रमांक	विवरण	01-04-2019 को शेष राशि		वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान नामे	31-03-2020 को शेष राशि	
		जमा	नामे			जमा	नामे
1	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	1,218.82	39.92	5,485.47	6,058.38	624.82	18.83
2	अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	1,010.08	7.76	6,141.52	6,574.68	572.39	3.23
3	परामर्शी परियोजनाएँ	935.25	93.13	2,522.82	2,099.25	1,367.86	102.17
4	अनुसंधान परियोजनाएँ	417.64	13.15	669.45	789.85	339.35	55.25
5	कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन	32.78	21.81	133.47	81.45	62.98	-
6	अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम	24.19	-	125.54	125.01	25.01	0.30
	कुल	**3,638.76**	**175.77**	**15,078.27**	**15,728.63**	**2,992.42**	**179.78**
	घटाया : अग्रिम रसीदों पर एकत्रित जीएसटी जिसके लिए चालान अभी तक नहीं लिया गया हैं	14.11	-	-	-	15.34	-
	शुद्ध योग	**3,624.65**	**175.77**	**15,078.27**	**15,728.63**	**2,977.08**	**179.78**

अनुसूची 3ख - प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियाँ

(₹ लाख में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01-04-2019 को शेष राशि		वर्ष के दौरान लेनदेन		31-03-2020 को शेष राशि	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	आईआईएम छात्रवृत्ति	8.04	-	323.74	143.93	187.85	-
2	केंद्र सरकार	9.42	-	39.62	39.14	9.91	-
	कुल	**17.46**	**-**	**363.36**	**183.06**	**197.76**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ

(₹ लाख में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2019 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	01-04-2019 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2019 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2	इमारतें	13,371.81	338.48	38.19	13,672.10	11,337.53	576.88	38.19	11,876.22	1,795.88	2,034.28
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	1,107.81	53.39	-	1,161.20	666.35	54.51	-	720.86	440.34	441.46
4	संयंत्र और मशीनरी	14.98	-	-	14.98	6.85	1.22	-	8.07	6.91	8.13
5	कार्यालय उपकरण	2,069.95	119.46	24.07	2,165.35	1,494.77	100.61	20.18	1,575.20	590.15	575.18
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	124.54	441.01	-	565.55	40.74	54.40	-	95.13	470.42	83.80
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	2,500.29	884.67	69.89	3,315.07	1,809.88	486.01	69.70	2,226.19	1,088.88	690.41
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	2,577.93	73.88	63.89	2,587.92	1,533.10	119.82	12.79	1,640.13	947.79	1,044.83
9	वाहन	50.59	0.04	6.40	44.23	27.35	3.47	5.98	24.83	19.40	23.24
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	1,515.19	59.56	0.06	1,574.69	1,464.72	36.54	-	1,501.25	73.44	50.47
	कुल (क)	**23,440.09**	**1,970.51**	**202.50**	**25,208.10**	**18,381.29**	**1,433.44**	**146.84**	**19,667.89**	**5,540.21**	**5,058.80**
	पिछले वर्ष	21,592.46	2,002.98	155.34	23,440.09	17,383.21	1,150.17	152.09	18,381.30	5,058.80	4,209.24
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	1,483.32	6,475.08	1,462.99	6495.42	-	-	-	-	6495.42	1,483.32
	पिछले वर्ष	700.72	1,988.11	1,205.50	1,483.32	-	-	-	-	1,483.32	700.72

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2019 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	01-04-2019 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2019 के अनुसार
12	कम्प्यूटर सॉफ़्टवेयर	135.21	64.64	-	199.85	94.92	33.90	-	128.82	71.03	40.29
13	पुस्तकालय डेटाबेस एवं सामयिक	-	799.57	-	799.57	-	799.57	-	799.57	-	-
	कुल (ग)	**135.21**	**864.21**	**-**	**999.42**	**94.92**	**833.47**	**-**	**928.39**	**71.03**	**40.29**
	पिछले वर्ष	120.76	849.60	-	970.37	69.62	860.46	-	0.01	0.01	51.15
	कुल योग (क+ख+ग)	**25,058.62**	**9,309.80**	**1,665.49**	**32,702.94**	**18,476.21**	**2,266.92**	**146.84**	**20,596.28**	**12,106.66**	**6,582.41**
	पिछले वर्ष	22,413.94	4,840.69	1,360.84	25,893.78	17,452.83	2,010.63	152.09	18,381.30	6,542.13	4,961.10

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 4क - अचल संपत्तियाँ - योजना

(₹ लाख में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2019 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	01-04-2019 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2019 के अनुसार
1	इमारतें	2,789.61	-	-	2,789.61	2,233.83	257.84	-	2,491.67	297.94	555.78
2	विद्युत स्थापना और उपकरण	275.44	-	-	275.44	161.50	11.39	-	172.90	102.55	113.94
3	कार्यालय उपकरण	361.34	-	0.77	360.57	322.26	5.86	0.76	327.36	33.21	39.08
4	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	154.04	-	0.48	153.56	153.70	0.14	0.48	153.36	0.21	0.34
5	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	546.95	-	1.04	545.91	356.41	19.05	1.04	374.43	171.48	190.54
6	पुस्तकालय की पुस्तकें	582.83	-	-	583.33	582.83	-	-	583.01	0.32	-
	कुल	**4,710.22**	**-**	**2.29**	**4,708.43**	**3,810.54**	**294.29**	**2.27**	**4,102.55**	**605.88**	**899.68**
	पिछले वर्ष	4,712.61	-	2.39	4,710.22	3,510.77	301.81	2.04	3,810.54	899.68	1,201.84

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 4ख - अचल संपत्तियाँ - अन्य

(₹ लाख में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2019 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	01-04-2019 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2019 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2	इमारतें	10,582.20	338.48	38.19	10,882.49	9,103.70	319.04	38.19	9,384.55	1,497.94	1,478.50
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	832.37	53.39	-	885.76	504.85	43.12	-	547.97	337.80	327.52
4	संयंत्र और मशीनरी	14.98	-	-	14.98	6.85	1.22	-	8.07	6.91	8.13
5	कार्यालय उपकरण	1,708.61	119.46	23.30	1,804.77	1,172.51	94.75	19.43	1,247.83	556.94	536.09
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	124.54	441.01	-	565.55	40.74	54.40	-	95.13	470.42	83.80
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	2,346.25	884.67	69.41	3,161.51	1,656.18	485.87	69.22	2,072.83	1,088.67	690.07
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	2,030.98	73.88	62.85	2,042.01	1,176.69	100.77	11.75	1,265.70	776.31	854.29
9	वाहन	50.59	0.04	6.40	44.23	27.35	3.47	5.98	24.83	19.40	23.24
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	932.36	59.56	0.06	991.86	881.88	36.54	-	918.42	73.44	50.47
	कुल (क)	**18,729.87**	**1,970.51**	**200.21**	**20,500.17**	**14,570.75**	**1,139.16**	**144.57**	**15,565.33**	**4,934.83**	**4,159.12**
	पिछले वर्ष	16,879.85	2,002.98	152.95	18,729.87	13,872.45	848.35	150.05	14,570.76	4,159.12	3,007.40
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	**1,483.32**	**6,475.08**	**1,462.99**	**6,495.42**					**6,495.42**	**1,483.32**
	पिछले वर्ष	700.72	1,988.11	1,205.50	1,483.32	-	-	-	-	1,483.32	700.72

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2019 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	01-04-2019 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2019 के अनुसार
12	कम्प्यूटर सॉफ़्टवेयर	135.21	64.64	-	199.85	94.92	33.90	-	128.82	71.02	40.29
13	पुस्तकालय डेटाबेस एवं सामयिक	-	799.57	-	799.57	-	799.57	-	799.57	-	-
	कुल (ग)	**135.21**	**864.21**	**-**	**999.42**	**94.92**	**833.47**	**-**	**928.39**	**71.02**	**40.29**
	पिछले वर्ष	120.76	14.45	-	135.21	69.62	25.30	-	94.92	40.29	51.15
	कुल योग (क+ख+ग)	**20,348.40**	**9,309.80**	**1,663.20**	**27,995.00**	**14,665.67**	**1,972.63**	**144.57**	**16,493.73**	**11,501.27**	**5,682.73**
	पिछले वर्ष	17,701.33	4,005.53	1,358.45	20,348.41	13,942.07	873.66	150.05	14,665.68	5,682.73	3,759.26

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 5 - निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश

(₹ लाख में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2020 के अनुसार	31-03-2019 के अनुसार
	दीर्घकालिक		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	61,905.33	58,129.88
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	15,708.56	15,708.56
3	बॉड़	28,106.29	20,085.35
4	बैंकों के साथ सावधि जमा	15,035.15	13,224.42
		120,755.33	107,148.21
	निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किया गया प्रीमियम (परिपक्वता अवधि पूरी होने पर खारिज किया गया)	84.85	72.34
	कुल	**1,20,840.18**	**1,07,220.55**

अनुसूची 6 - मौजूदा संपत्तियाँ

(₹ लाख में)

क्रमांक	विवरण		31-03-2020 के अनुसार	31-03-2019 के अनुसार
1	**स्टॉक**			
	क)	विद्युत सामग्री	6.57	14.24
	ख)	साहित्य सामग्री	18.82	30.17
	ग)	अन्य	23.28	13.29
			48.67	**57.70**
2	**विविध देनदार**			
	क)	छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	439.06	399.16
	ख)	अन्य	2,089.35	1,529.16
			2,528.41	**1,928.32**
3	**नकद और बैंक शेष**			
	क)	अनुसूचित बैंकों के साथ :		
		चालू खातों में		
		रुपया खाता	942.78	659.04
		एफसी खाते	48.69	22.82
		सावधि जमा खातों में	4,692.72	6,012.82
		बचत खातों में	2,214.49	3,166.97
			7,898.68	**9,861.65**
	ख)	हस्तगत नकद	0.10	0.10
	ग)	हस्तगत स्टेम्प	0.51	2.51
		कुल	**10,476.37**	**11,850.28**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 7 - ऋण, अग्रिम एवं जमा

(₹ लाख में)

क्रमांक	विवरण		31-03-2020 के अनुसार		31-03-2019 के अनुसार	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम : (ब्याज रहित व्यवहार)**					
	क)	त्यौहार	-		-	
	ख)	अन्य	14.38	14.38	37.46	37.46
2	**अग्रिम और अन्य राशियाँ नकद में या किफ़ायती या प्राप्त होने के लिए पुनर्प्राप्त करने योग्य हैं**					
	क)	अन्य को अग्रिम	316.52		237.51	
	ख)	छात्र	8.48		11.92	
	ग)	जीएसटी / सेवा कर निविष्ट जमा प्राप्य	16.01		383.08	
	घ)	विरोध के तहत भुगतान किया सेवा कर (पीजीपीएक्स)	224.63		960.50	
	ङ)	आयकर और जीएसटी नियम के तहत टीडीएस प्राप्य	1,739.93		2,486.97	
	च)	मांग आदेशों के लिए सेवा कर भुगतान (पिछले वर्षों के लिए)	14.49	2,320.06	413.31	4,493.29
3	**पूर्वदत्त व्यय**					
	क)	बीमा	14.23		7.14	
	ख)	अन्य खर्च	187.22	201.45	159.03	166.17
4	**जमा**					
	क)	टेलीफोन	0.20		0.21	
	ख)	बिजली	82.96		65.49	
	ग)	गैस जमा	23.38		23.38	
	घ)	अन्य सुरक्षा जमा	8.52	115.06	3.83	92.91
5	**उपार्जित आय**					
	क)	निवेश पर		3,913.60	-	3,650.54
6	**अनुदान / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त अन्य मौजूदा परिसंपत्तियाँ**					
	क)	प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष		179.78		175.77
		कुल		**6,744.33**		**8,616.14**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 8 - अकादमिक प्राप्तियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
छात्रों से फीस		
अकादमिक		
1. शिक्षण शुल्क	10,498.85	9,873.83
2. प्रवेश शुल्क	176.33	112.80
3. नामांकन फीस	2.87	3.95
4. शैक्षणिक सहायता	2,821.66	2,719.64
5. अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम	293.19	241.06
6. एएफ़पी कार्यक्रम शुल्क	108.14	111.86
कुल (क)	**13,901.04**	**13,063.14**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क - कैट (शुद्ध)	260.32	217.28
2. मार्क शीट, सर्टिफिकेट फीस	24.48	27.13
कुल (ख)	**284.80**	**244.41**
अन्य शुल्क		
1. जुर्माना / विविध फीस	52.96	65.66
2. चिकित्सा शुल्क	25.38	25.52
3. छात्रावास शुल्क	952.97	936.63
4. भोजनालय प्रभार	116.64	113.76
कुल (ग)	**1,147.95**	**1,141.57**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ		
(क) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम		
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	5,226.74	3,686.05
2. स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क	5,038.57	4,896.96
	10,265.31	**8,583.01**
(ख) पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक कर्मचारी)	66.23	67.16
कुल (घ)	**10,331.54**	**8,650.17**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**25,665.33**	**23,099.29**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
अनुसूची 9 - अनुदान / सबसिडियाँ (प्राप्त स्थिर अनुदान)

(₹ लाख में)

विवरण	भारत सरकार		कुल 2019-2020	भारत सरकार		कुल 2018-2019
	एफ़पीएम	सीएमए		एफ़पीएम	सीएमए	
शेष अग्रेनित	209.31	-	209.31	193.15	-	193.15
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	-	320.00	320.00	-	390.00	390.00
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	16.12	-	16.12	16.17	-	16.17
कुल	**225.43**	**320.00**	**545.43**	**209.31**	**390.00**	**599.31**
घटाया : धनवापसी	-	-	-	-	-	-
शेष	225.43	320.00	545.43	209.31	390.00	599.31
घटाया : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लिया	-	-	-	-	-	-
शेष	**225.43**	**320.00**	**545.43**	**209.31**	**390.00**	**599.31**
घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग (क)	-	348.07	348.07	-	326.71	326.71
घटाया : पिछले वर्षों के लिए राजस्व व्यय में कमी के लिए उपयोग किया गया	-	39.63	39.63	-	63.29	63.29
जोड़े : वर्तमान वर्ष की कमी को सीएमए निधि से पूरा किया गया (ख)	-	67.70	67.70	-	-	-
अग्रेनित शेष (ख)	**225.43**	**-**	**225.43**	**209.31**	**-**	**209.31**

क - आय और व्यय खाते में अनुदान आय के रूप में दिखाया गया

ख- अनुसूची 2 में तुलन पत्र में निर्धारित निधि के तहत दिखाया गया।

ग- अनुसूची 3 में तुलन पत्र में वर्तमान देयताओं के तहत दिखाया गया।

अनुसूची 10 - निवेश से आय

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	6,051.17	5,435.96
ख. अन्य बाँड	2,424.00	2,343.99
2. सावधि जमा पर ब्याज	1,011.73	1,049.36
कुल	**9,486.90**	**8,829.31**
घटाया :		
1. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि पर हस्तांतरित किया गया	5,442.47	4,897.14
2. परियोजना खाते में हस्तांतरित	6.16	11.84
3. अनुदान खाते में हस्तांतरित	16.12	16.17
4. कॉर्पस निधि में हस्तांतरित	1,065.95	1,030.59
5. सेवानिवृत्ति लाभ खाते के लिए प्रावधान में हस्तांतरित	2,409.63	2,386.63
कुल	**8,940.33**	**8,342.37**
कुल	**546.57**	**486.94**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 11 : अर्जित ब्याज

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर	200.52	190.34
कुल	**200.52**	**190.34**

अनुसूची 12 - अन्य आय

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
क. भूमि एवं भवनों से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया	64.98	60.87
2. लाइसेंस शुल्क	23.76	24.46
3. सभागार / खेल मैदान / कन्वेंशन सेंटर, आदि का किराया शुल्क	137.97	111.49
4. सुविधाएँ (एमडीसी / आईएमडीसी / नव परिसर आदि)	233.29	202.93
कुल क	**460.00**	**399.75**
ग. अन्य		
1. परामर्शन से आय	912.47	935.51
2. अनुसंधान परियोजनाओं से आय	217.55	231.12
3. स्थानन शुल्क	626.32	483.47
4. निवेश पर ब्रोकरेज	28.80	-
5. संपत्ति की बिक्री / निपटान पर लाभ - खुद की परिसंपत्तियाँ	-	3.64
6. फोटोकॉपी वसूली शुल्क	50.70	62.59
7. टीडीएस वापसी पर ब्याज	171.71	-
8. सेवा कर वापसी पर ब्याज	40.96	-
9. विविध प्राप्तियाँ (निविदा फार्म, वेस्ट कागज, आदि की बिक्री)	184.79	116.96
कुल ख	**2,233.30**	**1,833.29**
कुल (क+ख)	**2,693.30**	**2,233.04**

अनुसूची 13- पूर्व अवधि आय

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
1. शैक्षणिक प्राप्तियां (परियोजना / कार्यक्रम)	48.59	118.99
2. स्थानन से आय	34.07	-
कुल	**82.66**	**118.99**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 14 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)

(₹ लाख में)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविभाज्य	2019-20	2018-19
योजनेतर					
क) वेतन एवं मजदूरी	3,147.62	2,460.20	-	5,607.82	4,943.57
ख) भत्ते एवं बोनस	9.50	-	-	9.50	9.85
ग) भविष्य निधि में योगदान	53.51	21.03	-	74.54	78.89
घ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	50.47	50.47	105.58
ङ) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ(देखें अनुसूची 14क)	803.47	628.00	-	1,431.47	295.10
च) एलटीसी सुविधा	17.55	34.16	-	51.71	61.31
छ) चिकित्सा सुविधा	27.99	78.63	-	106.62	79.16
ज) बाल शिक्षा भत्ता	6.67	1.52	-	8.19	44.35
कुल क	**4,066.31**	**3,223.54**	**50.47**	**7,340.30**	**5,617.81**
अन्य स्थापना खर्च					
क) सीएमए प्रोजेक्ट	110.79	196.49	-	307.27	270.01
ख) परामर्श परियोजनाएँ	477.41	126.41	-	603.83	606.88
ग) अनुसंधान परियोजनाएँ	26.28	114.44	-	140.73	109.93
घ) केंद्र गतिविधियाँ	-	8.80	-	8.80	13.26
ङ) स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	1,846.23	165.28	-	2,011.51	1,867.02
च) मुक्त नामांकन कार्यक्रम	1,277.10	181.86	-	1,458.96	1,087.15
कुल ख	**3,737.81**	**793.28**	**-**	**4,531.10**	**3,954.25**
कुल	**7,804.12**	**4,016.81**	**50.47**	**11,871.40**	**9,572.06**

अनुसूची 14क - कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(₹ लाख में)

विवरण	पेंशन	ग्रुचुइटी	छुट्टी नकदीकरण	2019-20	2018-19
1.4.2019 को अथशेष	24,837.15	1,859.86	2,194.57	28,891.57	28,540.19
जोड़े : निधि में जमा ब्याज	2,071.48	155.12	183.03	2,409.63	2,386.63
कुल (क)	**26,908.63**	**2,014.97**	**2,377.60**	**31,301.20**	**30,926.82**
घटाया : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	1,809.63	275.66	185.27	2,270.56	2,144.96
31.03.2020 को उपलब्ध शेष राशि (ग=क-ख)	25,099.00	1,739.31	2,192.33	29,030.64	28,781.86
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2020 को आवश्यक प्रावधान (घ)	**25,871.32**	**1,864.81**	**2,410.63**	**30,146.76**	**28,827.62**
आंतरिक अनुमान के अनुसार 31.03.2020 को आवश्यक प्रावधान (ङ)*	**-**	**-**	**-**	**-**	**63.96**
31.03.2020 को आवश्यक कुल प्रावधान (च)	**25,871.32**	**1,864.81**	**2,410.63**	**30,146.76**	**28,891.57**
क. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (च-ग)	772.32	125.50	218.30	1,116.12	109.71
ख. नई पेंशन योजना के लिए योगदान				309.30	180.84
ग. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर यात्रा				6.04	4.55
कुल (क+ख+ग)				**1,431.46**	**295.10**

* नोट: 31 मार्च 2019 को संस्थान के पूर्व कर्मचारी बनने वाले कर्मचारियों के लिए प्रावधान और उस तिथि के अनुसार उन्हें देय राशि

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 15 - अकादमी खर्च

(₹ लाख में)

	विवरण	2019-20	2018-19
	योजनेतर		
	क - शैक्षणिक व्यय		
क)	सम्मेलनों में क्षेत्र कार्य / भागीदारी	36.03	44.45
ख)	अभ्यागत संकायों को भुगतान	282.96	268.66
ग)	प्रवेश व्यय	155.18	124.35
घ)	दीक्षांत व्यय	9.35	32.76
ङ)	स्टाइपेंड / मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति	1,362.23	1,334.26
च)	पुस्तकें और केस सामग्री	483.03	447.77
छ)	बिजली - छात्र	140.75	132.46
ज)	चिकित्सा खर्च	24.34	28.19
झ)	विविध व्यय	194.01	166.02
ञ)	स्थानन व्यय	202.97	130.83
ट)	छात्र विनिमय कार्यक्रम	1.26	4.29
ठ)	अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन	117.13	112.57
ड)	पुस्तकालय खर्च	2.08	3.48
ढ)	विपणन, संवर्धन एवं विकास व्यय	8.69	6.79
ण)	ई-पीजीपी पाठ्यक्रम के लिए प्रौद्योगिकी भागीदार	223.62	-
त)	एएफ़पी कार्यक्रम खर्च	37.61	37.78
	कुल क	**3,281.24**	**2,874.66**
	ख - परियोजनाएँ / कार्यक्रम व्यय		
क)	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	862.04	672.79
ख)	कार्यशालाएँ, सम्मेलन आदि	28.43	41.03
ग)	स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	459.93	510.51
घ)	परामर्श परियोजनाएँ	165.06	105.43
ङ)	संकाय विकास कार्यक्रम	27.67	31.06
च)	अनुसंधान परियोजनाएँ	46.82	93.91
छ)	सीएमए अन्य व्यय	40.80	56.70
ज)	केंद्र गतिविधियाँ	4.50	4.75
झ)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	107.63	99.38
	कुल ख	**1,742.88**	**1,615.56**
	ग - सामान्य व्यय - उपयोग में ली गई सुविधाएँ		
क)	गृह व्यवस्थापन शुल्क	399.52	379.72
ख)	भोजनालय शुल्क	477.36	495.09
ग)	बिजली शुल्क	112.05	116.16
घ)	मरम्मत एवं रखरखाव (भवन, फर्नीचर एवं उपकरणों से संबंधित)	22.02	12.37
ङ)	विविध व्यय	16.06	34.83
	कुल ग	1,027.01	1,038.17
	कुल (क+ख+ग)	**6,051.13**	**5,528.39**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 16 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
योजनेतर		
क बुनियादी ढाँचा		
क) बिजली और पावर	219.95	190.02
ख) जल प्रभार	48.89	39.35
ग) बीमा	15.86	12.10
घ) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	59.42	68.62
कुल क	**344.12**	**310.09**
ख संचार		
क) डाक और स्टेशनरी	3.07	1.28
ख) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क	59.32	60.43
कुल ख	**62.39**	**61.71**
ग अन्य		
क) मुद्रण और स्टेशनरी	43.61	50.95
ख) यात्रा और परिवहन व्यय	248.33	217.59
ग) आतिथ्य	63.14	50.90
घ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	7.70	7.00
ङ) व्यावसायिक / कानूनी शुल्क	69.32	68.35
च) विज्ञापन और प्रचार	34.80	14.03
छ) सुरक्षा प्रभार	272.57	248.69
ज) जी.एस. टी. संस्थान द्वारा वहन किया गया	379.74	198.07
झ) कार्मिक भोजनालय व्यय	18.19	21.03
ञ) विविध व्यय	75.17	95.81
ट) संपत्तियों की बिक्री पर नुकसान	5.48	-
ठ) बैंक कमीशन	7.15	5.73
ड) पूर्वछात्र खर्चे	20.03	26.99
कुल ग	**1,245.23**	**1,005.14**
कुल (क+ख+ग)	**1,651.74**	**1,376.94**

अनुसूची 17 - परिवहन व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
योजनेतर		
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)		
क) चालू खर्च	2.57	1.74
ख) मरम्मत और रखरखाव	1.31	0.40
ग) बीमा खर्च	0.78	0.46
कुल	**4.66**	**2.60**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 18 - मरम्मत एवं रखरखाव

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
योजनेतर		
क) इमारतें	284.47	421.65
ख) फर्नीचर एवं फिक्स्चर	11.26	9.90
ग) कार्यालय उपकरण	138.42	81.93
घ) कंप्यूटर	146.97	89.09
ङ) संपत्ति रखरखाव	700.98	689.47
कुल	**1,282.10**	**1,292.04**

अनुसूची 19 - मूल्यह्रास / परिशोधन

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	1,433.44	1,150.17
अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन	833.47	860.46
	2,266.92	2,010.63
घटाया : पूंजी निधि से हस्तांतरित	1,135.92	917.93
कुल	**1,131.00**	**1,092.70**

अनुसूची 20 - अन्य खर्चे

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
योजनेतर		
क) अपरिवर्तनीय शेष खारिज किया गया	-	10.87
कुल	**-**	**10.87**

अनुसूची 21 - पूर्व अवधि के खर्च

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
योजनेतर		
क) मरम्मत और रखरखाव	33.25	-
कुल	**33.25**	**-**

अनुसूची 22 - नामित निधि में हस्तांतरण

(₹ लाख में)

विवरण	2019-20	2018-19
क) आईआईएमए कॉर्पस निधि	500.00	500.00
ख) परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	5,000.00	6,000.00
ग) अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	-	500.00
घ) कंप्यूटर व्ययों के लिए निधि	2,000.00	500.00
कुल	**7,500.00**	**7,500.00**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत प्रथा, तथा लेखांकन प्रोद्भवन विधि के तहत सामान्यतः भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (आई-जीएएपी) के अनुसार और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं।

वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर व्यापक रूप से तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आय और व्यय की तारीख के अनुरूप भारतीय जीएएपी के अनुसार प्रबंधकों को समीक्षाधीन अवधि के दौरान संपत्ति और देनदारियों (आकस्मिक देयताओं सहित) की प्रतिवेदित मात्रा में अनुमानों और मान्यताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता है।

प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखा के अनुमान प्रत्येक अवधि में परिवर्तनशील हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम उन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों के आस-पास की परिस्थितियों में बदलाव के बारे में संचालनकर्ता जागरूक बन जाते हैं इसलिए अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं। अनुमान में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि के दौरान प्रतिबिंबित होता है, जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और यदि सामग्री है, तो उनके प्रभाव वित्तीय विवरणों के नोट्स में प्रकट होते हैं।

3. वस्तुसूची मूल्यांकन

वस्तुसूची में भंडार, लेखन-सामग्री और उपभोग्य वस्तुएँ शामिल हैं और लागत के निचले स्तर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित हैं। लागत में खरीद की लागत और संबंधित प्रत्यक्ष लागत शामिल है। भारित औसत विधि का उपयोग करने पर वस्तुसूची की लागत लाई गई है।

4. अचल संपत्तियाँ

मूर्त संपत्तियाँ

मूर्त अचल संपत्ति कम लागत संचित मूल्यह्रास पर दर्शायी गई हैं और क्षतियाँ, यदि कोई हैं तो, उन पर दर्शायी गई हैं। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में भाड़ा, शुल्क और कर तथा परिसंपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय और अपेक्षित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाने के लिए व्यय शामिल हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय, पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य का हिस्सा हैं।

उपहार / दान के माध्यम से प्राप्त मूर्त परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इसी रूप में पूंजीगत निधि में किया जाता है।

निर्धारित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से बनी परिसंपत्तियाँ, जहाँ संस्थान में निहित ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व, पूंजीगत निधि के लिए केडिट द्वारा स्थापित किया गया है और उन्हें संस्थान की मूर्त संपत्ति के साथ विलय कर दिया गया है।

अमूर्त संपत्तियाँ

अमूर्त संपत्तियाँ अधिग्रहण की उनकी लागत, कम संचित ऋण मुक्ति और हानि नुकसान को घटाकर बताई गई हैं। अमूर्त संपत्ति वहाँ समझना है, जहाँ यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ संपत्ति के कारण उद्यम बनेंगे और जहाँ इसका मूल्य / लागत विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

संस्थान सॉफ्टवेयर निधि बनाता है और संबंधित कार्यान्वयन लागत को बढ़ाता है जहाँ इसके यथोचित अनुमान हैं कि सॉफ्टवेयर में एक स्थायी उपयोगी अवधि का फायदा मिल सके।

5. मूल्यह्रास/परिशोधन

मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास

भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों के अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार हैं। इस मामले में, जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग-अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवन का बड़ा हिस्सा आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ मूल्यह्रास की दर 5 % लागू की गई है, जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए आयकर अधिनियम द्वारा नियत दर 10% है।

परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5,000/ रु. के बराबर या उससे कम हैं, वहाँ उसे कम मूल्य की संपत्ति माना गया है और यह 100% की दर से प्रदान की गई है।

अचल परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदानों / निधियों (सरकारी और गैर-सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में मान्यता दी गई है और इसे आय एवं व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूंजीगत अनुदानों / निधियों को उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है। **अन्य खातों के नोट्स के लिए नोट 7 भी देखें।**

अमूर्त आस्तियों की ऋणमुक्ति

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को 40% (पिछले वर्ष 40%) की दर से परिशोधित ऋणमुक्त किया गया है। इस वित्तीय वर्ष से पुस्तकालय डेटाबेस और पत्रिकाओं को 100% की दर से परिशोधित किया गया है। वित्त वर्ष 2018-19 तक, ऐसी लागत को सीधे आय और व्यय खाते में से डेबिट किया गया था। लेखांकन नीति में इस परिवर्तन का संस्थान के अधिशेष या घाटे पर कोई प्रभाव नहीं है।

6. निवेश

"दीर्घकालिक निवेश" के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है। अस्थायी के अलावा, ह्रास के प्रावधान, ऐसे निवेशों को लागत में लाने के लिए किए हैं।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

7. निर्धारित / बंदोबस्ती निधियाँ

निर्धारित

दीर्घ अवधि की निधियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए निर्धारित किया गया है और इन्हीं को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बांड और सावधि जमा में निवेश किया गया है। निवेशों से आय निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेशों का एक बड़ा समूह है। व्यय और अग्रिम को इन निधि में नामे किया जाता है। परिसंपत्तियाँ निर्धारित निधियों से बनाई गई हैं जहाँ संस्थान का स्वामित्व निहित है, और इन्हें पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की संपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है और निवेशों तथा उपार्जित ब्याज द्वारा परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व किया गया है।

बंदोबस्ती निधि

विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त वित्तपोषण ही बंदोबस्ती निधि है, जो अध्यक्षनिधि और पदकों एवं पुरस्कार के लिए स्थापित किया गया है। इसी को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बॉन्ड और सावधि जमाओं में निवेश किया गया है।

निवेश से प्राप्त आय औसत मासिक निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेश का एक समूह है और प्रत्येक कोष में औसत मासिक अंतः शेष के अनुपात में इन्हें आवंटित किया गया है। संबंधित बंदोबस्ती निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पदकों और पुरस्कारों पर व्यय किया गया है और शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है।

अध्यक्षनिधि के संबंध में, ब्याज आय की कमी के मामले में बंदोबस्ती निधि का कार्पस इस्तेमाल किया जा सकता है। शेष राशियों को निवेश और उपार्जित ब्याज के रूप में दर्शाया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

नामांकन फीस को छोड़कर "कार्यकारी पाठ्यक्रम के लिए पीजीपी" छात्रों की फीस जो रसीद के आधार पर प्राप्त होती है उसे प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है और "आस्थगिक शुल्क" को छात्रों द्वारा उनके प्रवेश नहीं लेने की पुष्टी के आधार पर गिना जाता है।

आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजीगत प्राप्ति के रूप में माने गए हैं और कॉर्पस / पूंजीगत निधि के तहत दर्शाए गए हैं।

भूमि और भवन, स्थानन शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियाँ और निवेश पर ब्याज से प्राप्त आय को प्रोद्भवन आधार पर गिना गया है।

वर्ष के अंत में जारी अनुसंधान, परामर्शन, सीईई और ओईपी परियोजनाओं से आय को संबंधित परियोजना के तहत वर्ष के दौरान किए गए खर्च की सीमा तक आय एवं व्यय तथा संस्थान के हिस्से को आनुपातिक रूप से विभाजित करके खाते में मान्यता दी गई है, क्योंकि संस्थान के शेयर और परियोजना से आय के संकायों के शेयर परियोजना रूप से बंद होने तक निर्धारित नहीं होते हैं।

दान, बीमा दावे से प्राप्तियाँ और कैट फीस से अंशदान, प्राप्ति के आधार पर गिना गया है।

9. निवेश पर ब्याज

निधि के प्रशासन के लिए वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज का 1% समायोजित करने के बाद वर्ष के दौरान औसत मासिक निवेश पर अर्जित औसत ब्याज की औसत दर के आधार पर निर्धारित, बंदोबस्ती तथा अन्य निधियों में निवेश पर ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया जाता है। ऐसी राशि को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

कॉरपस निधि में से निवेश पर ब्याज और कोई अतिरि निवेश को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

10. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर की गई है। इस अवधि के दौरान अदा की गई विदेशी मुद्रा के लेन-देन के संबंध में होने वाले कुल विनिमय लाभ या हानि को आय एवं व्यय खाते में दर्शाया गया है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को पूंजी अनुदान के रूप में माना गया है और निर्धारित निधि शीर्ष के तहत दिखाया गया है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय एवं व्यय खाते में परिसंपत्तियों को उपयोगी अवधि पर एक व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को अधिकतम उपयोग किया गया है, जैसे उन्हें वर्ष की आय के रूप में माना गया है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया गया है और तुलन पत्र में देयता के रूप में दर्शाया गया है।

12. प्रायोजित परियोजनाएँ

जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को अन्य देयताएँ - वर्तमान देयताएँ शीर्षक के तहत जारी प्रायोजित परियोजनाओं के सामने प्राप्तियाँ शीर्षक में दर्शाया गया है। ऐसी परियोजनाओं के लिए जब भी व्यय किया जाता है / ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, तब ये व्यय/अग्रिम भुगतान संबंधित परियोजना खाते के खर्चे में लिखा जाता है।

13. सेवानिवृत्ति लाभ

परिभाषित लाभ योजना के तहत सभी पात्र कर्मचारियों को भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड), एक परिभाषित योगदान योजना और ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति पेंशन से लाभ प्राप्त हुआ। कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति की भरपाई करने का भी अधिकार है।

नियत दरों पर नियमित योगदान भविष्य निधि में किया जाता है। ग्रेचुइटी, सेवानिवृत्ति पेंशन और कर्मचारियों के लिए संचित छुट्टी का प्रावधान अनुमानित लाभ दायित्व विधि (पीबीओ विधि) का उपयोग करके किया गया है।

14. आय कर

आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी)(vi) के तहत इस संस्थान की आय आयकर से मुक्त है, इसीलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

आयकर पुनर्प्राप्ति योग्य निवेश, व्यावसायिक शुल्क और प्लेसमेंट आय पर ब्याज से कटौती करने से संबंधित है।

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक संपत्तियाँ

माप में पर्याप्त अनुमानित आकलन से संबंधित प्रावधानों को मान्यता प्राप्त है, जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होते हैं और यह संभावित है कि संसाधनों का उत्प्रवाह होगा। जिन प्रावधानों के भुगतान करना जरूरी था उन्हें नियमित रूप से समीक्षित किया गया है और दायित्व के मौजूदा सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहाँ आवश्यक रहा वहाँ उन्हें समायोजित किया गया है।

जहाँ कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं बनाया जा सकता है, वहाँ आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकटीकरण किया गया है। जहाँ एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के उत्प्रवाह की संभावना बहुत कम है, वहाँ कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया गया है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है लेकिन एक नोट के माध्यम से खातों में उनका खुलासा किया गया है। वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता प्राप्त है और ना ही स्पष्ट किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 24 : खातों के लिए अन्य नोट

1. आकस्मिक देयताएँ

(क) सेवा कर की माँग विवाद में है
474.82 लाख रुपए (पिछले वर्ष 11,325.63 लाख रुपए)

(ख) संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है
शून्य (पिछले वर्ष शून्य रुपए)

(ग) विद्युत ड्यूटी (कर)
34.69 लाख रुपए (पिछले वर्ष 34.69 लाख रुपए)

(घ) श्रम न्यायालय और उच्च न्यायालय में कर्मचारियों से संबंधित लंबित केस

न्यायालय का नाम	केसों की संख्या	केसों का संक्षिप्त विवरण	राशि
श्रम न्यायालय	4	आवेदक सेवा की निरंतरता के साथ सेवा की निरंतरता के लिए बहाली की माँग करता है, आवेदक एक विशेष अवधि के लिए वेतन और मंहगाई भत्ते की माँग करता है।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।
उच्च न्यायालय	6	याचिकाकर्ता ने सेवा की निरंतरता के साथ पिछले पूर्ण वेतन और अपनी सेवाओं की बर्खास्तगी को चुनौती देते हुए श्रम न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (अग्रिम का कुल) **35,246.09** लाख रुपए (पिछले वर्ष 28,090.20 लाख रुपए) हैं, जिसका उपयोग परिसर एवं अवसंरचना निधि से किया जाएगा।

3. वर्तमान परसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम से कम तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है। मौजूदा परिसंपत्तियों, वर्तमान देनदारियों, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि पुष्टि के अधीन हैं।

4. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयु कार्यालय, अहमदाबाद कार्यालय से पत्र संख्या CC-IV/ABD/10 (23C) cell/10 (23C) (vi) IIM/2010-11/1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर में छूट प्राप्त कर ली है। यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है।

संस्थान को पूरी तरह धर्मार्थ मंडल के रूप में मान्यता प्राप्त है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12ए(ए) के तहत संस्थान का पंजीकरण किया गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	2019 – 2020 रुपए	2018 – 2019 रुपए
क) विदेशी यात्रा	61.02	164.27
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	857.41	810.20
ग) अन्य	400.00	110.71

6. विदेशी मुद्रा में आय

(रु. लाखो में)

विवरण	2019 – 2020 रुपए	2018 – 2019 रुपए
क) परियोजना, कार्यक्रम, दान और फीस से आय	650.13	869.83
ख) स्थानन आय	57.25	26.11

7. भवनों का मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आयकर अधिनियम,1961 में निर्दिष्ट के अनुसार किया गया है। यह मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की दरों के अनुरूप नहीं है। उक्त तरीके के प्रभाव को निर्धारित नहीं किया जा सकता है क्योंकि संपत्तियाँ बहुत पुरानी हैं और उनकी पूंजीकरण की तारीख आदि के बारे में विवरण उपलब्ध नहीं हैं।

8. शुरुआती वर्षों में संस्थान ने भारत सरकार और गुजरात सरकार से प्राप्त अनुदानों का उपयोग करके पूंजीगत संपत्ति का निर्माण किया था। हालांकि इन वर्षों में परिसंपत्तियों का इससे अधिक मूल्यह्रास किया गया था, अनुदान राशि को किसी विशेष संपत्ति के रूप में अनुदान को लिंक नहीं करने के कारण आय और व्यय खाते (मूल्यह्रास के अनुपात में) में स्थानांतरित नहीं किया गया था। वर्ष के दौरान, वित्त समिति ने इन अनुदानों को चरणबद्ध तरीके से 10 वर्षों के अंतराल में आय और व्यय खाते में चुकता करने का निर्णय लिया है। तदनुसार, इस प्रभाव के कारण वर्तमान वर्ष के लिए मूल्यह्रास व्यय **161.97 लाख** रुपए से कम है।

9. संस्थान ने पीजीपीएक्स पाठ्यक्रम की आपत्ति पर सेवाकर / जीएसटी जमा किया है। 31 मार्च 2020 तक **224.62 लाख** रु. (पिछले वर्ष 960.50 लाख रुपए) के भुगतान को अनुसूची-7 में विरोध के तहत सेवाकर भुगतान (पीजीपीएक्स) के रूप में दर्शाया गया है और तदनुसार इसे अनुसूची-3 में छात्रों को सेवाकर प्रतिदेय (पीजीपीएक्स) के रूप में प्रकट किया गया है। इसी राशि को जब भी, जैसे ही इस विवाद का समाधान कर लिया जाता है तभी एवं वैसे ही समायोजित / वापिस कर दिया जाएगा।

10. संस्थान ने दुबई इंटरनेशनल फाइनेंस सेंटर, दुबई में एक शाखा पंजीकृत की है। इस तरह की शाखा के वित्त संस्थान के वित्त के साथ समेकित है। संस्थान के निर्णय के अनुसार, दुबई शाखा के लिए व्यय की गई राशि **94.71 लाख** रुपए रिसर्च पब्लिकेशन एंवं ध्रस्ट एरिया फंड से ली गई है।

11. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए लेखांकन और प्रस्तुतीकरण मानदंडों के आधार पर वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनःगठित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
एर्रोल डिसूज़ा	**उमेश दलाल**	**वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी**
निदेशक	मुख्य वित्तीय अधिकारी	कार्यालय प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) गुजरात
		लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009

दिनांक : 31/07/ 2020

स्थान : अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I. अथ शेष		-	I. व्यय		
क) नकद शेष	0.10	0.16	क) स्थापना व्यय	8,435.93	8,766.91
ख) बैंक में शेष		-	ख) अकादमिक व्यय	2,954.06	3,675.93
i. रुपये खातों में	659.04	2,908.88	ग) प्रशासनिक व्यय	1,753.46	1,467.87
ii. जमा खातों में	6,012.82	11,925.99	घ) परिवहन व्यय	4.66	2.60
iii. बचत खाते में	3,166.97	5,695.32	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	1,289.97	1,288.23
iv. एफ़सी खातों में	22.82	12.29	च) पूर्व अवधि व्यय	33.25	-
ग) हस्तगत स्टेम्प	2.51	2.07			-
		-			-
II. प्राप्त अनुदान		-	II. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के लिए भुगतान	1,290.00	1,237.66
क) भारत सरकार से	320.00	390.00			-
ख) राज्य सरकार से	-	-			-
ग) अन्य स्रोतों से	-	-			-
III. अकादमिक प्राप्तियाँ	15,312.22	14,124.56	III. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान	6,806.07	6,555.60
IV. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से प्राप्तियाँ	3,662.61	5,128.76	IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	183.06	102.62
V. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से प्राप्तियाँ	10,852.40	13,039.78	V. निवेश एवं सावधि जमा किए गए	37,987.35	40,643.60
VI. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति से प्राप्तियाँ	39.62	27.14	VI. अचल परिसंपत्तियों एवं जारी पूंजीगत कार्यों पर व्यय		-
VII. निवेशों से आय	6,855.02	7,848.11	क) अचल संपत्तियाँ	1,371.73	811.92
		-	ख) पूंजीकार्य प्रगति में (पूंजीगत अग्रिम सहित)	6,475.08	1,988.11
VIII. ब्याज प्राप्त हुआ		-	VII. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		-
क) बैंक जमा	2,368.82	1,208.99	क) दी गई जमाराशियाँ	-	10.72
ख) बचत बैंक खाते	200.52	190.34	ख) जमा राशि का पुनर्भुगतान	-	1.12
		-	ग) वैधानिक देयताओं में वृद्धि	-	530.08
IX. निवेश और सावधि जमा का नकदीकरण	24,380.24	15,881.92	VIII. अनुदान की धनवापसी	-	-
X. अन्य आय		-	IX. जमा एवं अग्रिम		-
क) भूमि एवं इमारतों से आय	460.00	399.74	क) सुरक्षा जमा	22.15	1.15

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ख) अन्य	1,103.28	663.02			-
XI. जमा एवं अग्रिम		-	X. अन्य भुगतान		-
क) प्राप्त जमानती धन राशि	174.94	50.12	क) व्यापक ऋणदाता और ऋण एवं अग्रिम	600.09	2,346.32
ख) जमा राशि (देयता)	4.52	-	ख) कर्मचारियों को अग्रिम (कुल)	-	7.70
ग) जमा का नकदीकरण (संपत्ति)	398.82	-	ग) स्टॉक में परिवर्तन	-9.03	14.60
घ) वैधानिक दायित्व में कमी	199.67	-	घ) टीडीएस प्राप्य में वृद्धि/कमी	-747.04	581.86
ङ) अग्रिम वापस मिला (कर्मचारी)	23.08	-			-
XII. विविध प्राप्तियाँ (वैधानिक प्राप्तियाँ)	-	-	XI. समापन शेष		-
XII. अन्य प्राप्तियाँ		-	क) नकद शेष	0.10	0.10
क) संपत्ति की बिक्री	50.18	6.55	ख) बैंक शेष		-
ख) छुटपुट लेनदारों में वृद्धि और अन्य देयताएँ	79.87	395.12	i. रुपये खातों में	942.78	659.04
			ii. जमा खातों में	4,692.72	6,012.82
			iii. बचत खाते में	2,214.49	3,166.97
			iv. एफ़सी खातों में	48.69	22.82
			ग) हस्तगत स्टेम्प	0.51	2.51
कुल	**76,350.07**	**79,898.87**	**कुल**	**76,350.07**	**79,898.87**

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षर/-
एरॉल डिसूज़ा
निदेशक

हस्ताक्षर/-
उमेश दलाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ताक्षर/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009

दिनांक : 31/07/ 2020
स्थान : अहमदाबाद

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2020 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीए-क्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीए-क्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीए-क्स)

2015
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

2016
- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल
- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर (पीजीपीएक्स)

2017
- आशीष खुल्लर
- आकाश गुप्ता
- सम्यक डागा
- मिहिर पारेख (पीजीपीएक्स)

2018
- प्रखर बालासुब्रमण्यन
- अनुराग पोद्दार
- सौम्यो माधब मित्रा
- श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीराम (पीजीपीएक्स)

2019
- शुभम गोयल
- अडवाणी मनीष सुरेश
- क्षितिज जैन
- मोक्षा (पीजीपी-एफ़एबीएम)
- रोनित भट्टाचार्य (पीजीपीएक्स)

2020
- आदित्य अग्रवाल
- जोबलिया जिनेश राजेंद्र
- कार्तिकेय गुप्ता
- अनंत कृष्णन (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा
2016 श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य
2017 सुश्री शिखा शर्मा
2018 डॉ. जन्मेजय सिन्हा
2019 प्रोफ़ेसर कौशिक बसु